# गाउँ शिक्षा योजना -२०७९-२०८९

## VILLAGE EDUCATION PLAN -2023-2033

**नौमूले गाउँपालिका, दैलेख**

**कर्णाली प्रदेश, नेपाल**

**२०७९**

mswordcoverpages.com

# गाउँ शिक्षा योजना -२०७९-२०८९

# VILLAGE EDUCATION PLAN -2023-2033

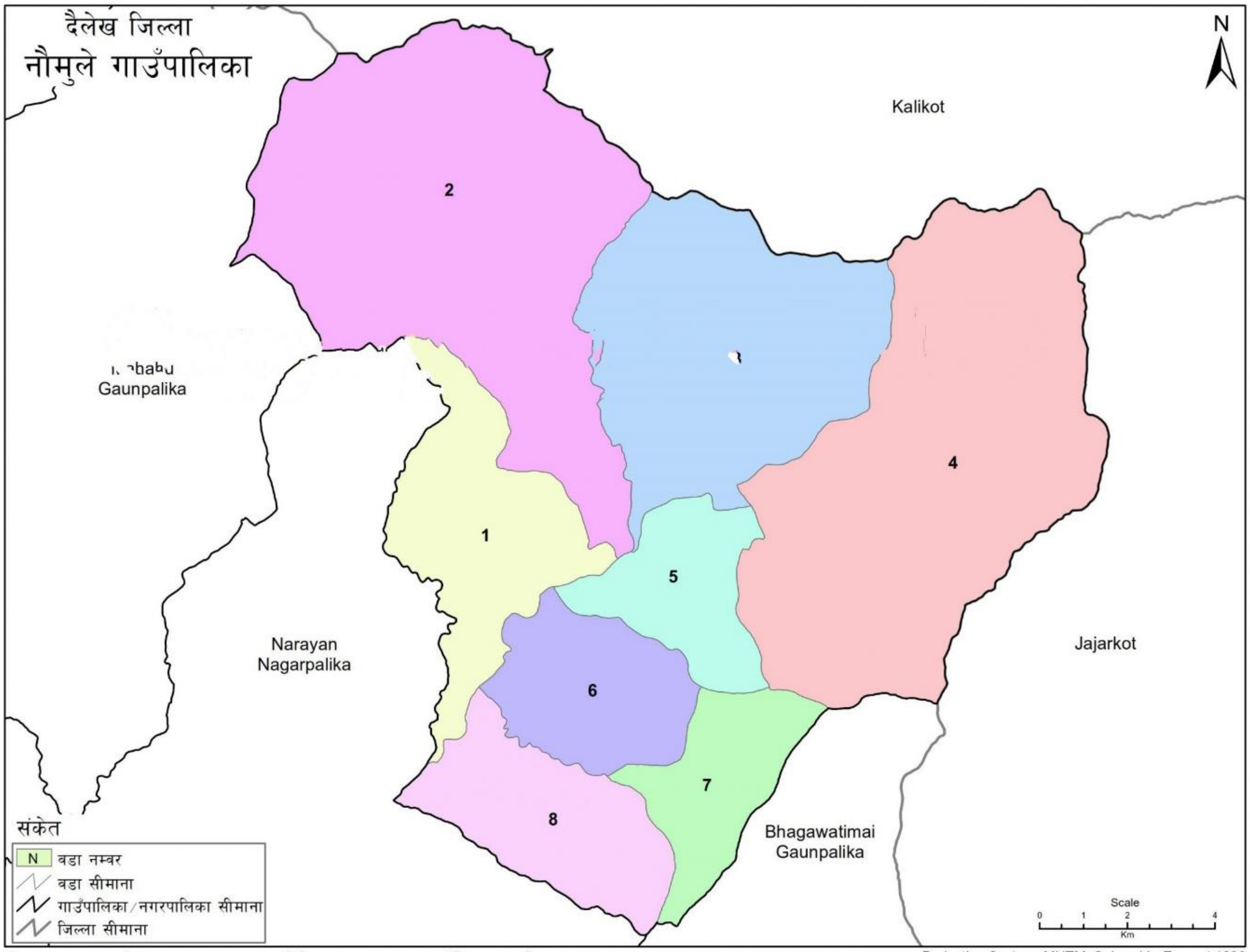


स्रोत: स्थलरुप नक्सा (स्केल १:२५००० /१:५००००), नापी विभाग र जनगणना २०६८, केन्द्रिय तथ्यांक विभाग
तयार पार्ने: गाउँपालिका, नगरपालिका तथा विशेष, संरक्षित वा स्वायत्त क्षेत्रको संख्या तथा सीमाना निर्धारण आयोग

Projection System: MUTM, Spheroid - Everest 1830
LLRC, 2016

## नौमूलेगाउँपालिका दैलेख

## कर्णाली प्रदेश

## २०७९

**शिक्षा क्षेत्रको योजना,नौमूले गाउँपालिका दैलेख २०७९ — २०८९**

**नौमूले गाउँपालिका दैलेखको कार्यपालिकाबाट स्वीकृत तथा सिफारिस:**

**नौमूले गाउँपालिका दैलेखको गाउँसभाबाट प्रमाणित:**

**सल्लाहकार**

**श्री छविराम सुबेदी, गाउँ पालिका अध्यक्ष नौमूले गाउँपालिका दैलेख**

**श्री गंग बहादुर शाही, गाउँ पालिका उपाध्यक्ष नौमूले गाउँपालिका दैलेख**

**श्री रेशम बहादुर बुढा,प्रमुख प्रसाशकिय अधिकृतनौमूले गाउँपालिका दैलेख**

**गाउँ शिक्षा योजना निर्माणकार्यदलका सदस्यहरु :**

**संयोजक:श्री दिपक कुमार हमाल**
**सदस्य: श्री नगेन्द्र बहादुर सिंह**
**सदस्य:श्री लाल बहादुर चन्द**
**सदस्य: श्रीइन्द्र बहादुर सलामी**
**सदस्य: श्री शिवलाल जैशी**
**सदस्य: श्री रविन्द्र प्रसाद शर्मा**
**सदस्य:श्री टोप बहादुर चन्द**
**सदस्य: श्री पदम प्रसाद जैशी**
**सदस्य:श्रीमान बहादुर रावत**
**सदस्य: श्री काँशिराम शर्मा**
**सदस्य सचिव : श्री अनिशा थारु**
**सदस्य:श्रीकरिमा सुनार**
**सदस्य: श्री प्रदिप खड्का**
**सदस्य:श्री मणी रुपाखेती**
**सदस्य: श्री कमल बहादुर थापामगर**
**सदस्य: श्री जिवनराज खत्रि**
**सदस्य:श्रीगंगाराम सापकोटा**
**सदस्य: श्री लाल बहादुर पुन मगर**
**सदस्य: श्री कमल थापामगर**
**सदस्य: श्री देबेन्द्र बहादुर कठायत**

**शिक्षा योजना लेखन सहजीकरण**

श्री लोक बहादुर खड्का

**आर्थिक तथा प्राविधिक सहयोग**

विश्व शिक्षा, नेपाल जलवायु परिवर्तन सहयोग कार्यक्रम २

## विषयसुचि


**परिच्छेद १ : परिचय** .... 1

१.१ पृष्ठभूमी .... 1

१.१.१ भौगोलिक तथा जनसांख्कीय स्वरुप .... 6

१.१.२ जनसंसाङ्खिक संरचना .... 8

१.१.३ सामाजिक तथा सांस्कृतिक अवस्था .... 11

१.१.४ आर्थिक अवस्था .... 12

१.२ मुख्य समस्याहरु .... 19

*१.३* शिक्षा क्षेत्रका चुनौतिहरु .... 20

१.४शिक्षा क्षेत्रका अवसरहरु .... 21

**परिच्छेद २: दुरदृष्टी, ध्येय,उद्देश्य तथा प्रमुख उपलब्धी सुचकहरु** .... 22

२.१ दुरदृष्टि .... 22

२.२ लक्ष्य .... 22

२.३उद्देश्यहरु .... 22

२.४ रणनीतिहरु .... 22

२.४कार्यनीतिहरु .... 24

२.४अपेक्षित उपलब्धीहरु .... 26

२.७ मुख्य कार्यसम्पादन सुचकहरु .... 27

**परिच्छेद ३ विद्यालय शिक्षाका मुख्य उपक्षेत्रहरु** .... 30

३.१ प्रारम्भिक बाल विकास तथा शिक्षा .... 30

३.१.१ परिचय .... 30

३.१.२ वर्तमान अवस्था .... 31

३.१.३ अवसर र चुनौतिहरु .... 32

३.१.४ उद्देश्यहरु .... 33

३.१.५ रणनीतिहरु .... 33

३.१.६ उपलब्धि, नतिजाहरु, प्रमुख क्रियाकलापहरु तथा लक्ष्य .... 35

३.२ आधारभूत शिक्षा .... 36

३.२.१ परिचय........................................................................................................ 36

३.२.३चुनौती तथा अबसरहरु................................................................................... 38

३.२.४ उद्देश्य ............................................................................................................ 38

३.२.५ रणनीति ............................................................................................................ 38

३.२.६उपलब्धि,नतिजा,प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्य........................................................ 39

३.३ माध्यमिक शिक्षा................................................................................................. 42

३.३ .१ परिचय.............................................................................................................. 42

३.३.२ वर्तमान अवस्था.................................................................................................. 43

३.३.३ अवसर र चुनौती.................................................................................................. 43

३.३.४. उद्देश्यहरु ......................................................................................................... 44

३.३.५ रणनीतीहरु ........................................................................................................ 44

३.३.६. उपलब्धि, नतिजा, प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्य .................................................... 45

३.४ पाठ्यक्रम र मुल्याङ्कन......................................................................................... 48

३.४.१ परिचय.............................................................................................................. 48

३.४.२ वर्तमान अवस्था.................................................................................................. 48

३.४.३  अवसर तथा चुनौतिहरु......................................................................................... 49

३.४.४ उद्देश्यहरु ......................................................................................................... 49

३.४.५ रणनीतिहरु ........................................................................................................ 49

३.४.६ उपलब्धी, नतिजा, प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्य...................................................... 50

३.५ शिक्षक ब्यवस्थापन तथा विकास ............................................................................ 52

३.५.१  परिचय.............................................................................................................. 52

३.५.२ वर्तमान अवस्था.................................................................................................. 53

३.५.३ अवसर तथा चुनौतिहरु.......................................................................................... 59

३.५.४ उद्देश्य ............................................................................................................. 59

३.५.५ रणनीति ............................................................................................................ 60

३.५.६. उपलव्धी, नतिजा, प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्य ..................................................... 60

३.६ अनौपचारिक तथा निरन्तर शिक्षा ........................................................................... 61

३.६.१ परिचय.............................................................................................................. 61

३.६.२ वर्तमान अवस्था........................................................................................................................ 62

३.६.३ अवसर र चुनौति........................................................................................................................ 62

३.६.४ उद्देश्यहरु ........................................................................................................................ 62

३.६.५ रणनिति-........................................................................................................................ 63

३.६.६ उपलब्धि, नतिजाहरु, प्रमुख क्रियाकलापहरु तथा लक्ष्य........................................................................................ 63

३.७.५ प्राविधिक तथा व्यवसायिक शिक्षा........................................................................................................ 65

३.७.१ परिचय........................................................................................................................ 65

३.७.२ वर्तमान अवस्था........................................................................................................................ 65

३.७.३ प्राविधिक तथा व्यवसायिक शिक्षामा देखिएका चुनौतिहरु........................................................................ 65

३.७.४ उद्देश्यः ........................................................................................................................ 66

३.७.५ रणनीतिहरु ........................................................................................................................ 66

३.७.६ उपलव्धि........................................................................................................................ 66

३.७.७ नतिजा ........................................................................................................................ 66

३.७.८ प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्य........................................................................................................ 67

**परिच्छेद ४ अन्तरसम्बन्धित विषय तथा क्षेत्रहरु**........................................................................................67

४.१ शैक्षिक समता तथा समावेशी........................................................................................................ 68

४.१.१ परिचय........................................................................................................................ 68

४.१.२ वर्तमान अवस्था........................................................................................................................ 68

४.१.३ अवसर तथा चुनौतिहरु........................................................................................................ 68

४.१.४ उद्देश्यहरु ........................................................................................................................ 69

४.१.५ रणनीतिहरु ........................................................................................................................ 69

४.१.६ उपलब्धि, नतिजाहरु,प्रमुख क्रियाकलापहरु तथा लक्ष्य ........................................................................ 69

४.२ दिवा खाजा स्वास्थ्य सहित पोषण कार्यक्रम ........................................................................................ 71

४.२.१परिचय ........................................................................................................................ 71

४.२.२वर्तमान अवस्था........................................................................................................................ 71

४.२.३अवसर तथ चुनौतीहरुः ........................................................................................................ 72

४.२.४उद्देश्यहरु ........................................................................................................................ 73

४.२.५ रणनीतिहरु ........................................................................................................................ 73

४.२.६ उपलब्धि,नतिजा प्रमुख क्रियाकलाप,तथा लक्ष्य ........ 74
४.३ जलवायु परिवर्तन तथा  आपतकालिन संकटपूर्ण अवस्थामा शिक्षा ........ 75
४.३.२ वर्तमान अवस्था ........ 77
४.३.३ उद्‌देश्यहरू ........ 80
४.३.४ रणनीतिहरू ........ 81
४.४  विद्‌यालयको भौतिक पूर्वाधार विकास ........ 84
४.४.१ परिचय ........ 84
४.४.२ वर्तमान  अवस्थाः ........ 84
४.४.३अवसर र चुनौतिहरु ........ 85
४.४.४ उद्‌देश्यः ........ 85
४.५.५ रणनीतिहरू ........ 85
४.४.६ उपलब्धि,नतिजा तथा प्रमुख क्रियाकलापहरु ........ 86
४.५शिक्षामा सुचना र प्रविधि ........ 87
४.५.१ परिचय ........ 87
४.५.२ वर्तमान अवस्था ........ 87
४.५.३ अवसर र चुनौतिहरु ........ 88
४.५.४उद्‌देश्यहरु ........ 88
४.५.५ रणनीतिहरु ........ 88
४.५.६ नतिजा, क्रियाकलाप तथा लक्ष्य ........ 89
**परिच्छेद ५ विद्‌यालय सुशासन तथा व्यवस्थापन ........ 91**
५.१ संस्थागत क्षमता विकास ........ 91
५.१.१ परिचय ........ 91
५.१.२ वर्तमान अवस्था ........ 92
५.१.३अवसर तथा चुनौतिहरु ........ 92
५.१.४ उद्‌देश्यहरु ........ 93
५.१.५रणनीतिहरु ........ 93
५.१.६  उपलब्धी, नतिजा, प्रमुख क्रियाकलाप र लक्ष्य ........ 94
५.२ स्थानीय शिक्षा योजना कार्यान्वयनको प्रबन्ध ........ 95

५.२.१ परिचय ........ 95

५.२.२ वर्तमानअवस्था ........ 96

५.२.३ उद्देश्यहरू ........ 96

५.२.४ रणनीतिहरू ........ 97

५.२.५ उपलब्धि, नतिजा, प्रमुखक्रियाकलापर लक्ष्य ........ 97

५.३ अनुगमन तथा मूल्याङ्कन ........ 98

५.३.१ परिचय ........ 98

५.३.२ वर्तमान अवस्था ........ 99

५.३.३अवसर र चुनौतिहरु ........ 100

५.३.४उद्देश्यहरुः ........ 100

५.३.५रणनीतिहरु ........ 101

५.३.६ उपलब्धि, नतिजाहरु,प्रमुख क्रियाकलापहरु तथा लक्ष्य ........ 101

**परिच्छेद ६ लगानी र स्रोत व्यवस्थापन ........ 102**

६.१ परिचय ........ 102

६.२ वर्तमान अवस्था ........ 103

६.३ अवसर तथा चुनौतिहरु ........ 104

६.४ उद्देश्य ........ 105

६.५ रणनीतिहरु ........ 105

६.६ स्रोतको अनुमान र विश्लेषण ........ 106

६.७ प्रस्तावित कार्यक्रम तथा वजेट अनुमान ........ 106

**परिच्छेद ७ मुख्य उपलब्धी सुचकहरु ........ 109**

७.१मुख्य कार्यसम्पादन सुचकहरु ........ 109

७.२सक्षमताका सुचकहरु ........ 111

**अनुसूचिहरु ........ 112**

**महत्वपूर्ण लिंकहरु ........ 121**

**सन्दर्भ सामग्रीहरु ........ 121**

# परिच्छेद १ : परिचय

## १.१ पृष्ठभूमी

शिक्षा सामाजिक तथा आर्थिक रुपान्तरणको मुल आधारहो। शिक्षाको माध्यमबाट नै व्यक्तिले आफु, आफ्नो समुदाय र राष्ट्रको परिवर्तनको लागि सशक्त भुमिका खेल्नसक्छ। त्यसैले नै, समाज रुपान्तरण तथा परिवर्तन, सामाजीकिकरण, सामाजिक न्याय, शान्ति स्थापनाको आधारका साथै आर्थिक वृद्धि तथा वातावरणीय संरक्षणको एक प्रभावशाली शक्ति, उत्प्रेरक, माध्यमका रुपमा शिक्षा रहदैआएको छ। शिक्षाले राष्ट्र निर्माण तथा विकासको लागि चाहिने मानव संसाधनको विकासमा अहम् भुमिका रहेको छ। गाँउपालिकाको शिक्षा विकास नै समग्र गाउँ विकासको एक प्रमुख आधार हो।

नेपालको वर्तमान संविधानले आधारभूत तह सम्मको शिक्षालाई अनिवार्य र नि:शुल्क गरेको छ भने माध्यमिक तह सम्मको शिक्षालाई नि:शुल्क गर्ने हकको सुनिश्चत गरेको छ। त्यसैगरी, अपाङ्गता भएका तथा आर्थिक रुपले पिछाडिएका बालबालिकाहरुको शिक्षामा कानुन बमोजिम नि:शुल्क गर्ने कुराको समेत सुनिश्चत गरेको छ।संघीय स्वरुपको राज्य व्यवस्था भए अनुरुप तीनै तहका सरकारहरु स्थापना भई क्रियाशिल अवस्थामा छन्। सबै सरकारहरुका आ-आफ्ना परिवेश भए अनुरुप र प्राप्त अधिकार बमोजिम शिक्षा क्षेत्रलाई फरक ढङ्गबाट सम्बोधन गर्नुपर्ने अवस्था सिर्जना भइसकेको छ। तीनै तहका सरकारहरुले समन्वयात्मक ढंगबाट शिक्षा क्षेत्रको विकासको लागि योजना बनाइ परिवर्तित मर्म र गन्तव्यहरुलाई उक्त योजनामा प्रतिविम्वित गर्दै राष्ट्रले लिएका लक्ष्यहरु पुरा गर्नु आजको आवश्यकता हो।

स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को परिच्छेद ६ (२४, १) मा योजना तयारको सन्दर्भमा नीतिगत ब्यवस्था भएको छ। गाऊँपालिकाले आफ्नो क्षेत्राधिकारको विषयमा आवधिक, बार्षिक, क्षेत्रगत योजनाहरु बनाउनुपर्ने, यसरी योजना बनाउँदा संघ र प्रदेश सरकारको नीति, लक्ष्य तथा उद्देश्यसँग तादात्म्यता कायम गर्नुपर्ने, वातावरण संरक्षण तथा जलवायु परिवर्तन, लैंगिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरण, विपद् व्यवस्थापन, सुशासन आदि विषयलाई ध्यान दिनुपर्ने, छिटो र उच्च प्रतिफल दिने, रोजगारीमूलक, दीगो एवं सामाजिक न्याय अभिवृद्धि गर्ने विषयलाई प्राथमिकता दिने, स्थानीय तहले मध्यम तथा दीर्घकालीन प्रकृतिका आयोजनाहरुको सूची (Project Bank) तयार गर्नुपर्ने, सहभागितामूलक योजना तर्जुमाको पद्धति अवलम्बन गर्ने र सरोकारवालाहरुको अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित गर्नेजस्ता विषयहरुका विषयमा नीतिगत भए बमोजिम नै क्षेत्रगत योजना तयार गर्नु नीतिगत ब्यवस्था छ।

नेपाललाई वि.सं. २०७९ (सन् २०२३) सम्ममा अल्पविकसित राष्ट्रको स्तरबाट विकासशील राष्ट्रमा स्तरोन्नति गर्न र वि.सं. २०८९ (सन् २०३३) सम्ममा मध्यम आय भएको मुलुकको स्तरमा रूपान्तरण गर्न आवश्यक जनशक्ति उत्पादन गर्नका साथै नेपालले सरकारले राखेको २५ बर्षीय दीर्घकालिन सोच संमृद्द नेपाल खुसी नेपाली सहितको राष्ट्रको विकासमा पनि शिक्षा क्षेत्रको विकास र सुधार आजको अपरिहार्यता रहेको छ। संघीय शासन प्रणाली

अन्तरगत सहकारिता समन्वय र सहअस्तित्वको मुल मर्मलाई आत्मसात गर्दै"संमृद्द नेपाल सुखीनेपाली"को लक्ष्य प्राप्तिमा स्थानीय सरकारको सहभागिता र योगदान सुनिश्चत गर्न स्थानीय सरकारले सहयोग पुर्याउनु आजको अपरिहार्यता छ ।

स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ ले स्थानीय सरकारलाई शिक्षाका २३ अधिकारहरु को व्यवस्थाको प्रभावकारी कार्यान्वनयका साथै, नेपाल सरकारले तय गरेका शिक्षा क्षेत्रको १० बर्ष योजना, शिक्षा नीति २०७६, विद्यालय सबलीकरण दशक (२०७६-२०८५), १५ बर्षे दिगो विकासको लक्ष्य, १५ औं आवधिक योजनाले तय गरेका लक्ष्यहरु पुरा गर्नका लागिर त्यसको कार्यान्वनयमा पनि स्थानीय सरकारले सहयोग समन्वय तथा आत्मीकरण गर्नु आवश्यक रहेको छ । त्यसैगरी सन् २०३० सम्म प्राप्त गर्ने भनेर तय भएका १७ वटा दिगो विकासका लक्ष्यहरु मध्ये लक्ष्य नं ४ मा सबैका लागि समावेशी र समतामुलक गुणस्तरीय शिक्षाको सुनिश्चितता तथा आजीवन सिकाइका अवसरहरु प्रोत्साहित गर्ने लक्ष्य निर्धारण गरेको छ । जसको लागि ७ उद्देश्यहरु तथा ३ माध्यमहरु तय गरेको छ । त्यसको साथै यस गाउँपालिकाले पनि समग्र पालिकाको विकास र परिवर्तनका लागि केहि सोच, लक्ष्य, उदेश्य सहित शिक्षा क्षेत्रको नीति तय गरेको छ ।

हरेक आवमा स्थानीय सरकारले बार्षिक बजेट तथा कार्यक्रम तयार गर्नु पर्ने हुन्छ र आगमि दिनमा एकमुष्ट संघीय सरकारबाट बजेट प्राप्त हुने र त्यसबाट स्थानीय सरकार आँफैले बार्षिक कार्यक्रम बनाउनु पर्ने सन्दर्भ रहेको छ । हालै कोभिड १९ ले शिक्षा क्षेत्रमा पारेको प्रभावलाई मध्यनजर गर्दै शिक्षा क्षेत्रको सुधारका लागि एवम् गाउँपालिकामा भएका सिमित स्रोत साधन तथा शिक्षा क्षेत्रको सुधारका असिमित आवश्यकता तथा समस्याहरुको सम्बोधनका लागि पनि व्यवहारिक रुपमा कार्यान्वयनयोग्य योजनाको विकल्प नभएको हालको अवस्था रहेको छ ।

उल्लेखित सन्दर्भमा राज्यको शिक्षा सम्बन्धी नीति, कार्यक्रम, लक्ष्य, तथा उदेश्य पुरा गर्न स्थानीय गाउँपालिकाका आवश्यकताहरु पुरा गर्न गाँउपालिकाको आफ्नो परिवेश अनुसारको शिक्षा क्षेत्रको १० बर्ष योजना तयार गर्नु आजको आवश्यकता रहेको निष्कर्ष रहेको छ । साथै सबै सहभागिहरुबाट जिल्लाका सबै स्थानीय सरकारहरुले शिक्षा क्षेत्रलाई ब्यवस्थित गर्न पालिका स्तरमा शिक्षा प्रोफाइल तथा शिक्षा योजना अति नै आवश्यक रहेको र तयार गर्ने प्रतिबद्धगरे बमोजिम योजना निर्माणको कार्यलाई अगाडि बढाइएको हो ।

नेपालको संविधान २०७२ ले पनि शिक्षालाई प्राथामिकतामा रहेको पाइन्छ । नेपालको संविधानको २०७२ को भाग ३ मा मौलिक हकको व्यवस्था गरिएको छ । जस अन्तर्गत धारा ३१ मा शिक्षा सम्बन्धी हक उल्लेख छ । धारा ३१ मा शिक्षालाई नागरिकको आधारभूत अधिकारको रुपमा व्यवस्था गरिएको देखिन्छ भने प्रत्येक नागरिकलाई आधारभूत शिक्षामा पहुँचको हक हुने, प्रत्येक नागरिकलाई आधारभूत तहको शिक्षा अनिवार्य र निःशुल्क शिक्षा तथा माध्यमिक तहसम्म निःशुल्क शिक्षा पाउने हक हुने, अपाङ्गता भएका र आर्थिक रुपले विपन्न नागरिकलाई कानुन बमोजिम निःशुल्क उच्च शिक्षा प्राप्त गर्ने हक हुने, दृष्टिविहीन नागरिकलाई ब्रेललिपि तथा बहिरा र स्वर वा बोलाइ सम्बन्धी अपाङ्गता भएका व्यक्तिलाई साङ्केतिक भाषाको माध्यमबाट कानुन बमोजिम निःशुल्क शिक्षा पाउने हक हुने र नेपालमा बसोबास गर्ने प्रत्येक नेपाली समुदायलाई कानून बमोजिम आफ्नो मातृभाषामा शिक्षा पाउने र त्यसका लागि विद्यालय तथा शैक्षिक संस्था खोल्ने र सञ्चालन गर्ने हक हुने कुरा उल्लेख गरिएको छ ।

त्यसैगरी संविधानको धारा ३८ मा महिलाको हक अन्तरगत उपधारा (५)मा महिलालाई शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगारी र सामाजिक सुरक्षामा सकारात्मक विभेदका आधारमा विशेष अवसर प्राप्त गर्ने हक हुनेछ भन्ने उल्लेख छ। नेपालको संविधानको धारा ३९मा बालबालिकाको हक अन्तर्गत उपधारा (२) मा प्रत्येक बालबालिकालाई परिवार तथा राज्यबाट शिक्षा, स्वास्थ्य, पालनपोषण, उचित स्याहार, खेलकूद, मनोरञ्जन तथा व्यक्तित्व विकासको हकहुनेछ भन्ने उल्लेख गरिएकोछ। साथै सोही धाराको उपधारा (३) मा प्रत्येक बालबालिकालाई प्रारम्भिक बालविकास तथा बालसहभागिताको हक उल्लेख छ र उपधारा ७ मा कुनै पनि बालबालिकालाई घर, विद्यालय वा अन्य जुनसुकै स्थान र अवस्थामा शारीरिक, मानसिक वा अन्य कुनैकिसिमको यातना दिन पाइनेछैन भनी उल्लेख गरिएकोछ। त्यसैगरी संविधानको धारा ४० मा दलितको हक अन्तरगत उपधारा (२) मा दलित विद्यार्थीलाई प्राथमिक देखि उच्च शिक्षासम्म कानुन बमोजिम छात्रवृत्ति सहित निःशुल्क शिक्षाको व्यवस्था गरिने छ साथै प्राविधिक र व्यावसायिक उच्च शिक्षामा दलितको लागि कानुन बमोजिम विशेष व्यवस्था गरिने छ भन्ने व्यवस्था गरिएको छ।

नेपालको संविधानको अनुसूचि ५ मा केन्द्र सरकार वा संघको अधिकार सूचि भित्र शिक्षा सम्बन्धी अधिकारहरुमा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, केन्द्रीय स्तरको प्रज्ञा प्रतिष्ठान, विश्वविद्यालय मापदण्ड र नियमन तथा केन्द्रीय पुस्तकालय तोकिएको छ। त्यस्तैगरी संविधानको अनुसूचि ६ मा प्रदेशको अधिकार सूचि भित्र शिक्षा सम्बन्धी अधिकारमा प्रदेश विश्वविद्यालय, उच्चशिक्षा, पुस्तकालय, संग्रहालय तोकिएको छ साथै संविधानको अनुसूचि ८ मा स्थानीयतहको अधिकार सूचिभित्र शिक्षासम्बन्धी अधिकारहरुमा आधारभूत र माध्यमिक शिक्षा तोकिएको छ साथै संविधानको अनुसूचि ७ र ९ मा संघ, प्रदेश र स्थानीयतहको अधिकारका साझा सूचि भित्र शिक्षा समेत समावेश गरिएको छ। नेपालको संविधानले संघ प्रदेश तथा स्थानीय तहलाई निर्दष्ट गरेका एकल वा साझा अधिकारहरुको ब्यवहारिक रुपमा कार्यान्विनय गर्दै राष्टले लिएका शैक्षिक नतिजाहरुको लागि आपसी समन्वय, सहकार्यर सहअस्तित्व आजको आवश्यकता हो।

त्यसैगरी चालु अवस्थामा रहेको १५ औं आवधिक योजनाले शिक्षा क्षेत्रको विकासको लागि स्पस्ट मार्गनिर्देशन गरेको छ। यस योजनाले पनि गुणस्तरीय शिक्षा मार्फत सिर्जनशील, दक्ष, प्रतिस्पर्धी, उत्पादनशील र नवप्रर्तनशील मानव स्रोतको विकास गर्ने लक्ष्य लिएको छ भने उद्देश्यहरुमा सबै बालबालिकालाई प्रारम्भिक बालशिक्षाको अनुभवसहित आधारभूत शिक्षा अनिवार्य तथा निःशुल्क र माध्यमिक शिक्षामा निःशुल्क पहुँच सुनिश्चित गरी शिक्षालाई गुणस्तरीय, जीवनोपयोगी र प्रविधिमैत्री बनाउनु, प्राविधिक शिक्षा तथा व्यावसायिक सीप विकासमा समावेशी र समतामूलक पहुँच विस्तार र गुणस्तर सुनिश्चित गर्नु, पहुँच र गुणस्तर अभिबृद्धि गरी उच्च शिक्षालाई वैज्ञानिक, नवप्रवर्तनात्मक, अनसुन्धानात्मक, प्रविधिमैत्री र रोजगारमूलक बनाउँदै ज्ञानमा आधारित समाज र अर्थतन्त्र निर्माण गर्नु, सबै नागरिकका लागि जीवनपर्यन्त शिक्षाको अवसर सुनिश्चित गर्नु तथा संघीय संरचना अनुरूप सबै तहका शैक्षिक-प्रशासनिक निकाय र शिक्षण संस्थामा सुशासन कायम गर्नु रहेका छन्।

शिक्षा क्षेत्रको सुधार तथा विकासको लागि नेपाल सरकारले शिक्षा नीति २०७६ पनि जारी गरेको छ। उक्त नीतिले शिक्षा क्षेत्रमा सबै तहको शिक्षालाई प्रतिस्पर्धी, प्रविधिमैत्री, रोजगारमूलक र उत्पादनमुखी बनाई देशको आवश्यकता अनुरुपको मानव संशाधन विकास गर्ने लक्ष्य राखेको छ। त्यसैगरी यस नीतिले उद्देश्यहरुमा

बालबालिकाको सर्वाङ्गीण विकासमा केन्द्रित प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षालाई गुणस्तरीय र प्रभावकारी बनाउनु, आधारभूत शिक्षामा सबैको सहज एवं समतामूलक पहूँच र निरन्तरता सुनिश्चित गर्दै सर्वव्यापी, जीवनोपयोगी, प्रतिस्पर्धी एवं गुणस्तरयुक्त अनिवार्य तथा निःशुल्क शिक्षाको प्रत्याभूति गर्नु, गुणस्तरीय माध्यमिक शिक्षामा सबैको निःशुल्क पहूँच सुनिश्चित गर्दै सिर्जनशिलता, रचनात्मकता, अध्ययनशीलता, सकारात्मक चिन्तन र सदाचार जस्ता गुण सहितको प्रतिस्पर्धी, सीपयुक्त एवं उत्पादनशील जनशक्ति तयार गर्नु, प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा र तालिमका अवसरहरूलाई व्यापक विस्तार गरी सबै इच्छुक नागरिकहरूका लागि समावेशी एवं समतामूलक पहूँच स्थापित गर्दै देश विकासका लागि योग्य, सक्षम, सीपयुक्त र उद्यमशील जनशक्ति तयार पार्नु, ज्ञानमा आधारित समाज र अर्थतन्त्र निर्माणका लागि उच्च शिक्षाको पहूँच र गुणस्तर अभिबृद्धि गरी विभिन्न क्षेत्रहरूमा सक्षम नेतृत्व प्रदान गर्न सक्ने योग्य, दक्ष, बैज्ञानिक, नवप्रवर्तनात्मक, अन्तर्राष्ट्रिय स्तरमा प्रतिस्पर्धी र अनुसन्धानमुखी मानव संशाधन विकास गर्नु, नेपाललाई पूर्ण साक्षर मुलुक तुल्याई अनौपचारिक, वैकल्पिक, परम्परागत र खुला शिक्षाका माध्यमबाट आजीवन सिकाइ संस्कृतिको विकास गर्नु , सबै प्रकारका अपाङ्गता भएका व्यक्तिका लागि गुणस्तरीय शिक्षाको पहुँच सुनिश्चित गरी जीवनपर्यन्त शिक्षाका माध्यमबाट मर्यादित जीवन यापन गर्न सक्षम र प्रतिस्पर्धी नागरिक तयार पार्नु, शिक्षा प्रणालीका विभिन्न अवयवहरूमा रहेर सेवा प्रवाह गर्ने जनशक्तिलाई उत्कृष्ट नतिजा प्रदर्शन गर्न उनीहरूको पेसागत योग्यता, सक्षमता, इमान्दारिता, प्रतिबद्धता र जवाफदेहीता सुनिश्चित गर्दै शैक्षिक सुशासन कायम गर्नु, सार्वजनिक तथा निजी शैक्षिक क्षेत्रका विद्यमान असल अभ्यासलाई सम्मिलन गर्दै निजी लगानीका शिक्षण संस्थाहरूको प्रभावकारी परिचालन, नियमन एवम् सार्वजनिक शिक्षा प्रणालीको रुपान्तरणको प्रक्रियामा सवलीकरण गर्नु, राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय अनुभव तथा अभ्यास समेतका आधारमा शैक्षिक गुणस्तर मानक तथा मापदण्ड तयार गरी सबै तह र प्रकारका शिक्षाको गुणस्तरअभिबृद्धि गर्नु, औपचारिक, अनौपचारिक र अरीतिक शिक्षाबीच अन्तरसम्बन्ध स्थापित गरी योग्यताको समकक्षता, गतिशिलता र पारगम्यता सुनिश्चित गर्दै राष्ट्रिय योग्यता प्रारुपमा आधारित शिक्षा प्रणालीको विकास गर्नु , शिक्षा प्राप्तिको संवैधानिक र कानूनी दायित्व पूरा गर्न राष्ट्रिय प्राथमिकताका आधारमा पर्याप्तता समन्यायिकता र प्रतिफलमुखी हुने गरी शैक्षिक लगानी सुनिश्चित गर्नुर व्यक्तिमा वैज्ञानिक चिन्तन र व्यवहार विकास गर्न विज्ञान तथा प्रविधिलाई शिक्षा प्रणालीमा एकिकरण गर्दै परम्परागत एवं आधुनिक प्रविधिलाई राष्ट्रिय विकासको लागि उपयोग गर्न सक्ने क्षमता विकास गर्नु राखेको छ।

दिगो विकास लक्ष्यहरू सन् २०१५ को सेप्टेम्बरमा संसारका १९३ वटा राष्ट्रहरूले संयुक्त रूपमा अङ्गीकार गरेका आवधिक विकासका दस्ताबेजहरू हुन्। संयुक्त राष्ट्र सङ्घका सदस्य राष्ट्रहरूको सहमतिमा अघि सारिएका १७ वटा दिगो विकासका लक्ष्यहरू सन् २०१६ को जनवरी १ बाट कार्यान्वय आएको र नेपाल सरकारले पनि यसका लक्ष्यहरु पुरा गर्न प्रतिबद्दता ब्यक्त गरिसकेको अवस्थमा यस ले तय गरेको शिक्षाको लक्ष्य नम्बर चारमा रहेको समावेशी तथा न्यायोचित र गुणात्मक शिक्षा सुनिश्चित गर्दै सबैका लागि जीवनपर्यन्त सिकाइका अवसरहरू प्रवद्र्धन गर्ने लक्ष्यले पनि प्रदेशको शिक्षा योजना निर्माणमा निर्देशन प्रदान गर्दछ।

त्यसैगरी यस गाँउपालिकाको शिक्षा क्षेत्रमा तलका अधिकारहरु रहेकाछन्।

- प्रारम्भिक वाल विकास तथा शिक्षा, आधारभूत शिक्षा, अभिभावक शिक्षा, अनौपचारिक शिक्षा, खुल्ला तथा वैकल्पक निरन्तर सिकाइ, सामुदायिक सिकाइ र विशेष शिक्षासम्बन्धी नीति, कानून, मापदण्ड, योजना तर्जुमा, कार्यान्वयन, अनुगमन, मूल्यांकन र नियमन।
- सामुदायिक, संस्थागत, गुठी र सहकारी विद्यालय स्थापना, अनुमति, सञ्चालन, व्यवस्थापन तथा नियमन
- प्राविधिक शिक्षा तथा व्यावसायिक तालिमको योजना तर्जुमा, सञ्चालन, अनुमति, अनुगमन र नियमन।
- मातृभाषामा शिक्षा दिने विद्यालयको अनुमती, अनुगमन र नियमन।
- गाभिएका वा बन्द गरिएका विद्यालयहरूको सम्पत्ति व्यवस्थापन,
- गाउँ तथा  शिक्षा समिति गठन र व्यवस्थापन,
- विद्यालय व्यवस्थापन समिति गठन तथा व्यवस्थापन,
- विद्यालयको नामाकरण,
- सामुदायिक विद्यालयको जग्गाको स्वामित्व, सम्पत्तिको अभिलेख, संरक्षण र व्यवस्थापन
- विद्यालयको गुणस्तर अभिवृद्धि तथा पाठ्य सामग्रीको वितरण,
- सामुदायिक विद्यालयको शिक्षक एवं कर्मचारीको दरबन्दी मिलान,
- विद्यालयको नक्सांकन, अनुमति, स्वीकृति, समायोजन तथा नियमन,
- सामुदायिक विद्यालयको शैक्षिक पूर्वाधार निर्माण, मर्मत सम्भार, सञ्चालन र व्यवस्थापन,
- आधारभूत तहको परीक्षा सञ्चालन, अनुगमन तथा व्यवस्थापन,
- विद्यार्थी सिकाइको उपलब्धिको परीक्षण र व्यवस्थापन,
- निःशुल्क शिक्षा, विद्यार्थी प्रोत्साहन तथा छात्रवृत्तिको व्यवस्थापन,
- ट्यूसन, कोचिङ जस्ता विद्यालय बाहिर हुने अध्यापन सेवाको अनुमति तथा नियमन,
- स्थानीय स्तरका शैक्षिक ज्ञान, सीप र प्रविधिको संरक्षण, प्रवर्द्धन र स्तरीकरण,
- स्थानीय पुस्तकालय र वाचनालयको सञ्चालन तथा व्यवस्थापन,
- माध्यमिक तहसम्मको शैक्षिक कार्यक्रमको समन्वय र नियमन,
- सामुदायिक विद्यालयलाई दिइने अनुदान तथा सोको व्यवस्थापन, विद्यालयको आय व्यायको लेखा अनुशासन कायम, अनुगमन र नियमन,
- शिक्षण सिकाइ र शिक्षक र कर्मचारीको दक्षता तथा क्षमता विकास,
- अतिरिक्त शैक्षिक क्रियाकलापको सञ्चालन।

यसै सन्दर्भमा यस गाउँपालिकाले स्थापनाकाल देखि नै विद्यालयको गुणस्तर सुधारमा विभिन्न कार्यक्रमहरु सञ्चालन गर्दै आएको छ । मुलत विद्यालयको भौतिक सुधार, विद्यार्थीहरुका प्रतिभाहरुको विकासका लागि विद्यार्थी प्रतिभा पहिचान कार्यक्रम सञ्चालन, विद्यार्थीहरुको शारीरिक तथा वौद्धिक विकासका लागि खेलकुद

कार्यक्रम सञ्चालन, प्रारम्भिक बालविकास तथा प्रारम्भिक कक्षाको पठनसीप विकास, शिक्षक तथा विद्यालय कर्मचारी साथै प्रारम्भिक वालविकास केन्द्रका सहयोगी कार्यकर्ताहरुलाई पेशागत विकासका लागि विभिन्न प्रकारका तालिमहरु सञ्चालन, शैक्षिक गुणस्तर सुधारका लागि प्रधानाध्यापकहरुको नियमित बैठक सञ्चालन, समावेशी शिक्षा सम्बन्धी अभिमुखिकरण, सुचना प्रविधी सम्बन्धी तालिम, विव्यस अध्यक्ष तथा प्रधानाध्यापकहरुका लागि कार्यक्रम कार्यान्वयन पुस्तिकाको अभिमुखिकरण तथा क्षमता अभिवृद्धि तालिम, शैक्षिक तथ्याङक तथा लेखा व्यवस्थापन तालीम सञ्चालन, विपद व्यवस्थापन तथा जोखिम न्युनिकरण सम्बन्धी अभिमुखिकरण तालिम, पाठ्यक्रम प्रवोधिकरण कार्यशाला, जलवायु परिवर्तन तथा अनुकुलन सम्बन्धी अभिमुखिकरण तालिम, आवधिक विद्यालय अनुगमन तथा शिक्षकको पेशागत सहयोग सहित सिकाइ सुधारमा जोड दिईदै आएको छ।

### १.१.१ भौगोलिक तथा जनसांख्कीय स्वरुप

गाँउपालिकाको संक्षिप्त परिचय  नेपालको संविधान २०७२ ले संघीय राज्यको निर्माणका साथै तिन तहको राज्य प्रणालीको व्यवस्था गरे अनुरुप साविकका स्थानीय निकायहरु स्थानीय तहमा परिणत भएका छन संविधानले स्थानीय तहलाई अधिकार सम्पन्न बनाएको छ, राज्य शक्ति एक ठाउमा केन्द्रित नगरी विभिन्न तह र तप्काबाट प्रयोग गर्ने ब्यबस्था भए अनुरुप “जलविद्युत, जडिवुटी, पर्यटन, पूर्वाधार व्यावसायिक कृषि र सुशासन नौमूलेका मुल आधार,” यहि मुल नारा लाई आत्मसाथ गर्दै दैलेख जिल्ला लाई पनि ४ नगरपालिका र ७ गाउँपालिका गरी ११ वटा स्थानीय तह गठन भएको छ, ७ वटा गाउँपालिका मध्ये नौमूले गाउँपालिका दैलेख जिल्लाको पुर्वी भेगमा अवस्थित एक सुन्दर र प्राकृतिक श्रोतले सम्पन्न गाउँपालिका हो, यस गाउँपालिकामा साविकका ७ गाविस मिलेर वनेको छ। यो गाउँपालिका ८१ डिग्री ४३' १३.३४" देखि ८१ डिग्री ५५' ३६.२४" देशान्तर र २८ डिग्री ४९' ५४.३९" देखि २८ डिग्री१' १०.१५" अशांश सम्म फैलिएको छ ।यस गाउँपालिको क्षेत्रफल २२८.८९ वर्ग कि.मि. र जनसख्या १९६८७ जना रहेको छ। यस गाउँपालिका लाई भौगलिक अवस्था र जनसंख्याको अनुपात अनुसार ८ वटा वडामा विभाजन गरिएको छ, यस गाउँपालिको केन्द्र साविकको नौमूले गाविसको भवन नौमूलेमा रहेको छ। करिव ८५ प्रतिशत हिन्दु धर्मालम्वीको बाहुल्यता रहेको यस गाउँपालिकामा मगर, बाहुन, क्षेत्री, ठकुरी, दलित, जनजाती, दलित तथा अल्पसंख्यक समुदायको बसोवास रहेको छ। यस क्षेत्रको प्रसिद्ध धार्मिक स्थलको रुपमा रहेको नौमूलको नामवाट यस गाउँपालिकाको नामाकरण गरिएको हो। अन्य धार्मिक तथा ऐतिहाँसिक स्थलहरुको रुपमा द्धारी झरना, तोली गुफा आदि रहेका छन।

साविकका गा.वि.स.अनुसार गाँउपालिकाको वडा विभाजन तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ। तालिका न.१ नौमूले गाँउपालिकाका साविकका गा.वि.स.हरुको विवरण।

| वडा न. | समावेश भएका साविकका गा.वि.स.हरु | साविकका वडा नं. | जनसंख्या |
|---|---|---|---|
| १ | तोली | १—९ | ३४४६ |
| २ | बालुवाटार | १—९ | ३३१० |
| ३ | द्धारी | १—९ | २६८१ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| ४ | कालिका | १—९ | २२९९ |
| ५ | नौमूले | १—९ | १६१९ |
| ६ | सल्लेरी | १—५ | २१९४ |
| ७ | सल्लेरी | ६—९ | १७०२ |
| ८ | चौराठा | १—९ | २४३६ |
| जम्मा | | | १९६८७ |

राजनैतिक विभाजन  यो गाँउपालिका साविकका नौमूले, तोली, वालुवाटार, ढ्वारी, कालिका, चौराठा र सल्लेरी(७ वटा) गाउँ विकास समितिहरुलाई समावेश गरी नौमूले गाँउपालिका २०७३ स्थानीय तहहरुको पुर्नसंरचना हुँदा विधिवत रुपमा स्थापना भएको हो । यो गाँउपालिका ८ वटा वडाहरुमा विभाजन गरिएको छ , जसमा सविकको तोली गा.वि.स.लाई वडा नं. १, बालुवाटार २, ढ्वारी ३,कालिका ४, नौमूले ५,सल्लेरी ६ र ७ चौराठा न. ८ वडामा विभाजन गरिएको छ ।

यस गाँउपालिकाको नामाकरण गरिदा नै नौ वटा पानीका मुलको नामबाट नौमूले गरिएकोले यो गाँउपालिका धार्मिक तथा सांस्कृतिक रुपले पनि भरिपूर्ण रहेको छ । ढ्वारी झरना, ढ्वारी हाईड्रोपावर, नौमूले हाईड्रोपावर, पदम खोला हाईड्रोपावर,लोहोरे हाईड्रोपावर, महावु गाँथ, तीन चुले हिमाल, र्भुसु गुफा, वासुकी गुफा, मालिका बासुकीधारा यहाँका महत्वपुर्ण धार्मिक तथा पर्यटकिय स्थलहरु हुन् ।

भौगोलिक अवस्थाको उपयोग तथा क्षेत्रफल यस नौमूले गाँउपालिकाको क्षेत्रफल २२८.८९ वर्ग कि.मि. छ । यो गाँउपालिका ० डिग्री देखि ८१ डिग्री सम्मको भिरालोपना भएको पहाडी खुला उपत्यका र खोच, खोलाको चौडाई खुला समतल र मध्येम भिरालोपन को भौगोलिक स्वरुप भएको माथिल्लो क्षेत्र धेरै भिरालो दक्षिणी भाग पहाडी मोहडा रहेको छ । समुन्द्री सतह देखि न्यूतम ९८० मिटर र अधिकतम ४१६८ मिटर उचाइ रहेको छ । या गाँउपालिकाको सदर मुकाम नौमूले बजार ९८५ मिटरको उचाइमा रहेको छ । यस गाँउपालिकाको कूल भूभाग मध्ये १४४.६२वर्ग कि.मि.वनजंगल, ४९.८२ वर्ग कि.मि. तथा ४४४० हेक्टर  क्षेत्रफल खेति योग्य जमिनले ढाकेको छ ।

| | |
|---|---|
| भौगोलिक अवस्थाः | पहाडै पहाड तर कहि कतै ५ प्रतिशत समथर रहेको छ |
| क्षेत्रफलः | २२८.८९ वर्ग कि.मि. |
| कृषियोग्य जमिन | ४९.८३ वर्ग कि.मि. |
| वनजंगल क्षेत्र | १४४.६२वर्ग कि.मि.. |
| समुद्र सतहदेखिको उचाई | न्यूतम ९८० मिटर र अधिकतम ४१६८ मिटर |
| जलश्रोत क्षेत्र | ०.०६७८वर्ग कि.मि. |
| वस्ती | ०.५४वर्ग कि.मि. |
| खुल्ला क्षेत्र | ०.००७८वर्ग कि.मि. |

यस नौमुले गाँउपालिकाको वर्तमान भू–उपयोगलाई हेर्दा सबैभन्दा बढी १४४.६२३३ वर्ग कि.मि क्षेत्रफल वन तथा चरन क्षेत्रले ओगटेको छ भने औषत बर्षा २७०२६८ मि.मि. रहेकाले कृषि क्षेत्रमा उन्नती भएको पाईन्छ। घाँसे क्षेत्र, झाँडी बुट्यानका कारण विभिन्न खाले जडिवुटीको महत्व रहेको छ। सडकले ओगटेको क्षेत्र १०९ वर्ग कि.मि. र सवै वडाहरुमा ग्राभिल सडक पुगेकाले यातायातको सुविधा रहेको छ। नौमुले गाँउपालिकामा पहाडै पहाड रहेकाले पानीको उपलब्धता धेरै छ। जसका कारण सिंचाईको संभावना, खेतीको राम्रो उब्जनी हुने देखिन्छ। सिंचाईको संभावनामा १०७९ हेक्टर जमिन, ३३६१ हेक्टर जमिन असिंचित छन्।

### १.१.२ जनसंसाङ्खिक संरचना

जातीय विविधता दैलेख जिल्ला विभिन्न जातजातिहरुको उद्गम स्थलको रहेको कुरा इतिहासकारहरुले व्याख्या गरेका छन्। जम्मा १९६८७ जनसंख्या रहेको नौमूले गाँउपालिका पनि दैलेख जिल्लाका स्थानीय तह मध्येको एक जातीय विविधता यूक्त गाँउपालिका हो यस गाँउपालिकामा वाहुन, ठकुरी, क्षेत्री,गु रुङ, मगर, दमाई, कामी, आदि जातजातिहरुको मुख्य वसोवास रहेको छ।

वडा अनुसार उमेरगत जनसंख्या वितरणको विवरण यस गाँउपालिकाका ८ वटै वडा हरुको वडा अनुसार जनसंख्या वितरणको विवरण लाई विश्लेषण गर्दा सवैभन्दा बढी वडा न.१ मा ३४४६ रहेका छन् भने सबै भन्दा कम जनसंख्या वडा न ५ मा १६१९ रहेका छन्। यहाँको जनसंख्यामा पुरुष ९४९१ र महिला १०१९६ रहेकोमा जम्मा १९६८७ जनसंख्या रहेको छ।

नौमूले गाउँपालिकाको लिङ्ग अनुसारको जनसंख्याको विवरण

| वडा | घरपरिवारको संख्या | जनसंख्या | | | औसत घरको आकार | लिङ्ग अनुपात |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | जम्मा | पुरुष | महिला | | |
| १ | ८३२ | ३४४६ | १५९८ | १८४८ | ४.१४ | ८६.४७ |
| २ | ६७२ | ३३१० | १६१७ | १६९३ | ४.९३ | ९५.५१ |
| ३ | ५४३ | २६८१ | १३४८ | १३३३ | ४.९४ | १०१.१३ |
| ४ | ४८७ | २२९९ | ११४८ | ११५१ | ४.७२ | ९९.७४ |
| ५ | ३८० | १६१९ | ७६४ | ८५५ | ४.२६ | ८९.३६ |
| ६ | ४४७ | २१९४ | १०५७ | ११३७ | ४.९१ | ९२.९६ |
| ७ | ३०३ | १७०२ | ८४१ | ८६१ | ५.६२ | ९७.६८ |
| ८ | ५५९ | २४३६ | १११८ | १३१८ | ४.३६ | ८४.८३ |
| | ४२२३ | १९६८७ | ९४९१ | १०१९६ | ४.६६ | ९३.०९ |

स्रोत : केन्द्रिय तथ्याङ्क विभाग२०७९

नौमूले गाउँपालिकाको जनसंख्यालाई वडा अनुसार घरधुरी तथा जनसंख्या विवरण ८ वटै वडा हरुको जम्मा घरधुरी संख्या ४२२३ रहेका छन्। जस मध्ये वडा न.१ मा सवैभन्दा धेरै ८३२ घरधुरी रहेका छन् भने सवैभन्दा कम वडा न.७ मा ३०३ छन्। यसै गरी क्रमश कम देखि धेरैमा वडा न. २ मा ६७२, वडा न.८ मा ५५९, वडा न.३ मा ५४३,

वडा न.४ मा ८४७, वडा न.६ मा ४४७, वडा न. ५ मा ३८० घरधुरी रहेका छन् जसलाई स्तम्भ चित्रमा निलो रंगको संकेतमा देखाईएको छ। वडा अनुसार जनसंख्या वितरणको विवरण लाई विश्लेषण गर्दा सवैभन्दा बढी वडा न.१ मा ३४४६ रहेका छन् भने सबै भन्दा कम जनसंख्या वडा न ५ मा १६१९ रहेका छन्। यहाँको जनसंख्यामा पुरुष ९४९१ र महिला १०१९६रहेकोमा जम्मा १९६८७ जनसंख्या रहेको छ।

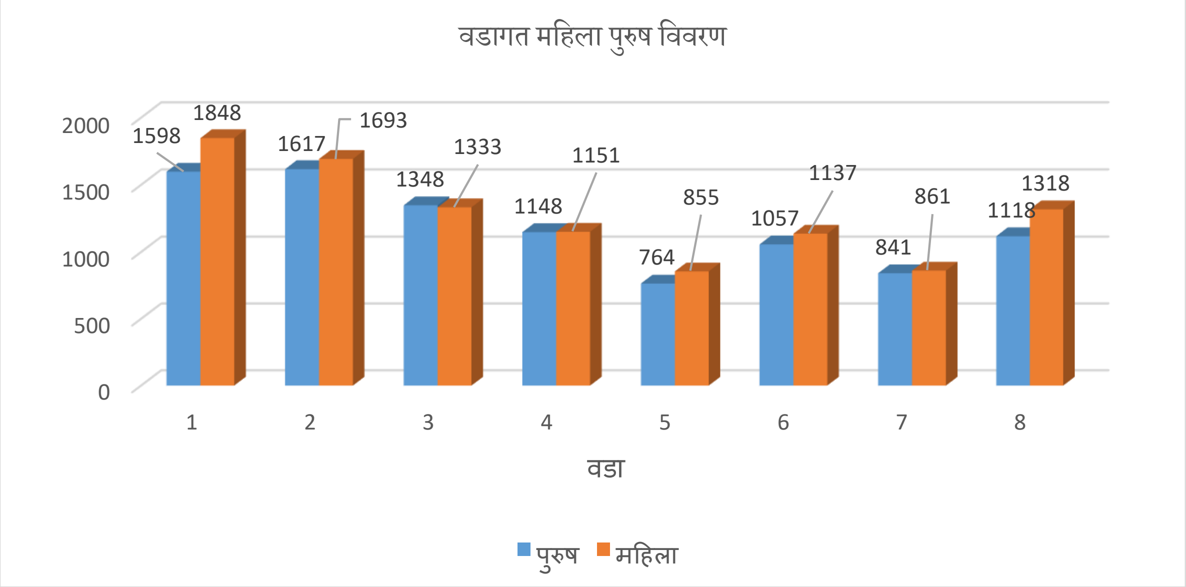


लिङ्गका आधारमा जनसंख्याको विवरण लिङ्गका आधारमा जनसंख्याको विवरण लाई विश्लेषण गर्दा सबै भन्दा बढी महिला वडा नं २ मा १६१७, पुरुषको जनसंख्या वडा नं १ मा १८४८ रहेको देखिन्छ। यसै गरी जनसंख्यामा सवैभन्दा कम जनसंख्या वडा न. वडा न.७ मा ३०३ छन जसमा २४६५ पुरुष र २४२६ महिला रहेका छन् भने सवैभन्दा कम वडा न.४ मा १६१९ जनसंख्या रहेका छन्। जसमा ७६४ पुरुष रहेका छन भने ८५५ महिलाको जनसंख्या रहेको छ। उल्लेखित जनसंख्या लाई स्तम्भ चित्रमा निलो रंगको संकेतमा पुरुष र पहेलो रंगको संकेतमा महिला लाई देखाईएको छ।

नौमूले गाउँपालिकाको उमेर अनुसारको जनसंख्याको विवरण

| उमेरको वर्गीकरण | पुरुषको जनसंख्या | महिलाको जनसंख्या | जम्मा जनसंख्या |
|---|---|---|---|
| ९५+ | ३ | ५ | ८ |
| ९०-९४ | ११ | ८ | १९ |
| ८५-८९ | ११ | १४ | २५ |
| ८०-८४ | ३२ | ३३ | ६५ |
| ७५-७९ | ८६ | ८६ | १७२ |
| ७०-७४ | १५५ | १८९ | ३४४ |
| ६५-६९ | २०८ | २११ | ४१९ |
| ६०-६४ | ३११ | ३२७ | ६३८ |
| ५५-५९ | ३५७ | ३२४ | ६८१ |
| ५०-५४ | ४७९ | ५१० | ९८९ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| ४५-४९ | ३४२ | ४१९ | ७६१ |
| ४०-४४ | ४०० | ५२४ | ९२४ |
| ३५-३९ | ४३९ | ५७३ | १०१२ |
| ३०-३४ | ६१६ | ६५७ | १२७३ |
| २५-२९ | ७५३ | ८८४ | १६३७ |
| २०-२४ | ९०८ | ११२२ | २०३० |
| १५-१९ | ११६५ | ११८१ | २३४६ |
| १०-१४ | ११८२ | १२१७ | २३९९ |
| ०५-०९ | १०८२ | ९९९ | २०८१ |
| ००-०४ | ९५१ | ९१३ | १८६४ |
| जम्मा | ९४९१ | १०१९६ | १९६८७ |

स्रोत : केन्द्रिय तथ्याङ्क विभाग२०७९

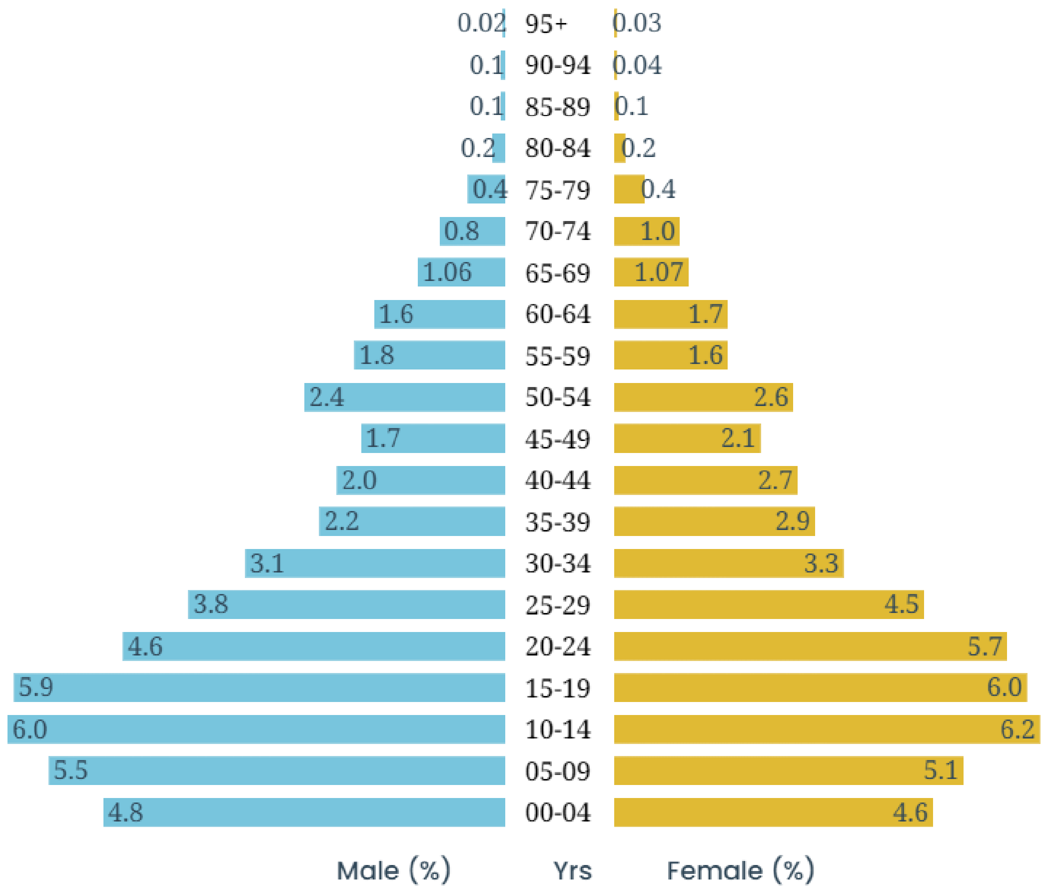


उमेरका आधारमा नौमूले गाउँपालिकाको जनसंख्यालाइ विश्लेशण गर्दा सबै भन्दा बढी जनसंख्या १० वर्ष देखि १४ बर्ष सम्मको उमेर समुह रहेको छ जसको जम्मा जनसंख्या ११८२ जना रहेको छ भने जसमा महिलाको जनसंख्या १२१७ जना रहेको छ भने परुषको जनसंख्या २३९९ जना रहेको छ। समग्रमा हेर्दा ५ देखि १९ वर्ष सम्मको जनसंख्या

धेरै देखिन्छ । माथीको चित्रलाइ हेर्दा वालवालिकाहरुको र युवाहरुको जनसंख्या बढी देखिन्छ भने ६० वर्ष भन्दा बढी उमेरको जनसंख्या कम देखिन्छ जुन भोलीको उत्पादनको लागी उपयोग हुन्छ भने शिक्षा प्रदान गर्नु पर्ने हिसावले हेर्दा शिक्षालाइ व्यवसायीक रोजगारमुखी तथा उत्पादनमुखी बनाउन आवश्यक देखिन्छ ।

### १.१.३ सामाजिक तथा सांस्कृतिक अवस्था

सांस्कृतिक विविधता यस गाँउपालिकामा वसोवास गर्ने वहुसंख्यक जातजातिहरु हिन्दु धर्म मान्ने गर्दछन् भने इसाई धर्मालम्वि हरु पनि यस गाँउपालिका मा रहेको छ । हिन्दु र इसाइ धर्मालम्वि हरुका आ–आफ्नै किसिमका धार्मिक तथा सांस्कृतिक परम्परा रहेका छन् । विजया दशमी, तिहार, कृष्ण अष्टमी, हरितालिका तिज, माघे संक्रान्ति, फल्गु पुर्णिमा, चैते दशै, नववर्ष (तागा), गुरु पूर्णिमा,नागपञ्चमी हिन्दुहरुका महत्वपूर्ण चाडपर्वहरु हुन् । क्रिचियनहरुको धर्मालम्वि हरुका महत्वपूर्ण चाडपर्वहरु क्रिसमस डे रहेको छ । भने इसाईको ईसु, वौद्ध हरुको वौद्ध जयन्ति, ल्होसार आदि धर्मालम्वि हरुका महत्वपूर्ण चाडपर्वहरु हुन् । स्थानीय चार्डपर्व तथा जात्रा र मेलाहरुमा छड, नयाँ वर्ष, चण्डिपूर्णिमा, रक्षाबन्धन, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, हरितालिका (तिज), विजयादशमी, भाईटिका, ल्होसार, माघेसंक्रान्ति, श्रीस्वस्थानीव्रत्र, चैते दशै, वौद्ध जयन्ति, ल्होसार, क्रिसमस डे आदी महत्वपुर्ण चाडपर्वहरु हुन ।

जैविक विविधता यस क्षेत्रमा उष्ण, समशितोष्ण हावापानी पाईन्छ, वनस्पतिहरुमा साल, सिसौ, बाँझ, एएज, फलाट, कटुज, राँस, मसला, लहरे पिपल, जामुन, अमला,बाँस आदी मुख्य वनस्पतिहरु रहेका छन । यहा विभिन्न प्रजातिका स्तनधारी जीवहरु जस्तै बदेल, चितुवा, बन बिरालो, रातो बादर, मृग, सेतो बादर र लंगुर जस्ता जनावरहरु रहको जानकारी पाइयो त्यसैगरी घस्रने जातका प्राणीमा सर्प, छेपारो,साल्घारे,मौसुली,रातो टाउको छेपारो सवभन्दा वढी पाइन्छन् । यस क्षेत्रमा भ्यागुता जस्ता उभयचर हरु पनि पाइन्छन् त्यस्तै लांचे, जुरेली, काग, भगेरो, कालिज, सुगा, ढुकुर, चिवे, रानीचरा,वन कखरा लगायत प्रजातिका पंक्षीहरुको वासोवास रहेको छ । माछा हरुमा असला, करङ्गा, कटेल, बुदुना, शहर, धामी र बाम  पाइन्छन । साथै यी क्षेत्रहरु कुनै पनि राष्ट्रिय निकुञ्ज, वन्यजन्तु आरक्ष तथा संरक्षित क्षेत्रहरु भित्र पर्दैनन् ।

पर्यटकीय स्थलहरुको विवरण (धार्मिक ⁄ऐतिहासिक÷पुरातात्विक) यस नौमूले गाँउपालिका मा अवस्थित पर्यटकीय स्थल हरु निकै महत्वको रुपमा रहेका छन् । जसमा द्धारी झरना, द्धारी हाईड्रोपावर, नौमूले हाईड्रोपावर, तीन चुले हिमाल, भुर्सु गुफा, वासुकी गुफा, मालिका बासुकीधारा, नौमुल, गिद्ध नुहाउने ठाँउ आदीका कारण दैनिक आउने पर्यटक हरुको संख्या मा वृद्धी भएको देखिन्छ ।

विभिन्न जातजातिको बसोबास भएको यो गाउँ आ–आफ्नै परम्परा र संस्कृतिको केन्द्र बनेर हालसम्म रहेको छ । नौमूले गाउँपालिका सामाजिक तथा सांस्कृतिक विविधतायुक्त स्थानीय तह हो। यहाँ विभिन्न जातजातिका फरक फरक संस्कार, संस्कृति, रीतिरिवाज एवम् प्रचलनहरु रहेका छन्। यहाँ बसोबास गर्ने जातिहरु ब्राम्हण, क्षेत्रीमगर, दमाई, कामी, सार्की, भूजेल, गुरुङ, वादी, गिरी, पुरी, ठकुरी हुन्। यहाँ नेपाली, मगर खाम,मगर, गुरुङ भाषा आदि मातृभाषा बोलिन्छन्। यो स्थानीय तहमा हिन्दू, बौद्ध, क्रिश्चियन धर्मावलम्बीहरु बसोबास गर्छन् भने उनीहरुले दशैं, तिहार, चण्डी, बुद्ध जयन्ती, माघे सङ्क्रान्ति, साउने सङ्क्रान्ति, जनै पूर्णिमा, तीज, पञ्चमी, क्रिसमस, ल्होसार जस्ता चाडपर्वहरु मान्ने गर्दछन्। यस पालिकाभित्र रहेका बहुविशेषताहरु बीचमा एकीकरण भएको अवस्था छ।

अनेकताबीच एकता कायम भएको छ। त्यसैले सामाजिक सदभाव, सहयोग, सहकार्य, सह-अस्तित्व, सहिष्णुता, मेलमिलाप कायम भएको छ।

### १.१.४ आर्थिक अवस्था

कम आय भएको मुलुकबाट नेपाललाई मध्यम आय भएको राष्ट्रमा पुऱ्याउँने सरकारको महत्वकांक्षी लक्ष्यलाई टेवा दिन नौमूले गाउँपालिकाले पनि विभिन्न किसिमका आर्थिक क्रियाकलापहरुलाई अगाडि बढाएको छ। यहाँका मानिसहरुको आर्थिक स्तर माथि उकास्न उन्नत जातको पशुपालन, बीउ विजन, व्यावसायिक खेती व्यापार व्यवसाय, रोजगार तथा स्वरोजगारमुखी कार्यक्रम सञ्चालन गर्दै आएकोछ। यसका अलवा वैदेशिक रोजगारले पनि यहाँको आर्थिक अवस्था वृद्धि गर्नमा मद्दत गरेको देखिन्छ भने महामारीको रुपमा फैलिएको कोभिड-१९ ले समग्र आर्थिक क्षेत्रमा नकारात्मक प्रभाव पारेको छ।

### १.१.५ शैक्षिक अवस्था

नेपालको शैक्षिक संरचनाको दृश्टिले हेर्दा विद्यालय शिक्षा आधारभूत र माध्यमिक गरी दुई तहको रहेको छ। एक वर्ष अवधिको प्रारम्भिक बालविकास र कक्षा १ देखि ८ सम्म गरी जम्मा नौ वर्षको आधारभूत शिक्षा कायम गरिएको छ भने कक्षा ९ देखि १२ सम्मको चार वर्ष अवधिको शिक्षालाई माध्यमिक शिक्षा कायम गरिएको छ। माध्यमिक शिक्षा साधारण, परम्परागत र प्राविधिक तथा व्यावसायिक गरी तीन प्रकारको हुने ब्यवस्था गरिएको छ। आधारभूत तहलाई अनिवार्य तथा नि:शुल्क गरिएको छ भने माध्यमिक तह नि:शुल्क रहने ब्यवस्था गरिएको छ। विद्यालय शिक्षामा दुई तरीकाबाट लगानी गरिएको छ जसमा सरकारी र निजी स्रोतबाट ब्यवस्थापन गरिएको छ।

यस गाउँपालिकामा सञ्चालित शिक्षण संस्था

| विवरण | सरकारी | सामुदायिक | निजी विद्यालय | कुल |
|---|---|---|---|---|
| आ. वि.१ देखि ५ | प्रा.वि. | ३३ | २ | ३५ |
| आ. वि. १ देखि ८ | आ. वि. | ७ | १ | ८ |
| मा. वि. १ देखि १० | मा. वि. | ७ | ० | ७ |
| आ. वि. १ देखि १२ | मा. वि. | २ | ० | २ |
| सामुदायिक अध्ययन केन्द्र | | ४ | ० | ४ |
| जम्मा | | ५३ | ३ | ५६ |

श्रोतः नौमूले गाउँपालिका शिक्षा शाखा २०८०

गाँउ शिक्षा शाखा,नौमूले २०७५ को तथ्यांक अनुसार यस नौमूले गाँउपालिकामा जम्मा ५३ वटा विद्यालय हरु रहेका छन् जसमा सामुदायिक१ देखि ५ प्रा.वि.३३ ,निजी प्रा.वि.२ जम्मा ३५, सामुदायिक१ देखि ८ आ.वि.७, निजी आ.वि.१ जम्मा ८, सामुदायिक मा.वि.७, रसामुदायिक मा.वि १ देखि १२ मा.वि.२,सामुदायिक अध्ययन केन्द्र ४ रहेको तथ्यांक तालिकामा उल्लेख छ।

**साक्षरताको विवरण**

| सि.नं. | विवरण | प्रतिशत | कैफियत |
|---|---|---|---|
| १ | पुरुष साक्षरता | ८२.३ % | |
| २ | महिला साक्षरता | ७०.९ % | |
| ३ | औसत साक्षरता | ७६.३ % | |

स्रोत : केन्द्रिय तथ्याङ्क विभाग २०७९

माथिको तालिकालााई विश्लेषण गर्दा यस नौमूले गाउँपालिका भित्र रहेको कूल जनसंख्या पुरुष साक्षरता८२.३ % पढ्न लेख्न सक्ने साक्षरता रहेका छन् । जसमा महिला साक्षरता ७०.९ % प्रतिशत र औसत साक्षरता ७६.३ % साक्षरता रहेका छन् । उल्लेख रहेको पाईयो साथै यस पालिकामा साक्षरता दर कम रहेकोले साक्षरता दर तथा साक्षरता प्रतिशत बढाउनुपर्ने देखिन्छ ।

**उच्च शिक्षाको विवरण**

विश्वबिद्यालय तथा कलेजहरुमा यस गाँउपालिकाको उच्च शिक्षा लाई बढावा दिने तवरले २ वटा विद्यालय मा (१०+२) उच्च शिक्षा को कक्षा संचालन गरी विश्वबिद्यालय तथा कलेजहरु जग बसाउने कार्यमा बढावा भएको कुरा तलको तालिका बाट प्रष्ट्याईएको छ ।

| क्र.सं. | उ.मा.वि.,कलेजको नाम | ठेगाना | सञ्चालित कार्यक्रम तथा तह | बिद्यार्थी |
|---|---|---|---|---|
| १. | भैरब मा.वि.नौमूले | नौमूले गा.पा.१ | शिक्षा (१०+२) तथा कृषि | |
| २. | अरनिको मा.वि.गिरखानी,चौराठा | नौमूले गा.पा.८ | शिक्षा (१०+२) | |

श्रोतः नौमूले गाउँपालिका प्रोफाईल

बालविकास केन्द्रको विवरण हेर्दा जम्मा ४८ वटा वालविकाहरु रहेका छन । जसमा ३४ वटा तत्कालिन जि.शि.का.वाट स्विकृत र १४ वटा नौमूले गाउँपालिकावाट स्विकृत रहेका छन ।

| क्र.स | बालविकास केन्द्रको विवरण | बाल विकास केन्द्रको संख्या |
|---|---|---|
| १ | जि.शि.का.वाट स्विकृत | ३४ |
| २ | गा.पा.वाट स्विकृत | १४ |
| जम्मा | | ४८ |

श्रोतः नौमूले गाउँपालिका शिक्षा शाखा,नौमूले२०८०

**नौमूले गाउँपालिकामा कार्यरत शिक्षकहरुको विवरण**

| तह | स्वीकृत दरवन्दीमा कार्यरत | राहत दरवन्दीमा कार्यरत | निजि स्रोतका दरवन्दी |
|---|---|---|---|

| | स्थायी | अस्थायी | | |
|---|---|---|---|---|
| प्रा.वि. १ देखि ५ कक्षा | ७९ | १३ | ३३ | २७ |
| प्रा.वि.६ देखि ८ कक्षा | ७ | ० | १६ | ४७ |
| मा. वि. १ देखि ८ कक्षा | ८ | ० | २ | २९ |
| जम्मा | ९४ | १३ | ५१ | १०३ |

श्रोतः नौमूले गाउँपालिका शिक्षा शाखा,२०८०

**कक्षा १० देखि कक्षा 10+2वा समकक्ष र उच्च स्तरको शिक्षा र अध्ययनको प्रमुख क्षेत्र भएको जनसंख्या**

| विवरण | जम्मा | पुरुष | महिला |
|---|---|---|---|
| मानविकी र सामाजिक विज्ञान | ५.५ | ५.६ | ५.५ |
| व्यवस्थापन | ३.७ | ३.१ | ४.४ |
| शिक्षा | ७२.३ | ७०.८ | ७३.८ |
| विज्ञान र प्रविधि | १.७ | २.४ | १ |
| स्वास्थ्य / चिकित्सा विज्ञान | २.९ | ३.५ | २.३ |
| इन्जिनियरिङ | १ | १.९ | ०.८ |
| कानुन | ०.१ | ०.१ | ०.१ |
| कृषि | ०.८ | ०.७ | ०.८ |
| वन | ०.४ | ०.६ | ०.३ |
| पशु विज्ञान / पशु चिकित्सा / मत्स्य पालन | ०.२ | ०.३ | ०.१ |
| कम्प्युटिङ्/सूचना प्रविधि | ०.२ | ०.३ | ०.१ |
| अन्य | ०.१ | ०.१ | ० |

श्रोतः केन्द्रिय तथ्याङ्क विभाग २०७९

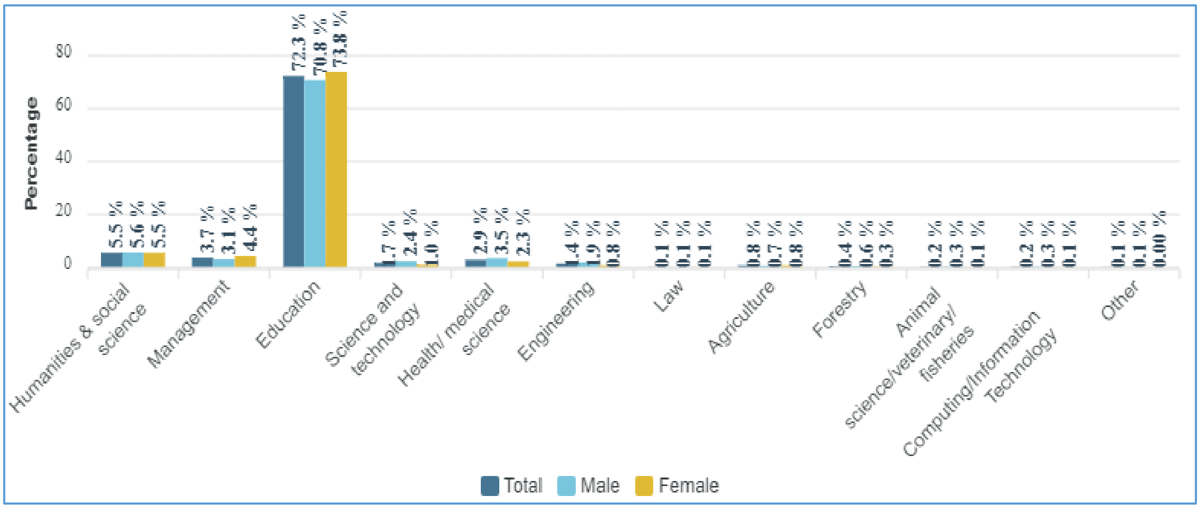

**साक्षरताको विवरण**

| वर्गीकरण | जम्मा | पुरुष | महिला |
|---|---|---|---|
| पढ्न र लेख्न सक्ने | ७६.३ | ८२.३ | ७०.९ |
| पढ्न मात्र सक्ने | ०.७ | ०.६ | ०.९ |
| पढ्न र लेख्न नसक्ने | २२.९ | १७.१ | २८.२ |

श्रोतः केन्द्रिय तथ्याङ्क विभाग २०७९

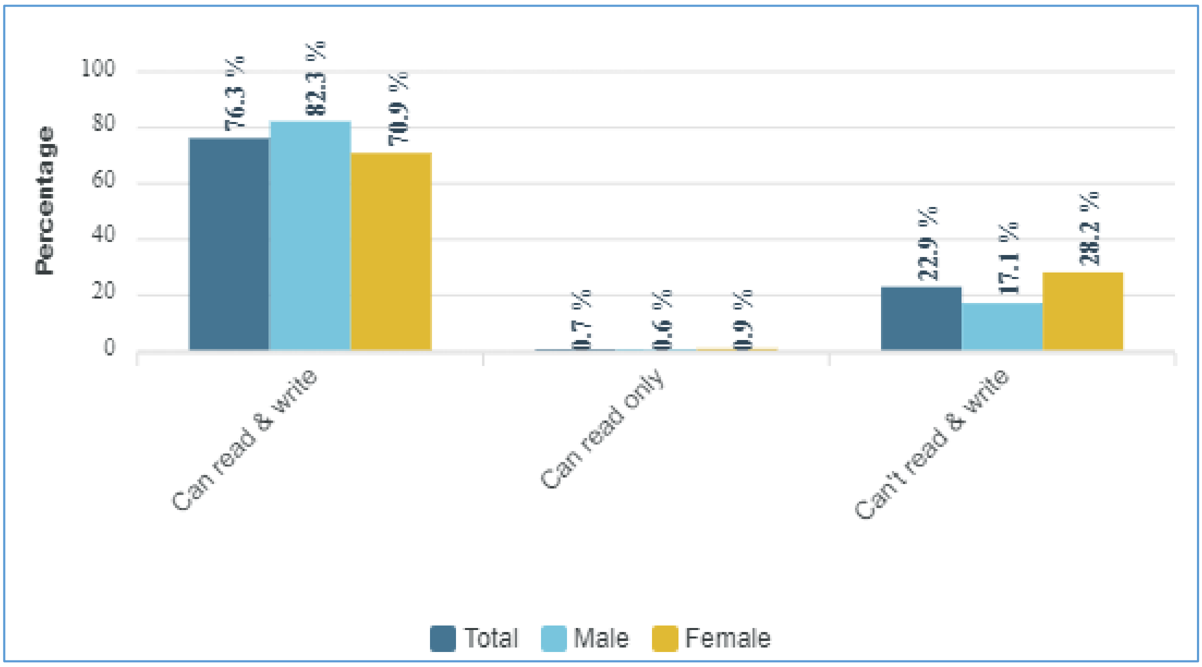


माथिको तालिकालाई विश्लेषण गर्दा यस नौमूले गाउँपालिका भित्र रहेको कूल जनसंख्या मध्ये ७६.३ पढ्न लेख्न सक्ने साक्षरता रहेका छन् । जसमा महिला ७०.९ पुरुष ८२.३ पढ्न लेख्न सक्ने साक्षरता प्रतिशत र पढ्न लेख्न नसक्ने निरक्षर प्रतिशत २२.९ रहेको, जसमा महिला २८.२ पुरुष १७.१पढ्न मात्र सक्नेको र ०.७ पढ्न मात्र सक्ने साक्षरता रहेका छन् । उल्लेख रहेको पाईयो साथै यस पालिकामा साक्षरता दर कम रहेकोले साक्षरता दर तथा साक्षरता प्रतिशत बढाउनुपर्ने देखिन्छ ।

**पालिकामा सन्चालन भएका विद्यालयहरूका जम्मा विद्यार्थीहरूको विवरण**

| कक्षा | छात्रा | छात्र | अन्य | जम्मा |
|---|---|---|---|---|
| ECD School | ३१६ | ३५२ | ० | ६६८ |
| ECD Community | ९ | १० | ० | १९ |
| कक्षा१ | २८९ | २९५ | ० | ५८४ |
| कक्षा२ | २३६ | २९८ | ० | ५३४ |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| कक्षा३ | २९१ | ३३१ | ० | ६२२ |
| कक्षा४ | २५३ | २७२ | ० | ५२५ |
| कक्षा५ | ३०८ | ३०१ | ० | ६०९ |
| कक्षा१-५ | १३७७ | १४९७ | ० | २८७४ |
| कक्षा६ | २५० | २६४ | ० | ५१४ |
| कक्षा७ | २८४ | २९० | ० | ५७४ |
| कक्षा८ | २८२ | २६२ | ० | ५४४ |
| कक्षा ६-८ | ८१६ | ८१६ | ० | १६३२ |
| कक्षा ९ | २६२ | २५८ | ० | ५२० |
| कक्षा १० | २४९ | १८१ | ० | ४३० |
| कक्षा ९-१० | ५११ | ४३९ | ० | ९५० |
| कक्षा११ | १९४ | १२४ | ० | ३१८ |
| कक्षा१२ | १३३ | १२१ | ० | २५४ |
| कक्षा११-१२ | ३२७ | २४५ | ० | ५७२ |
| जम्मा | ३३५६ | ३३५९ | ० | ६७१५ |

तथ्यांक स्रोत : IEMIS Dashboard Report: 2078

## पालिकामा सन्चालन भएका विद्यालयहरूका जम्मा विद्यार्थीहरूको जातिगत विवरण

| तह | लिङ्ग | जम्मा | जातिगत विवरण | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | ब्राह्मण क्षेत्री | जनजाती | दलित | अन्य |
| ECD School | छात्रा | २७२ | ६३ | ११४ | ७४ | २१ |
| | छात्र | ३०२ | ८३ | ९९ | ७६ | ४४ |
| | जम्मा | ५७४ | १४६ | २१३ | १५० | ६५ |
| ECD Community | छात्रा | २ | १ | ० | १ | ० |
| | छात्र | ३ | १ | ० | २ | ० |
| | जम्मा | ५ | २ | ० | ३ | ० |
| कक्षा१ | छात्रा | २८७ | ७२ | ९० | ९२ | ३३ |
| | छात्र | २९३ | ८१ | १०५ | ८६ | २१ |
| | जम्मा | ५८० | १५३ | १९५ | १७८ | ५४ |
| कक्षा२ | छात्रा | २३४ | ६९ | ७६ | ६१ | २८ |
| | छात्र | २६० | ६६ | ९७ | ७६ | २१ |
| | जम्मा | ४९४ | १३५ | १७३ | १३७ | ४९ |
| कक्षा३ | छात्रा | २६९ | ७७ | ९५ | ७९ | १८ |
| | छात्र | २५९ | ८२ | १०२ | ६३ | १२ |
| | जम्मा | ५२८ | १५९ | १९७ | १४२ | ३० |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **कक्षा४** | छात्रा | २५६ | ५८ | ९१ | ७९ | २८ |
| | छात्र | २५२ | ७२ | ९६ | ६३ | २१ |
| | जम्मा | ५०८ | १३० | १८७ | १४२ | ४९ |
| **कक्षा५** | छात्रा | २८९ | ८३ | ९२ | ८३ | ३१ |
| | छात्र | २५७ | ६२ | ९७ | ७० | २८ |
| | जम्मा | ५४६ | १४५ | १८९ | १५३ | ५९ |
| **कक्षा१-५** | छात्रा | १३३५ | ३५९ | ४४४ | ३९४ | १३८ |
| | छात्र | १३२१ | ३६३ | ४९७ | ३५८ | १०३ |
| | जम्मा | २६५६ | ७२२ | ९४१ | ७५२ | २४१ |
| **कक्षा६** | छात्रा | ३११ | ७४ | १३४ | ७३ | ३० |
| | छात्र | २७३ | ६२ | ११४ | ६५ | ३२ |
| | जम्मा | ५८४ | १३६ | २४८ | १३८ | ६२ |
| **कक्षा७** | छात्रा | ३१२ | ५६ | ११८ | ८० | ५८ |
| | छात्र | २८२ | ५१ | १२३ | ५५ | ५३ |
| | जम्मा | ५९४ | १०७ | २४१ | १३५ | १११ |
| **कक्षा८** | छात्रा | २९७ | ७७ | १२४ | ५३ | ४३ |
| | छात्र | २३८ | ४७ | ११२ | ३८ | ४१ |
| | जम्मा | ५३५ | १२४ | २३६ | ९१ | ८४ |
| **कक्षा६-८** | छात्रा | ९२० | २०७ | ३७६ | २०६ | १३१ |
| | छात्र | ७९३ | १६० | ३४९ | १५८ | १२६ |
| | जम्मा | १७१३ | ३६७ | ७२५ | ३६४ | २५७ |
| **कक्षा९** | छात्रा | २८२ | ७६ | १२२ | ५५ | २९ |
| | छात्र | २४२ | ५६ | १०१ | ४६ | ३९ |
| | जम्मा | ५२४ | १३२ | २२३ | १०१ | ६८ |
| **कक्षा१०** | छात्रा | १८२ | ६० | ६४ | २० | ३८ |
| | छात्र | १७६ | ५० | ६८ | २८ | ३० |
| | जम्मा | ३५८ | ११० | १३२ | ४८ | ६८ |
| **कक्षा९-१०** | छात्रा | ४६४ | १३६ | १८६ | ७५ | ६७ |
| | छात्र | ४१८ | १०६ | १६९ | ७४ | ६९ |
| | जम्मा | ८८२ | २४२ | ३५५ | १४९ | १३६ |
| **कक्षा११** | छात्रा | १५६ | ४५ | ७६ | २६ | ९ |
| | छात्र | १४३ | ३२ | ८४ | २१ | ६ |
| | जम्मा | २९९ | ७७ | १६० | ४७ | १५ |
| **कक्षा१२** | छात्रा | ११२ | ४९ | ४८ | १५ | ० |
| | छात्र | ८५ | ३३ | ४१ | ११ | ० |
| | जम्मा | १९७ | ८२ | ८९ | २६ | ० |
| **कक्षा११-१२** | छात्रा | २६८ | ९४ | १२४ | ४१ | ९ |
| | छात्र | २२८ | ६५ | १२५ | ३२ | ६ |
| | जम्मा | ४९६ | १५९ | २४९ | ७३ | १५ |

तथ्यांक स्रोत : IEMIS Dashboard Report: 2079

## नौमूले गाउँपालिकाको अपाङ्गताको विद्यार्थी विवरण

शैक्षिक सत्र २०७९ मा विद्यार्थी भर्नाको विवरण यसरी तल प्रस्तुत गरिन्छ ।

| तह | लिंग | अपाङ्गताको विवरण | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | शारीरिक अपाङ्गता | बौद्धिक अपाङ्गता | बहिरा | न्यूनदृष्टि | स्वरबोलाई | बहिरा तथा दृष्टिविहिन | दृष्टिविहिन तथा बोल्न नसक्ने | बहु अपाङ्गता | कुल |
| **ECD School** | छात्रा | १ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | २७२ |
| | छात्र | १ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ३०२ |
| | जम्मा | २ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ५७४ |
| **ECD Community** | छात्रा | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | २ |
| | छात्र | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ३ |
| | जम्मा | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ५ |
| **कक्षा१** | छात्रा | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | २८७ |
| | छात्र | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | २९३ |
| | जम्मा | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ५८० |
| **कक्षा२** | छात्रा | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | २३४ |
| | छात्र | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | २६० |
| | जम्मा | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ४९४ |
| **कक्षा३** | छात्रा | १ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | २६९ |
| | छात्र | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | २५९ |
| | जम्मा | १ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ५२८ |
| **कक्षा४** | छात्रा | ० | १ | ० | १ | ० | ० | ० | ० | २५६ |
| | छात्र | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | २५२ |
| | जम्मा | ० | १ | ० | १ | ० | ० | ० | ० | ५०८ |
| **कक्षा५** | छात्रा | ० | २ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | २८९ |
| | छात्र | ० | १ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | २५७ |
| | जम्मा | ० | ३ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ५४६ |
| **कक्षा१-५** | छात्रा | १ | ३ | ० | १ | ० | ० | ० | ० | १३३५ |
| | छात्र | ० | १ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १३२१ |
| | जम्मा | १ | ४ | ० | १ | ० | ० | ० | ० | २६५६ |
| **कक्षा६** | छात्रा | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ३११ |
| | छात्र | १ | ० | १ | ० | ० | ० | ० | ० | २७३ |
| | जम्मा | १ | ० | १ | ० | ० | ० | ० | ० | ५८४ |
| **कक्षा७** | छात्रा | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ३१२ |
| | छात्र | २ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | २८२ |
| | जम्मा | २ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ५९४ |
| **कक्षा८** | छात्रा | १ | ० | ० | १ | ० | ० | ० | ० | २९७ |
| | छात्रा | १ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | २३८ |
| | छात्र | २ | ० | ० | १ | ० | ० | ० | ० | ५३५ |
| **कक्षा६-८** | जम्मा | १ | ० | ० | १ | ० | ० | ० | ० | ९२० |

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | छात्रा | ४ | ० | १ | ० | ० | ० | ० | ० | ७९३ |
| | छात्र | ५ | ० | १ | १ | ० | ० | ० | ० | १७१३ |
| **कक्षा९** | जम्मा | १ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | २८२ |
| | छात्रा | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | २४२ |
| | छात्र | १ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ५२४ |
| **कक्षा१०** | जम्मा | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | १८२ |
| | छात्रा | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १७६ |
| | छात्र | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | ३५८ |
| **कक्षा९-१०** | जम्मा | १ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | ४६४ |
| | छात्रा | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ४१८ |
| | छात्र | १ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | ८८२ |
| **कक्षा११** | जम्मा | २ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १५६ |
| | छात्रा | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १४३ |
| | छात्र | २ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | २९९ |
| **कक्षा१२** | जम्मा | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ११२ |
| | छात्रा | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ८५ |
| | छात्र | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १९७ |
| **कक्षा११-१२** | जम्मा | २ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | २६८ |
| | छात्रा | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | २२८ |
| | छात्र | २ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ४९६ |

तथ्यांक स्रोत : IEMIS Dashboard Report: 2079

## १.२ मुख्य समस्याहरु

यस गाउँपालिकाका मुख्य समस्याहरुमा निम्नानुसार उल्लेख गरिएको छ ।

- विद्यालयका भौतिक संरचनाहरु जोखिक तथा जिण अवस्थामा हुन ।
- मुलत पछाडिएको तथा आर्थिक रुपमा विपन्न वर्गका बालबालिकाहरुको पहुँच कम हुनु ।
- प्राविधिक शिक्षामा विद्यार्थीको पहुँचमा कमि, भर्ना भएका विद्यार्थीहरुलाई टिकाइ राख्न नसक्नु,
- तहगत, क्षेत्रगत एवम् विषयगत रूपमा सबै विद्यालयमा शिक्षक व्यवस्थापन गर्न नसक्नु,
- तोकिएको शैक्षिक बर्षमा तह पार गर्नेको सङ्ख्या कम हुनु ,
- शिक्षकहरुलाइ समयानुकुल तालिम तथा प्रविधीको तालिमको व्यवस्था नहुनु ।
- पठन संस्कृतिको विकास तथा जीवनपर्यन्त शिक्षाका लागि सार्बजनिक पुस्तकालयको विस्तारमा कमि नहुनु,
- जिम्मेवारी तथा जवाफदेयिताको प्रत्याभुति गर्न नसकिनु,
- शिक्षणसिकाइ तथा मुल्यांकन प्रक्रियामा परिवर्तन ल्याउन नसक्नु
- विद्यालय शिक्षामा सबैको पहुँच, समता, गुणस्तर, सुशासन ब्यवस्थापन तथा सिकाइका लागि न्युनत्तम वातावरण तथा निरन्तर सिकाइसँग समस्या केन्द्रित रहेका छन् ।

- सबै विद्यालयमा सुचना तथा प्रविधीको पहुँच नपुग्नु ।
- अभिभावक शिक्षाको अभाव हुनु ।
- स्वयंसेवक शिक्षकको व्यवस्था न्युन हुनु ।
- प्रस्तावित विद्यालयहरुमा स्विकृत दर्वन्दीको व्यवस्था नहुनु ।

## १.३ शिक्षा क्षेत्रका चुनौतिहरु

गाउँपालिकाको समग्र शैक्षिक सन्दर्भ र विद्यालय शिक्षाका उपलब्धिका आधारमा विद्यालय शिक्षाको क्षेत्रमा देखिएका मुख्य समस्या तथा चुनौतीहरु निम्नानुसार छन् -

- प्रारम्भिक बालविकास केन्द्रकक्षाको समायोजन तथा पुनर्वितरण गरी मापदण्ड अनुसार सञ्चालन गर्नु ।
- नक्शांकनका आधारमा सुलभ दुरीमा विद्यालयको स्थापना, समायोजन तथा पुनर्वितरण गर्नु।
- प्रविधिमैत्री ,बालमैत्री, अपाङ्गतामैत्री, लैङ्गिकमैत्री सिकाइ वातावरण निर्माण गर्नु।
- इन्टरनेट, सूचना र प्रविधिको पहुँच विद्यालयमा पुऱ्याउँनु।
- भौतिक पूर्वाधार र शैक्षिक वातावरणको निर्माण गर्नु।
- फरक क्षमता भएका वालवालिकाहरुलाइ शिक्षण शिकाइमा समान सिकाइको अवसर प्रदान गर्न ।
- आधारभूत तहको शिक्षालाई अनिवार्य तथा निःशुल्क र माध्यमिक तहको शिक्षालाई पूर्ण रुपमा निःशुल्क गरी गुणस्तरयुक्त सिकाइलाई सुनिश्चित गर्नु।
- विद्यार्थी भर्नादर बढाउन तथा वालवालिकालाइ कक्षामा टिकाइ राख्न ।
- व्यवहारकुशल सीपलाई विद्यालय शिक्षाको प्रारम्भिक वालविकास शिक्षादेखि माध्यमिक तहसम्म एकीकृत गर्ने र सिकाइलाई दैनिक जीवनसँग अनुकूलन गर्न पाठ्यक्रममा परिमार्जन गरी विद्यालय शिक्षाको औचित्यता वृद्धि गर्नु।
- व्यावसायिक तथा प्राविधिक शिक्षाका लागि उपर्युक्त संरचना र कार्यक्रम विकास तथा कार्यान्वयन गर्नु।
- सूचना तथा सञ्चार प्रविधिमा शिक्षक तथा विद्यार्थीको पहुँच तथा सिकाइमा प्रभावकारी ढंगले प्रयोग गर्नु।
- अपेक्षित सिकाइ उपलब्धीको प्राप्ती र अभिभावकको विश्वास प्राप्ती ।
- सरोकारवालाहरुमा उत्तरदायित्व र कर्तव्यबोधको प्रत्याभूती ।
- शिक्षालाई सीप र उत्पादनमा जोडेर श्रममैत्री शिक्षाको व्यवस्थापन ।
- सबै विद्यालयहरुमा विषयगत शिक्षकको व्यवस्थापन ।
- विद्यालयको शैक्षिक सेवा प्रवाह र व्यवस्थापकीय पक्षमा शैक्षिक शुसासन कायम ।
- विद्यालयको संख्या समायोजनर यकिन ।
- समग्र पालिकाको विकास परिवर्तन र समृद्धि शिक्षा क्षेत्रको सुधारमा केन्द्रित गर्नु ।

## १.४शिक्षा क्षेत्रका अवसरहरु

माथि उल्लेख गरिएका चुनौतीहरु समाधान गरि विद्यालय शिक्षाको प्रभावकारी विकासका लागि निम्न अवसरहरु रहेकाछन् ।

- विद्यालय शिक्षाको पहुँच, समता विकास र गुणस्तर वृद्धिका लागि वितरण भएका कार्यक्रमहरुले विकास गरेका संरचना तथा क्षमता पूर्वधारका रुपमा रहन सक्ने।
- दीगो विकासको लक्ष्य प्राप्तिका लागि द्विपक्षीय र बहुपक्षीय सहकार्य तथा प्रतिवद्धता रहेको।
- सार्वजनिक शिक्षाको विकास तथा गुणस्तर सुधारको लागि सकरात्मक जनमत रहेको।
- शैक्षिक अभियन्ता तथा सरोकारवालाहरुको अग्रसरता रहेको।
- आवश्यक योजना तथा ऐन नियम निर्देशिकाहरु निर्माण गरिएको ।
- विद्यालयमा भौतिक तथा निर्माणका कार्यक्रमहरु पालिका मार्फत योजना रहनु ।
- समयानुकुल प्रविधीको पहिचान तथा शिक्षण शिकाइमा प्रयोग हुन ।
- अतिरित्त क्रियाकलापहरु मार्फत वालवालिकाहरुको प्रतिभाहरुलाइ अवसर प्रदान गरिनु ।
- शिक्षा तथा स्वास्थ्य क्षेत्रमा सरोकारवालाहरुवाट विभिन्न क्रियाकलाहरु सन्चालन गरिनु ।
- शिक्षकरहरुलाइ तालिमको व्यवस्थापन गरिनु ।
- स्थानिय पाठ्यक्रमको निर्माण तथा दोस्रो भाषी वालवालिकाहरुलाइ शिकाइ सहज वातावरण सहज हुनु ।
- स्थानिय तहवाट आवश्यकता अनुसार दरवन्दी सिर्जना गरि शिक्षण सिकाइ वातावरण तयार गरिनु ।

# परिच्छेद २: दुरदृष्टी, ध्येय,उद्देश्य तथा प्रमुख उपलब्धी सुचकहरु

## २.१ दुरदृष्टि

गुणस्तरिय, प्रविधीमैत्री शिक्षाका माध्यमवाट जीवनउपयोगी, प्रतिपस्धी तथा रोजगारमुलक दक्ष जनशक्तियुक्त सामाजिक मूल्यमान्यतामा आधारित सचेत नागरिक उत्पादन।

## २.२ लक्ष्य

प्रविधिमैत्री तथा उत्पादनमूखी शिक्षाको माध्यमले समावेशीता सहितको पहुँच, समता र सक्षमतामा आधारित गुणस्तरीय रोजगारमुलक तथा जीवनउपयोगी शिक्षा सुनिश्चत गर्ने।

## २.३उद्देश्यहरु

- नविनतम प्रविधिको प्रयोग गरि शिक्षण शिकाइलाइ जिवन उपयोगी वनाउनु
- विषयगत तालिम प्राप्त शिक्षकको व्यवस्था गर्नु
- उपयुक्त शैक्षिक पूर्वाधार सहितको बालमैत्री, अपांगमैत्री, लैंगिकमैत्री र प्रविधिमैत्री वातावरण तयार गर्नु,
- पालिकाको शैक्षिक गुणस्तर अभिवृद्धि गर्दै श्रम र सीप सहितको शैक्षिक जनशक्ति उत्पादन गर्नु,
- सवै खालका बालवालिकाहरुलाई शिक्षाको पहुँच सुनिश्चित गर्नु,
- शैक्षणिक क्रियाकलापहरुमा विद्यार्थीको पहुँच सुनिश्चित गर्नु,
- विद्यालयको भौतिक तथा शैक्षिक वातावरण सुधार गरि शिक्षण सिकाइ वातावरण निर्माण गर्नु।
- नैतिक शिक्षा मार्फत विद्यार्थीहरुको सामाजिकिकरणमा सहयोग गर्नु,
- आधारभुत तथा माध्यमिक विद्यालय शिक्षामा समन्यायिक पहुँच विस्तार गर्दै शैक्षिक गुणस्तर सुधार गर्नु
- अनौपचारिक शिक्षा तथा जीवनपर्यन्त सिकाइका अवसरहरुलाई विस्तार गर्नु।
- सिकाइ क्रियाकलाप सञ्चालनको लागि न्युनतम सिकाइ वातावरणको स्थापनामा अभिवृद्दि गर्नु।
- विद्यालय ब्यवस्थापनमा सुशासन, जवाफदेहिता र उत्तरदायित्वमा सुधार गर्नु।
- आपतकालिन तथा संकटपूर्ण परिस्थितिमा पनि बालबालिकाहरुले शिक्षा प्राप्त गर्ने अवसरमा बृद्धिगर्नु।
- अभिभावकशिक्षा तथा सचेतना वृद्धि गर्नु।

## २.४ रणनीतिहरु

- एक विद्यालय एक बालविकास केन्द्रको अवधारणा लागु गर्दै बाल विकास केन्द्रको ब्यवस्थापन अवस्था विश्लेषण सर्वे गरी राष्ट्रिय न्युनतम मापदण्ड मार्गदर्शक पुस्तिका बमोजिम गर्ने।

- शिक्षक दरबन्दि मिलान नियमित गर्दै अपुग शिक्षक भएका विद्यालयमा स्वयंमसेवक शिक्षक वा करार शिक्षकको ब्यवस्था गरी विद्यालयलाई आवश्यक शिक्षकको ब्यवस्था गर्ने।
- विभिन्न निकायहरुसँग समन्वय सहकार्य गर्दै शिक्षाको बजेटमा वृद्दि गर्ने।
- स्थानिय भाषा, लिपी संस्कार तथा संस्कृतिजन्य ज्ञान सीप र क्षमता अभिवृद्धिका लागि आवश्यक अवसरहरुको सुनिश्चितता गर्ने ।
- सबै बालबालिकाहरूलाई विद्यालय शिक्षामा पहुँच सुनिश्चित गर्नका लागि विद्यालयहरूको नक्साङ्कन गरी आवश्यकताका आधारमा शैक्षिक सेवाहरूको पहुँच विस्तार गर्ने ।
- अनिवार्य तथा निःशुल्क शिक्षाको मापदण्डबमोजिम विद्यालय शिक्षामा समतामूलक पहुँच र गुणस्तर सुनिश्चित गर्न विभिन्न प्रोत्साहनमूलक कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्ने ।
- पाठ्यक्रम विकास तथा परिमार्जनका लागि पृष्ठपोषण उपलब्ध हुने
- सिकाइलाई दैनिक जीवनसँग सम्बन्धित हुने
- पाठ्यक्रममा आधारित शिक्षण सिकाइद्वारा स्थानीय र आधुनिक विश्वपरिवेश अनुसार सिकारुमा ज्ञान, सिपर व्यवहार विकासमा सहजीकरण भएको हुने
- सिकारुका सिकाइ समस्याको समाधानउन्मुख निरन्तर, आवधिक तथा स्तरीकृत मूल्यङ्कन हुने
- स्थानीय पाठ्यक्रम र पाठ्यसामग्री निर्माण तथा कार्यान्वयन हुने
- राष्ट्रिय शिक्षक सक्षमता कार्यढाँचाको आधारमा शिक्षक तयारी, छनौट र पेसागत विकास हुने
- शिक्षक तयारीका कोर्सहरूमा पर्याप्त विषयगत तथा शिक्षण सिकाइ सम्बन्धी सक्षमता विकास हुने
- शिक्षण पेसा थप प्रतिस्पर्धी र सम्मानित हुने
- पेसागत विकासका प्रावधानहरूको विस्तार र सुदृढीकरण हुने
- शिक्षक पेसागत सहयोग प्रणालीमार्फत निरन्तर पेसागत सहयोग प्राप्त हुने
- शिक्षकको उपस्थिति, शिक्षण विधितथा तौरतरिका र कार्यसम्पादनमा सुधार हुने
- शिक्षक विद्यारथी अनुपातका आधारमा तहगत, क्षेत्रगत र विषयगत रूपमा शिक्षक दरबन्दी मिलान/पुनर्वितरण हुने
- शिक्षकको बृत्ति विकासका लागि पारदर्शी, र बस्तुनिष्ठ आधार सहितको पद्धति स्थापित हुने
- विद्यालको शैक्षिक, भौतिक तथा आर्थिक अवस्था सुदृढ भएको हुने
- विद्यालयकोविकास, सञ्चालन तथा व्यवस्थापन प्रभावकारी हुने
- विद्यालयमा गुणस्तरीय तथा समतामुलक शिक्षामा बालबालिकाको सहजपहुँचको आधार तयार हुने
- स्थानीय तहमा प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा र सिपका क्षेत्रमा उत्पादनशील जनशक्तिले आवश्यकताअनुसारका प्राविधिक तथा व्यावसायिक सिपका क्षेत्रहरूमापर्याप्त अवसर प्राप्त गरेको हुने ।
- स्थानीय तहमा बहुप्राविधक शिक्षालय/प्राविधक धारका माध्यमिक विद्यालयहरूको स्थापना भई सञ्चालन हुने

- स्थानीय तहमा सञ्चालित प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा र सिपका क्षेत्रमा सञ्चालित संस्थाहरूबाट सञ्चालन हुने कार्यक्रमहरूको सान्दर्भिकता र गुणस्तरमा अभिवृद्धि हुने।
- प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा तथा सिपका क्षेत्रमा सार्बजनिक, निजी तथा सामूदायिक सहभागितामा लगानी अभिवृद्धि हुने
- विभिन्न समिति, प्रधानाध्यापकर लेखा तथा प्रशासनिक कर्मचारीहरूको क्षमता विकास हुने
- विद्यालय व्यवस्थापनमा सरोकारवालाहरूको सहभागिता अभिवृद्धि हुने
- आधुनिक प्रविधिमैत्री क्रियाकलापमा आधारित विद्यार्थीकेन्द्रित शिक्षण सिकाइ क्रियाकलाप सञ्चालन भएको हुने
- प्रारम्भिक कक्षाका बालबालिकाहरूको पठन सिप अभिवृद्धि भएको हुने
- लक्षित समूहका बालबालिकाहरूको सिकाइमा सहभागिता वृद्धि भई गुणस्तर सुधार हुने
- विविधता, समता एवम् समावेशी शिक्षाका मूल्य, मान्यता अनुकुल गुणस्तरीय सेवा प्रवाहगर्ने जनशक्तिको दक्षता र सक्षमता सुधार हने
- सेवा प्रवाह सहभागितामूलक, कार्यसम्पादनप्रति उत्तरदायी, विद्यार्थीको सिकाइप्रति जवाफदेही, समतामूलक र समावेशी भई कार्यसम्पादन उद्देश्यमूलक, प्रभावकारी तथा कुशल हुने
- अनुगमन तथा मूल्याङ्कनका लागि संस्थागत संरचना तथा क्षमता विकास भइ नतिजामा आधारित अनुगमन प्रणाली स्थापित हुने

## २.४कार्यनीतिहरु

- विद्यालय तहका सबै बालबालिकाहरुको पुहँचमा सुधारको लागि भर्ना अभियान लाई शैक्षिक सत्रको शुरुमा सम्बन्धित वडाको वडा अध्यक्षको संयोजकत्वमा एक समिति तयार गरी भर्ना अभियानलाई घरदैलो अभियान सहित विद्यार्थी विवरण सहितको सशक्त र प्रभावकारी बनाइनुका साथै अभियान कार्यक्रम विद्यालय वडा तथा पालिकास्तरीय सञ्चालन गरीनेछ।
- विद्यालय जान नसक्ने बालबालिकाहरुको भर्ना अभियानबाट पहिचान गरी जोखिममा परेका बालबालिकाको शैक्षिक सहयोगका लागि बालबालिकासँग गाँउपालिका अध्यक्ष कार्यक्रम लागु गर्ने र बालबालिकाको अभिभावकत्व ग्रहण कार्यक्रम लागु गरिनेछ।
- हरेक वडा सहित पालिकामा विद्यालय बाहिर बालबालिका नभएको घोषणा गर्ने कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ।
- प्रारम्भिक बालविकास केन्द्रको सिकाइ सुधारको लागि प्रारम्भिक बाल विकास केन्द्रको पाठ्यक्रम २०७७ लाई कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ।
- प्रधानाध्यापकहरुले खाईपाई आएको तलवको १० प्रतिशत भत्ताको व्यवस्था गरिनेछ।
- प्रारम्भिक कक्षाको सिकाइ सुधारको लागि सिक्नको लागि पढ्ने धारणालाई थप निरन्तरता दिइनेछ।

- निरन्तर सिकाइको लागि माध्यमिक विद्यालयका विद्यार्थीहरुलाई एक कार्यविधि तयार गरी परिचालन गरिनेछ ।
- विद्यालय सुपरीवेक्षण तथा शिक्षकको पेशागत सहयोगको लागि पालिकातहमा निश्चित कार्यविधि बनाई लागु गरिनेछ ।
- महिला, दलित, जनजाती, लोपोन्मुख समुदाय, अपाङ्गताभएका, कठिन भौगोलिक अवस्थामा रहेका, जोखिममा परेका, आर्थिक रूपले विपन्न, द्वन्द्व प्रभावित तथा सामाजिक कारणले बञ्चितिमा परेका सबै बालबालिकाहरूले शिक्षा प्राप्त गर्ने अवसर पाएको हुनेछ ।
- विद्यालय तहको शिक्षण सिकाइमा सुधारको लागि शैक्षिक सामग्री सहितको शिक्षण, शिक्षकको पेशागत विकास र सहयोगमा प्राथमिकता दिदै सिकाइको लागि मुल्यांकनका साथै पालिका स्तरीय स्तरीकृत परीक्षा तथा परीक्षण लागु गरिनेछ ।
- सबै विद्यालयमा प्रविधिमैत्रि शिक्षणको लागि चाहिने न्युनत्तम सामग्रीको सहयोग गर्दै प्रविधिमैत्री शिक्षण लागु गरिनेछ ।
- शिक्षण सिकाइ सुधारको लागि एक विद्यालय एक शैक्षणिक नेतृत्वकर्ताको रुपमा तोकि कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ ।
- आधारभुत तहमा स्थानीय पाठ्यक्रम विकास गरी लागु गरिनेछ ।
- विद्यालयको शिक्षणसिकाइ क्रियाकलापहरु सञ्चालनको लागि न्युनतम सिकाइ वातावरणको सुनिश्चत गर्न प्रस्तावनामा आधारित शैक्षिक सुधार कार्यक्रम लागु गरिनेछ ।
- निरन्तर सिकाइको लागि सामुदायिक सिकाइ केन्द्रको थप सुदढीकरण गरी निरन्तर सिकाइ कार्यक्रम सामुदायिक सिकाइ केन्द्रबाट गरिनेछ ।
- विद्यालय प्रअको छनोट र नियुक्ति प्रक्रियालाई पारदर्शी, विस्वासनीय गर्न निश्चित कार्यविधि तयार गरी नेतृत्व परीक्षण लागु गरिनेछ साथै प्रधानाध्यापकहरुका लागि समय सापेक्ष रुपमा भत्ताको व्यवस्था गरिनेछ ।
- विद्यालयको सुशासन, जवाफदेहिता तथा ब्यवस्थापनमा प्रभावकारीता ल्याउन विभिन्न रणनीतिहरु कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ । त्यस्ता रणनीतिहरुमा विद्यालयको नेतृत्वको क्षमता विकास कार्यक्रम, विद्यालय आचारसिंहता निर्माण र कार्यान्वयन, कार्यसम्पादन करार सम्झौता गरी पुरस्कार र दण्ड, बाह्य परीक्षकबाट हरेक बर्ष विद्यालयको कार्यसम्पादन मुल्यांकन, सामाजिक परीक्षण, लेखापरीक्षण र बार्षिक हुने विद्यालयको कार्यसम्पादन मुल्यांकनको आधारमा विद्यालयमा जाने कार्यक्रम तथा निकासालाई जोड्दै अनिवार्य र प्रभावकारी बनाइने तथा विद्यालयको नियमित मासिक शैक्षिक गतिविधिहरुको जानकारीको प्रतिवेदन मासिक रुपमा सुचना प्रविधि मार्फत लिने प्रबन्ध मिलाइने छ ।
- संकटको बेलामा पनि शिक्षणसिकाइ सञ्चालन गर्न पालिका स्तरमा वैकल्पिक सिकाइ सहजीकरणको कार्यक्रम लागि भर्चुअल सिकाइ सहजीकरणको ब्यवस्था मिलाइनेछ ।

- अभिभावक तथा समुदाय सचेतिकरणको लागि विद्यालय परिवार तथा माध्यमिक तहका विद्यार्थीहरुलाई परिचालन गरिनेछ।
- वैकल्पिक शिक्षकको व्यवस्था गरिनेछ।
- भौतिक पुर्वाधार (भवन, खेलमैदान, घेराबारा, स्वच्छ पीउने पानी, शौचालय, फर्निचर आदी) विकास गरिनेछ।
- शैक्षिक जनशक्ति विकासका लागि प्रशिक्षण केन्द्र व्यवस्थापन गरिनेछ।
- सार्वजनिक पदधारण गरेका पदाधिकारी, सरकारी वेतनधारी कर्मचारी, शिक्षकहरुका सन्ततिहरुलाई सरकारी विद्यालयमा अनिवार्य पढाउने निति लिईनेछ।
- विद्यालय नक्साङ्कनका आधारमा विद्यालय स्थापना, समायोजन तथा विस्तार गरिनेछ।
- विद्यालय शिक्षामा पहुँच वृद्धि गर्नका लागि विद्यालय भर्ना तथा स्वागत कार्यक्रम, निःशुल्क पाठ्यपुस्तक, छात्रवृत्ति, दिवा खाजा, विद्यालय पोसाक, शैक्षिक सामग्री वितरण, अभिभावक शिक्षा आदि जस्ता कार्यक्रमहरू सञ्चालन गरिनेछ।
- विद्यालय बाहिर रहेका सबै बालबालिकाहरूलाई विद्यालयमा भर्ना गर्ने अभियानलाई निरन्तरता दिँदै विभिन्न प्रोत्साहनमूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ।
- सबैका लागि अनिवार्य तथा निःशुल्क शिक्षा सुनिश्चित गर्न शारीरिक तथा सामाजिक रूपमा पछाडि परेका बालबालिकाहरूलाई विशेष सिकाइ सामग्री र उचित शैक्षिक अवसरको सृजना गरिनेछ।

## २.४अपेक्षित उपलब्धीहरु

- माध्यमिक शिक्षामा सबैको पहुँच सुनिश्चित भई सान्दर्भिकता र गुणस्तरमा सुधार भएको हुनेछ।
- सबै सामुदायिक विद्यालय, प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा तथा उच्च शिक्षा प्रदायक संघ संस्था पेसागत रूपमा दक्ष जनशक्ति कार्यरत रहेको हुने हुनेछ।
- पाठ्यक्रमको प्रभावकारी कार्यान्वयनबाट दैनिक जीवनका लागि आवश्यक आधारभूत सक्षमता सहित सृजनशील, सकारात्मकसोच भएको, निरन्तर सिकाइप्रति प्रतिबद्ध र रोजगार उन्मुख नागरिक तयार भएको हुनेछ।
- सक्षम र अभिप्रेरित शिक्षकको व्यवस्था भई विद्यार्थीको सिकाइमा सुधार भएको हुनेछ
- सबै विद्यालयहरू गुणस्तरी शिक्षा प्रदान गर्न सक्षम भएका हुनेछन।
- विद्यालय तहको शिक्षामा समतामूलक पहुँच र समावेशी सहभागितासहित सबैका लागि गुणस्तरीय शिक्षा सुनिश्चित भएको हुनेछ।
- विद्यालयमा सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको विस्तार भई सिकाइलाई प्रभावकारी, गुणस्तरीय र सान्दर्भिक बनाउन सहयोग पुग्नुका साथै विद्यालय शिक्षाको व्यवस्थापनमा सुधार आई सुशासन प्रबर्द्धन भएको हुनेछ।

- प्रभावकारी अनुगमनको माध्यबाट योजना कार्यान्वयनका चरणमा आएका समस्या तथा चुनौतीहरूलाई समयमै सम्बोधन भई अपेक्षित उपलब्धि हासिल हुने र योजनाको मूल्याङ्कनमा आधारित भई आवश्यकतामा आधारित योजना निर्माणका लागि पृष्ठपोषण प्राप्त भएको हुनेछ।
- सबै बालबालिकाहरूलाई निशुल्क माध्यमिक शिक्षाको पहुँच सुनिश्चत भई खुद भर्ना तथा टिकाउ दरमा वृद्धि भएको हुनेछ।
- सबै माध्यमिक विद्यालयले आधारभूत मापदण्ड पुरा माध्यमिक शिक्षाको सान्दर्भिकता र गुणस्तरमा अभिवृद्धि भएको हुनेछ।
- पाठ्यक्रम तथा पाठ्यसामग्रीको उपलब्धता, उत्प्रेरित शिक्षकको व्यवस्थापन, प्रविधिको समुचित प्रयोग, र उचित सिकाइ वातावरणको निर्माण भएको हुनेछ।
- माध्यमिक शिक्षाको भर्ना, सहभागिता र सिकाइ उपलब्धिमा लैङ्गिक, भौगोलिक, सामाजिक तथा आर्थिक लगायतका समता सूचकमा सुधार भएको हुनेछ।
- माध्यमिक विद्यालयहरू प्रकोप, संकट तथा महामारीलगायतका परिस्थितिप्रति उत्थानशील भएको हुनेछ ।
- सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको उपयोग भई विद्यार्थीको सिकाइमा सहयोग पुगेको हुनेछ।
- स्थानीय तहमा सञ्चालित उच्च शिक्षा प्रदायक संस्थाहरूबाट सञ्चालन हुने कार्यक्रमहरूको सान्दर्भिकता र गुणस्तरमा अभिवृद्धि भएको हुनेछ।

## २.७ मुख्य कार्यसम्पादन सुचकहरु

| मुख्य कार्यसम्पादन सुचक | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| क्रस | **तह** | **सुचांक** | **आब २०७९** | **आ ब २०८४** | **आ ब २०८९** |
| १.१ | **प्रारम्भिकबालविकास** | प्रारम्भिकबालविकास र शिक्षामा कूल भर्ना दर* (%) | ७८.९ | ८८.०० | ९९.९ |
| १.२ | | प्रारम्भिकबालविकास र शिक्षामा खुद भर्ना दर* (%) | ६३.२ | ८३.२ | ९३.२ |
| १.३ | | न्यूनतमयोग्यता पुरा भएका शिक्षकको प्रतिशत | ७८.९ | ८८.०० | ९९.९ |
| १.४ | | आधारभूततालिम प्राप्त शिक्षकको प्रतिशत | १०० | १०० | १०० |
| १.५ | | प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षाको अनुभव लिई कक्षा १ मा नयाँ भर्नाभएका बालबालिका* (%) | ८३.२ | ९३.२ | ९८.२ |
| २.१ | **आधारभुततह** | कक्षा १ मा नयाँ भर्ना भएका बालबालिकाको खुद प्रवेश दर (%) | ९६.४ | ९८.४ | १०० |
| २.२ | | कक्षा १ मा नयाँ भर्ना भएका बालबालिकाको कूल प्रवेश दर (%) | ११५.६ | १०५.१ | १०० |
| २.३ | | आधारभूत तह (प्राथमिक कक्षा १-५) मा खुद भर्ना दर* (%) | ९७ | ९८ | १०० |
| २.४ | | आधारभूत तह (प्राथमिक कक्षा १-५) मा कूल भर्ना दर* (%) | ११५.१ | १०५.१ | १०० |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| २.५ | | आधारभूत तह(कक्षा ६-८) मा खुद भर्ना दर* (%) | ९८.२ | ९०.२ | १०० |
| २.६ | | आधारभूत तह(कक्षा ६-८) मा कूल भर्ना दर (%) | ११५.५ | १०५.५ | १०० |
| २.७ | | आधारभूत तह(कक्षा १-८) मा खुद भर्ना दर* (%) | ९७.६ | ९८.६ | ९९.९ |
| २.८ | | आधारभूत तह(कक्षा १-८) मा कूल भर्ना दर (%) | ११५.३ | १०५.३ | १०० |
| २.९ | | आधारभूततह(कक्षा १-८) खुद भर्ना दरमा लैङ्गिक समता सूचक* | ९९.३३ | ९९.५० | १०० |
| २.१० | | आधारभूततहको कक्षा ८ सम्मको टिकाउ दर* (%) | ८३.९ | ९३.९ | ९९.९ |
| २.११ | | आधारभूततहको कक्षा १ मा भर्ना भई कक्षा ८ पूरा गर्ने दर*(%) | ७५.५ | ९०.५ | ९९.५ |
| २.१२ | | विद्यालयवाहिर रहेका बालबालिकाकक्षा १-८ | ३.६ | १.६ | ० |
| ३.१ | **माध्यमिकतह** | माध्यमिक तह (कक्षा ९-१०) मा खुद भर्ना दर* (%) | ८४.९ | ९०.९ | ९९.९ |
| ३.२ | | माध्यमिक तह (कक्षा ९-१०) मा कूल भर्ना दर* (%) | ११२.८ | १०५.८ | १०० |
| ३.३ | | माध्यमिक तह (कक्षा ११-१२) मा खुद भर्ना दर* (%) | ३२.३ | ६०.३ | ८२.३ |
| ३.४ | | माध्यमिक तह (कक्षा ११-१२) मा कूल भर्ना दर* (%) | ५५.५ | ७५.५ | ९५.५ |
| ३.५ | | माध्यमिक तह (कक्षा ९-१२) मा खुद भर्ना दर* (%) | ५८.६ | ७८.६ | ९८.६ |
| ३.६ | | माध्यमिक तह (कक्षा ९-१२) मा कूल भर्ना दर* (%) | ८४.१५ | ९४.१५ | ९९.१५ |
| ३.७ | | कक्षा १ मा भर्ना भएका बालबालिका मध्ये कक्षा १० मा पुग्ने टिकाउदर (%) | ५९.७ | ७९.७ | ८९.७ |
| ३.८ | | कक्षा १ मा भर्ना भएका बालबालिका मध्ये कक्षा १० मा पूरा गर्ने दर*(%) | ५९.७ | ७९.७ | ८९.७ |
| ४.० | **स्थानीयतहमा शिक्षाको बजेट प्रतिशत** | कूल बजेटकोशिक्षा क्षेत्रमा विनियोजित बजेट | ३३५२६००० | ४००००००० | ४५५२६००० |
| ५.१ | **छोड्नेदर** | आधारभूत तह (कक्षा१-८) | ३.५५ | २.५५ | ० |
| ५.२ | | माध्यमिकतह (कक्षा ९-१०) | ५.४ | २.४ | ० |
| ६.१ | **दोर्याउनेदर** | आधारभूत तह (कक्षा १-८) | ७ | ४ | ० |
| ६.२ | | माध्यमिकतह (कक्षा ९-१०) | ४.४ | २.४ | ० |
| ७.१ | **सिकाइउपलब्धी दर** | कक्षा ८ मा ३.२ बाट ३.६ ग्रेड ल्याउने % | | | |
| ७.२ | | कक्षा ८ मा ३.६ बाट ४.० ग्रेड ल्याउने % | | | |
| ७.३ | | कक्षा SEE ३.२ बाट ३.६ ग्रेड ल्याउने % | | | |
| ७.४ | | कक्षा SEE ३.६ बाट ४.० ग्रेड ल्याउने % | | | |

**आन्तरिक दक्षता र शिक्षाको स्तर, २०७८**

| क्षेत्र | सुचक | लिंग | अवस्था२०७९ |
|---|---|---|---|
| | कक्षा ५सम्मको टिकाउदर | छात्रा | ९१.९ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| आन्तरिक सक्षमता कक्षा १ बाट ५ | | छात्र | ९९.३ |
| | | जम्मा | ९५.६ |
| | कक्षा ५ सम्मको पुरा गर्ने दर | छात्रा | ८९.० |
| | | छात्र | ९२.५ |
| | | जम्मा | ९०.८ |
| | Average no.of pupil-years invested per graduate in Lower basic level | छात्रा | ५.७ |
| | | छात्र | ५.९ |
| | | जम्मा | ५.८ |
| | कक्षा १ बाट ५ आन्तरिक सक्षमता | छात्रा | ८७.९ |
| | | छात्र | ८४.६ |
| | | जम्मा | ८६.२ |
| आन्तरिक सक्षमता कक्षा ६ बाट ८ | कक्षा ८सम्मको टिकाउदर | छात्रा | ८३.८ |
| | | छात्र | ८४.० |
| | | जम्मा | ८३.९ |
| | कक्षा ८ सम्मको पुरा गर्ने दर | छात्रा | ७७.१ |
| | | छात्र | ७३.८ |
| | | जम्मा | ७५.५ |
| | Average no.of pupil-years invested per graduate in Lower basic level | छात्रा | १०.२ |
| | | छात्र | १०.६ |
| | | जम्मा | १०.३ |
| | कक्षा ६ बाट ८ आन्तरिक सक्षमता | छात्रा | ७८.३ |
| | | छात्र | ७५.४ |
| | | जम्मा | ७७.८ |
| आन्तरिक सक्षमता कक्षा ९ बाट १० | कक्षा१० सम्मको टिकाउदर | छात्रा | ६४.४ |
| | | छात्र | ५७.७ |
| | | जम्मा | ६१.१ |
| | कक्षा १० सम्मको पुरा गर्ने दर | छात्रा | ६३.३ |
| | | छात्र | ५६.१ |
| | | जम्मा | ५९.७ |
| | Average no.of pupil-years invested per graduate in Lower basic level | छात्रा | १३.१ |
| | | छात्र | १३.८ |
| | | जम्मा | १३.३ |
| | कक्षा ९ बाट १० आन्तरिक सक्षमता | छात्रा | ६०.९ |
| | | छात्र | ५७.८ |
| | | जम्मा | ५९.९ |

# परिच्छेद ३ विद्यालय शिक्षाका मुख्य उपक्षेत्रहरु

## ३.१ प्रारम्भिक बाल विकास तथा शिक्षा

### ३.१.१ परिचय

नेपालको संविधान २०७२ को धारा ३९ बालबालिकाको हकको उपधारा (३) मा "प्रत्येक बालबालिकालाई प्रारम्भिक बालविकास तथा बाल सहभागिताको हक हुनेछ" भनी उल्लेख गरिएको छ साथै शिक्षा ऐन २०२८ को आठौँ संशोधनले बालविकास शिक्षालाई विद्यालय शिक्षा कै अंगको रूपमा मान्यता दिएको छ। प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षा कार्यक्रमले बालबालिकालाई लेखपढ गराउने वा अक्षर तथा अङ्क चिनाउने कार्यमा जोड दिने भन्दा बालबालिकाको सर्वाङ्गीण विकासमा सहयोग गर्नाका साथै आधारभूत शिक्षाको लागि तयार गराउन सहयोग गर्नुपर्छ। प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षा कार्यक्रमहरू विभिन्न समयावधिका सञ्चालन गर्ने प्रचलन भए पनि चार वर्ष उमेर पुगेका बालबालिकाका लागि एक वर्षको प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षा कार्यक्रम सञ्चालन गरिने व्यवस्था नेपालको निःशुल्क तथा अनिवार्य शिक्षा ऐन, २०७५ तथा राष्ट्रिय शिक्षा नीति, २०६७ मा उल्लेख भएको र नेपालको पन्ध्रौं योजनामा पनि सोही व्यवस्था गरिएको सन्दर्भमा यस शिक्षा योजनामा पनि एकवर्षे बालविकास कार्यक्रम समावेश गरिएको छ। सरकारी तथा गैरसरकारी संस्था, स्थानीय सरकार, समुदाय, निजी क्षेत्र र विद्यालयहरूको सहयोगले यस पालिकामा प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षा कार्यक्रम विस्तारमा महत्त्वपूर्ण उपलब्धि हासिल भएको छ। बालबालिकाको शारीरिक, मानसिक, संवेगात्मक, सामाजिक एवं नैतिक सृजनात्मक पक्षको विकासमा सघाउँदै उनीहरूलाई आधारभूत शिक्षाको लागि तयार गर्ने उद्देश्यले सञ्चालित यो कार्यक्रम विद्यालय शिक्षाको पहिलो पाइला भएकोले पनि यसलाई सर्वसुलभ र गुणस्तरीय बनाउनु स्थानीय सरकारको दायित्व भित्र पर्दछ। यसै कुरालाई मध्यनजर गरेर नौमूले गाउँपालिकाले निर्माण गरेको यस शिक्षा योजनामा प्रारम्भिक बालविकास शिक्षालाई व्यवस्थित र गुणस्तरीय बनाउने  प्रयास स्वरुप कार्यक्रमहरू समावेश गरिएको छ।

प्रारम्भिक वालविकास तथा शिक्षा कार्यक्रमले वालवालिकालाई सामान्य लेख पढ गराउने अक्षर तथा अङ्क चिनाउने कुरामा जोड दिनुका साथै बालवालिकाको सर्वाङगिण विकासमा सहयोग गरी आधारभूत शिक्षाको लागि तयार गर्ने । प्रारम्भिक वालविकास शिक्षाका कार्यक्रमहरु विभिन्न समायवधिमा सञ्चालन गर्ने प्रचलन भएपनि ४ वर्षको उमेर पुगेका वालवालिकाका लागि एक वर्षको प्रारम्भिक वालविकास तथा शिक्षा सञ्चालन गरिने कुरा नेपालको निःशुल्क तथा अनिवार्य शिक्षा ऐन २०७५ तथा राष्ट्रिय शिक्षा नीति २०७७ मा उल्लेख गरिएको छ । पाठ्यक्रम प्रारुप २०७६ अनुसार चार वर्ष उमेर पूरा भएका वालवालिकालाई एक वर्षको प्रारम्भिक वालविकासको अवसर प्रदान गरिने कुरा उल्लेख छ भने चार वर्ष भन्दा मुनिका वालवालिकालाई शिशु विकास केन्द्रबाट शारीरिक , मानसिक , बौद्धिक , संवेगात्मक पक्षको विकास गराउन सकिने कुरा उल्लेख गरिएको छ ।

नेपालको संविधानको धारा ३९ (३) मा प्रत्येक बालबालिकालाई प्रारम्भिक बालविकास तथा बाल सहभागिताको हक हुनेछ भनी उल्लेख गरिनु र शिक्षा ऐन २०२८ को आठौं संशोधनले बालविकास र शिक्षालाई विद्यालय शिक्षाकै अभिन्न अङ्गको रूपमा मान्यता दिनुले यसको आवश्यकता र महत्तव थप पुष्टि भएको छ । बालबालिकाको शारीरिक, मानसिक, संवेगात्मक, सामाजिक एवं नैतिक सृजनात्मक पक्षको विकासमा सघाउँदै उनीहरूलाई

आधारभूत शिक्षाको लागि तयार गर्ने उद्देश्यले सञ्चालित यो कार्यक्रम विद्यालय शिक्षाको पहिलो पाइला भएकोले पनि यसलाई सर्वसुलभ र गुणस्तरीय बनाउनु आजको आवश्यकता रहेको छ।

### ३.१.२ वर्तमान अवस्था

नौमूले गाउँपालिकामा हाल ४८ वटा वालविकास केन्द्रहरु संचालनमा रहेका छन्। ३४ वटा सरकारी अनुदान प्राप्त वालविकास केन्द्रहरु छन्। यस गा.पा. मा संचालित अनुदान प्राप्त जम्मा १४ वटा विद्यालयहरुमा रहेका छन। समुदायमा अध्ययन केन्द्र जम्मा ३ वटा रहेका छन्। पालिकामा ०-४ वर्ष उमेरका कूल जनसंख्या १८६४ रहेको यस गाउँपालिकामा ९५१ वालक र ९१३ वालिका रहेका छन्। जम्मा ६८८ जना वालवालिका वालविकास केन्द्रमा भर्ना भएका छन्। विद्यालयमा आधारित वालविकासमा ६६८ र समुदायमा आधारित वालविकासमा १९ जना रहेका छन्। कक्षा १ मा प्राम्भिक वालविकास शिक्षा अनुभव सहितको भर्ना दर ७८.९प्रतिशत रहेको छ।प्रारम्भिकबालविकास र शिक्षामा खुद भर्ना दर* (%) ६३.२ प्राम्भिक वालविकास शिक्षा अनुभव सहितको भर्ना दर ८३.२प्रतिशत रहेको छ। भौतिक रुपमा हेर्दा वालवालिका सम्बन्धि न्यूनतम मापदण्ड निर्देशिका २०६७ पहिलो संशोधन २०७५ अनुसार यस गाउँपालिका अन्तरगत कुनै पनि वालविकास केन्द्रको न्यूनतम मापदण्ड नपुगेका देखिन्छ। वालविकास केन्द्रहरु वालमैत्री, अपाङ्गमैत्री र लैङ्गीकमैत्री बन्न सकेका छैनन्। त्यसका साथसाथै वालविकास सहजकर्ताहरुलाई तालिमको व्यवस्था गर्नुको साथै समय समयमा पुनर्ताजकी तालिमको व्यवस्था गर्नु पर्ने देखिन्छ।

प्रारम्भिक बालविकासको अवसर प्रदान गरिने कुरा उल्लेख गरिएको छ भने चार वर्ष उमेरभन्दा मुनिका बालबालिकालाई शिशु विकास केन्द्रबाट शारीरिक, मानसिक वा बौद्धिक, संवेगात्मक र सामाजिक विकास तथा स्याहारका क्रियाकलाप सञ्चालन गर्न सकिने कुरा उल्लेख छ। प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षाको मुख्य उद्देश्य विविध किसिमका मनोरञ्जनात्मक सिकाइ सहजीकरण क्रियाकलापका माध्यमद्वारा बालबालिकाहरूको सर्वाङ्गीण विकासमा सहयोग पुर्याउनु र कक्षा १ मा प्रवेशका लागि तयार पार्नु हुने छ भन्ने कुरा उल्लेख गरिएको छ। प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षाका ७ सक्षमताहरू मा सर्वाङ्गीण विकासका क्रियाकलापमा संलग्नता, पोषणयुक्त खाना र स्वस्थकर बानी विकास, वैयक्तिक सुरक्षाका उपायहरू अवलम्बन, सरसफाइ र सामाजिक बानी व्यवहारको अवलम्बन, सिर्जनात्मक सोचको विकास र भाषिक तथा सञ्चार सीपको विकास रहेको छ।

विद्यालय क्षेत्र विकास कार्यक्रमले प्रारम्भिक शिक्षामा पहुँच गुणस्तरमा जोड दिइएको छ भने शिक्षा नीति २०७६ ले बालबालिकाको सर्वाङ्गीण विकासमा केन्द्रित प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षालाई गुणस्तरीय र प्रभावकारी बनाउनु पर्ने उदेश्य लिएको छ भने उपयुक्त पूर्वाधार सहितको बालमैत्री वातावरण सुनिश्चित गरी प्रारम्भिक बालविकासको अवसर विस्तार गर्ने तथा तीनै तहका सरकार र अभिभावकको साझेदारीमा बालबालिकाहरूको सर्वाङ्गीण विकास एवं विद्यालय शिक्षाको पूर्वतयारीका लागि कम्तीमा एक बर्षको प्रारम्भिक बालविकासको अवसर प्रदान गर्ने रणनीति लिएको छ। त्यस्तैगरी १५ औं योजनाले प्रारम्भिक शिक्षा लाई विद्यालय शिक्षाको अभिन्न अङ्गका रुपमा लिइ सबै बालबालिकाहरुको पहुँचको सुनिश्चित गर्ने रणनीति लिइएको छ भने कार्यनीतिका

रुपमा बालविकासको विकासको लागि लगानी साझेदारी गर्ने दक्ष योग्यता पुगेका शिक्षकबाट सेवा प्रदान गर्ने प्रारम्भिक शिक्षाको व्यवस्थापनको न्युनतम मापदण्ड पुरा गर्ने नीति लिइएको छ ।

### ३.१.३ अवसर र चुनौतिहरु

बालविकासको क्षेत्रमा प्रत्येक बर्ष प्रतिविद्यार्थी रु ५०० का दरले अनुदान विद्यालयले प्राप्त गर्नु प्रदेश सरकारले यस क्षेत्रमा जोड दिदै आउनु, यस पालिकाले बालविकासमा जोड दिनु, खाजा कार्यक्रम लागु हुनु बालविकास केन्द्र सञ्चालन भएका  विद्यालयहरुमा छुट्टै कक्षाकोठा हुनु तथा भुइँ वसाइ व्यवस्थापन गरिनु, श्री भैरव माध्यमिक विद्यालयमा प्राविधिक कृषि धारको पढाइ सुरु गरिनु, खेलकुदका सामग्री व्यवस्थापन गर्नु,अभिभाबकहरुमा क्रमश ४ बर्ष पछि बालविकासमा भर्ना गर्नु पर्छ भन्ने चेतना बढ्दै जानु आदि जस्ता कार्यहरु प्रारम्भिक वालविकास केन्द्रको अवसरको रुपमा लिन सकिन्छ । यस क्षेत्रको चुनौतिको रुपमा सहयोगी कार्यकर्ता एक जना मात्र रहनुले विशेष परिस्थितिमा सहयोगी कार्यकर्ताले विदा बस्नु परेको बेलामा कक्षा सञ्चालन हुन नसक्नु , सहयोगी कार्यकर्ताहरुले विद्यालयमा शिक्षकको अभावले अन्य कक्षाहरु पनि सहजिकरण गर्नु पर्ने, बाल विकास सहजकर्ताले कम पारिश्रमिक प्राप्त गर्नु बालविकास केन्द्रहरुको बर्गीकरण नगर्नु,  धेरै बालविकास केन्द्रहरुका सरकारले तोकेको न्युनत्तम मापदण्ड पनि पुरा नगर्नु , सबै सामूदायिक विद्यालयहरुमा प्रारम्भिक वालविकास केन्द्र स्थापना नहुनु,सरकारले तोकेको मापदण्ड अनुसार २५ जना भएको कक्षामा १ जना सहयोगीको व्यवस्था नहुनु कक्षाकोठाको भित्तामा स्थायी भित्ते चित्रको व्यवस्था नहुनु, उपयुक्त बसाइ व्यवस्थापन नहुनु , बालमैत्री सिकाइको व्यवस्था नहुनु ,बालमनोरञ्जनात्मक सिकाइ तथा खेलकुद सामाग्रीको व्यवस्था नहुनु , अभिभावक चेतनामूलक कार्यक्रमहरु नहुनु, शिशु नियमित उपस्थित नहुनु आदि ।

**प्रारम्भिक वालविकास शिक्षामा देखिएका विद्यमान चुनौतीहरु** -

- वालविकास कक्षाकोठामा भित्तेचित्र लेखन गर्न
- सबै प्रारम्भिक वालविकास केन्द्रमा न्यूनतम मापदण्ड पूरा गर्न
- सहजकर्ताहरुको पारिश्रमिक वृद्धिवृति विकास र क्षमता विकास गर्न ,
- तोकिएको उमेरमा वालविकास कक्षामा भर्ना गराउन
- तोकेको मापदण्ड अनुसार सुसारेको व्यवस्था गर्न
- खेलकुद तथा मनोरञ्जनात्मक कार्यकलापका लागि आर्थिक व्यवस्थापन गर्न
- अभिभाकमा जनचेतना अभिवृद्धि गर्न
- विद्यार्थीहरुलाई नियमित गर्न
- उपयुक्त वसाईका लागि फर्निचर व्यवस्थापन गर्न
- सवै विद्यालयमा वालमेत्री  बनाउन
- कक्षा कोठाको व्यवस्थापन
- विद्यालयमा स्वच्छ खानेपानी व्यवस्था गर्न।

### ३.१.४ उद्देश्यहरु

सबै ५ बर्ष मुनिका बालबालिकाहरुलाई प्रारम्भिक बालविकास केन्द्रमा भर्ना गरी विद्यालयमा आउने बानिको बिकासका साथै सरसफाई रहने र सामान्य लेखपढ गर्न सक्ने बनाउनु प्रारम्भिक बाल विकास केन्द्रको प्रमुख उदेश्य हुनेछ ।

यस गाउँपालिकाको प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षाको क्षेत्रमा देहाय बमोजिमको उदेश्य हुने छ -

- ५ बर्ष मुनिका सबै बालवालिकाहरुलाई प्रारम्भिक बालबिकास शिक्षाको अनुभव सहित कक्षा १ मा भर्ना गराउनु ।
- ५ बर्ष मुनिको सबै बालबालिकाहरुलाई प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षामा पहुँचमा सुधार ल्याउनु ।
- सबै सामुदायिक विद्यालयमा प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षा केन्द्र स्थापना गर्नु ।
- बालविकास केन्द्रहरूलाई प्रारम्भिक बालविकास केन्द्रको राष्ट्रिय न्यूनतम मापदण्ड मार्गदर्शक पुस्तिका २०६७ को पहिलो संशोधन २०७५ को मापदण्ड अनुसार बनाएर गुणस्तरीय बनाउनु ।
- प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षाको गुणस्तर सुनिश्चित गर्नु ।
- सबै प्रारम्भिक बालविकास केन्द्रमा आधुनिक शैक्षणिक प्रबिधिको प्रयोग गराउनु ।
- प्रारम्भिक कुराहरु कक्षाकोठाका भित्तामा भित्तेलेखन गर्न साथै आँखालाई असर नपर्ने रङको प्रयोग गर्नु ।
- अपाङ्ग वालवालिकाहरुलाई वालशिक्षाको पहुँचमा ल्याउनु ।
- वालविकास सहजकर्ताहरुलाई स्थायी गर्नु ।
- वैकल्पिक सहयोगी कार्यकर्ता तथा स्वयंसेवक शिक्षकको व्यवस्था गर्नु ।
- विद्यार्थी संख्याको आधारमा सहयोगी कार्यकर्ता थप गर्ने ।

### ३.१.५ रणनीतिहरु

यस गाउँपालिकाले सबै बालविकास केन्द्र तथा शिक्षालाई गुणस्तरीय बनाउदै सबैको पहुँचलाई विस्तार गर्ने रणनीति लिनेछ । जसको लागि तलका कार्यनीतिहरु कार्यान्वयनमा ल्याउने छ -

- प्रारम्भिक वालविकास तथा शिक्षा सम्बन्धी न्यूनतम मापदण्ड निर्देशिका २०६७ पहिलो संशोधन २०७५ बमोजिम प्रारम्भिक वालविकास तथा शिक्षाको सञ्चालन तथा व्यवस्थापन गरिनेछ ।

- जटिल भौगोलिक क्षेत्रमा बसोबास गर्ने, लोपोन्मुख तथा सीमान्तकृत समुदायका बालबालिका तथा अपाङ्गता भएका ४ वर्षका बालबालिकालाई समेट्नका लागि आवश्यकतामा आधारित प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षा कार्यक्रमका विभिन्न नमूनाहरु विकास गरी पहुँच सुनिश्चित गरिनेछ ।
- प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षा कार्यक्रमको प्रभावकारिता वृद्धिका लागि परिवार, समुदाय, गैरसरकारी संघसंस्था, निजी क्षेत्र र विद्यालयहरुलाई जिम्मेवार बनाइने  साथैअभिभावक सचेतना कार्यक्रमलाई जोड दिइने छ ।
- बालविकास सहजकर्ताहरुको क्षमता विकास सँगै प्रोत्साहनका गतिविधिहरु सञ्चालन गरिने छ ।
- बालविकास केन्द्रलाई ब्यवस्थित बनाउनको लागि अभिभावक तथा समुदायलाई समेत परिचालन गरिनेछ ।
- प्रारम्भिक बाल कक्षामा निर्धारित मापदण्ड अनुरूप बसाइ व्यवस्थापन रसरसफाइलाई ध्यान दिई खेलसामग्री, सिकाइ सामग्री, मनोरञ्जन सामग्री,श्रव्य, दृष्य तथा श्रव्यदृष्य सामग्री सहित आकर्षक, मनोरञ्जक र बालमैत्री कक्षाकोठा व्यवस्थापन गरिनेछ ।
- प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षाका सहयोगी कार्यकर्ताहरुकोक्षमता विकासमा ध्यान दिदै तालिम प्राप्त योग्य शिक्षकबाट सेवा प्रवाह हुनेव्यवस्था गरिनेछ ।
- एक वडा एक नमुना बालविकास केन्द्रको निमार्ण गर्दै लगिनेछ ।
- सबै सामुदायिक विद्यालयमा माग र आवश्यकताका आधारमा प्रारम्भिक वालविकास केन्द्र स्थापना गरिनेछ ।
- प्रारम्भिक वालविकास शिक्षाको प्रभावकारीताको लागि वालवालिकाको परिवार , विद्यालय , सहयोगी कार्यकर्ता , विद्यालय प्रधानाध्यापकलाई पहिलो जिम्मेवार बनाइनेछ ।
- वालवालिकाको सरसफाइ, शिक्षा तथा स्वास्थ्य परीक्षण सम्बन्धी,पोषण, गर्भवती तथा शिक्षा सम्वन्धी अभिभावक सचेतना कार्यक्रम वर्षमा न्युनतम १ पटक गराइनेछ ।
- प्रारम्भिक वालविकास केन्द्र सहयोगी कार्यकर्ताको शैक्षिक योग्यता न्युनतम कक्षा १२ बनाइदै लगिनेछ र सहयोगी कार्यकर्ता महिलामात्र नियुक्त गरिनेछ । जसमा विवाहित तथा स्थानीय महिलाई विशेष प्रथामिकता दिइनेछ ।
- प्रारम्भिक वालविकास केन्द्रमा वालवालिकालाई दिवा खाजामा पोषणयुक्त खानेकुराको व्यवस्था गरिने छ साथै समयसापेक्ष दिवा खाजाको लागि आर्थिक व्यवस्थापन गरिनेछ ।
- वालविकास सहजकर्तासँग कार्यसम्पादन करार सम्झौता गरी निश्चित उपलब्धिका आधारमा पुरस्कारको व्यवस्था गरिने छ ।
- वालविकास केन्द्रको नियमित अनुगमन तथा समीक्षा वैठक सञ्चालन गरिने छ ।

- वालविकास सहयोगी कार्यकर्ताको क्षमता विकास तथा समस्यामा आधरित तालिम सञ्चालन गरिने छ।
- वालवालिकालाई स्तरअनुसारको झोला, स्टेस्नरी तथा अतिरिक्त एक सेट कपडा सहित प्रारम्भिक वालविकासकेन्द्रमा उपस्थित गराउन विद्यालय तथा अभिभावकलाई जिम्मेवार बनाइनेछ।
- प्रारम्भिक वालविकास केन्द्रमा शिक्षिका बाहेक अरु एक जना सुसारेको व्यवस्था गरिने छ।

## ३.१.६ उपलब्धि, नतिजाहरु, प्रमुख क्रियाकलापहरु तथा लक्ष्य

### उपलब्धि

सवै वालवालिकाहरुलाई गुणस्तरीय प्रारम्भिक वालविकास तथा शिक्षाको अवसर सुनिश्चित हुने।

### *प्रमुख नतिजाहरु*

- सबै सामुदायिक तथा संस्थागत विद्यालयहरुमा आवश्यकताका आधारमा प्रारम्भिक वालविकास केन्द्र सञ्चालन भएका हुनेछन्।
- प्रारम्भिक वालविकास केन्द्रमा वालवालिकालाई ल्याउन पुर्याउन अभिभावक तथा विद्यालय जिम्मेवार भएका हुनेछन्।
- वालमैत्री तथा प्रविधिमैत्री कक्षाकोठाको व्यवस्था भएको हुनेछ।
- प्रारम्भिक वालविकास तथा शिक्षा उमेर समूहका सबै वालवालिकाहरुलाई प्रारम्भिक वालविकास तथा शिक्षाको अनुभवसहित कक्षा १ मा प्रवेश गर्ने वातावरण तयार भएको हुनेछ।
- प्रारम्भिक वालविकास केन्द्रहरु प्रारम्भिक वालविकास सम्वन्धी न्युनतम मापदण्ड निर्देशिका २०६७ ( पहिलो संशोधन २०७५) अनुसार मापदण्ड पूरा भएका हुनेछन्।
- सबै प्रारम्भिक वालविकास सहयोगी कार्यकर्ताहरु मण्टेश्वरीमा आधारित तालिम प्राप्त हुनेछन्।

### प्रमुख क्रियाकलापहरु तथा लक्ष्य

| क्र.सं. | कार्यक्रम/क्रियाकलाप | इकाइ | भौतिक लक्ष्य (पहिलो ५ बर्ष) | | | | | भौतिक लक्ष्य(५ बर्ष) | जम्मा | जिम्मेवार निकाय |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | | | |
| १ | भर्ना अभियान सञ्चालन गर्ने | समय | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | विद्यालय |

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २ | अभिभावक सचेतना शिक्षा कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने। | समय | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | विद्यालय/शिक्षा शाखा |
| ३ | अति विपन्न तथा पीछडिएका वर्गका बालबालिकाहरुको लागि शैक्षिक सामग्रीहरु सहयोग गर्ने। | समय | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | स्थानीय तह |
| ४ | प्रस्तावनाको आधारमा न्यूनतम मापदण्ड सहितको वालविकास केन्द्रको व्यवस्था गर्ने | संख्या | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | स्थानीय तह/प्रदेश |
| ५ | बालशिक्षालाई थप गुणस्तर को लागि थप शिक्षकको ब्यवस्था गर्ने। २५जना भन्दा बढी विद्यार्थी भएमा | निरन्तर | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | स्थानीय तह |
| ६ | बालविकास कक्षाका सहजकर्ताको पारिश्रमीकमा थप प्रोत्साहन भत्ताको व्यवस्था गर्ने । | संख्या | | ४ | ५ | ५ | | १४ | | स्थानीय तह |
| ७ | बालविकास सहजकर्ताको क्षमता विकासको लागि क्षमताविकास कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने। | जना | ८ | १० | १० | १० | १० | ४८ | ४८ | स्थानीय तह |
| ८ | प्रत्येक वडामा एक नमुना वालविकास केन्द्र स्थापना | संख्या | १ | १ | २ | २ | २ | ८ | १६ | स्थानीय तह |
| ९ | अपाङ्गमैत्री वालविकास केन्द्र स्थापना | संख्या | ७ | ७ | ७ | ७ | ७ | १३ | ४८ | स्थानीय तह |
| १० | अनुगमन तथा समीक्षा वैठक त्रैमासिक | पटक | ५ | ५ | ५ | १० | १० | १३ | ४८ | स्थानीय तह/ शिक्षा शाखा |

## ३.२ आधारभूत शिक्षा

### ३.२.१ परिचय

नेपाल सरकारले आधारभूत तहको शिक्षालाइ शिक्षा ऐन २०२८ अनुसार "आधारभूत शिक्षा" भन्नाले प्रारम्भिक बाल शिक्षादेखि कक्षा आठसम्म दिइने शिक्षा भनि परिभाषित गरिएको छ ।आधारभूत तहमा अध्ययन गर्ने वालवालिकाहरुको उमेर समूह ४ वर्ष देखि १३ वर्ष सम्म रहेको छ। आधारभुत तह कक्षा १–३ मा कक्षा ४ -५ र कक्षा ६-८ सञ्चालन भएका विधालयहरुमा विधालय क्षेत्र सुधार योजना २०६६-२०७२ ले विधालय शिक्षाको पूनसरचना गरि कक्षा १-८ लाइ आधारभूत शिक्षाको रुपमा परिभाषित गरिएको छ ।प्राथमिक र नि.मा. तहलाइ एकिकृत गरी बनाइएकोआधारभूत तहलााई संविधानको धारा ३१ (१) मा नागरिकको मौलिक हक अन्त्रगत

राखिएको छ। आधारभूत तहमा प्रदान गरिने गुणस्तरीय शिक्षाले राष्ट्र र समाजमा रहेका गरिवी हटाउन जोड दिनुका साथै व्यक्तिको जीवनस्तर उकास्नमा टेवा पुर्याउन सक्ने भएकोले समाज र राष्ट्रलाई अगाडी बढ्नमा सहयोग हुने कुरा विभिन्न प्रतिवेदनहरुले देखाएका छन्। आधारभूत तहको शिक्षा अध्ययन पश्चात् यसको महत्वलाई दृष्टिगत गर्दै यसलाई गुणस्तरीय योजनाबद्ध रुपमा व्यवस्थित गर्नका लागि नौमूले गाउँपालिकाले यस १० वर्षे योजनामा आधारभूत शिक्षा अन्रतगत कक्षा १ देखि कक्षा ८ सम्मको शिक्षामा पहुँच गुणस्तर, बालमैत्री र प्रविधिमैत्री तथा व्यवस्थापकिय प्रवन्धको वर्तमान अवस्थाको समिक्षा गर्दै यसमा देखिएका चुनौतिहरु पहिचान गरि आगामी १० वर्षका लागि आधारभूत तहको शिक्षा विकासका लक्ष्य उद्देश्यहरु,रणनिति, नतिजा र प्रमुख क्रियाकलापहरु उल्लेख गरिएको छ।

नेपालको संविधान २०७२ ले विद्यालय तहको शिक्षालाई स्थानीय सरकारको एकल अधिकार क्षेत्रभित्र राख्ने व्यवस्था गरिएको छ भने संघ, प्रदेश र स्थानीय सरकारको साझा अधिकार भित्र पनि समेटिएको छ। संविधानमा उल्लेख भएका प्रावधानहरुले सम्पूर्ण वालवालिकाहरुलाई वालमैत्री,गुणस्तरीय र प्रविधिमैत्री शिक्षा प्रदान गर्न तीनै तहका सरकारहरु जिम्मेवार रहनुपर्ने प्रावधान रहेको छ।

### ३.२.२ वर्तमान अवस्था

नौमूले गाउँपालिका भित्र कक्षा १ देखि कक्षा ५ सम्म सञ्चालित सामुदायिक विद्यालयहरु जम्मा ३३ वटा र कक्षा १ देखि कक्षा ८ सम्म जम्मा ७ वटा विधालयहरु रहेका छन्। संस्थागत विद्यालयहरु जम्मा ३ वटा र कक्षा १ देखि कक्षा ५ सम्म २ र कक्षा ८ सम्म १ वटा गरि जम्मा ३ वटा विद्यालयहरु रहेका छन्। शैक्षिक सत्र २०७९ मा कक्षा १ देखि कक्षा ५ सम्म अध्ययनरत छात्राको संख्या २८७४ जना र छात्रको संख्या १४९७ जना गरि जम्मा १३७७ जना रहेका छन् भने कक्षा ६ देखि ८ सम्म जम्मा छात्राको संख्या ८१६ र छात्रको संख्या ८१६ गरि कूल विद्यार्थीको संख्या १६३२ जना रहेको छ। कक्षा५ सम्मको टिकाउदर ९५.६, कक्षा८ सम्मको टिकाउदर ८३.९, कक्षा५ सम्मको पुरा गर्ने दर ९०.८, कक्षा८ सम्मको पुरा गर्ने दर ७५:५, कक्षा १ मा नयाँ भर्ना भएका बालबालिकाको खुद प्रवेश दर (%)९६.४, कक्षा १ मा नयाँ भर्ना भएका बालबालिकाको कूल प्रवेश दर (%)११५.१, आधारभूत तह (प्राथमिक कक्षा १-५) मा खुद भर्ना दर* (%)९७, आधारभूत तह (प्राथमिक कक्षा १-५) मा कूल भर्ना दर* (%)११५.१, आधारभूत तह ९कक्षा ६-८) मा खुद भर्ना दर* (%)९८.२, आधारभूत तह ९कक्षा ६-८) मा कूल भर्ना दर (%)११५.५, आधारभूत तह ९कक्षा १-८) मा खुद भर्ना दर* (%)९७.६, आधारभूत तह ९कक्षा १-८) मा कूल भर्ना दर (%)११५.३, आधारभूततहको कक्षा १ मा भर्ना भई कक्षा ८ पूरा गर्ने दर*(%)७५.५, आधारभूततहको कक्षा ८ सम्मको टिकाउ दर* (%)८३.९। कक्षा १–८ सञ्चालन भएका प्रस्तावित विधालयमा हालसम्म एउटै पनि स्वीकृत दरवन्दि नभएकोले कक्षा सञ्चालनमा ठूलो अवरोध सिर्जना भएको छ जसको कारणले गर्दा शैक्षिक गुणस्तर अभिवृद्धि गर्नमा समस्या देखिएको छ।आधारभूत शिक्षाको पहुँचमा आर्थिक, सामाजिक, भौगोलिक अवस्थामा आधारित असमानताहरु रहेका छन्। आर्थिक तथा सामाजिक रुपमा पछाडि परेका दलित ,जनजातिहरु, दुर्गम तथा पिछडिएको क्षेत्रमा रहेका वालवालिकाहरुको पहुँच अन्यको तुलनामा कम रहेको छ।

### ३.२.३चुनौती तथा अबसरहरु

- आधारभूत तहको भौतिक, शैक्षिक, सामाजिक वातावरणमा सुधार ल्याई विद्यालयलाई भयरहित वालमैत्री वनाउने ।
- सुचना तथा सञ्चार प्रविधी ल्याव व्यवस्थापन लगायतका प्राविधिक क्षेत्रहरुमा शिक्षक तथा विधार्थीहरुको पहुँच विस्तार गरि शिक्षकको क्षमता तथा दक्षतामा वृद्धि गरि सिकाईमा प्रभावकारी वनाउने ।
- सिकाईको गुणस्तरमा अभिवृद्धि गरि विधार्थीहरुको सिकाई उपलव्धिमा सुधार ल्याउने ।
- निशुल्क तथा आधारभूत शिक्षामा सवै वालवालिकाहरुको पहुँच तथा सहभागितामा सुनिश्चितता प्रदान गर्ने ।
- आधारभूत तहमा कक्षा छाड्ने दरलाई शून्यमा झारि आधारभूत तह पूरा गर्ने दरलाई शतप्रतिशत पुर्याउने ।
- आधारभूत तहमा विषयगत शिक्षकको व्यवस्था गरि सक्षम र दक्ष जनशक्तिको व्यवस्था गर्ने ।
- विद्यार्थी मूल्यांकनलाई सिकाई क्रियाकलापको अभिन्न अंगको रुपमा विकास गरि परिक्षा प्रणालीमा सुधार गर्दे परीक्षालाई विश्वसनिय र वैद्य वनाउने ।
- विद्यालय व्यवस्थापन तथा सहभागितामा सवै सरोकारवालाहरुलाई जवाफदेही र जिम्मेवारी वनाउने ।
- विधालयमा न्यूनत्तम भौतिक पूर्वाधार व्यवस्थित र पर्याप्तता वनाउने ।
- विद्यालयको प्रशासनिक, भौतिक तथा शैक्षिक वातावरणमा सुधार ल्याई विधालयलाई वालमैत्री, अपांगमैत्री र प्रविधिमैत्री वनाउने ।

### ३.२.४ उद्देश्य

यस योजनाले आधारभूत शिक्षा सम्वन्धि निम्नलिखित उद्देश्यहरु राखेको छ

- अनिवार्य तथा निः शुल्क शिक्षाको प्रभावकारी कार्यान्वयन गरि शिक्षामा सवैको समतामूलक पहुँच र सहभागिता सुनिश्चितता गर्नु ।
- सवै बालबालिकााहरुलाई आधारभूत तहको शिक्षा पूरा गर्ने व्यवस्था सुनिश्चितता गर्नु ।
- विद्यार्थीहरुको औषत सिकाई उपलव्धिलाई राष्ट्रिय मापदण्ड अनुसार वनाउनु ।
- विद्यालयको भौतिक, शैक्षिक व्यवस्थापकीय वातावरणमा सुधार गर्दै बालमैत्री ,अपांगमैत्री, समावेशी , प्रबिधिमैत्री जवाफदेहि सुरक्षित वनाउनु ।

### ३.२.५ रणनीति

यस योजनाका उद्देश्यहरु हासिल गर्न निम्नानुसारका रणनितिहरु अवलम्वन गरिएको छ ।

- ➢ अनिवार्य तथा निःशुल्क शिक्षाको प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्न स्थानीय तहले आवश्यक निति नियम र कानुन तर्जुमा गरि आर्थिक स्रोतको व्यवस्थापन गर्ने ।

- विद्यालयीय शिक्षालाई क्ष्ऋत् ल्याव व्यवस्थापनका प्रविधिहरु तयार गरि सहज र उपयोगी वनाउने कार्यलाई व्यवस्थित रुपमा विस्तार गर्ने ।
- विद्यालय वाहिर रहेका सम्पूर्ण बालबालिकाहरुको यथार्थ विवरण संकलन गरि पहुँच सुनिश्चितता गर्न आवश्यक व्यवस्था गर्ने ।
- मूल्यांकनलाई शिक्षण क्रियाकलापको अभिन्न अंगको रुपमा प्रयोग गर्दे विद्यार्थीलाई निरन्तर मूल्यांकनसँग सम्वन्धित क्षमता विकास गर्ने ,
- विद्यार्थीहरुको सिकाई उपलब्धि परिक्षण गरि जवाफदेहिता, सुनिश्चितता तथा सुधारका क्षेत्र पहिचान गर्ने ।
- कक्षा ६–८ मा शिक्षक विद्यार्थीको अनुपात मिलान गर्दै आर्थिक स्रोतको व्यवस्थापन गर्न स्थानीय सरकार मार्फत संघीय सरकारसँग पहल गर्ने ।
- विद्यालयका सरोकारवालाहरुलाई विद्यालयप्रतिको अपनत्व भावना जागृत गराउन क्षमता विकास गर्न तालिम तथा अभिमुखिकरणको व्यवस्था गर्ने ।
- वालकक्षादेखि ५ कक्षासम्म स्थानीय स्तरमा उपलव्ध पौष्टिक तथा स्वस्थकर दिवा खाजालाई गुणात्मक र परिमाणात्मक वनाउन थप रकमको व्यवस्था गर्ने ।
- विद्यालय शिक्षालाई विभिन्न प्रकोप ,महामारी ,संकट लगायतका परिस्थिति प्रति उत्थानशिल वनाउने योजना तयार गरि कार्यान्वयन गर्ने ।
- हरेक विद्यालयमा न्यूनत्तम भौतिक पूर्वाधार विकासको व्यवस्थापन गर्ने ।कक्षा १ देखि ३ सम्मका बालबालिकाहरुका लागि बालमैत्री सिकाई वातावरण निर्माण गर्दै आधारभूत साक्षरता सिप विकासको लागि पढाइ तथा गणितिय साथै अन्य अन्तरविषयक जीवनोपयोगी पक्षको शिक्षण सिकाइ कार्यलाई सुनिश्चित गर्न पठन तथा गणितिय सीप केन्द्रित क्रियाकलापहरुलाई निरन्तर गरिने छ ।

### ३.२.६उपलब्धि,नतिजा,प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्य

***उपलब्धि***

अनिवार्य तथा निःशूल्क आधारभूत शिक्षाको पहुँच अभिवृद्धि र सहभागितामा सुनिश्चितता हुने ।

***प्रमुख नतिजाहरु***

- विद्यालय शिक्षालाई विभिन्न महामारीरोग, प्रकोप, संकट लगायतका परिस्थितिप्रति सचेत वनाइएको हुने ।
- सवै बालबालिकाहरुको पहुँच सुनिश्चित गर्न अपुग भएका शिक्षक दरवन्दिलाई पूर्नवितरण तथा नयाँ दरवन्दिको व्यवस्थापन भएको हुने ।
- विद्यालय शिक्षालाई प्रविधिमैत्री वनाउन क्ष्ऋत् ल्याव व्यवस्थापन गरि सहज र उपयोगी वनाउने कार्यलाई विस्तार गरिएको हुने ।
- विद्यार्थीहरुको सिकाई उपलब्धि राष्ट्रिय मापदण्डमा तोकिए बमोजिम भएको हुने ।

- सवै बालबालिकाहरुलाई आधारभूत शिक्षामा सहभागि गराइएको हुने ।
- विद्यालयमा शिक्षक तथा कर्मचारीको क्षमता विकास भई आधारभूत तहमा गुणस्तरिय शिक्षाको प्रवाह अघि बढि शैक्षिक सुशासन कायम भएको हुने ।
- विद्यालयहरुमा पोषण तथा स्वास्थ्य कार्यक्रम सञ्चालन गरि पौष्टिक तथा स्वस्थकर दिवा खाजाको व्यवस्थाबाट स्वास्थ्य अवस्थामा सुधार हुनुका साथै विद्यालय आउने वातावरण सिर्जना भएको हुने ।

## प्रमुख क्रियापलाप तथा लक्ष्यहरु

| क्र.सं. | प्रमुख क्रियाकलापहरु | इकाइ | भौतिक लक्ष्य(५ वर्ष) | | | | | भौतिक लक्ष्यदोस्रो ५ वर्ष | जम्मा भौतिक लक्ष्य(१० वर्ष) | जिम्मेवार निकाय |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | | | |
| १ | आधारभूत तहका सवै बालबालिकालाई विद्यालयमा भर्ना | प्रतिशत | १ | १ | २ | २ | २ | ८ | १६ | विद्यालय, स्थानीय तह |
| २ | स्थानिय पाठ्यक्रम निर्माण कक्षा १ देखि ५ र ५ देखि ८ सम्म | कक्षा | | १ | | | | | १ | शिक्षा शाखा |
| ३ | वि.व्य.स तथा शि.अ.स तथा सरोकारवाला हरुलाई क्षमता विकास तालिम | समय | १ | १ | २ | २ | २ | ८ | १६ | शिक्षा शाखा, |
| ४ | प्रबिधिमैत्रि शिक्षक तालिम | संख्या | ७ | ७ | ७ | ७ | ७ | १३ | ४८ | स्थानीय तह |
| ५ | आधारभूत तहमा (कक्षा ६–८) शिक्षक व्यवस्थापन | संख्या | ५ | ५ | ५ | १० | १० | १३ | ४८ | स्थानिय तह |
| ६ | सूचना तथा सञ्चार प्रविधि प्रविधिको प्रयोगमा क्षमता विकास | संख्या | ५ | ५ | ५ | १० | १० | १३ | ४८ | संघ , स्थानिय तह |
| ७ | विद्यालयमा नक्शाङ्कन, पुनर्वितरण र समायोजन | पटक | | १ | | | | | १ | शिक्षा शाखा |
| ८ | शिक्षक योग्यता र दरबन्दी निर्धारण तथा पुनराबलोकन | पटक | | १ | | | | | १ | गाउँपालिका |
| ९ | आर्थिक रूपमा विपन्नका लागि न्यानो | प्रतिशत | | २ | | | २ | २ | ६ | संघ,प्रदेश गाउँपालिका |

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कपडा विद्यार्थी स्टेशनरी इत्यादि वितरण | | | | | | | | | |
| १० | विद्यालयमा न्युनतम भौतिक पूर्वाधार विकास | संख्या | | १ | | १ | | १ | ३ | संघर प्रदेशर गाउँपालिका |
| ११ | विद्यालय शिक्षालाई महामारी रोग,प्रकोप, संकट तथा योजना तयारी लगायतका परिस्थितिप्रति योजना तयार गरी कार्यान्वयन | पटक | १ | | १ | | | १ | ३ | संघर प्रदेशर गाउँपालिका |
| १२ | विद्यालयको कार्यसम्पादन परिक्षण तथा विधार्थीको सिकाई उपलव्धि परिक्षण | पटक | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | संघर प्रदेशर गाउँपालिका |
| १३ | विद्यालय पोषण, स्वास्थ्य कार्यक्रम तथा दिवा खाजा | प्रतिशत | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | गाउँपालिका, शिक्षा शाखा |
| १४ | अपाङ्गता भएका विद्यार्थीलाई आर्थिक सहयोग | निरन्तर | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | संघ प्रदेशर गाउँपालिका |
| १५ | निःशुल्क शिक्षाको सुनिश्चितताका लागि विद्यार्थी पाठ्यपुस्तक | प्रतिशत | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | विद्यालय |
| १६ | कक्षा १ देखि ३ सम्मको पठनसीप तथा गणितीय सीप विकासको लागि शिक्षक तथा विद्यार्थी निर्मित स्थानीय सामग्रीहरु सहितको छापायुक्त कक्षाकोठा ब्यवस्थापनसञ्चालन | प्रतिशत | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | गाउँपालिका, शिक्षा शाखा |
| १७ | प्रारम्भिक कक्षाको शिक्षणका क्रमिक सिकाइ रणनितिको निरन्तरता सहित प्रविधिमैत्री तथा | प्रतिशत | | १ | | | | १ | २ | गाउँपालिका, शिक्षा शाखा |

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | बालमैत्री शिक्षण सिकाइका लागि शैक्षिक सामग्री सहयोग कार्यक्रम | | | | | | | | | |
| १८ | विद्यालय स्तरीय तथा पालिका स्तरीय पढाइ प्रतियोगिता पढाइ उत्सब सहित शैक्षिक प्रदशनी मेला सञ्चालन | संख्या | | १ | | १ | | २ | ४ | गाउँपालिका, शिक्षा शाखा |
| १९ | शिक्षकले कक्षाकोठामा विताउने समयको पुर्ण कार्यान्वयनमा सहयोग | संख्या | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | गाउँपालिका, शिक्षा शाखा |
| २० | शिक्षकको क्षमता विकासको लागि माग र आवश्यकताको आधारमा तालिम सञ्चालन | संख्या | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | गाउँपालिका, शिक्षा शाखा |

## ३.३ माध्यमिक शिक्षा

### ३.३ .१ परिचय

नेपालको संविधान २०७२ ले माध्यमिक तहको शिक्षा पूर्ण रुपमा नि:शुल्क प्राप्त गर्ने हक स्थापित गरेको छ। यो शिक्षा अनिवार्य तथा पूर्ण नि:शुल्क शिक्षा ऐन २०७५ ले पनि प्रत्येक नागरिकहरुलाई माद्यमिक शिक्षा प्रदान गर्ने पूर्ण दायित्व राज्यको हुने उल्लेख गरिएको छ। संविधानले एकातिर विद्यालय तहको शिक्षालाई स्थानीय तहको अधिकार क्षेत्र भित्र रहने व्यवस्था रहेको दखिन्छ भने अर्को तर्फ संघ, प्रदेश तथा स्थानीय सरकारको साझा अधिकार क्षेत्र भित्र रहने व्यवस्था रहेको छ। संविधानका उल्लेखित प्रावधानहरुले आम नागरिकका लागि गुणस्तरीय र नि:शुल्क शिक्षा सुनिश्चत गर्ने एकल तथा साझा अधिकारका रुपमा तिनै तहका सरकारलाई जिम्मेवार बनाउने स्पष्ट दिशा निर्देश छ। शिक्षा ऐन २०२८ ले कक्षा ९-१२ सम्मलाई माध्यमिक शिक्षाको रुपमा लिएको छ। अनिवार्य आधारभूत शिक्षा अन्तर्गत सबै बालबालिकालाई कक्षा १-८ सम्मको गुणस्तरीय शिक्षा प्राप्त गरिसके पछि सिकारुको रुचि आवश्यकता क्षमता आधारमा माध्यमिक तहमा परम्परागत, प्राविधिक तथा साधारण धारको शिक्षा छनोट गर्ने अवसर प्रदान गर्नु पर्छ । यो तहको शिक्षालाई व्यवसायीक, गुणस्तरीय, रोजगारमूलक, सीपमूलक,जीवनोपयोगी,उत्पादनमूलक बनाउनु पर्दछ। आधारभूत तहमा प्राप्त गरेको भाषिक तथा गणितीय सीपको उपयोग गरी आफ्नो रुचि, आवश्यकता , क्षमता तथा दक्षताको आधारमा सिकाईरुले साधारण शिक्षाको लक्ष्य लिई विभिन्न विषय र क्षेत्रमा प्राविधिक तथा व्यवसयिक सीप हासिल गरी भविष्यमा आयआर्जनको मार्ग सुनिश्चत गर्ने भन्ने उद्देश्य माध्यमिक तहको शिक्षाले गर्नु पर्दछ । यस नौमूले गाउँपालिकाले माध्यमिकतहको शिक्षालाई प्रविधियुक्त, सीपमूलक, रोजगारमूलक, निशुल्क,वालमैत्री , प्रविधिमैत्री र समावेसी गराउने लक्ष्य लिएको छ।

### ३.३.२ वर्तमान अवस्था

नौमूले गाउँपालिकाभित्र हाल जम्मा ९ वटा माध्यमिक विद्यालयहरु रहेका छन् जस्मा २ वटा विद्यालयहरु कक्षा १-१२ सम्म सञ्चलित रहेका छन् र बाँकी ७ वटा विद्यालयहरु कक्षा १-१० सम्म सञ्चलितछन् । यी ९ वटा माध्यमिक विद्यालयहरु मध्ये २ वटा पूर्ण रुपमा स्थायी दरबन्दी स्वीकृत छन भने बाँकी ९ वटा स्वीकृत दरबन्दी नभएको प्रस्तावित अवस्थामा रहेका छन् । यी ११ वटा माध्यमिक विद्यालयहरु मध्ये १० वटा विद्यालयहरु साधारण धारका छन् भने १ वटा विद्यालयमा साधारण तथा प्राविधिक दुवै धारमा सञ्चालित छ । यो प्राविधिक विद्यालय श्री भैरव माध्यमिक विद्यालयमा कृषी प्राविधिक सञ्चालित छ । यो विद्यालयमा वालीविज्ञान, विषयको अध्ययन अध्यापन भैरहेको छ । यस गाउँपालिकाको माध्यमिक तह कक्षा ९ र १० मा जम्मा विद्यार्थी ९५य जना रहेका छन् जसमा छात्रा ५११ र छात्र ४३९ रहेका छन् । माध्यमिक तह कक्षा ११ र १२ मा जम्मा विद्यारथी ५७२ जना रहेका छन जसमा छात्रा ३२७ र छात्र २४५ जना रहेक छन् ।माध्यमिक तह (कक्षा ९-१०) मा खुद भर्ना दर* (%)८४.९, माध्यमिक तह (कक्षा ९-१०) मा कूल भर्ना दर* (%)११२.८, माध्यमिक तह (कक्षा ११-१२) मा खुद भर्ना दर* (%)३२.३, माध्यमिक तह (कक्षा ११-१२) मा कूल भर्ना दर* (%)५५.५, माध्यमिक तह (कक्षा ९-१२) मा खुद भर्ना दर* (%)५८.६, माध्यमिक तह (कक्षा ९-१२) मा कूल भर्ना दर* (%)८४.१५, कक्षा १ मा भर्ना भएका बालबालिका मध्ये कक्षा १० मा पुग्ने टिकाउदर (%)५९.७, कक्षा १ मा भर्ना भएका बालबालिका मध्ये कक्षा १० मा पूरा गर्ने दर*(%)५९.७ रहेको छ ।माध्यमिक तहका प्रस्तावित विधालयमा हालसम्म पुरा स्वीकृत दरवन्दि नभएकोले कक्षा सञ्चालनमा ठूलो अवरोध सिर्जना भएको छ जसको कारणले गर्दा शैक्षिक गुणस्तर अभिवृद्धि गर्नमा समस्या देखिएको छ । शिक्षाको पहुँचमा आर्थिक, सामाजिक, भौगोलिक अवस्थामा आधारित असमानताहरु रहेका छन् ।

### ३.३.३ अवसर र चुनौती

- माध्यमिक शिक्षालाई पूर्ण निःशुल्क गरी प्रभावकारी रुपमा अगाडि बढाउनु ।
- माध्यमिक तहमा विषयगत आधारमा सबै विद्यालयहरुमा स्थायी शिक्षक दरबन्दीको व्यवस्था गर्नु ।
- सिकारुको सिकाईमा सुधार गरी सिकाइ उपलब्धी अभिवृद्धि गर्नु ।
- प्रविधिमा शिक्षक तथा विद्यार्थीको पहुँच विस्तार गर्नु ।
- विद्यालयको भौतिक तथा शैक्षिक वातावरण बालमैत्री बनाउनु ।
- शिक्षकको वृति विकासलाई पारदर्शी नतिजामा आधारित पुरस्कृत तथा उपचमरत्मक बनाउनु ।
- विद्यालय शिक्षालाई समावेसी तथा समतामूलक बनाउनु ।
- विद्यालयमा छुटै प्रशासन सम्बन्धि काम गर्ने योग्यता र क्षमताका आधारमा प्र.अ.को व्यवस्था गर्नु ।
- प्रशासनिक कार्यलाई चुस्त दुरुत र पारदर्शी गर्नको लागि प्रत्येक तहमा कार्यरत प्र.अ.लाई प्रोत्साहन भत्ता व्यवस्था गर्नु ।
- विद्यालय शिक्षालाई प्रकोप,संकट तथा महामारी लगायतका परिस्थिति प्रति उत्थानशिल बनाउनु ।
- विद्यार्थी मूल्याङ्कनलाई सिकाइको अभिन्न अङ्गको रुपमा विकास गर्नु ।

- विद्यालय शिक्षा पद्धतीलाई विद्यार्थीको सिकाइ प्रति उत्तरदायी बनाउनु ।
- निःशुल्क माध्यमिक शिक्षालाई कार्यान्वयन गर्न र शिक्षाको पहुँचबाट बहिर रहेका ठूलो संख्यालाई विद्यालयमा भित्रयाउनु ।
- विपन्न बालबालिका,अपाङ्ग,दुर्गम क्षेत्रका महिला,दलित,पिछडा वर्ग र लोपोन्मुख समुदयका बालबालिकालाई माध्यमिक शिक्षामा समतामूलक पहुँच सुनिश्चित गर्नु ।
- माध्यमिक तहका विद्यालयलाइ प्रविधी मैत्रि बनाउनु ।
- माध्यमिक तहका विद्यालयमा कार्यरत लेखा कर्माचारीहरुलाइ तालिम प्राप्त बनाउनु ।
- माध्यमिक तह विशेषत कक्षा १० बाट कक्षा ११ को भर्नादर बढाउनु तथा खुद भर्ना दरलाई वृद्धि गर्नु ।

### ३.३.४. उद्देश्यहरु

- माध्यमिक शिक्षामा सबैको पहुँच सुनिश्चीत गरी गुणस्तरमा सुधार गर्नु ।
- विद्यालयहरूको भौतिक तथा शैक्षिक वातावरणमा सुधार गरी बालमैत्री, समावेशी र सुरक्षित बनाउनु।
- माध्यमिक शिक्षामा खुद भर्ना तथा टिकाउ दर बढाउनु र कक्षा छोड्ने र दोहोर्‍याउने दर घटाउनु ।
- माध्यमिक तहका शिक्षकहरुलाइ पेशागत क्षमता विकाश गरि शिक्षण सिकाइ गुणस्तरिय बनाउनु ।
- माध्यमिक तहमा गुणस्तरिय शिक्षा प्रदान गर्न विषयगत शिक्षकको व्यवस्था गर्नु ।
- माध्यमिक तहमा शिक्षण सिकाइलाइ प्रविधी मैत्रि बनाउनु ।
- सिकाइलाई दैनिक जीवनसँग सम्बन्धित गर्नु र प्राविधिक तथा व्यवहार कुशल सीपलाई एकीकृत गरी सिकाइ क्रियाकलाप सञ्चाल नगर्नु।

### ३.३.५ रणनीतीहरु

योजनाका उद्देश्यहरू हासिल गर्न निम्नलिखित रणनीतिहरू अवलम्बन गरीनेछ :

- विद्यालय नक्शाङ्कन मार्फत सबै बालबालिकाको पहुँच सुनिश्चित गर्न विद्यालयहरूलाई पुनर्वितरण, समायोजन तथा स्थापना गरीनेछ ।
- निःशुल्क माध्यमिक शिक्षामा पहुँच र समावेशी सहभागिता सुनिश्चित गर्न क्षमता विकास गरिनेछ ।
- माध्यमिक तह सञ्चालित प्रस्तावित विद्यालयहरुमा विद्यार्थी अनुपातको आधारमा विषयगत शिक्षकको व्यवस्था गरिनेछ ।
- प्रत्येक विद्यालयको शिक्षण सिकाइमा सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको प्रयोगलाई सुदृढ गरिनेछ ।
- विद्यालयको छुट्टै प्रशासनिक काम गर्ने गरी योग्यता र क्षमतामा आधारित प्रा।अ। व्यवस्थापन गरीनेछ ।
- विद्यालयको भौतिक शैक्षिक वातावरणमा सुधार ल्याई विद्यालयलाई बालमैत्री बनाइनेछ ।

- यस पालिकाभित्र रहेका कम्तिमा २ वटा माध्यमिक विद्यालयहरुमा कक्षा ९, १२ मा प्राविधिक धारको शिक्षा व्यवस्थापन गर्न पूर्वाधार विकास गरिनेछ।
- कम्तिमा ११,१२ कक्षामा विज्ञान विषय अध्ययनका लागि आर्कषण बढाउन भौतिक पूर्वाधार सहितको व्यवस्था गरिनेछ ।
- आवश्यकता अनुसार शिक्षक दरबन्दी पुनर्वितरण, समायोजन तथा थप गर्नेछ।
- माध्यमिक तह सञ्चालित विद्यालयहरुमा प्राविधिक तथा व्यवसायिक धारको व्यवस्था गरिनेछ।
- स्थानीय तहसँग आवश्यक परामर्श र सहकार्य गरि विद्यालय शिक्षालाई दैवि प्रकोप, संकट महामारी लगायतका परिस्थिति प्रति उत्थानशिल वनाउने योजना तयार गरि कार्यान्वयन गरिनेछ।
- माध्यमिक विद्यालय शिक्षादेखि नै विज्ञान प्रविधि, ईन्जिनियरिङ्ग, कला र गणित शिक्षा जस्ता विषयहरुको सिकाईलाई अन्तरसम्वन्धित गर्दै लगिनेछ।

### ३.३.६. उपलब्धि, नतिजा, प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्य

***उपलब्धि***

माध्यमिक शिक्षामा सबैको पहुँच सुनिश्चित भई सान्दर्भिकता र गुणस्तरमा सुधार हुने।
सवै माध्यमिक विद्यालयहरुले आधारभूत मापदण्ड पूरा गरेको हुने।

**नतिजा**

- माध्यमिक शिक्षा पूरा गर्न सिकारुले निम्नतम सिकाई उपलब्धि हासिल गरेको हुने।
- माध्यमिक तहमा प्राविधिक तथा व्यसायिक धारको शिक्षा व्यवस्थित र विस्तारित भएको हुने।
- विद्यालयको प्रशासनिक काम गर्न योग्य र सक्षम प्र.अ. को व्यवस्था हुने।
- विधलय शिक्षामा प्रविधीको प्रयोगमा विस्तार तथा सहज प्रयोग र उचित सिकाई वातावरणको निर्माण भएको हुने।
- माध्यमिक तहमा जनशक्तिको क्षमता विकास गरि गुणस्तरीय शिक्षा प्रवाह तथा शैक्षिक सुशासन कायम भएको हुने ।
- माध्यमिक शिक्षाको सान्दर्भिकता र गुणस्तर वृद्धिका लागि पाठ्यक्रम तथा पाठ्यसामाग्रीमा परिमार्जन लगनशिल र उत्प्रेरित शिक्षकको व्यवस्थापन प्रविधिको समुचित प्रयोग उचित सिकाई तथा शिक्षण वातावरणको निर्माण भएको हुने।
- सवै बालबालिकाहरुलाई निःशुल्क माध्यमिक तहको शिक्षामा पहुँच सुनिश्चित गराई खुद भर्ना दर तथा टिकाउ दरमा वृद्दि हुने तथा कक्षा छाड्ने र कक्षा दोहोर्याउने दरमा कमि आउने।
- सवै माध्यमिक विद्यालय हरुमा विषयगत विद्यार्थी शिक्षक अनुपात व्यवस्थित ढंगले वितरण गरिएको हुने।

प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्य

| क्र.सं. | प्रमुख क्रियाकलापहरु | इकाइ | भौतिक लक्ष्य(५ वर्ष) | | | | | भौतिक लक्ष्यदोस्रो ५ वर्ष | भौतिक लक्ष्य(१० वर्ष) | कैफियत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | | | |
| १ | निःशुल्क माध्यमिक शिक्षाको कार्यान्वयनका लागि आवश्यक नीति तथा कार्यविधि तयारी | पटक | | १ | | १ | | २ | ४ | गाउँपालिका |
| २ | विद्यालय मा सेवाक्षेत्रको सिमांकन गरि हरेक माध्यमिक विधालयको सेवाक्षेत्र एकिन गरी नक्शाङ्कन, पुनर्वितरण तथा समायोजन | पटक | १ | १ | १ | | | ३ | ६ | गाउँपालिका |
| ३ | माध्यमिक शिक्षामा विज्ञान प्रविधि, इन्जिनियरिङ्ग, कला र गणित शिक्षा जस्ता विषयहरुको सिकाईलाई अन्तरसम्वन्धित गर्ने। | निरन्तर | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ५ | १० | संघर प्रदेश र गाउँपालिका |
| ४ | शिक्षक योग्यताका मापदण्ड र दरबन्दी आधारको पुनरावलोकन | संख्या | १ | | | | | १ | २ | संघर प्रदेश र गाउँपालिका |
| ५ | मापदण्ड अनुसार विधालयमा आवश्यक विषय शिक्षक व्यवस्था | संख्या | | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | २० | संघर प्रदेश र गाउँपालिका |
| ६ | विद्यालयमा न्यूनतम् भौतिक पूर्वाधार विकास तथा कक्षाकोठा, फर्निचर, शौचालय, खानेपानी, प्रतिशत स्थानीय तह सुधारको क्रियकलाप अनुसार | पटक | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | संघर प्रदेश र गाउँपालिका |
| ७ | नमुना माध्यमिक विद्यालय विस्तार | संख्या | | | | १ | | १ | २ | संघर प्रदेश र गाउँपालिका |

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ८ | सूचना तथा सञ्चार प्रविधि प्रविधिको प्रयोगमा क्षमता विकास | संख्या | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | संघर प्रदेश र गाउँपालिका |
| ९ | राष्ट्रिय पाठ्यक्रम प्रारुप २०७६ कार्यान्वयन गरी पाठ्यक्रम,पाठ्यपुस्तक र सिकाई सामाग्री विकास निरन्तर अधावधिक गर्ने। | निरन्तर | १ | १ | १ | १ | १ | | ५ | संघर प्रदेश र गाउँपालिका |
| १० | क्षमतामा आधारित प्र.अ. व्यवस्थापन | | | १ | | १ | | ३ | ५ | |
| ११ | विद्यालय शिक्षालाई महामारी रोग,प्रकोप, संकट तथा योजना तयारी लगायतका परिस्थितिप्रति योजना तयार गरी कार्यान्वयन | संख्या | | १ | | १ | | ३ | ५ | गाउँपालिका |
| १२ | अपाङ्गता भएका विद्यार्थीलाई आर्थिक सहयोग | पटक | | १ | | १ | | १ | ३ | गाउँपालिका |
| १३ | आर्थिक रूपमा विपन्नका लागि ड्रेस, विद्यार्थी स्टेशनरी इत्यादि वितरण | पटक | | १ | १ | १ | १ | | ४ | गाउँपालिका |
| १४ | विद्यालयको कार्यसम्पादन परिक्षण तथा विधार्थीको सिकाई उपलव्धि परिक्षण। | प्रतिशत | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | २५ | ५० | गाउँपालिका |
| १५ | सिकाइ सामग्री व्यवस्थापन | निरन्तर | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | गाउँपालिका |
| १६ | विंव्य.स.शिअस.तथा अभिभावकको क्षमता विकास र अभिमुखिकरण तालिम | प्रतिशत | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | २५ | ५० | गाउँपालिका |
| १७ | छात्राहरुलाइ सेनेटरी प्याट वितरण | | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | |

## ३.४ पाठ्यक्रम र मुल्याङ्कन

### ३.४.१ परिचय

मानिसको जीवनयापनका क्रममा आवश्यक पर्ने आधारभूत अनिवार्य तथा ऐच्छिक आवश्यता पुरागर्न समस्याहरुलाई समाधान गर्न बाधा अवरोधहरु हटाउन, जीवनस्तरलाई समायनुकुल बनाउन आवश्यकक पर्ने विभिन्न किसिमका ज्ञन सिप दक्षता र क्षमताको बिकास गर्न निर्माण गरिने ब्यवस्थित दस्तावेजर्नै पाठ्यक्रम हो। पाठ्क्रमको क्षेत्र अत्यान्तै ब्यापक हुनेहुदा समग्रमा यो एक मार्गदर्सन हो। शिक्षा पद्धतिलाई मार्गदर्सन गर्ने महत्वपूर्ण आधार पाठ्यक्रम हो। पाठ्यक्रम निर्माणका आधारका रुपमा सामाजिक शत्तिहरु ज्ञानको प्रयोग मावि बृद्धि र बिकास सिकई प्रकृया र प्रविधीलाई लिने गरिन्छ। पाठ्यक्रमले मानव जीवनका समस्या तथा संकटलाई दुर गर्न र नया वातावरणमा समायोजन हुनको लागि योग्य बनाउनु प्रयत्न गर्दछ। यसले मानविय मूल्य मान्यता शैक्षिक तथा सामाजिक जीवन दर्सन समाकालिन समाजका वास्तविकताहरु सिकाईका प्रकृया तथा बिषय बस्तुहरु पाठ्रयसामागी्रहरु विधि पद्धति क्रियाकलाप तथा मूल्याङकनका प्रकृयाहरुलाई समेत समेटेर वालवालिका तथा सिकारुका आवश्यतालाई निदान गर्ने गरि याजनाको वृस्तित स्वरुपलाई समेट्ने कार्य गर्दछ। त्यसैले पाठ्रयक्रमलाई एक बृहत दस्तावेजको रुपमा लिइनछ। पाठयक्रमको बिकार र कार्यन्वयन प्रविधिक कार्य भएकाले यसको उचित किसिमको प्रयोगले मात्र ब्यत्ति समाज र राष्टको आवश्यता र पाठ्रक्रमको उद्देश्यहरु पूरा हुन सक्छ। पाठ्क्रमको निर्माण तथा दस्तावेजिकरण गर्दा सामाजिक मूल्यमान्यता र ब्यबहारलाई सान्दर्भिताका आधारमा आत्मसात गर्न विभेद रहित समतामुलक र समावेशी दृष्टीकोण अनुसार ब्यबहार गर्न आप्नो र अरुको कर्तब्य प्रति सचेत रहन र सिर्जनात्मक तथा तथ्यपरक ढङग बाट सोच्न र निर्णय गर्न ब्यबहारको बिकास गराउने किसिम बाट अघि बढ्न पर्दछ। त्यसैगरी पाठ्क्रमले ब्यक्ति समाज र राष्टको आवश्यता सुहाउदो ज्ञान सीप प्रदान गरेमा यसको कार्यन्वयन सहज र प्रभावकारितामा बृद्धि हुन जान्छ समन्वय र सहकार्यको बिकास हुन्छ। पाठ्क्रमले राष्टिय तहगत कक्षागत उद्देश्यहरु अनुसार कुनै कक्षामा के कस्ता बिषय बस्तुहरु सिकाउने कुरा मात्र नभइ के कसरी सिकाउने हो र सिकेका कुरालाई के कसरी मूल्याङकन गर्ने भन्ने कुरा समेतको खाका निर्दिष्ट द गर्नु पर्दछ।

### ३.४.२ वर्तमान अवस्था

यस गाउँपालिका हालसम्म नेपाल सरकार बाट स्वीकृत पाठ्क्रमको प्रयोग गरी आएको छ। त्यहि पाठ्यक्रमको स्थानिय पाठ्यक्रम अंस अन्र्तगत स्थानिय पाठ्क्रम मगर खाम र मगर ढुट भाषामा निर्माण भएको हुदा आगामी शैक्षिक शत्र २०८० - २०८१ बाट कक्ष १ देखि ५ को स्थानिय बिषयको पाठ्क्रम परीक्षण गर्ने योजना रहेको छ। स्थानिय बिषयले यस पालिकाको ऐतिहासिकता र समग्रता झलकाउनु मद्दत गर्नेछ भनी वालवालिकालाई स्थानिय परिवेश अनुकुल बिषय क्षेत्रमा परीचित हुन सहयोग पुर्याउने छ आभारभूत तह कक्षा १ देखि ३ मा निरन्तर बिद्यार्थी मुल्याङकण प्रणाली मार्फत उद्दार कक्षोन्नतीको निति अनुसार मूल्यङकण कक्षा ४ र ५ मा ५० प्रतिशत निर्माणात्मक ५० प्रतिशत निर्णयाात्मक मूल्याङकण प्रणाली अपनाइएको छ। राष्टिय पाठ्यक्रम प्रारुप २०७६ कार्यन्वयन गर्न कक्षा १-३ मा एकिकृत पाठ्क्रम २०७७ बाट कक्षा १ र २०७८ बाट १- ३ मा लागु भएको छ भने एकिकृत पाठ्क्रमको प्रभावकारी प्रयोग र कार्यन्वयनमा केहि समस्याहरु र जटिलतहरु समेत देखा परेका छन्।

### ३.४.३ अवसर तथा चुनौतिहरु

- प्रारम्भिक कक्षााहरुमा आवश्यकतानुसार मातृभाषा ,स्थानीय भाषा,र वहुभाषाको प्रयोग गर्नु ।
- सिकाई सहजीकरण र मूल्यांकनमा सूचना प्रविधिको प्रयोग गर्न ।
- स्थानीय पाठ्यक्रम निर्माण, कार्यान्वयन र मूल्यांकनमा स्थानीय तहको अर्थपूर्ण सहभागिता हुनु ।
- एकिकृत पाठ्यक्रमलाई प्रभावकारी रुपमा प्रयोग र कार्यान्वयन गर्ने ।
- अपांगमैत्री सिकाइका लागि पाठ्य तथा कार्यपुस्तिका निर्माण र प्रयोग गर्ने ।

### ३.४.४ उद्देश्यहरु

यस योजनामा पाठ्क्रम तथा मूल्यांकन सम्वन्धि निम्नलिखित उद्देश्यहरु राखिएको छ

- सिकाईलाई दैनिक जीवनसँग सम्वन्धित गराउने र विषयवस्तुलाई अन्तरसम्वन्धित गरि सिकाइ क्रियाकलाप सञ्चालन गर्न ।
- सिकारुका सिकाई समस्या समाधान उन्मुख निरन्तर आवधिक तथा स्तरीकृत साथै प्रमाणमा आधारित मूल्यांकन पद्धितको व्यवस्था गर्नु ।

### ३.४.५ रणनीतिहरु

उद्देश्यहरु हासिल गर्नका लागि निम्नलिखित रणनितिहरु अवलम्वन गरिनेछ ।

- स्थानीय पाठ्यक्रमलाई समय सापेक्ष सान्दर्भिक गुणस्तरीय प्रभावकारी बनाई समृद्ध गाउँपालिका निर्माणक लागि सक्षम र प्रतिस्पर्धि नागरिक तयार गर्न पाठ्यक्रम विकास तथा कार्यान्वयन प्रक्रियालाई अनुसन्धान तथा आवधिक मूल्यांकनमा आधारित वनाइनेछ ।
- स्थानिय पाठ्यक्रम विकास तथा कार्यान्वयनका लागि सम्वद्ध सरोकारवालाहरु परम्परागत ज्ञानका दाता तथा अनुसन्धाता आदिको सक्रिय सहभागितामा अभिवृद्धि गरिनेछ र यसका लागि विधालयहरुलाई सक्षम वनाईनेछ ।
- स्थानीय पाठ्यक्रम मार्फत विपद् व्यवस्थापन तथा प्रकोप व्यवस्थापन जस्ताविषयवस्तु समावेश गरि महामारी तथा संकट व्यवस्थापन र न्यूनिकरण गर्न प्रारम्भिक कक्षाहरुदेखि नै वालवालिकाहरुलाई सक्षम वनाउँदै लगिनेछ ।
- स्थानिय पाठ्यक्रम मार्फत यस गाउँपालिकाको धार्मिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, पर्यटकिय, सामाजिक अवस्थाका वारेमा साना कक्षाहरुवाट नै व्यवस्थित गरिनेछ ।
- यस गाउँपालिका भित्रका विधालयहरुमा सूचना सञ्चार तथा प्रविधिमा आधारित शिक्षणसिकाईका लागि अत्यावश्यक पूर्वाधारको विकास र त्यसको उचित प्रयोग गरिनेछ ।

- शिक्षण सिकाइलाई वालकेन्द्रित लैगिंक अपांगमैत्री वनाई सहभागितामूलक अन्तक्रियात्मक समस्यासमाधान केन्द्रित शिक्षणविधिको प्रयोगलाइ प्राथमिकता दिइनेछ ।
- यस पालिकाभित्रका सबै विधालयमा शिक्षकका लागि शिक्षक निर्देशिका तथा स्रोत सन्दर्भ सामाग्री र स्वअध्ययन सामग्रीका उपलव्धतालाई सर्वसुलभ वनाइनेछ ।
- विभिन्न महामारी दैवी प्रकोप तथा संकटका समयमा वैकल्पिक सिकाइका आधारमा शिक्षण सिकाइको शैक्षिक क्षतिलाई न्यूनिकरण गरिनेछ।
- परिक्षा प्रणालीलाई  समयसापेक्ष वनाई मूल्यांकन विधिलाई वैज्ञानिकिकरण गरिनेछ ।
- निरन्तर विधार्थी मूल्यांकन प्रणालीलाई प्रभावकारीका साथ प्रयोग र कार्यान्वयन गरिनेछ ।
- माध्यमिक परीक्षा मूल्यांकन प्रणालीलाइ निरन्तर, आवधिक तथा प्रयोगात्मक तरिकाबाट अवलम्वन गरिनेछ ।
- पाठ्यक्रमको समयसापेक्ष अभिमुखिकरण तथा पुनर्ताजकि तालिमको व्यवस्थन गरिनेछ ।

### ३.४.६ उपलब्धी, नतिजा, प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्य

**उपलब्धी**

- विधालय तहमा रहेका आधारभूत तहको स्थानीय पाठ्यक्रम सान्दर्भिक तथा मूल्यांकन प्रणाली प्रभावकारी भई दैनिक जीवनमा उपयोगी सिपहरु समावेश हुने ।
- स्थानीय कला,संस्कृति,इतिहास, भाषा, परम्परा,सिप तथा ज्ञान तथा सकरात्मक सोच भएको निरन्तर सिकाईप्रति प्रतिवद्ध र रोजगार  उन्मुख  नागरिक तयार गर्न सहयोग हुने ।

**नतिजा**

- निर्माणाधिन स्थानीय पाठ्यक्रम विकास र कार्यान्वयन क्रमिक रुपमा कक्षा १देखि३ हुँदै कक्षा ५  सम्म हुने ।
- प्रारम्भिक बालविकास शिक्षादेखि आधारभूत तह कक्षा १–५ मा आवश्यकतानुसार मातृभाषा र स्थानीय भाषा प्रयोग गरि सिकाइ सहजिकरण हुने ।
- सिकाइको अभिन्न अंगको रुपमा पाठ्यक्रम र मूल्यांकन रहने ।
- शिक्षण सिकाई क्रियाकलाप बालमैत्री, अपांगमैत्री तथा स्थानीय सन्दर्भ सापेक्ष प्रभावकारी हुने ।
- स्थानीय पाठ्यक्रम परिमार्जन तथा सुधार अनुसन्धानमा आधारित हुने ।
- प्रत्येक विधालयमा प्रत्येक विधार्थीको मूल्यांकनका लागि अनिवार्य

**प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्य**

| क्र.सं. | प्रमुख क्रियाकलापहरु | इकाइ | भौतिक लक्ष्य(५ वर्ष) | | | | | | भौतिक लक्ष्य(१० वर्ष) | कैफियत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | भौतिक लक्ष्यदोस्रो ५ वर्ष | | |
| १ | राष्ट्रिय पाठ्यक्रम प्रारुप कार्यान्वय कक्षा ,विषय | कक्षा | १–३ | ४–५ | | | | | २ | संघ,गाउँपालिका |
| २ | स्थानीय पाठ्यक्रम कार्यान्वयन तथा परिक्षण | कक्षा ,विषय | १–५ | | | ६–८ | | २ | ४ | विधालय, गाउँपालिका |
| ३ | सिकाई सहजीकरण तथा पुस्तिका निर्माण र विकास | कक्षा ,विषय | | १–५ | ६–८ | | | २ | ४ | संघ,प्रदेश गाउँपालिका |
| ४ | स्थानीय पाठ्यक्रम तथा सिकाई सहजीकरण पुस्तिका प्रवोधिकरण | कक्षा ,विषय | १–३ | ४–५ | | | | | २ | गाउँपालिका |
| ५ | स्थानीय पाठ्यक्रममा आधारित पाठ्यपुस्तक निर्माण | कक्षा ,विषय | १–३ | ४–५ | | | | २ | ४ | संघर प्रदेशर गाउँपालिका |
| ६ | विधार्थी मूल्यांकन नमूना साधनको विकास कार्यसञ्चायिका फायलको प्रयोग | कक्षा ,विषय | निरन्तर | | | | | ५ | ५ | विधालय |
| ७ | मातृभाषा स्थानीय भाषा | | | | | | | ५ | | |
| | सिकाई सहजीकरण कार्यलाई स्थानीय भाषा वा बहुभाषामा सहजीकरण | कक्षा, तह | | १ | | | | १ | | |

## ३.५ शिक्षक व्यवस्थापन तथा विकास

### ३.५.१ परिचय

शिक्षकलाई शिक्षाका लक्ष्य एवम् उद्देश्य हासिल गर्न तथा शिक्षा योजनालाई कार्य रूपमाबदल्ने अनिवार्य मानवीय स्रोतका लिनु पर्दछ। गुणस्तरीय शिक्षाका लागि शिक्षक योग्य, व्यवसायिक रूपमा दक्ष पेशा प्रति उत्प्रेरित समर्पित प्रतिबद्ध र विद्यार्थीको सिकाइ प्रति जवाफदेही हुन आवश्यक छ। शिक्षामा भएको विषयवस्तुको पर्याप्त ज्ञान शिक्षण सिकाइ क्रियाकलाप सञ्चालन र दक्षता र नमुना व्यक्तित्व प्रदर्शन र विद्यार्थीहरूको सिकाइमा सकरात्मक प्रभाव पार्दछ। सबै तहको शिक्षामा योग्य दक्ष समर्पित र अभिप्रेरित शिक्षकहरूको व्यवस्थापनबाट नै शिक्षाको गुणस्तर सुनिश्चित गर्न सकिन्छ यसका लागि शिक्षक व्यवस्थापन र विकास प्रभावकारी हुन जरुरी हुन्छ।शिक्षक व्यवस्थापन र विकासले शिक्षकको प्राप्ति, शिक्षक विकास, शिक्षकको समुचित उपयोग र शिक्षक सम्भार लगायतका विस्तृत पक्षहरू समेटेको हुन्छ । नेपालमा विद्यालय तहको शिक्षामा पहुँच, गुणस्तर,समानता,सान्दर्भिकता, सुशासन प्रवर्द्धनका लागि विगतमा संचालित विभिन्न योजना परियोजना तथा कार्यक्रमहरूले शिक्षक व्यवस्थापन र शिक्षकको पेशागत क्षमता अभिवृद्धिलाई प्राथमिकता राखी कार्यक्रम सञ्चालन गरेको पाइन्छ।

वर्तमान अवस्थामा शिक्षक सेवामा प्रवेश गर्नको लागि उपयुक्त जनशक्ति तयार पार्ने काम विश्वविद्यालय तथा विद्यालयहरूले गरीरहेका छन् । शिक्षक सेवामा प्रवेश गर्नका लागि आवश्यक पर्ने अध्यापन अनुमतिपत्रका लागि परीक्षा सञ्चालन गर्ने, रिक्त दरबन्दीमा शिक्षक पदपूर्तिका लागि परीक्षा संचालन गर्ने, नियुक्तिका लागि सिफारिस गर्ने र शिक्षक बढुवासम्बन्धी कार्य शिक्षकसेवा आयोगले गर्दै आएको छ। आयोगबाट सिफारिस भइआएका शिक्षकहरूलाई नियुक्त गरी पदस्थापन गर्ने कार्य स्थानीय तहले गर्दै आएका छन् । अस्थायी तथा करारमा शिक्षक नियुक्ति भने सम्वन्धित विद्यालय वा स्थानीय तहबाट हुने गरेको छ । विद्यालयको निजी स्रोतका शिक्षक नियुक्ति गर्ने शिक्षकको कार्यसम्पादन मूल्याङ्कन गर्ने कार्य सम्वन्धित विद्यालयहरूले गर्दै आएका छन् । यसका अलवा शिक्षक दरवन्दी कम भइ पठनपाठमा प्रतिकूल प्रभाव परेका विद्यालयको हकमा स्थानीय तहहरूले आफ्नैले स्रोत व्यहोर्ने गरी शिक्षक नियुक्ति गरेका छन् । राष्ट्रियरूपमा शिक्षकको पेशागत विकासका लागि नीति निर्माण गर्ने काम शिक्षा विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्रालयले, प्रमाणीकरण तथा कष्टमाइज्ड तालिम पाठ्यक्रम निर्माण गर्ने र प्रशिक्षक तयार पार्ने कार्य र प्रशिक्षक तयार पार्ने कार्य शिक्षा तथा मानव स्रोत विकास केन्द्रले र शिक्षकको क्षमता अभिबृद्धिका लागि तालिम सञ्चालन गर्ने काम प्रदेश शिक्षा तालिम केन्द्रहरूले गर्दै आएका छन्। यसका अलवा स्थानीय तहहरूले समेत शिक्षक सहायता, शिक्षकको क्षमता अभिवृद्धि लगायतका क्षेत्रमा कार्य गर्दै आएका छन् ।

नेपालमा शिक्षक तयारी कार्यलाई वास्तविक आवश्यकता र अनुसन्धानमा आधारित बनाउन सकिएको छैन। शिक्षा विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्रालय र विश्वविद्यालयहरू बीच शिक्षक तयारी गर्ने कार्यमा प्रभावकारी समन्वय र सहकार्य हुन सकेको छैन । त्यसैगरी देशमा विभिन्न तरिकाले नियुक्ति पाएका शिक्षकहरू जस्तै शिक्षकसेवा आयोगबाट छनौट भई नियुक्त पाएका स्थायी शिक्षक, करारमा नियुक्त शिक्षक, राहत अनुदानमा कार्यरत शिक्षक, स्वयंसेवक शिक्षक तथा विद्यालयको निजी स्रोतबाट तलब सुविधा पाउने शिक्षकलाई छन्।यस प्रकारका शिक्षकहरू नौमूले गाउँपालिका भित्र रहेका विद्यालयमा समेत विद्यमान रहेका छन् । विभिन्न किसिमका शिक्षकहरूका सेवा शर्त र सुविधा पनि फरक-फरक छन्। शिक्षकको कार्यसम्पादन मुल्यांकन केबल बढुवा प्रयोजनको लागि मात्र भएको र यसलाई विद्यार्थीको सिकाइ उपलब्धि सँग जोडी शिक्षकलाई विद्यार्थीको सिकाइमा जिम्मेवार बनाउने प्रयोजनमा प्रयोग गर्न सकिएको छैन ।

यस योजनामा शिक्षाको गुणस्तर अभिबृद्धिका कक्षाकोठाको शिक्षण सिकाइलाई गुणस्तरयुक्त बनाउने,शिक्षक सहयोग प्रणालीलाई सुदृढ बनाउने, शिक्षक पेशागत विकासलाई प्रभावकारी बनाउने, विद्यार्थीको सिकाइ प्रति शिक्षकलाई जीम्मेवार बनाउने र औचित्यपूर्ण शिक्षक आपूर्ति र वितरण गर्ने कार्यलाई प्राथमिकता दिनेछ। यसमा शिक्षक व्यवस्थापन तथा विकासको वर्तमान अवस्थाको समीक्षा गरी चुनौतिहरूको पहिचान गरीएको छ। वर्तमान अवस्थाको समीक्षा तथा पहिचान गरीएका चुनौतीहरूको सामना गरी शिक्षक व्यवस्थापन तथा विकासलाई व्यवस्थित र प्रभावकारी बनाउने सन्दर्भमा यस कार्यक्रमका उद्देश्य, उद्देश्य प्राप्तिका लागि अपनाउने रणनीतिहरू, कार्यक्रम कार्यान्वयनबाट हासिल हुने अपेक्षित नतीजा तथा मुख्य मुख्य क्रियाकलाप तथा लक्ष्यहरू समावेश गरीएको छ।

### ३.५.२ वर्तमान अवस्था

#### क. शिक्षण पेशा प्रति आकर्षण र नियुक्ति

राष्ट्रियरूपमा शिक्षण पेशालाई रोजाइको पेशाका रूपमा विकास गर्नका लागि नेपालको पन्ध्रौं योजना(२०७६/०७७-२०८०/०८१) ले यस पेसामा अब्बल प्रतिभाहरूलाई आकर्षित गर्न विश्वविद्यालयमा उत्कृष्ट अङ्क हासिल गरेका व्यक्तिलाई सोझै शिक्षण पेसामा प्रवेश गर्न पाउने कानुनी व्यवस्था गर्ने कुरा उल्लेख गरेको छ। शिक्षक सेवा आयोग नियमावली, २०५९ अनुसार शिक्षक हुनकालागि शिक्षण अनुमतिपत्र अनिवार्य हुनुपर्ने, स्थायी शिक्षकको हुनका लागि शिक्षक सेवा आयोगले लिने परीक्षा उत्तिर्ण भएको हुनुपर्ने, बढुवाका लागि निश्चित मापदण्ड पुरा गर्नुपर्ने र पेसाको सुरक्षा लगायतका कारणले शिक्षण पेशालाई समाजमा प्रतिष्ठित पेशाका रूपमा लिइने अवस्था सुधार हुँदै गएको छ। नियमित रूपमा स्थायी नियुक्ति गर्ने कार्यको थालनीले शिक्षण पेशामा थप आकर्षण बढेको छ। शिक्षक सेवा आयोगद्वारा सञ्चालित परीक्षामा सम्मिलित हुने युवाहरूको उल्लेख्य उपस्थितिले यसैबाट ती शिक्षित युवाहरूको आकर्षण बढ्दै गएको पुष्टि हुन्छ। आगामी दिनहरूमा निरन्तर शिक्षक पेशागत विकास र सहयोग, पूर्वानुमान योग्य सरुवा र बढुवा प्रणाली कार्यसम्पादनमा आधारितदण्ड र पुरस्कार सम्बन्धी स्वच्छ र पारदर्शी प्रणाली अवलम्वन गर्नु वाञ्छनीय रहन्छ।

स्थानीय स्तरमा हेर्दा समेत नौमूले गाउँपालिकाबाट, करार, राहत तथा स्वयंसेवक शिक्षक अनुदान कोटाको लागि गरीएको शिक्षक पदका विज्ञापनमा आबेदन पेस गर्नेहरूको उल्लेख्य सङ्ख्याले शिक्षक पेसा प्रतिको आकर्षणलाई थप पुष्टि गर्दछ। तथापि यसरी नियुक्त भएका शिक्षकहरूलाई नेपाल सरकार तथा प्रदेश सरकारका तर्फबाट पेसागत विकासका कार्यक्रममा सहभागी नगराइएको तथा यस प्रणालीबाट नियुक्त शिक्षकको कार्य सम्पादन मूल्याङ्कन समेत नहुने व्यवस्था भएका कारण शिक्षक सेवा आयोगबाट सिफारिस भइ नियुक्त भएका स्थायी शिक्षक भन्दा बाहेकका शिक्षकको पेसागत विकास र कार्य सम्पादन मूल्याङ्कनको सन्दर्भमा स्थानीय तहबाट उपयुक्त विधि निर्माण गर्न आवश्यक रहेको देखिन्छ। यसका अलवा गाउँपालिकाले आफ्नो भूगोल भित्र रहेका मेधावी प्रतिभालाई शिक्षक पेसामा आकर्षित गर्ने नीति निर्माण गर्न आवश्यक देखिन्छ।

#### ख. शिक्षक तयारी

नेपालमा विश्व विद्यालयले सञ्चालन गर्दै आएका शिक्षाशास्त्र संकाय अन्तरगतका स्नातक तथा स्नातकोत्तर तहका शैक्षिक कार्यक्रमलाई नै शिक्षक तयारी कार्यक्रम/प्राज्ञिक योग्यता र व्यवसायिक योग्यता दुवै मानिने गरीएको छ। यस प्रकारका शैक्षिक कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने प्रमुख विश्वविद्यालयको रूपमा त्रिभुवन विश्वविद्यालय रहेको कुरा विभिन्न शैक्षिक तथ्याङ्ले देखाएका छन। यसका अलवा कक्षा ११ र १२ सञ्चालन रहेका विद्यालयहरूले समेत शिक्षक तयारीको कार्य गर्दै आइरहेकोमा परिवर्तित पाठ्यक्रम संरचना अनुसार भविष्यमा कक्षा १२ उत्तिर्ण गरे पश्चात थप शैक्षिक तालिम प्राप्त गरे पछि मात्र शिक्षक बन्ने योग्यता पुरा हुने अवस्था आउने छ।

शिक्षक सेवा आयोग नियमावली,२०५७बमोजिम आइ. एड, वि.एड. वा एम.एड.गरेपछि अध्यापन अनुमतिपत्रका लागि योग्य मानिन्छ। विश्वका विभिन्न मुलुकको अभ्यासलाई हेर्दा मुलुकमा मूल विषयमा योग्यता प्राप्त भएपछि शिक्षक तयारीका छुट्टै कार्यक्रममा सहभागी भई सो पूरा गरेपछि मात्र शिक्षकका लागि योग्य मान्ने प्रचलन पनि रहेका छन् ।शिक्षा ऐन २०२८ (संशोधन सहित) तथा शिक्षा नियमावली, २०५९र शिक्षक सेवा नियमावली २०५७मा भएको व्यवस्था अनुसार नेपालमा प्राथमिक र निम्न माध्यमिक तहका लागि शिक्षाशास्त्रमा प्रवीणता प्रमाणपत्र तह उत्तीर्ण वा कक्षा १२ वा अन्य बाट प्रवीणता प्रमाणपत्र तह उत्तीर्ण गरी १०महिने शिक्षक तालिम लिइ अध्यापन अनुमतिपत्र प्राप्त गरेका र माध्यमिक तहका लागि शिक्षा शास्त्रबाट स्नातक तह उत्तीर्ण वा अन्य बाट स्नातक तह उत्तीर्ण गरी एकवर्षे वि.एड. गरी अध्यापन अनुमति प्राप्त गरेका व्यक्ति मात्र शिक्षक हुन योग्य मानिन्छ। त्यसैगरी माध्यमिक तह कक्षा ११ र १२मा अध्यापन गर्नको लागि स्नातकोत्तर तह उत्तीर्ण गरी अध्यापन अनुमतिपत्र प्राप्त गरेको हुनुपर्ने प्रावधान छ। शिक्षक अध्यापन अनुमतिपत्रका लागि परीक्षा सञ्चालन भने शिक्षक सेवा आयोगले गर्दै आएको छ।

पन्ध्रौँ योजनाले शिक्षकको न्यूनतम शैक्षिक योग्यतामा पुनरावलोकन तथा आवधिक रूपमा योग्यता परीक्षण गर्ने प्रणाली स्थापना गरीने उल्लेख गरेको भएपनि यो कार्य हाल सम्म हुन सकेको छैन । राष्ट्रिय शिक्षा नीति २०७६बमोजिम सबै प्रकारका विद्यालयमा अध्ययन गर्ने शिक्षकका लागि राष्ट्रिय शिक्षक सक्षमताको मापदण्ड निर्धारण गरी सोको आधारमा शिक्षक तयार गर्ने र शिक्षक सक्षमताका आधारमा निरन्तर पेशागत विकास कार्य सञ्चालन गरीने उल्लेख गरेको छ । यही मापदण्डका आधारमा शिक्षा विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्रालय र विश्वविद्यालयहरूबीचको सहकार्यबाट विश्वविद्यालयहरूले शिक्षक तयारी कोर्स विकास गरी कार्यक्रम सञ्चालन आवश्यक देखिएको छ। यसैगरी विद्यालय तहको पाठ्यक्रम र विषयहरू हेरेर प्रवेश परीक्षा सञ्चालन गरी छनौट भएका विद्यार्थीलाई मात्र विश्वविद्यालयमा शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम भर्ना लिने व्यवस्था गर्नु उपयुक्त हुन्छ। विश्वविद्यालयका शिक्षक तथा शिक्षा कार्यक्रम एकातिर अनुसन्धान र अभ्यास शिक्षणमा आधारित हुन नसक्नाले शिक्षण सम्बन्धी व्यावहारिक कुशलताको कमी रहेको हुँदा देखिएको छ भने अर्कोतिर सीमित अवधिमा विषयवस्तु र शिक्षण सम्बन्धी विषय अध्ययन गर्न पर्ने भएकाले दुबै पक्षमा पर्याप्त सिकाइ हुन सक्ने अवस्था छ।

देश संघीय प्रणाली गए सँगै विद्यालय तहको शिक्षा स्थानीय तहको अधिकार क्षेत्रमा समावेश गरीको छ। यस परिप्रेक्ष्यमा अव स्थानीय तहले शिक्षक तयारीमा योजनाबद्ध कार्यक्रम लागु गर्नु आवश्यक देखिन्छ।

### ग. शिक्षण सिकाइ क्रियाकलाप

बालबालिकाको सिकाइ उपलब्धि मुलतः कक्षाकोठामा सञ्चालन गरीने शिक्षण सिकाइ क्रियाकलापमा भर पर्छ। विद्यालय तहको पाठ्यक्रम प्रारूप २०७६ ले पनि शिक्षण सिकाइलाई विद्यार्थी केन्द्रित, प्रविधिमैत्री परियोजनामा

आधारित, समूह कार्यमा आधारित तथा सामुदायिक क्रियाकलापमा आधारित बनाउन जोड दिएको छ।  राष्ट्रिय शिक्षा नीति २०७६ सूचना तथा प्रविधिलाई शिक्षण सिकाइ प्रक्रियाको अभिन्न अङ्गका रूपमा एकीकृत गर्दै प्रविधिमैत्री, व्यवहारिक र नतिजा मूलक बनाउने उल्लेख गरेको अवस्था छ । नेपालमा विगतदेखि हालसम्म संचालित विभिन्न शिक्षा योजना र परियोजना तथा कार्यक्रमले कक्षाकोठाको शिक्षण सिकाइमा सुधारलाई शिक्षाको स्तर वृद्धि गर्न जोड दिएका छन् । यसको फलस्वरूप विद्यालयको शिक्षण सिकाइलाई विद्यार्थी केन्द्रित बनाउने, प्रविधि प्रयोग गरी शिक्षण गर्ने, बालमैत्री सिकाइ वातावरण सिर्जना गर्ने जस्ता प्रयासहरूभएका छन् ।यसै गरी चालु पन्ध्रौँ योजनाले शिक्षण सिकाई क्रियाकलापलाई प्रभावकारी बनाउन विद्यार्थी सङ्ख्या कम भएका विद्यालयमा बहूकक्षा शिक्षण व्यवस्था, कक्षा शिक्षण पद्धति मार्फत पढाइ सीप प्रवर्द्धन गर्न उपयुक्त पाठ्यसामग्री, सन्दर्भसामग्री, प्रयोगात्मक सामग्री, उपयुक्त कक्षाकोठा व्यवस्थापन लगाएको व्यवस्थामा जोड दिएको छ ।

राष्ट्रिय परिवेशमा हेर्दा आ.ब. २०७७/०७८ मा राष्ट्रपति शैक्षिक सुधार कार्यक्रम मार्फत ५ अर्ब ६ करोड रुपैया विनियोजन भएको थियो । यस कार्यक्रमबाट ४ हजार २ सय ५० विद्यालयहरूमा विविध परियोजना सञ्चालनमा आएका थिए । यस कार्यक्रमबाट शिक्षण सिकाई क्रियाकलापका लागि भौतिक अवस्थाको सुधार, प्रविधीको जडान, शैक्षिक सामग्रीको उपलव्धता भएबाट आगामी दिनमा विद्यार्थीको सिकाइ उपलव्धीमा सुधार आउने अपेक्षा गर्न सकिन्छ ।

यस प्रकारका प्रयासका बावजुद पनि विश्वभर फैलिएको कोरोना महामारिका कारण देशका अन्य भागमा जस्तै नौमूले गाउँपालिका क्षेत्र भित्र सञ्चालित विद्यालयमा समेत शिक्षण सिकाइ क्रियाकलाप प्रभावित हुन पुगेको छ । स्थानीय स्तरमा इन्टरनेटजन्य  प्रविधीको कमजोर पूर्वाधारका कारण भर्चुअल माध्यमबाट हुने कक्षा समेत सञ्चालन हुन नसकेका कारण बालवालिकाहरूको सिक्न पाउने अधिकार समेत सङ्कुचित हुन पुगेको छ । महामारीको अन्त्यका सम्वन्धमा कुनै अनुमान गर्न कठिन भएको कारण आगामी समयमा पनि विद्यालयमा भौतिक उपस्थितिमा र सामान्य समयावधी अनुसारको शिक्षण सिकाइ क्रियाकलाप सञ्चालनमा अवरोध आउने कुरा निश्चित छ । यस परिस्थितिमा स्थानीय स्तरमा सिकाइको उपयुक्त वैकल्पिक माध्यमलाई अवलम्बन गरी शिक्षण सिकाइ क्रियाकलापलाई निरन्तरता दिनु अपरिहार्य देखिन्छ ।

### घ. शिक्षक पेशागत सहयोग पद्धति

विश्वमा शिक्षक पेशागत सहयोगका विभिन्न तरिकाहरूको प्रचलन छ कक्षा अवलोकन र छलफल,मेन्टरिङ, नियमित अनुगमन तथा पृष्ठपोषण आदानप्रदान, शिक्षकहरूको सिकाइ सञ्जाल, शिक्षक सम्मेलन, सहकर्मीहरूबीचमा अन्तरक्रिया, प्रतिविम्बित शिक्षण अभ्यासआदि ।नेपालमा विगतमा सञ्चालित विभन्न परियोजनाहरू मार्फत शिक्षक पेसागत सहयोगका लागि विद्यालय निरीक्षक तथा स्रोतकेन्द्र जस्ता संस्थागत प्रवन्धहरू गरीएका थिए । यस प्रकारका संस्थाबाट शिक्षकका लागि विविध तालिम तथा क्षमता विकास कार्यक्रम सञ्चालन भएका देखिन्छन् ।

ग्रामीण विकासका लागि सेती परियोजना तथा आधारभूत तथा प्राथमिक शिक्षा परियोजना देखि नै नेपालमा शिक्षक पेशागत सहयोगका लागि स्रोतकेन्द्रहरू स्थापना भएर क्रमशः तिनको संख्या विस्तार गरी १०५१ वटास्रोत केन्द्र मार्फत शिक्षक पेशागत सहयोग प्रदान हुँदै आएको थियो । स्रोतकेन्द्रहरू ले आफ्नो सेवाक्षेत्रका विद्यालयमा कार्यरत शिक्षकहरूलाई नयाँ पाठ्यक्रम तथा पाठ्यपुस्तक र शिक्षक निर्देशिका सम्बन्धी अभिमुखीकरण गर्ने, शैक्षिक

विषयवस्तुमा प्रधानाध्यापकहरू सँग नियमित बैठक गर्ने, शैक्षिक सामग्री निर्माण तथा प्रयोग सम्बन्धी कार्य सञ्चालन गर्ने, कक्षा अवलोकन गरी पृष्ठपोषण प्रदान गर्ने, अतिरिक्त क्रियाकलापहरू सञ्चालनमा सहयोग गर्ने, शैक्षिक योजनाहरू निर्माणमा सहयोग गर्ने, शिक्षकहरूको बीचको अन्तरक्रिया गराउने आदि कार्य हुने गर्थे । तर संघीय संरचनाको कार्यान्वयनसँगै स्रोतकेन्द्र पद्धति विघटन भएको छ।

राष्ट्रिय शिक्षा नीति २०७६ अनुसार स्थानीय तहमा सेवा निवृत्त शिक्षक लाई अध्ययन-अनुसन्धान शिक्षक सहायता, अनुगमन जस्ता प्रकृयामा प्रयोग गर्ने कुरा उल्लेख भएतापनि यस प्रकारका अनुभव हस्तान्तरणका लागि आवश्यक कानूनी व्यवस्था मिलाउन सकिएको छैन । दिगो विकास लक्ष्य (२०१६-२०३०) अनुसार सिकाइ आदान प्रदान क्षमता विकास, प्रविधि हस्तान्तरण ज्ञानको सञ्जालीकरणका लागि शिक्षक पेसागतसहयोगका लागि गठन भएका राष्ट्रिय र अन्तर्राष्ट्रिय संस्थाहरू बीच  सञ्जालन विकास गर्न अति कम विकसित मुलुकका लागि दिएको सुविधाको उपयोग हुन सकेको छैन।

वर्तमान समयमा  शिक्षकको पेसागत सहयोगका लागि स्थानीय तह नै सवै भन्दा जिम्मेवार र तालुक निकायको रूपमा रहने गरी नीतिगत परिवर्तन भइ सकेको छ । विगतमा भएका संयन्त्रको खारेजी गरीए पश्चातको संक्रमणकालिन वर्तमान अवस्थामा स्थानीय तहले नीतिगत परिपक्कता समेत हासिल गरीसकेका छैनन । यस परिप्रेक्ष्यमा स्थानीय तहले शिक्षकको पेसागत सहयोगका लागि थप नीतिगत र कार्यक्रमगत क्रियाशिलता देखाउन जरूरी छ ।

प्रधानाध्यापकको कुशल नेतृत्वबाट नै विद्यालयले आफ्ना लक्ष्य र उद्देश्य प्राप्त गर्न सक्दछ । यसका लागि प्रधानाध्यापकलाई थप जिम्मेवारी र अधिकार प्रदान गर्न जरूरी छ । विज्ञान प्रविधी तथा सूचना प्रविधीमा आएको व्यापक विस्तारीकरण संगै शिक्षक सहायता प्रणालीले थप अवसर प्राप्त गरेको छ । यस प्रकारका प्रविधीबाट शिक्षकले अधिकतम लाभ लिनका लागि विद्यालयलाई थप स्रोतपूर्ण वनाउन समेत आवश्यक छ ।

### ङ. शिक्षक क्षमता विकास कार्यक्रम

गुणस्तरीय शिक्षाका लागि गुणस्तरीय शिक्षक अनिवार्य शर्तको रूपमा रहेको हुन्छ । पेशागत रूपमा सक्षम दक्ष र अभिप्रेरित शिक्षकबाट ने कक्षाकोठाको शिक्षण सिकाइमा सुधार ल्याउन सकिन्छ । यसका निम्ति शिक्षकलाई पेशागत विकासका अवसरहरू उपलब्ध हुन आवश्यक छ । शिक्षकको पेशागत विकासका विभिन्न तौरतरिका छन् । शिक्षक तालिम कार्यशाला, सेमिनार, कन्फरेन्स, क्रियात्मक अनुसन्धान, शिक्षकको सिकाई सञ्जाल, अवलोकन भ्रमण,मेन्टरिङ जस्ता विधिहरू विश्वमा प्रचलनमा रहेका छन ।

नेपालमा शिक्षकको क्षमता विकासका लागि विगतमा विभिन्न परियोजना र कार्यक्रम संचालन भए ।  शिक्षकको क्षमता वृद्धि गरी कक्षाकोठाको शिक्षण सिकाइमा सुधार ल्याउने उद्देश्यले विक्रमसंवत् २०५० मा शैक्षिक जनशक्ति विकास केन्द्रको स्थापनासँगै सो अन्तर्गत ९वटा प्राथमिक शिक्षक तालिम केन्द्र स्थापना भए । ती तालीम केन्द्रहरूबाट सेवाकालिन प्राथमिक शिक्षक तालिम कार्यक्रमहरू सञ्चालन गरीए । शैक्षिक जनशक्ति विकास केन्द्रमा माध्यमिक शिक्षा विकास केन्द्र गाभिएपछि शैक्षिक जनशक्ति विकास केन्द्र अन्तर्गत शिक्षक तालिम दिन केन्द्रहरू, अगुवा स्रोतकेन्द्रहरू र स्रोत केन्द्र मार्फत लामो छोटो अवधिका शिक्षक तालिम कार्यक्रम सञ्चालन हुँदै आए । विद्यालय क्षेत्र सुधार कार्यक्रमअन्तर्गत पनि शैक्षिक जनशक्ति विकास केन्द्रले तिनै तालिम केन्द्रहरू,

अगुवास्रोतकेन्द्र र स्रोत केन्द्रहरू मार्फत शिक्षक विकास तालिम (टिपिडि तालिम) सञ्चालन गर्दै आएको थियो। तर संघीय संरचनाको कार्यान्वयनसँगै शिक्षक तालिम तथा विकासका लागि प्रदेशमा एक/एक गरी जम्मा ७ तालिम केन्द्रहरू मात्र रहने गरी अन्य सबै संरचना हटेका छन् ।

पन्ध्रौयोजनाले विद्यालय शिक्षाको गुणस्तरमा सुधार ल्याउन शिक्षकको निरन्तर पेशागत विकासका लागि शिक्षकको पेसागत विकास कार्यक्रम सञ्चालन गरीने र सार्वजनिक माध्यमिक विद्यालयमा क्रमशःअलग्गै प्रधानाध्यापकको व्यवस्था गरी सबै प्रधानाध्यापकहरूको व्यवस्थापकीय एवं नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम सञ्चालन गरीने उल्लेख गरेको छ। राष्ट्रिय शिक्षा नीति २०७६ अनुसार सबै प्रकारका विद्यालयमा अध्ययन गर्ने शिक्षकका लागि राष्ट्रिय शिक्षक सक्षमताको मापदण्ड निर्धारण गरी सोको आधारमा निरन्तर पेशागत विकास कार्य सञ्चालन गर्ने कुरा उल्लेख छ। यसैगरी आधारभूत तहका शिक्षकले विषयगत शिक्षण, बहुकक्षा शिक्षण, कक्षा शिक्षण पद्धति सम्बन्धी ज्ञान हासिल गरी पठनपाठनमा सोको प्रभावकारी प्रयोग गर्नसक्ने गरी शिक्षक तालिम र क्षमता विकास कार्यक्रमहरू सञ्चालन गरीने व्यवस्था गरेको छ।

राष्ट्रिय शिक्षा नीति २०७६ ले स्थानीय तहले विद्यालयलाई केन्द्रविन्दु बनाएर शिक्षकको निरन्तर पेशा विकास कार्यक्रमहरू जस्तै कम्टमाइज्ड तालिम, कार्यशाला, सेमिनार, अवलोकन भ्रमण, शिक्षक नेटवर्क, प्रतिविम्बन शिक्षक, सहकार्यात्मक रूपमा गरीने अनुसन्धान, मेन्टरिङ, कोचिङ आदि सञ्चालन गर्ने व्यवस्था गरेको छ। साथै सो नीतिमा सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको विकासकोमा भएको तीव्र विकाससँगै तालिम दिने पद्धतिमा समेत परिवारजन गरी आमने सामने, विद्यालयमा आधारित, मिश्रित अनलाइन तथा भर्चुअल पद्धतिबाट तालिम सञ्चालन गरीने कुरा उल्लेख छ।

मुलुक संघीय संरचनामा गरेसँगै साविकको शैक्षिक जनशक्ति विकास केन्द्र साविकको शिक्षा विभागमा गाभिन गई शिक्षा विभाग शिक्षा तथा मानव स्रोत विकास केन्द्रमा रुपान्तरण हुन पुग्यो। शिक्षक पेसागत विकास कार्यक्रम सञ्चालनका लागि मापदण्ड बनाउने, प्रारूप बनाउने, तालिम पाठ्यक्रम विकास गर्ने र प्रशिक्षक प्रशिक्षण सञ्चालन गर्ने कार्य यस केन्द्रबाट हुँदै आएको छ। शिक्षकको पेशागत विकासका लागि सातवटा प्रदेश स्तरीय शिक्षा तालिम केन्द्रहरूले अनलाइन तथा अफलाइन प्रविधिबाट दुई चरणमा एकमहिने प्रमाणीकरण शिक्षक तालिम र कष्टमाइज्ड शिक्षक तालिम सञ्चालन गर्दै आएको अवस्था छ।हाल सञ्चालनमा रहेको विद्यालय क्षेत्र विकास कार्यक्रमले पनि शिक्षकको पेशागत विकासलाई जोड दिएको अवस्था छ।

विद्यालय विद्यालय क्षेत्र विकास योजना अवधिमा आधारभूत र माध्यमिक तहमा अध्यापन गर्ने विज्ञान, गणित र अंग्रेजी विषयका शिक्षकहरूको शिक्षण क्षमता विकासका लागि तालिम सञ्चालकलाई प्राथमिकता राख्ने कार्य भइरहेको छ। तापनि विद्यमान सातवटा शिक्षा तालिम केन्द्रबाट मात्र ठूलो संख्याका शिक्षकलाई प्रमाणीकरण तालिम प्रदान गर्न कठिन भएको छ। यस परिवेशमा शिक्षकको क्षमता विकासका लागि स्थानीय तहहरूले आफ्नो इलाका भित्र रहेका शिक्षकहरूको क्षमता विकासका लागि आवश्यक नीतिगत र कार्यक्रमगत कदम चाल्न अपरिहार्य रहेको छ।

### च. शिक्षक उत्तरदायित्व

आफ्नो कार्य सम्पादन प्रति आफू स्वयम् जवाफदेही हुनु भनेको उत्तरदायी हुनु हो । यस प्रकारको उत्तरदायित्व कानूनी र नैतिक दुवै हुन सक्छ । शिक्षक विद्यार्थी, अभिभावक, समुदाय तथा विद्यालय प्रशासक/प्रधानाध्यापक प्रति उत्तरदायी हुनुपर्छ । शिक्षक विद्यार्थी प्रति उत्तरदायी हुनु भनेको आफुले अध्यापन गराउने विद्यार्थीहरूको शिक्षण सिकाइ तथा कार्यसम्पादन प्रति जवाफदेही हुनु, पाठ्यक्रमले तोकेका सिकाइ उपलब्धि भएको प्रगति र विकासमा जवाफ दिनु र विद्यार्थीको गुणस्तरीय जीवनका विषयमा जवाफ दिँनु भन्ने बुझिन्छ । यसैगरी शिक्षकले विद्यार्थीको सिकाइ तथा विकासका बारेमा अभिभावकलाई समेत प्रतिवेदन गर्नुपर्दछ । विद्यालयको आचारसंहिता पालन गर्दै दैनिक कार्यतालिका अनुसार अध्यापन गर्ने विद्यार्थीको सिकाइको लेखाजोखा तथा मूल्याङ्कन गर्ने, त्यसको प्रतिवेदन प्रधानाध्यापकलाई पेश गर्ने आदि कार्य शिक्षकले गर्नुपर्ने हुँदा शिक्षक प्रधानाध्यापक प्रति उत्तरदायी हुनुपर्दछ।

शिक्षक सेवा आयोग नियमावली २०५७ ले शिक्षकको बढुवालाई अध्यापन गरेको सम्बन्धित विषयमा विद्यार्थीले प्राप्त गरेको उपलब्धि सँग जोड्ने काम गरेर शिक्षकलाई उत्तरदायी बनाउने प्रयास गरेको छ । यसका अलवा शिक्षा ऐन २०२८ शिक्षा नियमावली २०५९ पाख्रीवास गाउँ शिक्षा ऐन २०७७ तथा पाख्रीवास गाउँ शिक्षा नियमावली २०७७ ले समेत शिक्षकले पालना गर्नुपर्ने विविध आचारसंहिता र कानुनी उपबन्धहरूको निर्धारण गरीएको छ जसबाट शिक्षक उत्तरदायी वन्नु पर्ने कानूनी आधार तयार भएको छ ।तथापि यी उपबन्धहरूको कार्यान्यनको सन्दर्भमा भने बारम्बार प्रश्न उठ्ने गरेका छन ।

पन्धौँयोजनाले शिक्षकले कक्षा कोठा विताउने समयलाई नियमित पठनपाठन सँग आबद्ध गर्दै शिक्षकलाई पेशा प्रति समर्पित बनाई शिक्षाको गुणस्तर सुधारका लागि स्थानीय तहमा उत्प्रेरणा कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने व्यवस्था गरेको छ। शिक्षा नीति २०७६ अनुसार शिक्षकलाई प्रशासनिक रूपमा प्रधानाध्यापक प्रति र सिकाइ उपलब्धिका लागि विद्यार्थी तथा अभिभावक प्रति जवाफदेही बनाउने र प्रधानाध्यापकलाई सिकाइ विद्यालय व्यवस्थापनका लागि विद्यार्थी अभिभावक स्थानीय तह प्रति जवाफदेही बनाउने कुरा उल्लेख गरेको छ । विद्यार्थीहरूले परीक्षामा हासिल गरेको परिणाम समेतको आधारमा शिक्षकको कार्यसम्पादन मूल्याङ्कन गरी शिक्षण सिकाइ क्रियाकलापमा सुधारका लागि शिक्षाका जिम्मेवार र जवाफदेही बनाउने व्यवस्था उक्त नीतिले गरेको छ ।

### छ. शिक्षकको आपूर्ति र वितरण

शिक्षा नियमावली २०५९को अनुसूची १२ माव्यवस्था भए अनुसार पूर्वप्राथमिक विद्यालयमा एकजना, प्राथमिक विद्यालयमा ५० जना सम्म विद्यार्थी भएमा कम्तिमा २ जना र सोभन्दा बढी विद्यार्थी भएमा कम्तीमा तीनजना कक्षा ६-८ का लागि कम्तीमा चार जना माध्यमिक तह ९-१२ लागि ८ जना शिक्षकको रहने व्यवस्था छ। शिक्षा नियमावली २०५९ का अतिरिक्त शिक्षक दरबन्दी (मिलान तथा व्यवस्थापन) कार्यविधि, २०७६ ले हिमाल, पहाड तथा तराईको लागि शिक्षक विद्यार्थी अनुपात क्रमशः चालीस, पैंतालीस र पचासलाई आधार मानी शिक्षक दरवन्दी पुनर्वितरण गर्ने प्रावधान भए अनुसार हाल मुलुकभर शिक्षक दरवन्दी मिलानको प्रकृया अन्तिम चरणमा पुगी सकेको छ ।

नौमूले गाउँपालिका क्षेत्र भित्र सञ्चालित सामुदायिक विद्यालयहरूमा भएकोशिक्षक वितरण र आपुर्तिलाई हेर्दा ४८ वटा सामूदायिक विद्यालयमा बालविकास ३ वटा रहेका छन् । नौमूले गाउँपालिकामा जम्मा ९४ स्थायी दरवन्दी

तथा १३ वटा अस्थायी दरवन्दी रहेका छन भने ५१ वटा राहत दरवन्दी रहेका छन् त्यसै गरि निजि स्रोतबाट जम्मा १०३ जना शिक्षक रहेका छन् । तहगत रूपमा हेर्दा EMIS २०७९ अनुसार नौमूले गाउपालिका क्षेत्र भित्र ६८८ जना बालबालिका बालविकास तहमा अध्ययनरत रहेका छन । एवम् प्रकारले आधारभूत तह (कक्षा १-५) मा जम्मा २८७४ जना विद्यार्थी अध्ययनरत रहेका छन । त्यसै गरी आधारभूत तह (कक्षा ६-८) मा अध्ययन गर्ने जम्मा विद्यार्थी सङ्ख्या १६३२ छन् । तह (कक्षा ९ र १०) मा जम्मा ९५० विद्यार्थी अध्ययनरत रहेका छन् । माध्यमिक तह (कक्षा ११ र १२) मा अध्ययनरत विद्यार्थी सङ्ख्या ५७२ जना मात्र रहेको छ । आगामि दिनमा कक्षा कक्षा सञ्चालनको अनुमति प्रदान गरे पश्चात शिक्षक दरवन्दी पनि प्रदान गर्नु वाञ्छनीय छ ।

### ३.५.३ अवसर तथा चुनौतिहरु

माथि उल्लेख गरीएको राष्ट्रिय परिवेश, स्थानीय परिप्रेक्ष्यमा  र प्रस्तुत तथ्याङ्कका आधारमा नौमूले गाउपालिका क्षेत्र भित्र शिक्षक व्यवस्थापन र विकासका क्षेत्रमा देहायबमोजिमका चुनौतिहरूको पहिचान गरीएका छन् ।

- शिक्षण पेसामा उच्च शैक्षिक उपलव्धि भएका जनशक्तिलाई आकर्षण गर्नु,
- पाठ्यक्रमले निर्धारण गरेका सिकाइ उपलब्धि सुनिश्चित गर्न र शिक्षण सिकाइलाई विद्यार्थी केन्द्रित बनाउन शिक्षण विधि तथा शिक्षण सिकाइ क्रियाकलापमा विविधता ल्याउनु
- शिक्षक पेसागत सहयोगको सुदृढ प्रणाली स्थापना गर्नु,
- शिक्षकको पेशागत विकासको अवसर विस्तार र प्रभावकारितामा सुधार गर्नु,
- शिक्षकको कार्य सम्पादनलाई विद्यार्थीको सिकाई उपलव्धी सँग जोड्नु,
- विद्यार्थी अनुपात र विषयगत आवश्यकताका आधारमा शिक्षक व्यवस्थापन गर्नु ।
- पालिका अनुदानमा माध्यमिक तहमा विषयगत अध्यापन अनुमती प्राप्त शिक्षकहरुको व्यवस्थापन गर्नु ।

### ३.५.४ उद्देश्य

उपयुक्त समीक्षा तथा चुनौतीहरूका आधारमा शिक्षाक्षेत्र योजनामा शिक्षक व्यवस्थापन र विकासका देहाय बमोजिमका उद्देश्य निर्धारण गरीएका छन्

- सक्षम जनशक्तिलाई शिक्षक पेसामा आकर्षित गर्ने ।
- शिक्षकको छनोट, नियुक्ति र पुनर्वितरण लाई सुदृढ बनाउने,
- शिक्षकको पेसागत विकास तथा निरन्तर पेशागत सहायता प्रणाली स्थापना गर्ने,
- सबै तहमा सक्षम, प्रतिबद्ध र अभिप्रेरित शिक्षक प्रबन्ध गर्ने
- सुपरिवेक्षण, शिक्षक तालिम लगायतक अन्य आवश्यक प्रणालीको ब्यवस्था गरी शिक्षकलाई पेसा प्रति थप जवाफदेही वनाउने
- शिक्षकहरु पेशागत क्षमता अभिबुद्धीको लागि तालिमको व्यवस्था गर्नु ।
- शिक्षकलाई पुरस्कृत गर्ने र दण्ड नीतिलाई व्यवस्थित गर्ने ।

### ३.५.५ रणनीति

माथि उल्लेखित उद्देश्यहरू पुरा गर्न निम्नानुसारका रणनीतिहरू तय गरीएका छन।

- शिक्षक सेवा आयोगबाट छनौट भइ आएका शिक्षकहरू भन्दा बाहेकका शिक्षकहरूको छनौट तथा नियुक्ति प्रकृयालाई व्यवस्थित, पारदर्शी तथा गुणतन्त्रमा आधारित बनाइने छ। साथै यसरी नियुक्त गरीने शिक्षक पदमा उच्च शैक्षिक योग्यता भएका जनशक्तिलाई प्राथमिकता दिने गरी व्यवस्थित गरीनेछ।
- शिक्षक विद्यार्थी अुनपातको आधारमा तहगत र विषयगतरूपमा शिक्षक दरवन्दी मिलान तथा पुनरवितरण प्रकृया निरन्तर रूपमा गरीनेछ।
- शिक्षा तालिम केन्द्रबाट तालिम प्रदान नगरीने शिक्षकहरूलाई पालीकाको तर्फबाट तालिम प्रदान गर्ने व्यवस्था गरीनेछ। सवै प्रकारका शिक्षकलाई सूचना प्रवधी सम्वन्धी तालिम प्रदान गरी सञ्जालिकरण गरीने छ।
- स्थानीय रूपमा शिक्षकहरूको सञ्जाल निर्माण गरी अनुभवको आदान प्रदान गर्ने व्यवस्था मिलाइने छ। यस प्रकृयामा प्रविधीको प्रयोगलाई जोड दिइनेछ।
- शिक्षकको कार्य सम्पादनमा सुधारमा ल्याई विद्यार्थीको सिकाइ उपलब्धि वृद्धि गर्न उत्कृष्ट शिक्षकलाई पालिका स्तरको पुरस्कारको व्यवस्था गरीनेछ। शिक्षकलाई क्रियात्मक अनुसन्धान प्रकृयाबाट विद्यार्थीको सिकाई उपलव्धि वृद्धि गर्न प्रेरित गरीनेछ।
- अस्थायी, करार, राहत अनुदान तथा उच्च माध्यमिक तहमा कार्यरत शिक्षकले समेत अनिवार्यरूपमा पालिका समक्ष आफूले सम्पादन गरेका कार्यहरूको मूल्याङ्न गर्न फाराम भरी पेस गर्नुपर्ने व्यवस्था गरीनेछ।
- शिक्षक पेशागत सहयोगका लागि विषयगत शिक्षकहरुको समुह तयार गर्ने तथा निममित बैठक गरि सिकाइ साटासाटको वातावरण सिर्जना गरिनेछ।

### ३.५.६. उपलव्धी, नतिजा, प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्य

***उपलव्धी***

- यस योजनाको कार्यान्वयन पश्चात सक्षम र अभिप्रेरित शिक्षकको व्यवस्था भई विद्यार्थीको सिकाई सुधार हुनेछ।

***नतिजा***

- स्थानीय स्तरबाट हुने शिक्षक नियुक्ति प्रकृया स्वच्छ र पारदर्शी हुने
- विद्यार्थी संख्याको आाधारमा शिक्षक वितरण हुने ,
- शिक्षक पेसा जिम्मेवार र मर्यादित पेसाका रूपमा रुपान्तरण हुने,
- शिक्षक सहायत प्रणाली व्यवस्थित हुने,
- शिक्षकको पेसागत विकासमा स्थानीय तहको सहयोग हुने,
- शिक्षकहरू सुचना तथा सञ्चार प्रविधी प्रति अभ्यस्त हुने र सो को प्रयोग शिक्षण सिकाई प्रकृयामा समेत हुने,

- शिक्षक सञ्जालको निर्माण भई अनुभवको आदान प्रदान हुने ।

**प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्य**

| क्र स | क्रियाकलाप | ईकाई | भौतिक लक्ष्य(वर्ष ५) | | | | | **भौतिक लक्ष्य५ वर्ष** | भौतिक लक्ष्य वर्ष १० | कैफियत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | | | |
| १ | शिक्षकको पेशागत तालिम सन्चालन गर्ने | | | २ | | | | २ | ४ | |
| २ | असल कामको अभ्यास तथा अवलोकलन गर्ने | | | १ | | | १ | २ | ३ | |
| ३ | शिक्षकलाइ प्रोत्साहन पुरस्कार कार्यक्रम सन्चालन गर्ने | | | १ | | | | १ | १ | |
| ४ | विषयगत शिक्षक विच छलफल तथा अन्तरक्रिया कार्यक्रम गर्ने | | | २ | | | | | १ | |
| ५ | शिक्षक दरवन्दी मिलान तथा पुनरवितरण गर्ने | | | १ | | | | | १ | |
| ६ | शिक्षक पेशागत सहयोगका लागि इ सन्जाल वनाउने | | | १ | | | | १ | २ | |

## ३.६ अनौपचारिक तथा निरन्तर शिक्षा

### ३.६.१ परिचय

शिक्षा कोक्रोबाट शुरु भएर चिहानमा पुगेर अन्त्य हुन्छ। कुनै पनि मानिस जन्मिए पछि नमरुन्जेल सम्म अनौपचारिक अनियमित हुदै औपचारिक प्रक्रियाबाट जिवन जगत र वातावरण सँग समयानुकुल विभिन्न अनुभवहरु हासिल गरी नयाँ नयाँ ज्ञानसिप सिकिरहेको हुन्छ। निश्चित उमेर समुहले समयको परिधि भित्र रहि निश्चित विषयबस्तु र निश्चित स्थानमा लिइको औपचारिक ज्ञानसिपलाई मात्र सिकाई मान्ने हाम्रो चलन रहेको छ।तर मानिसले हर समय केहि न केहि कुरा सिकिरहेको हुन्छ र मानिस जीवन भर नयाँ नयाँ ज्ञानसिपको खोजिमा रहन्छ। यसरि जिवन भरको सक्रियतापुर्ण सिकाईलाई ब्यवहारिक बनाउनको लागि समृद्द र सभ्य समाजको निर्माणका लागि अपचारिक तथा निरन्तर सिकाई आवश्यक छ। विविध कारणले औपचारिक शिक्षाको मुल प्रवाहबाट वञ्चित भइका मानिसलाई जीवन पर्यन्त सिकाईका लागि अनौपचारिक शिक्षा तथा निरन्तर सिकाईलाई गाउँ शिक्षा योजना २०७९-२०८९ मा प्राथमिकतामा राखेको छ। अनौपचारिक शिक्षा औपचारिक शिक्षाको जननि हो तसर्थ जीवन उपयोगी ज्ञान र सीप हासिल गर्नको लागि  औपचारिक र अनौपचारिक शिक्षाको आवश्यकता पर्दछ। निश्चित समय सिमा भित्र सिकेका

ज्ञानले मानिसको जिवनलाई सार्थक बानउन सक्दैन। समुदायमा बसोबास गरेका विभिन्न उमेरयोग्यता क्षमता भइका हरेक अन्तरनिहित प्रतिभाहरुको माध्यमबाट समेत अनौपचारिक शिक्षा हासिल गर्न सकिन्छ र उक्त शिक्षा हासिलका लागि राज्यले नै लगानि गरेको हुन्छ।

### ३.६.२ वर्तमान अवस्था

नौमूले गाउपालिका भित्र रहेका अनौपचारिक शिक्षा तथा विगतका समयमा नै प्रौढ शिक्षा संचालन भएको साथै यस पालिका भित्र २ वटा सामुदायिक अध्ययन केन्द्र संचालनमा रहेका छन् जसले अनौपचारिक शिक्षा निरन्तर सिकाईका बारेमा कार्य गर्दै आएका छन्।

### ३.६.३ अवसर र चुनौति

- सम्पुर्ण औपचारिक शिक्षाबाट बञ्चित नागरीकलाई शिक्षित बनाउनु
- अनौपचारिक ढंगले साक्षर भएका व्यक्तिलाई आयआर्जन तथा सिपमुलक र जिवन उपयोगि शिक्षा प्रदान गर्नु।
- औपचारिक शिक्षाबाट बञ्चित व्यक्तिहरुलाई सिकाईको सहज र सर्वसुलभ पँहुच निश्चित गरी खुला शिक्षाको पहुच  बृद्दि गरी ब्यबहारिक तथासिपयुक्त बनाउनु।
- सिकारुको आवश्यकता अनुसारको साक्षरतामा आधारित कार्यक्रमको विकास गरी कार्यान्वयन गर्नु
- साक्षरता निरन्तर  सिकाई सिपमुलक सिप तथा समय सापेक्ष सुचना र प्रविधीयुक्त साक्षरता कक्षा संचालन
- पाठ्य सामाग्रिको विकास
- सहजकर्ता क्षमताको विकास
- व्यक्तित्व विकासका लागि सामुदायिक सुचना केन्द्र सामुदायिक अध्ययन केन्द्र,  घुम्ति पुस्तकालय स्थापना गरी अध्ययनलाई सहजता बनाउनु

### ३.६.४ उद्देश्यहरु

- नौमूले गाउपालिकालाई साक्षर गाउँपालिकाको रुपमा विकास गर्ने
- सबै नागरीकलाई समाबेशी र समतामुलक साक्षरता र निरन्तर सिकाईको अवसर सिर्जना गर्ने
- औपचारिक शिक्षाबाट वञ्चित भएका सम्पुर्ण  नागरीकलागि जिवन पर्यन्त शिक्षा सुनिश्चित गर्न
- शिक्षा प्राप्त गर्न नसकेका व्यक्तिहरुलाई  खुला शिक्षाको माध्यमबाट शिक्षा प्रदान गर्न
- अनौपचारिक तथा निरन्तर सिकाईको माध्यमबाट आजिवन सिकाई सँस्कृतिको विकास गर्न
- नौमूले गाउपालिका भित्रका सम्पुर्ण उमेर समुह अनुसारका नागरीकलाई कार्यमुलक साक्षरता अभिबृद्दि गराई पढ्ने बानिको विकास गर्न
- औपचारिक रुपमा शिक्षा लिन विद्यालय जान नसकेका तथा शरिरीक रुपमा अपाङ्गता भएका ब्यक्तिको लागि व्यबहारिक र सिपमुलक शिक्षा प्रदान गरी मर्यादित जीवनयापन गर्न सक्षम नागरीक बनाउन

- औपचारिक अनौपचारिक तथा अतिरिक्त शिक्षा विच अन्तरसम्बन्ध स्थापित गरी योग्यताको समक्षता (equivalency) गतिशिलता (mobility) पारगम्यता (permeability) सुनिश्चित गर्दै राष्ट्रिय योग्यता प्रारुपमा आधारित शिक्षा प्रणालीको विकास गर्नु
- अनौपचारिक शिक्षा तथा निरन्तर सिकाईका लागि एकिकृत प्रणालीमा आधारित संस्थागत सुदृढिकरण गर्नु
- सामुदायिक अध्ययन केन्द्रको स्थापना विकास र विस्तार गर्नु
- विज्ञ समुह निर्माण गरी अनौपचारिक तथा निरन्तर सिकाई र सिकाई संस्कृतिको अवधारणा पत्र तयार पार्ने ।

### ३.६.५ रणनिति-

- अनौपचारिक शिक्षा तथा निरन्तर शिक्षालाई प्रभावकारी बनाउन सार्वजनिक स्थानमा सन्देशमुलक सामाग्रीको लेखन
- रेडियो टेलिभिजन भर्चुअल नेटवर्क मोवाईल एप्लिकेशन तथा अन्य विद्युतिय सामाग्रिको माध्यमबाट सिकाईलाई दिगो बनाउन साक्षरता तथा जीवनोपयोगि र सिपमुलक कार्यक्रम उत्पादन गरी दुर शिक्षा तथा घुम्ति शिक्षा सञ्चालन तथा प्रशारण
- सामुदायिक सिकाई केन्द्र विद्यालय नागरीक समाज सञ्चार माध्यम अभिभाबक लगायत अन्य साझेदारहरु परिचालन गरी साक्षर कक्षा सञ्चालन गर्ने साथै स्वयंसेवक परिचालन गर्ने
- पठन संस्कृतिको विकासका लागि सामुदायिक अध्ययन केन्द्र विधुतिय पुस्तकालय सामुदायिक वाचन केन्द्रको स्थापना तथा स्तरिकरण गरी सिकाई स्रोत केन्द्रको रुपमा विकास गर्ने
- मौलिक एवं परम्परागत ज्ञान सिपको पहिचान संरक्षण संबर्धन आधुनिकिकरण एबं हस्तान्तरण सम्बन्धी कार्यक्रम सञ्चालन
- राष्ट्रिय योग्यता अनुरुपको औपचारिक अनौपचारिक अतिरिक्त शिक्षा विच समक्षता कायम गराउन मापदण्डको विकास
- सिकारुको आवश्यकता अनुसारका डिजिटल सामाग्रिको विकास गराउने
- उमेर अनुसारको विविध सिपमुलक तालिम तथा गोष्ठी संचालन गर्ने

### ३.६.६ उपलब्धि, नतिजाहरु, प्रमुख क्रियाकलापहरु तथा लक्ष्य

#### उपलब्धि

- सम्पुर्ण औपचारिक शिक्षाबाट वञ्चित भएका नागरीकहरुका लागि समयानुकुलको अनौपचारिक तथा निरन्तर सिकाई र जिवनपर्यन्त जिबनोपयोगि र सिपमुलक सिकाईको अवसर प्राप्त हुने।

#### नतिजा

- साक्षर नौमूले गाउपालिका रुपमा विकास हुने

- लक्षितबर्ग तथा समुदायमा सिकाईको अवसर सिर्जना हुने
- अनौपचारिक शिक्षा तथा निरन्तर सिकाईको व्यवस्थापनका लागि आवश्यक संरचनागत ब्यबस्था तयार भई कार्य संचालन हुने
- सामुदायिक सिकाई केन्द्रको विकास र विस्तार
- विज्ञ समुहको निर्माण गरी अनौपचारिक शिक्षा सम्बन्धी अवधारणा पत्र तयारन हुने
- जिवनोपयोगि र सिप मुलक सिकाईका लागि पाठ्यक्रम तथा पाठ्य सामाग्रि तयार हुने
- उत्पादनशिल र प्रतिस्पर् जनशक्तिको निर्माण हुने ।

## प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्य

| क्र स | क्रियाकलाप | ईकाई | भौतिक लक्ष्य(वर्ष ५) | | | | | **भौतिक लक्ष्यदोस्रो ५ वर्ष** | भौतिक लक्ष्य वर्ष १० | कैफियत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | १ | | ३ | ४ | ५ | | | |
| १ | निरक्षरहरुको विवरण सङ्कलन | पटक | १ | २ | १ | | १ | | ३ | |
| २ | साक्षर पालीका | वडागत | | २ | ३ | | ३ | | १० | |
| ३ | सामुदायिक सिकाई केन्द्रको संचालन र व्यवस्थापन | वडागत | | २ | ४ | | | ४ | १० | |
| ४ | पुस्तकालय तथा सामुदयिक वाचन केन्द्र संचालन | वडागत | | २ | | | | | २ | |
| ५ | सामुदायिक सिकाई केन्द्रमा प्रविधीको विकास | सङ्ख्या | | २ | | | | २ | ४ | |
| ६ | सिकाई केन्द्रको अन्य संघ सस्थासंग सहकार्य | निरन्तर | | ५ | | | | ३ | ५ | |
| ७ | सिकाई सामाग्रीको विकास | पटक | | १ | | | | २ | ३ | |
| ८ | विज्ञ समुहको निर्माण | पटक | | २ | २ | | | २ | ६ | |
| ९ | परिचालक ब्यबस्थापन तथा क्षमता विकास | वडागत | | २ | २ | १ | | ५ | ८ | |

## ३.७.५ प्राविधिक तथा व्यवसायिक शिक्षा

### ३.७.१ परिचय

नेपालको सन्दर्भमा प्राविधिक तथा व्यवसायिक शिक्षा अपरिहार्य विषयको रुपमा रहेको छ। यसलाई वर्तमान मागको रुपमा नलिई आवश्यकताको रुपमा लिईएको छ । आमजनमानसमा प्राविधिक तथा व्यवसायिक शिक्षामा जोड दिनुपर्छ भन्ने अवधारणाको विकास भइसकेको छ । प्राविधिक तथा व्यवसायिक शिक्षा सरकारले नै सञ्चालन गर्नुपर्ने र उत्पादित जनशक्तिलाई सरकारले नै रोजगारी दिनुपर्ने मान्यता पनि अघि सारिएको छ। विद्यालय शिक्षा कक्षा १ देखि १० सम्म प्राविधिक शिक्षा र व्यवसायिक शिक्षामा जोड दिनु बढि उपयुक्त र सान्दर्भिक देखिन्छ । नेपाल सरकारको निर्णय र स्विकृति ऐन , नियम तथा निर्देशिका बमोजिम प्राविधिक तथा व्यवसायिक शिक्षा सामुदायिक विद्यालयाहरुमा पनि सञ्चालन गर्ने अवधारणा अगाडि सारियो। शिक्षा मन्त्रालय तथा शिक्षा विभाग मार्फत सामुदायिक विधालयमा कक्षा ९ बाट प्राविधिक शिक्षा सञ्चलन गर्ने निर्णय वि.सं.२०६८ सालमा गरेको थियो सोहि निर्णयानुसार २०७० सालदेखि कक्षा कक्षा ९ मा प्राविधिक शिक्षाको ९९ वटा विद्यालयहरुमा पठनपाठन प्रारम्भ भयो तत्पश्चात २०७२ सालदेखि ९३ वटा सामुदायिक विद्यालयहरुमा कक्षा ११ मा प्राविधिक शिक्षाको पठनपाठन शुरु भयो। यस अन्र्तगत ईन्जिनियरिङ्ग तर्फ सिभिल, इलेक्ट्रिकल कम्प्युटर र कृषि तथा पशु विज्ञान तर्फ वालिविज्ञान र पशुविज्ञान कार्यक्रम सञ्चालनमा छन्। विद्यालय शिक्षामा प्राविधिक तथा व्यवसायिक शिक्षाको व्यवस्थावाट कार्यमूलक ,व्यवहारिक, प्राविधिक तथा व्यवसायिक सिपयुक्त दक्ष जनशक्ति उत्पादन गरि विश्व श्रम वजारमा सहज प्रवेशको सम्भावना बढाउन तथा रोजगारीको सुनिश्चितता प्रदान गर्न शैक्षिक उत्पादनको गुणात्मकता वृद्धिका लागि सामुदायिक विद्यालयहरुमा प्राविधिक तथा व्यवसायिक शिक्षा सञ्चालन गर्नु नितान्त जरुरी रहेको छ।

### ३.७.२ वर्तमान अवस्था

हरेक देशमा दक्ष जनशक्तिको आवश्यकता पर्दछ , मूलुकको भौतिक, शैक्षिक राजनैतिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक तथा औद्योगिक विकासका लागि योग्य र दक्ष जनशक्तिको जरुरी पर्दछ तसर्थ यस गाउँपालका अन्र्तगत रहेको श्री भैरव माध्यमिक विधालय नौमूलेमा वि.स. २०७६ सालमा प्राविधिक धारको कृषि सञ्चालन भइरहेको छ।यस विधालयमा प्राविधिक धार अन्र्तगत शै.सत्र २०७९ मा कक्षा ९ मा अध्ययनरत विधार्थीको संख्या ४६ जना रहेका छन्। हालसम्म यस गाउँपालिकाभित्र रहेका अन्य कुनै पनि विधालयमा प्राविधिक तथा व्यवसायिक धारका कक्षाहरु सञ्चालन गर्न सकिएको छैन। यसको मुख्य कारण प्राविधिक दक्ष जनशत्तिको अभाव तथा व्यवस्थित र सुविधाजनक भौतिक व्यवस्थापनको समस्या रहेको देखिन्छ। तथापि विश्ववजारको माग र प्रतिस्पर्धात्मक युग भएको हुदाँ हरेक माध्यमिक विधालयहरुमा प्राविधिक तथा व्यवसायिक शिक्षा उपलव्ध गराउन अपरिहार्य रहेको छ।

### ३.७.३ प्राविधिक तथा व्यवसायिक शिक्षामा देखिएका चुनौतिहरु

- प्राविधिक तथा व्यवसायिक धारको कक्षा सञ्चालन गर्न सम्वन्धन र अनुमति लिनमा समस्या देखिएको।
- भौतिक पूर्वाधार विकास गर्न।
- प्राविधिक तथा व्यवसायिक धारको जनशक्ति व्यवस्थापन गर्न।

- प्राविधिक तथा व्यवसायिक शिक्षाको प्रत्याभुति दिलाउन ।
- प्राविधिक तथा व्यवसायिक धारको स्थापनाका लागि स्थान तय गर्न आर्थिक व्यवस्थापन गर्न ।

### ३.७.४ उद्देश्यः

- प्राविधिक तथा व्यवसायिक स्थापना गर्न संस्थागत विकास तथा सुदृढिकरण गर्न ।
- प्राविधिक तथा व्यवसायिक धारको पूर्वाधार विकास गरि दक्ष जनशक्तिको उत्पादन गर्न ।
- शिक्षालाइ प्राविधिक तथा रोजगारमुलक रुपमा प्रदान गरि व्यवसायीक तथा आत्मानिर्भर जनशक्ति निर्माण गर्ने ।

### ३.७.५ रणनीतिहरु

- यस गा.पा. भित्र २ वटा स्नात्तक प्राविधिक तथा व्यवसायिक धारको व्यवस्थापन गर्न सम्वन्धित निकायमा पहल गर्ने ।
- सम्वन्धन प्राप्त गर्न सम्वन्धित निकायमा पहल गर्ने ।
- स्थानीय तह मार्फत प्राविधिक तथा व्यवसायिक शिक्षा सञ्चालनार्थ आवश्यक राय सल्लाह गरि आवश्यक आर्थिक पहल गर्ने ।
- प्राविधीक धारको पढाइका लागि अभिप्रेरित गरि पढ्दै कमाउदै गरिने कार्यक्रमहरु सन्चालन गर्ने ।

### ३.७.६ उपलब्धि

- सुरक्षित र उपयुक्त भौतिक पूर्वाधार सहितको प्राविधिक तथा व्यवसायिक शिक्षा अध्ययन गर्नै अवसर पाएको हुने ।
- दक्ष तथा रोजगारउमुख जनशक्ति तयार भएको हुने ।
- आत्मानिर्भर जनशत्ती उत्पादन हुने ।

### ३.७.७ नतिजा

- सुरक्षित र सुचना प्रविधिमैत्री भौतिक पूर्वाधार सहितको प्राविधिक तथा व्यवसायिक शिक्षामा अध्ययन गर्ने अवसर पाएको हुने ।
- यस गाउँपालिकामा प्राविधिक तथा व्यवसायिक शिक्षा सञ्चालन स्थायित्व तथा सुदृढिकरण भएको हुने ।
- प्राविधिक तथा व्यवसायिक शिक्षाकोअवसर लाभग्राहिहरुले आफनै स्थानिय तहमा सहज र सरल रुपमा प्राप्त गरेका हुने ।
- स्वावलम्बी तथा आमानिर्भर जनशत्ती उद्पादन हुनेछ ।

### ३.७.८ प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्य

**प्राविधिक तथा व्यवसायिक शिक्षाका प्रमुख क्रियाकलापहरू तथा लक्ष्य**

| .क्र.सं | प्रमुख क्रियाकलापहरु | इकाइ | भौतिक लक्ष्य(५ वर्ष) | | | | | भौतिक लक्ष्यदोस्रो ५ वर्ष | भौतिक लक्ष्य(१० वर्ष) | कैफियत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | १ | | ३ | ४ | ५ | | | |
| १ | प्राविधिक तथा व्यवसायिक सम्वन्धन र अनुमति | पटक | | | | १ | | | १ | विश्वविद्यालय तथा गाउँपालिका |
| २ | सुरक्षित किसिमको पूर्वाधार विकास तथा निर्माण | संख्या | | | १ | | १ | | २ | संघ,प्रदेश ,गाउँपालिका |
| ३ | प्राविधिक तथा व्यवसायिक शिक्षाको लागि विद्यालय सञ्चालन | संख्या | | | | १ | १ | | २ | संघ ,गाउँपालिका |
| ४ | सञ्चालित अवस्थामा रहेको प्राविधिक धारको स्थायित्व तथा सुदृढिकरण | निरन्तर | | | १ | | | २ | ३ | गाउँपालिका |
| ५ | सञ्चालित अवस्थामा रहेको प्राविधिक धारको विधालयलाई स्तरोन्नति गर्न | निरन्तर | | १ | | | | २ | ३ | गाउँपालिका |

## परिच्छेद ४ अन्तरसम्बन्धित विषय तथा क्षेत्रहरु

परिच्छेद तीनमा शिक्षा क्षेत्रका अन्तर्गतका मुख्य उपक्षेत्रहरू प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षा, आधारभूत शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, अनौपचारिक शिक्षा तथा आजीवन सिकाइलगायत पाठ्यक्रमतथा मूल्याङ्कन र शिक्षक व्यवस्थापन तथा विकाससँग सम्बन्धित वर्तमान अवस्थाको विश्लेषणका आधारमा चुनौतीहरू पहिचान गरि यस योजनाका लागि उद्देश्य, रणनीतिहरू तथा प्रमुख नतिजा, क्रियाकलाप तथा लक्ष्यहरूसहितको योजनाको खाका प्रस्तुत गरिएको छ। परिच्छेद तीनका विभिन्न खण्डहरूमा ती खण्डहरूसँग सम्बन्धित विभिन्न अन्तरसम्बन्धित विषयहरू जस्तैः समता तथासमावेशीकरण,स्वास्थ्य, पोषण तथा दिवा खाजा,छात्रवृत्ति, आपतकालीन तथा संकटपूर्ण अवस्थामा शिक्षा विद्यालय भौतिक विकास,शिक्षामा सूचना तथा सञ्चार लगायतका कतिपय पक्षहरू समावेशगरिएका भए पनि यी अन्तर सम्बन्धित विषयलाई समग्रमा विश्लेषण गरि योजनामा प्राथमिकता प्रदानगर्न र विभिन्न उपक्षेत्रसँग सम्बन्धित गराउन सहयोग पुऱ्याउने उद्देश्यले यस परिच्छेदमा प्रस्तुतगरिएको छ।

यस परिच्छेदमा शिक्षामा समता तथा समावेशीकरणको अभिवृद्धि, विद्यालय स्वास्थ्य, पोषण तथादिवा खाजा र छात्रवृत्तिजस्ता आवश्यकीय सेवाको सञ्चालन तथा व्यवस्थापन, आपतकालीन तथा संकटपूर्ण अवस्थामा शिक्षाका लागि तयारी, विद्यालय भौतिक विकास, र शिक्षामा सूचना तथासञ्चार जस्ता अन्तर सम्बन्धित विषयहरू समावेश गरिएको छ। यसमा उल्लिखित प्रत्येक विषयको अवधारणा तथा विद्यालय शिक्षामा यसको आवश्यकता, विद्यमान अवस्थाको विश्लेक्षण गरि चुनौतीहरू पहिचान गरिएको छ भने यस योजनामा यस विषयका उद्देश्य, अपेक्षित नतिजा तथा योजना अवधिमा सञ्चालन गरिने मुख्य क्रियालाप तथा लक्ष्यहरू उल्लेख गरिएको छ।

## ४.१ शैक्षिक समता तथा समावेशी

### ४.१.१ परिचय

दैलेख जिल्लाका ११ ओटा स्थानीय तहमध्ये नौमूले गाउँपालिका सामाजिक, आर्थिक,सांस्कृतिक र भौगोलिक विविधता भएको स्थानीय तह हो । यस गाउँ पालिकामा विभिन्न भाषिक, सांस्कृतिकतथा जातजातिगत समुदायहरूको बसोवास छ।मगर जातिको मुख्य वसोबास रहेको यस क्षेत्रमा ब्राह्मण, क्षेत्री, मगर , गुरुङ, तथा दलितसमुदाय छन्। यस गाउँपालिकामा नेपाली मातृभाषाबाहेक मगर खाम र मगर भाषालाई मातृभाषाको रुपमा प्रयोग गर्ने जनसङ्ख्या ठूलो रहेको छ । यस गाउँपालिकको १,२, ३, ४, ६ र ८ नं. वडामा बोलिने खाम मगर तथा मगर भाषाको आफ्नै ऐतिहासिक महत्व रहेको छ ।

### ४.१.२ वर्तमान अवस्था

समाजमा रहेको लैङ्गिक असमनता,महिलाहिंसा ,महिला उत्पीडन जस्ता विसङ्गतिलाई निरुत्साहित गरी जातीय विभेदको अन्त्य,आर्थिक तथा सामाजिक रुपमा पिछडिएकाहरुलाई सहयोगर शिक्षामा सबैको पहुँच पुऱ्याउन राज्यले विभिन्न कार्य गर्दै आइरहेको छ ।लैङ्गिक समानता र महिला तथा जातीय हिंसा विरुद्ध यस गाउँपालिकामा पनि विभिन्न कार्यहरु हुँदै आइरहेका छन् । नेपालको संविधान तथा कानुनमा व्यवस्था भएअनुरुप गाउँकार्यपालिका, वडा समिति, गाउँ शिक्षा समिति, विद्यालय व्यवस्थापन समिति, शिक्षक अभिभावक संघ, सामाजिक परीक्षण समिति आदि तथा विभिन्न सङ्ध संस्थामा जातजाती, महिला र दलितको सहभागितात्मक उपस्थिति उल्लेख्य रहेको छ।

### ४.१.३ अवसर तथा चुनौतिहरु

समावेशी शिक्षाको उदेश्य परिपुर्ति गर्नको लागि निम्नलिखीत समस्या तथा चुनौतिहरु रहेका छन् ।

- विद्यालयहरुमा लैङ्गिक र अपाङ्गमैत्री भौतिक तथा शैक्षिक वातावरण निर्माण नहुनु,
- लैङ्गिक मूलप्रवाहीकरणमा महिलाको शिक्षामा सहभागिताको सुनिस्चित गर्नु।
- विद्यालयहरूमा भौतिक संरचना निमार्ण गर्दा अपाङमैत्री र लैङिगक मैत्री तथा सोहीअनुरुपको शैक्षिक वातावरण निमार्ण गर्ने ।
- लक्षित समूहको शिक्षामा समतामूलक पहुँच पुऱ्याउने।
- विद्यालयमा विभेदरहित बालमैत्रीबनाउने।

- दिवा खाजा छात्राबृद्धी जस्ता आवश्यक सेवालाइ बृद्धी गर्नु ।
- शिक्षक पर्याप्त मात्रामा व्यवस्थापन गर्नु ।

### ४.१.४ उद्देश्यहरु

- विभिन्न कारणले शिक्षाको मूल धारबाट वञ्चित रहेका व्यक्तिहरूलाई शिक्षामा पहुँच पुऱ्याई गुणस्तर सुनिश्चित गर्ने।
- विद्यालयमा कुनै पनि प्रकारको विभेद , दुव्यवहार ,हेपाइ नहुने सुनिश्चितता गर्ने ।
- शैक्षिक सुशासन कायम गर्ने।
- विद्यालयलाई लैङ्गिक बाल मैत्री तथा अपाङ्ग मेत्री तयार गर्ने ।
- सवै किसिमका वालवालिकाहरुलाइ सामान शिकाइ वातावरण तयार गर्ने ।

### ४.१.५ रणनीतिहरु

- पालिकाभित्र घरधुरी सवेर्क्षण गरी विद्यालय बाहिर रहेका बालबालिकाहरुको अवस्था र आवश्यकता पहिचान गरि सोअनुसार शैक्षिक प्रबन्ध मिलाइनेछ।
- विद्यालयहरूमा लैङ्गिक तथा अपाङ्गतामैत्री भौतिक अवस्था तथा शैक्षिकवातावरणको विकास गरी सबै बालबालिकाहरुलाइ विद्यालय शिक्षा उपलब्ध गराइने छ।
- लक्षित बालबलिकाहरुलाइ आवश्यकतानुसारपोशाक, स्टेसनरी तथा सिकाइ सामग्रीका लागि छात्रवृत्ति उपलब्ध गराइनेछ।
- सबै विद्यालयहरुमा विभेदरहित बालमैत्री वातावरण सिर्जना गरिने छ।
- आधारभूत तहमा मातृभाषामा सिकाइको अवसर प्रदान गरिनेछ।
- निर्माण हुने भौतिक संरचनाहरु लैङ्गिकमैत्री तथा अपाङ्गमैत्री वालमैत्री निर्माण गरिने छ ।
- किशोरी शिक्षा तथा मनोसामाजिक परामर्श प्रदान गरिने छ।
- हरेक कार्यालय तथा विद्यालयमा लैङ्गिक सम्पर्क व्यक्ति व्यवस्था गर्ने।
- विद्यालयमा अभिभावकको संलग्नता बढाइने छ ।
- विद्यालयका गतिविधिमा समावेशी सहभागिताको प्रबन्ध गरिने छ ।

### ४.१.६ उपलब्धि, नतिजाहरु,प्रमुख क्रियाकलापहरु तथा लक्ष्य

#### उपलब्धि

- विद्यालय तहको शिक्षामा समतामूलक पहुँच र समावेशी सहभागितासहित सबैका लागिगुणस्तरीय शिक्षा निश्चित भएको हुने छ ।

### नतिजाहरु

- महिला, दलित, जनजाति, अपाङ्गता भएका तथा अर्थिक रुपले विपन्न सबै बालबालिकाहरुले शिक्षा प्राप्त गर्ने अवसर पाउनेछन् ।
- यस पालिकाभित्र विद्यालय बाहिर रहेका बालबालिकाहरुको अवस्था र आवश्यकता पहिचान गरिसबै बालबालिकाहरूलाई शिक्षा प्राप्त गर्ने अवसर प्रदान गर्ने।
- लक्षित समूहका बालबालिकाहरूको सिकाइमा सहभागिता वृद्धि गरि गुणस्तर सुधार हुने।
- विद्यालयमा सबै  प्रकारका भेदभाव रहित बालमैत्री अपाङ्गमैत्री र लैङिगक मैत्री शैक्षिक वातावरण सिर्जना हुने।
- किशोरीशिक्षा तथा मनोसामाजिक परामर्श प्रदान गरिने।
- मातृभाषामा सिकाइको अवसरप्रदान गरिने।

### प्रमुख क्रियाकलापहरु तथा लक्ष्य

समावेशी तथा समताका प्रमुख क्रियाकलापहरु तथा लक्ष्य तलको तालिकामा उल्लेख गरीएको **छ**

| **क्रसं.** | **प्रमुख क्रियाकलापहरु** | **इकाइ** | **भौतिक लक्ष्य(५ वर्ष)** | | | | | **भौतिक लक्ष्य(१० वर्ष)** | **कैफियत** |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | | |
| १ | पालिकाको भित्रको अवस्था र आवश्यकता पहिचान | पटक | | १ | | | | १ | गाउँपालिका |
| २ | विद्यालयबाहिररहेकाबालबालिकाहरु कोअवस्था र आवश्यकता पहिचान गरीसहभागिता | निरन्तर | | १ | १ | १ | ३ | | सा.सि.के. |
| ३ | वर्गीय आधारमा छात्रवृत्ति वितरण | निरन्तर | | | | | | | वमगाउँपालिक ा |
| ४ | आवासीय विद्यालय मार्फत छात्रवृत्ति | निरन्तर | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | संघ/ प्रदेश/ गाउँपालिका |
| ५ | विद्यालयहरूमा वालमैत्री,अपाङ्गतामैत्रीरलैङ्गिकमैत्री भौतिक संरचना निर्माण | संख्या | | १ | | | १ | २ | संघ/ प्रदेश/ गाउँपालिका |
| ६ | आधारभूत तहमा मातृभाषामा सिकाइकोअवसरप्रदानगरिने | निरन्तर | | १ | | | | १ | विद्यालय |
| ७ | मनोसामाजिकपरामर्श | निरन्तर | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | विद्यालय |

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ८ | लैङ्गिकसम्पर्कव्यक्तिको क्षमता विकास तालिम | आवश्यकता अनुसार | | १ | १ | १ | | ३ | संघ/ प्रदेश/ गाउँपालिका |

## ४.२ दिवा खाजा स्वास्थ्य सहित पोषण कार्यक्रम

### ४.२.१परिचय

बालबालिकाको विकास तथा सिकाइसँग उनीहरुको स्वास्थ्य तथा पोषणको अवस्थाको प्रत्यक्ष्य सम्बन्ध हुन्छ। बालबालिकाहरुको स्वास्थ्य तथा पोषणको अवस्था राम्रो भए उनीहरुलाई सिकाइ सहभागिता बढाइ शैक्षिक उपलब्धि सुधार गर्न प्रोत्साहित गर्न सकिन्छ। विद्यालयमा दिइने दिवा खाजा र स्वास्थ्य तथा पोषण कार्यक्रमले विद्यार्थीको भर्ना तथा टिकाउ दर बढाउन , अनुपस्थित हुने र बिचैमा छाड्ने दर घटाउन योगदान गरी सिकाइ उपलब्धि सुधार गर्न सहयोग गर्दछ। बालबालिकामा हुने विभिन्न प्रकारका रोग तथा कुपोषणलाई न्यूनीकरण गर्न , उनीहरुलाई विद्यालय शिक्षाप्रति आर्कर्षित गर्न र शैक्षिक क्षतिलाई न्यूनीकरण गर्न दिवा खाजाले महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह गरेको छ ।नेपालमा सन् १९७४ देखि छानिएका जिल्लाका छानिएका प्राथमिक विद्यालयमा विश्व खाजा कार्यक्रमको खाद्यान्न अनुदानमा आधारित दिवा खाजा कार्यक्रम प्रारम्भ भएको थियो। आर्थिक वर्ष २०७७/२०७८ मा सामुदायिक विद्यालयमा पूर्वप्राथमिकदेखि कक्षा ५ का सबै विद्यार्थीलाई दिवा खाजाको व्यवस्था गरीएको छ। नेपाल सरकारले दिवा खाजामा विगत केही वर्षदेखि लगानी विस्तार गर्दै आई आर्थिक वर्ष २०७७-७८मा यो लगानी करिब ८ अरब पुगेको छ।नेपालको हाल कार्यान्वयनमा रहेको पन्ध्रौंयोजनालगायत शिक्षा क्षेत्रका मुख्य रणनीतिक दस्तावेजहरूमा दिवा खाजालाई स्वास्थ्य ,प्राथमिकता दिइएको छ भने विद्यालय क्षेत्र विकास योजनाले बालबालिकाहरूको स्वास्थ्य तथापोषण स्थितिमा सुधार ल्याई उनीहरूलाई विद्यालयमा टिकाउने जस्ता शैक्षिक उपलब्धिहरू हासिल गर्न दिवा खाजाले महत्वपूर्ण योगदान दिएको छ।

### ४.२.२वर्तमान अवस्था

नौमूले गाउँपालिकामा नेपाल सरकारबाट विद्यालय दिवा खाजा कार्यक्रम आ.व. २०७६-७७ मा लागु गरेपछि ३४ ओटा सामुदायिक विद्यालयका पूर्व प्राथमिक देखि कक्षा ५ सम्मका विद्यार्थीहरुलाई विद्यालय मार्फत दिवा खाजा खुवाउने कार्यक्रम शुरु गरिएको थियो। जसले गर्दा बालविकास शिक्षामा बालबालिकाको उल्लेखनिय सहभागिता भएको थियो तथा समुदायको पनि सक्रिय सहभागिता रहेको थियो। साथै पालिकाबाट विद्यालय दिवा खाजा सम्वन्धी कार्यविधि निर्माण गरी विद्यालय दिवा खाजामा पूर्ण रुपमा जङ्क फुड निषेध गरि स्थानीय स्तरमा उपलब्ध हुने ताजा तथा पौष्टिकयुक्त खानेकुरालाई स्वच्छतापूर्ण तरिकाले व्यवस्थापन गर्ने प्रयास गरिएको छ।

आधारभूत तह कक्षा ६-८ तथा माध्यमिक तह कक्षा ९-१२ का किशोरीका लागि फोलिक एसिड तथा आइरन चक्की वितरण कार्यक्रमविद्यालय मार्फत एक जना फोकल पर्सन तोकि २ दिनको अनुशिक्षण दिएर सामग्री सहित वितरण गरीएको छ तथा विद्यालयमा नआउने विद्यार्थीको फोलिक एसिड तथा आइरन चक्की नछुटोस् भन्ने अभिप्रायले स्थानीय स्वयम् सेवकलाई उक्त कार्यमा परिचालन गरिएको छ। यस गाउँपालिकि भित्र सचालित

सामुदायिक विद्यालयमा छात्रा शौचालय भएका विद्यालयहरु महिला शिक्षक शौचालय छन्। खानेपानीको आफ्नै श्रोत भएका विद्यालय बाहिरी श्रोत भएका विद्यालय छन्।

दिवा खाजासहित स्वास्थ्य तथा पोषण कार्यक्रम निम्नलिखित चुनौतीहरू पहिचान गरीएको छः

- दिवा खाजा, स्वास्थ्य तथा पोषण र सरसफाइ तथा स्वच्छताका कार्यक्रमहरुलाई दिगो र प्रभावकारी ढङ्गले व्यवस्थित गर्ने।
- सबै माध्यमिक विद्यालयहरुमा स्वास्थ्य कर्मीको व्यवस्था गर्ने।
- विद्यालय खाजाका लागि उपयुक्त स्वरूप निर्धारण गरी पौष्टिक तथा स्वस्थकर विद्यालय खाजा सुनिश्चितगर्ने।
- विद्यालय खाजा तथा विद्यालय स्वास्थ्य सम्बन्धी सचित्र पोषण पाठ्यक्रम निर्माण गरी कार्यान्वयन गर्नु।
- विद्यालय दिवा खाजा कार्यक्रमलाई स्थानीय कृषि तथा व्यापारसँग जोड्ने।
- सरसफाइ तथा स्वच्छताका लागि मापदण्ड विकास गरि कार्यान्वयन गर्ने।
- कार्यक्रमलाई प्रभावकारी ढङ्गले अनुगमन गर्ने ।

**विद्यालय स्वास्थ्य र पोषण**

विद्यार्थीको स्वास्थ्य तथा पोषणको अवस्थाले उनीहरूको संज्ञानात्मक क्षमता, शैक्षिक उपलब्धि, गुणस्तरीय जीवन तथा समाजका लागि विभिन्न पक्षमा योगदान गर्ने क्षमतालाई प्रभाव पार्ने भएकाले उनीहरूको स्वास्थ्य तथा पोषणको अवस्था राम्रो बनाइनु पर्दछ। यसका लागि विद्यालयमा अधारित स्वास्थ्य तथा पोषण कार्यक्रमका माध्यमबाट स्वास्थ्य तथा पोषण सेवा तथा शिक्षा प्रदान गर्नु निकै प्रभावकारी तरिका देखिएको छ।विद्यालय क्षेत्र विकास कार्यक्रमले बालबालिकाको स्वास्थ्य तथा पोषणमा सुधार गरी सिकाइमा सुधार गर्नका लागि विभिन्न किसिमका स्वास्थ्य शक्षा प्रदान गर्नुका साथै सबै विद्यार्थीहरुको स्वास्थ्य तथा पोषणको अवस्था सुधार गर्ने उद्देश्य तथा रणनीतिअनुरुप वार्षिक स्वास्थ्य परीक्षण अर्ध वार्षिकरुपमा जुकाको औषधि कशोरीका लागि फोलिक एसिड तथा अइरन चक्की वितरण कार्यक्रम स्वास्थ्य क्षेत्रबाट हुने गर्दछ ।

**सरसफाइ र स्वच्छता**

विद्यालयमा हुने सरसफाइ तथा स्वच्छताको अभ्यास तथा शिक्षाले बालबालिकाको स्वास्थ्यमा सकारात्मक प्रभाव पर्ने स्पष्ट छ। यसले बालबालिकाको भावी जीवनका लागि सरसफाइ तथा स्वच्छताको अभ्यासमा सहयोग गर्नाका साथै परिवार तथा समुदायमा पनि यसले सकारात्मक प्रभाव पार्दछ ।खास गरी विद्यालय क्षेत्रमा सबै विद्यार्थीहरुका लागि स्वच्छ पिउने पानी र विद्यार्थी सङख्याको आधारमा अलगअलग सफा र सुरक्षित स्थानमा बालमैत्री,अपाङ्गमैत्री, लैङिगक मैत्री, शौचालय हुन आवश्यक छ ।

**४.२.३अवसर तथ चुनौतीहरुः**

दिवाखाजा तथा स्वास्थ्य पोषण र सरसफाइ तथा स्वच्छताको वर्तमान अवस्थाको समिक्ष गर्दा निम्न लिखित चुनौतीहरु पहिचान गरीयो

- दिवा खाजा स्वास्थ्य तथा पोषण  सरसफाइ स्वच्छताका लागि मितब्ययी प्रभावकारी दिगोपना पर्याप्त सँरचनागत ब्यबस्थापनका लागि गाउँपालिका स्वास्थ्य कार्यालय विद्यालय सँग कार्यविधि हुनु पर्ने
- सँघीय कानून तथा गाउँपालिकाको कार्यविधि अनुसार विद्यालयमा दक्ष स्वास्थ्य प्राविधिकि ब्यबस्थापन गर्नु
- दिवा खाजा स्वास्थ्य तथा पोषण र सरसफाइ स्वच्छताका लागि पर्याप्त वित्तिय प्रबन्ध सुनिश्चित गर्नु
- विद्यालय खाजाका लागि उपयुक्त स्वरुप तथा स्थानीय पौष्टिक तत्वयुक्त खाजा सुनिश्चित गर्नु
- दिवा खाजाका लागि प्राविधिक क्षमता विकास गर्नु
- विद्यालय खाजालाइ स्थानीय कृषि तथा ब्यपारलाई जोडनु
- कार्यक्रमलाई प्रभावकारी अनुगमन र समयबद्ध मूल्याडकन पदति विकासगर्नु
- विद्यालय खाजा कार्यक्रमलाई सबै विद्यार्थीहरुले पानउनेगरी कानूनी तथा वजेट ब्यबस्थापन गर्नु
- विद्यालय खाजा विद्यालय सस्थ्य,पोषण तथा सफाइ स्वच्छता सम्बन्धि नीतिगत तथा कार्यक्रम समन्वयात्मक कार्यलाई ब्यबीस्थत बनाउनु
- विद्यालय खाजा तथा अन्य विषयहरुलाई एकीकृतरुपमा सम्बन्धित गराउनु
- विद्यालय स्वास्थ्य तथा बाताबरणीय लैडिग स्वच्छता अपाडगता तथा समय सापेक्षतामा परिवर्तन तथा थप विकास गरी कार्यान्वयन गर्नु
- सरसफाइ तथा स्वच्छताका लागि आबश्यक मापदण्ड निर्धारण गरी कार्यान्वयन गर्नु

### ४.२.४उद्देश्यहरु

- प्रत्येक विद्यालयमा बालबालिकालाई स्वस्थकर तथा पौष्टिक खाना प्राप्तिको सुनिश्चितता गर्नु।
- विद्यालयमा बालबालिकाको स्वास्थ्य, पोषण र सरसफाइ तथा स्वच्छताका सेवामा सुधार गरी व्यवहारमा परिवर्तन गर्नु।
- अभिभावक तथा अन्य सरोकारवालाहरूको समन्वय तथा सहभागितामा सुदृढ गरी बालबालिकाको पोषण,स्वास्थ्य र सिकाइ उपलब्धिमा सुधार गर्नु।

### ४.२.५ रणनीतिहरु

योजनाका उद्देश्यहरू हासिल गर्न निम्नलिखित रणनीतिहरू अवलम्वन गरीनेछः

- शिक्षा , स्वास्थ्य र कृषि क्षेत्रलाई समेत समेटी गरी विद्यालय स्वास्थ्य तथा पोषण रणनिति तयार गरिने।
- बालबालिकाको लागि विद्यालयमा नै स्थानीय स्तरमा उत्पादित सफाताजा र पोषिलो खाजा तयार गरी वितरण गरिने छ ।
- भान्सा तथा भण्डार व्यवस्थापनमा प्रयोग हुने सामग्री आदिको स्वच्छता सम्बन्धी परामर्श तथा बालबालिकामा समूहमा हात धुने बानी विस्तार गरिनेछ।

- सवै विद्यालयमा समेतको प्राथमिक उपचार बाकस प्रदान गर्ने तथा आधारभूत प्रथमिक उपचारको तरिका सम्बन्धमा समय सापेक्ष अद्यावधिक गरिएको हुने।
- अभिभावक आमा समूह मार्फत सचित्र पोषण पाठ्यक्रम निर्माण गरी कार्यान्वयन गर्ने।
- सरसफाइका आवश्यक पूर्वाधारहरुको पूर्ण विकास भएको हुने।
- स्थानीय उत्पादनमा आधारित चक्रीय पोषणयुक्त दिवा खाजाको पूर्ण प्रबन्धको सुनिश्चितता हुने।
- सरसफाइ तथा स्वच्छताका लागि मापदण्ड विकास गरि कार्यान्वयन गर्ने।
- सवै विद्यालयहरुमा विद्यालयमा नै खाजा वनाउन सक्ने पुर्वाधार निर्माण गर्न।
- विद्यालयमा नै दिवा खाजाको लागि आवश्यक तरकारी उत्पादन गर्न प्रोत्साहन गर्ने

## ४.२.६ उपलब्धि,नतिजा प्रमुख क्रियाकलाप,तथा लक्ष्य

### *उपलब्धि*

- विद्यालयमा अध्ययन गर्ने सबै बालबालिकाको स्वास्थ्य तथा पोषणको अवस्थामा सुधार ,
- मनोसामाजिक सुधार साथै स्वच्छ पिउने पानी तथा सरसफाइप्रति सचेत भएको हुने।

### *प्रमुख नतिजाहरु*

- विद्यालय दिवा खाजा कार्यविधि २०७७ भएको अद्यावधिकतथा थप प्रभावकारिताका साथ कार्यान्वयन हुने।
- विद्यालय स्वास्थ्य तथा पोषण रणनीति अद्यावधिक र परिमार्जन गरिएको हुने।
- सबै माध्यमिक विद्यालयमा एक विद्यालय एक स्वास्थकर्मी परिचालन भएको हुने।
- सवै विद्यालयमा User Manual समेतको प्राथमिक उपचार बाकस प्रदान गर्ने तथा आधारभूत प्राथमिक उपचारको तरिका सम्बन्धमा समय सापेक्ष अद्यावधिक गरीएको हुने।
- स्थानीय पाठ्यक्रममा किशोरी शिक्षा सम्बन्धी विषय समावेश हुने।
- प्रत्येक विद्यालयहरुमा सरसफाइ सम्बन्धी आवश्यक पूर्ण पूर्वाधार विकास भएको हुने।
- स्थानीय उत्पादनमा चक्रिय पोषणयुक्त दिवा खाजाको पूर्ण प्रबन्धको सुनिश्चितता हुने।

### *प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्यहरु*

| क्र.सं. | प्रमुख क्रियाकलापहरु | इकाइ | भौतिक लक्ष्य(५ वर्ष) | | | | | भौतिक लक्ष्य(१० वर्ष) | जिम्मेवार निकाय |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | | |
| १ | विद्यालय दिवा खाजा कार्यविधि निर्माण गर्ने। | पटक | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | गाउँपालिका |

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २ | एक माध्यमिक विद्यालय एक स्वास्थकर्मि | संख्या | | | १ | १ | १ | ३ | संघ/ प्रदेश/ गाउँपालिका |
| ३ | User Manualसमेतको प्राथमिक उपचार बाकस | संख्या | | १० | १० | १० | १८ | ४८ | गाउँपालिका |
| ४ | स्थानीय पाठ्यक्रममा किशोरी शिक्षा | कक्षा | | | १ | १ | १ | ३ | विद्यालय |
| ५ | विद्यालयहरुमा सरसफाइ सम्बन्धी आवश्यक पूर्ण पूर्वाधार विकास | संख्या | | १० | १० | १० | १८ | ४८ | विद्यालय |
| ६ | स्थानीय उत्पादनमा चक्रिय पोषणयुक्त दिवाखाजा | निरन्तर | | १० | १० | १० | १८ | ४८ | विद्यालय |
| ७ | विद्यालयमा पोषण कर्नर निर्माण | निरन्तर | | | १ | १ | १ | ३ | विद्यालय |
| ८ | अभिभावक आमा समूह दिवा खाजा तथा सचेतना कार्यक्रम | संख्या | | १ | १ | १ | १ | ५ | विद्यालय |
| ९ | कृषि सहकारीहरु दिवा खाजा व्यवस्थापनमा सहकार्य गर्ने । | | | | १ | १ | १ | ३ | |
| १० | दिवा खाजा पोषाण व्यवस्थापनका लागि तालिम सन्चालन गर्ने । | | | १ | १ | १ | १ | ५ | |

## ४.३ जलवायु परिवर्तन तथा  आपतकालिन संकटपूर्ण अवस्थामा शिक्षा

### ४.३.१ परिचय

गुणस्तरीय शिक्षा सबैका लागि उपलब्ध हुनुपर्छ । सबैका लागि दिगो विकास भविष्य निर्माण गर्न शिक्षाको ठूलो भूमिका हुन्छ । शिक्षा मार्फत जलवायु परिवर्तनको प्रतिकूल असरलाई सम्बोधन गरी दिगो तथा उत्थानशिल विकासलाई निरन्तरता दिन सबै स्थानीय सरकारले उचित नीतिगत रुपरेखा तथा योजना बनाई आवश्यक कार्यान्वयनको व्यवस्था गर्ने समय आएको छ । शिक्षाले जलवायू परिवर्तनको प्रतिकूल असरलाई सम्बोधन गर्न जनताको ज्ञान, मनोवृत्ति र व्यवहारको विकासमा योगदान पुर्याउछ । यसबाहेक, विद्यार्थीहरुलाई स्थानीय अनुकूलनका उपायहरुको बारेमा सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान दिन सकेमा उनीहरु जलवायू परिवर्तनका समस्याहरु समाधान गर्न र वातावरण मैत्री बानी र व्यवहार गर्न आफुलाई अझ सक्षम बनाउन सक्छन् जसबाट उत्थानशील समाज निर्माण गर्न मद्दत पुग्दछ, जुन आजको टड्कारो आवस्यकता र सबै नागरिकको साझा जिम्मेवारी पनि हो ।

जलवायू परिवर्तनसँग जुध्न आवश्यक सकारात्मक परिवर्तनको नेतृत्व गर्नको लागि शिक्षित युवा, समाजको अत्यावश्यक अंग हो । यदि विद्यार्थीलाई जलवायू परिवर्तन र यसका असरहरु बारे कार्यमूलक कार्यक्रममा सहभागी गराउन सकेमा उनीहरुले यस सम्बन्धमा आफ्नो दृष्टिकोण निर्माण गर्न सक्षम हुन्छन् भने यसले उत्थानशिलतालाई

दिगो बनाउनका लागि बढी सकारात्मक प्रभाव पार्न सक्छ । जैविक विविधताको संरक्षण, जलवायू परिवर्तन र वातावरणीय शिक्षामा केद्रित सिकाईका कार्यक्रमहरुले वातावरणीय मनोवृत्ति, मूल्य र ज्ञानलाई वृद्धि गर्नका साथै व्यक्ति र समुदायलाई सहकार्यका साथ सकारात्मक वातावरणीय कार्यहरु गर्न तयार गर्ने सीपहरु निर्माण गर्न सक्छ ।

द्रुत रुपमा परिवर्तन भइरहेको संसारमा शिक्षा र यसको प्रणाली स्थिर रहन सक्दैन । भविष्यका पुस्ताहरुलाई उनीहरुको वरपरको प्राकृतिक वातावरण, जलवायू परिवर्तन, जैविक विविधिताको संरक्षण र प्रवर्दन गर्न को लागि आवश्यक ज्ञान र व्यावहारिक सीपहरु प्रदान गर्नु पर्दछ । यसका लागि हामीले पाठ्यक्रम मा आवश्यक परिमार्जन गर्दै लैजानु पर्दछ जसले विद्यार्थीहरुलाई उनीहरुको वर्तमान र भावी पुस्ताहरुका लागि जिम्मेवारी लिन, दिगो विकासका प्रकृया र सामाजिक रुपान्तरणमा सक्रिय रुपमा योगदान पुर्याउन तयार गर्दछ ।

नेपाल जलवायू परिवर्तनको नकारात्मक प्रभावको उच्च जोखिमा रहेका राष्ट्रहरु मध्ये एक हो । जलवायू परिवर्तन हाम्रो समयको सबैभन्दा ठूलो खतरा हो । संसारभर सबैभन्दा कमजोर जनसङ्ख्याले जलवायु परिवर्तनको प्रभाव सबैभन्दा पहिले र सबैभन्दा नराम्रोसँग अनुभव गरिरहेका छन् । जलवायू परिवर्तनले असमानता र संकटासन्नतालाई बढाउँछ, त्यसैले जलवायू परिवर्तनको अन्तर्निहित समस्याहरुलाई सम्बोधन गर्ने समाधानहरु चाहिन्छ ।

नेपाल जलवायू सम्बन्धि पेरिस सम्झौताको एक पक्षधर राष्ट्र हो । पेरिस सम्झौताका सबै पक्षहरुले जलवायू शिक्षालाई उनीहरुको राष्ट्रिय रुपमा निर्धारित योगदानहरुलाई पूरा गर्न एक मुख्य आधारको रुपमा मान्यता दिएका छन् । नेपालले पनि आफ्नो दोस्रो राष्ट्रिय रुपमा निर्धारित योगदान (NDC) मार्फत विश्व समुदायमा आफ्ना प्रतिवद्धता ब्यक्त गरेको छ जसको लागि अहिलेको युवा र आउने नयाँ पुस्ता दुवै तयार हुनु जरुरी छ । संयुक्त राष्ट्रसंघले सन २०२५ देखि बालबालिकालाई विश्व तापमानमा वृद्धि (global warming) को सामना गर्न सक्षम बनाउन विद्यालयहरुमा जलवायू शिक्षा अनिवार्य गर्न आह्वान गरेको छ । जलवायू परिवर्तनसँग सम्बन्धित विषयहरु विद्यालयको पाठ्यक्रममा समावेश गर्दा युवाहरुले व्यावहारिक र मनोवैज्ञानिक रुपमा विश्व तापमानमा वृद्धिलाई वास्तविकतासँग अझ राम्ररी बुझ्न र सामना गर्न मद्दत गर्दछ । जलवायू परिवर्तनको अनुकूलनले धेरै प्रतिकूल प्रभावहरुलाई कम गर्न सहयोग पुग्दछ ।

जलवायू परिवर्तनको अनुकूलन नेपाल सरकारको प्रमुख प्राथमिकता हो । नौमूले गाऊपालिकाले पनि जलवायू अनुकुलनलाई उच्च प्राथमिकतामा राखेको छ र हालसालै स्थानीय अनुकूलन योजना (Local Adaptation Plan of Actions-LAPA) निर्माण गरी कार्यान्वयन गरिरहेको छ । यो अनुकूलन योजनाले शिक्षाको क्षेत्रमा कसरी जलवायू परिवर्तनका मुद्दाहरुलाई स्थानीय स्तरमा सम्वोधन गर्न पनि दिशानिर्देश गरेको छ ।

परिस्थितिजन्य शिक्षा भन्नाले युद्ध, द्वन्द्व, महामारी तथा प्रकोपको अवस्थामा पनि बालबालिकाको सिक्न पाउने अधिकारलाई संरक्षण गर्दै सिकाइलाई निरन्तरता दिने वैकल्पिक उपाय सहितको शैक्षिक कार्यक्रमलाई लिने गरिन्छ। यसको मुख्य उद्देश्य विभिन्न कारणले उत्पन्न संकटकालीन अवस्थामा बालबालिकालगायत शिक्षासँग सम्बद्ध व्यक्ति, परिवार तथा समुदायको जीवन रक्षा, प्रकोपबाट सिर्जित संकटको व्यवस्थापन, सामाजिक द्वन्द तथा हिंसा र दुरुपयोगबाट बालबालिकालाई शुरक्षित राख्नुका साथै समग्र शिक्षा क्षेत्रलाई निर्वाध रूपमा क्रियाशील हुने गरी शैक्षिक कार्यक्रमहरूको तयारी तथा सञ्चालन गर्नु हो। यस अवधारणा अन्तर्गत सम्भावित जोखिमको पूर्व तयारी, आपतकालीन अवस्थामा क्षति कम हुने गरी तत्कालको व्यवस्थापन गर्ने आपतकाल पश्चात् क्षतिको आपूरण गर्ने कार्य ढाँचा समेटिएको हुनु पर्दछ।

आपतकालीन तथा संकटपूर्ण अवस्थामा शिक्षाको अवधारणा बाल अधिकारको रूपमा स्वीकार गरीएपछि यसलाई थप प्रभावकारी बनाउने कार्य प्रारम्भ भएको हो। अधिकारका क्षेत्रमा भएका अन्तर्राष्ट्रिय कानुनहरू, विश्वव्यापी घोषणाहरू, अन्तर्राष्ट्रिय एवम् क्षेत्रीय घोषणा तथा प्रतिवद्धताहरूबाट परिलक्षित यस अवधारणालाई प्रभावकारी रूपमा कार्यान्वयन गर्न विभिन्न राष्ट्रहरूले आ-आफ्नो नीति, कानुन तथा योजनाहरूमा परिस्थितिजन्य शिक्षा (आपतकालीन, संकटपूर्ण तथा जलवायुजन्य प्रकोपको अवस्थामा शिक्षा) लाई समावेश गर्ने गरेका छन्। नेपाल सरकार युद्ध, द्वन्द्व, महामारी वा प्राकृतिक प्रकोपबाट उत्पन्न आपतकालीन तथा संकटकालीन अवस्थामा बालबालिकाको शिक्षाको अधिकारको रक्षा गर्न प्रतिबद्ध छ । आपतकालीन र संकटको अवस्थामा शिक्षाको मुख्य उद्देश्य बालबालिका, व्यक्ति, परिवार र समुदायको जीवन रक्षा गर्नु, प्रकोपबाट हुने संकटको समाधान गर्ने, बालबालिकालाई सामाजिक द्वन्द्व, हिंसा र दुर्व्यवहारबाट जोगाउनर शिक्षा क्षेत्रलाई सक्रिय राख्न सक्षम बनाउने कार्यक्रमहरू तर्जुमा र कार्यान्वयन गर्ने रहेको छ । विशेषत: लामो द्वन्दको परिवेशमा शिक्षा क्षेत्रमा परेको प्रभाव, २०७२ को विनाशकारी भूकम्प तथा विभिन्न समय र स्थानमा घटेका प्राकृतिक प्रकोपका घटनाहरूका साथै कोभिड-१९ लगायतका महामारीहरूका  प्रभावका कारण बालबालिकाको शिक्षा प्राप्त गर्ने अधिकारमा पुगेको अवरोधबाट पाठ सिकी यस शिक्षा क्षेत्रको योजना मा  यस पालिकाले आगामी १० वर्षका लागि नीति तथा कार्यक्रमिक प्राथमिकता र कार्यान्वयन ढाँचा समावेश गरिएको छ।

यस खण्डमा मूलत: तीन प्रकारका आपतकालीन अवस्थाहरू समावेश गरिएको छ -

क. प्राकृतिक प्रकोप भूकम्प, दुर्घटना आदि।

ख. जलवायु जन्य प्रकोप  बाढीपहिरो, हावाहुरी, हिमपहिरो, आगोलागी, चट्याङ, खडेरी, आदि।

ग. रोगको प्रकोपस् झाडापखाला, कालाज्वर, हैजा, भाइरल ज्वरो, डेङ्गु, टाइफाइड हेपाटाइटिस, बर्डफ्लू, क्षयरोग, कुष्ठरोग, ठेउला स्वाइन फ्लू, कोभिड आदि सरूवा रोगहरू

घ. युद्ध, द्वन्द्व, विस्थापनस् आन्तरिक तथा बाह्य युद्ध एवम् द्वन्द्व तथा साम्प्रदायिक, धार्मिक, राजनीतिक आदि द्वन्द्व, युद्ध, शोषण, दुराचार तथा अन्य कारणले नागरीकहरूको विस्थापन, आन्तरिक तथा बाह्य स्थानान्तरणका कारण बालबालिकाले शिक्षा प्राप्त गर्ने अधिकारलाई शुरक्षित राख्ने।

### ४.३.२ वर्तमान अवस्था

**जलवायू परिवर्तनसम्बन्धी गरिएका नीतिगत व्यवस्था**

जलवायू परिवर्तन अहिलेको अन्तर्राष्ट्रिय चुनौती हो । जलवायू  परिवर्तनलाई नेपालको संविधान २०७२, तीन वर्षीय १५ औँ योजना (२०७६।७७ – २०८०।८१), दिगो विकास कार्यक्रम २०१५ ले पनि प्रत्यक्ष र अप्रत्यक्ष रुपमा यसका केही पक्षलाई सम्बोधन गरेको छ । नेपालले सयुक्त राष्ट्रसंघीय जलवायू  परिवर्तन प्रारुप महासन्धिको (UNFCCC) पक्ष राष्ट्र भई अन्तर्राष्ट्रिय क्षेत्रमा प्राप्त अवसरलाई राष्ट्रिय आवश्यकता अनुरुप सदुपयोग गर्नुका साथै सो अनुरुपका दायित्व पूरा गर्दै आएको छ । राष्ट्रिय जलवायू  परिवर्तन नीति २०७६ कार्यान्वयन गर्न राष्ट्रिय अनुकूलन कार्यक्रम, २०७६ र स्थानीय अनुकूलन योजना, २०७६ अनुरुप स्थानीय स्तरमा जलवायु परिवर्तन अनुकूलनका कार्यक्रम सञ्चालन गर्दै आएको छ । जलवायू  परिवर्तनका यस्ता असर कम गर्न प्रकृति वा मानव

सिर्जित वास्तविक वा सम्भावित जोखिमलाई ध्यानमा राखी त्यसै अनुरुप जीवनशैली, जीविकोपार्जन र सम्बन्धि विकास निर्माणका कार्यमा परिवर्तन ल्याउनु जरुरी छ। यी कार्यहरु जलवायू परिवर्तन अनुकूलन अन्तर्गत पर्दछन।

**जलवायू अनुकूलन र दिगो विकास**

कुनैपनि देशको अनुकूलन गर्ने क्षमता सो देशको आर्थिक अवस्था र विकास नीतिले निर्देशित गरेको हुन्छ। श्रोतहरुको अभाव नै अनुकूलन क्षमताको मुख्य बाधक हो। प्रतिकूल जलवायू घटनाहरु आश्चर्यको कुरा होइनन्। यी जोखिम अज्ञात छ भन्ने पनि होइन, यस्ता जोखिमको पूर्व अनुमान गर्न सकिन्छ। हाम्रो जस्तो कम विकसित राष्ट्र संग यस्ता जोखिमहरुको बारेमा योजनाबद्ध रुपमा नागरिकहरुलाई सुसुचित गरी अनुकुलन प्रवर्द्धन गर्न यथेष्ट पूँजी र दक्ष मानवीय श्रोत र आवश्यक प्रविधिमा पहुँचको कमी छ। अनुकूलन क्षमता बढाउने प्रक्रिया सरल छैन। यसमा पुराना अनुभव र सिकाईहरुलाई नयाँ बैज्ञानिक ज्ञानसंग समायोजन गर्दै लैजानु पर्दछ। दिगो विकास प्रवर्द्धनका लागि जलवायू अनुकुलन क्षमता बढाउन आवश्यक हुन्छ। जलवायू परिवर्तनसँग सम्बन्धित खतराहरुले दिगो विकासको प्रगतिलाई कमजोर पार्न सक्ने सम्भावना हुन्छ। जलवायू परिवर्तनका असरहरुलाई ध्यान नपुर्याइ गरिएका विकास कार्यहरु दिगो हुन सक्दैनन्। जलवायु अनुकूलन क्षमता अभिवृद्धिलाई बृहत्तर दिगो विकासका पहलहरुको एउटा घटकको रुपमा लिनु पर्दछ। तसर्थ, दिगो विकास पहलहरुमा जलवायू परिवर्तनसँग सम्बन्धित खतरा र जोखिमहरुलाई स्पष्ट रुपमा विचार गर्नु महत्वपूर्ण हुन्छ। जलवायू परिवर्तन, दिगो विकास र वातावरण संरक्षणको सवालमा सरोकार राख्ने मध्येका विद्यार्थी वर्ग पनि एक हुन्। आजका विद्यार्थीहरु भोलिका देशका कर्णधार हुन्, वातावारणीय क्षेत्रका अभियन्ता हुन्। विद्यार्थीले पनि आफ्नो विद्यालय जीवनदेखि नै औपचारिक रुपमा पढिने पुस्तकको ज्ञान बाहेक वातारण संरक्षण, जलवायू परिवर्तन, अनुकुलन र दिगो विकासको क्षेत्रमा व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त गर्नु जरुरी छ।

त्यसैले, जलवायु परिवर्तनको सवाललाई यो शिक्षा योजनामा समावेश गरी पालिकाले जलवायू अनुकूलन, जैविक विविधताका तथा वातावरण संरक्षण सम्बन्धी आवश्यक क्रियाकलापहरु संचालन गर्नेछ।

नेपालको संविधान २०७२, ले अनिवार्य तथा निःशुल्क आधारभूत शिक्षा, निःशुल्क माध्यमिक शिक्षा तथा सुविधाविहीन तथा अपाङ्गहरूका लागि निःशुल्क उच्च शिक्षाको सुनिश्चितताका साथै बालबालिका माथि हुने विभेद, सजाय र दुराचारलाई निषेध गरेको छ। अनिवार्य तथा निःशुल्क शिक्षा ऐन (२०७५) र अनिवार्य तथा निःशुल्क शिक्षा नियमावली (२०७७) ले छात्रवृत्ति, दिवाखाजा, सुविधा विहिनहरूका लागि विशेष सहयोग, मातृभाषामा शिक्षासहित कुनै पनि अवस्थामा बालबालिकाको शिक्षा प्राप्त गर्ने अधिकार सुनिश्चित गरेको छ।

राष्ट्रिय शिक्षा नीति २०७६ ले सुरक्षित सिकाइ वातावरणको लागि भौतिक र मानवीय प्रतिक्रिया व्यवस्थापन र कार्यान्वयन मापदण्डहरूको विकास गर्न आह्वान गर्दछ। विधालय सुधार योजनामा विपद् तयारी, प्रतिक्रिया र विपद जोखिम घटाउने र पुनर्लाभक कार्यक्रमहरू समावेश गर्ने प्राबधान हरु समेटिएका छन्। सरोकारवालाहरूलाई विपद् व्यवस्थापनको सैद्धान्तिक र व्यावहारिक ज्ञान प्रदान गरेर विद्यालयहरूलाई बालमैत्री, लैङ्गिक मैत्री, अपाङ्गतामैत्री र सुरक्षित, हिंसामुक्त र भयमुक्त सिकाइ केन्द्रका रूपमा विकास गर्नु पर्ने बिषयलाई उठान गरिएको छ। शान्ति क्षेत्रको रूपमा विद्यालयहरूको राष्ट्रिय रूपरेखा र यसको परिचालन दिशानिर्देशहरू (२०६८)को उद्देश्य विद्यालयहरूलाई

दलीय राजनीति र अन्य हस्तक्षेप, भेदभाव, दुर्व्यवहार, उपेक्षा र शोषण, सशस्त्र गतिविधि र हिंसाका अन्य प्रकारका प्रभावहरूबाट मुक्त राखेर सिकाइ निरन्तरता सुनिश्चित गर्ने उद्देश्यले राखिएको छ ।

बृहत् विद्यालय सुरक्षा न्यूनतम प्याकेज २०१८ अन्तर्गत सुरक्षित विद्यालयको न्यूनतम मापदण्डले शिक्षा क्षेत्रहरूमा प्राकृतिक प्रकोपको प्रभावलाई केन्द्रित गरी विद्यालय सुरक्षाका तीनवटा स्तम्भहरूमा न्यूनतम मापदण्डहरू जोड दिएको छ, अर्थात् सुरक्षित सिकाइ सुविधा,विद्यालय विपद् जोखिम व्यवस्थापनको सुदृढीकरण,र सरोकारवाला र समुदायका लागि प्रकोप जोखिम न्यूनीकरण र लचिलोपन शिक्षा, र तिनीहरूको विद्यालय-आधारित कार्यान्वयनको परिकल्पना गर्दछ ।बृहत् विद्यालय सुरक्षा गुरुयोजना २०१७ र बृहत विद्यालय सुरक्षा योजना न्यूनतम प्याकेज 2018 ले विद्यालय सुरक्षाको न्यूनतम मापदण्डहरू कार्यान्वयन गर्न दिशानिर्देशहरू प्रदान गरेको छ, उक्त प्याकेजले शिक्षक र विद्यार्थीहरूलाई मृत्यु र चोटबाट जोगाउन, प्रकोप पछि विद्यालय शिक्षालाई निरन्तरता दिन, शिक्षामा आबश्यक कोष सुरक्षित गर्नर विपद् जोखिम न्यूनीकरण शिक्षाको माध्यमबाट विपद् जोखिम कम गर्न र पुनर्लाभको विकास गर्न जस्ता विभिन्न क्रियाकलापहरुमा जोड दिएको छ । यसले शिक्षा क्षेत्रमा प्राकृतिक प्रकोपको प्रभाव व्यवस्थापनको लागि आधार प्रदान गर्दछ।

कोभिड–१९ को महामारीले शिक्षा क्षेत्रमा परेको नकारात्मक प्रभावलाई न्यूनीकरण गर्न विगत दुई वर्षदेखि विभिन्न गतिविधिहरू सञ्चालन भइरहेका छन् । विश्वव्यापी महामारीले नेपालको समाज र अर्थतन्त्रमा नराम्रो असर पारेको छ । सरकारले शिक्षा क्षेत्रलाई महामारीबाट जोगाउन गत चैत १७ गते शिक्षण सिकाइलगायत सबै शैक्षिक संस्था र शिक्षासँग सम्बन्धित सबै परीक्षा तथा कार्यक्रम स्थगित गरेको थियो । करिब ४०,००० शैक्षिक संस्था र ECED/PPE देखि उच्च माध्यमिक तहसम्म ८.७ मिलियन विद्यार्थीहरू प्रभावित भएका छन्।

नितिगत र बिभिन्न कार्यक्रमको प्रयास द्वारा वैकल्पिक माध्यमबाट सिकाएर विद्यार्थीको सिकाइमा कोभिड–१९ को प्रभावलाई कम गर्ने प्रयासहरू भइरहेका छन् । कोभिड–१९ को प्रभावलाई न्यूनीकरण गरी शिक्षण सिकाइलाई निरन्तरता दिन सन् २०२० मा शिक्षा क्षेत्रको आकस्मिक योजना तयार गरिएको थियो । उक्त समयमा निम्न कार्यविधि तथा निर्देशिका मार्फत आबश्यक कदम हरु अगाडी बढाइएको थियो : विद्यार्थी सिकाइ सहजीकरण (BS 2077) मा 2020 दिशानिर्देशहरू; स्कूल शिक्षा सम्बन्धी कार्यको 2020 आपतकालीन योजना (BS 2077); 2020 स्कूल पुन: खोल्ने ढांचा (BS 2077); 2020/21 पठन सामग्री एकीकरण ढांचा (BS 2077); र 2020/21 माध्यमिक शिक्षा परीक्षा (SEE) नतिजा प्रकाशन र प्रमाणीकरण प्रक्रिया र दिशानिर्देशहरू (BS 2077)। जनवरी 2020 मा बिधालय पुन: खोलेको तीन महिना पछि अप्रिल 2021 मा COVID को दोस्रो लहरले, शैक्षिक संस्थाहरू थप बन्द गर्न भइ फेरि व्यक्तिगत शिक्षामा बाधा पुगेको थियो ।

विद्यालय शिक्षामा कोभिड-१९-प्रेरित चुनौतिहरूमध्ये बालबालिकाको सिकाइमा हुने हानिलाई न्यूनीकरण गर्नु; शिक्षकहरूको प्रेरणा र समर्पण कायम राख्न; विभिन्न स्थानहरू र विभिन्न समूहहरूका लागि उपयुक्त सिकाइका वैकल्पिक मोडहरू प्रयोग गरी सिकाइलाई निरन्तरता दिने र सबै तहमा विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्ने क्षमता विकास गर्नु हो (UNICEF, 2021) । यसका लागि कोभिड–१९ बाट शिक्षा क्षेत्रमा परेको प्रभाव र त्यसबाट सिकाइमा परेको नोक्सानीको मूल्यांकन गरी कोभिड–१९ बाट हुने शैक्षिक क्षतिलाई न्यूनीकरण गर्न, र पठनपाठनलाई निरन्तरता दिन रिकभरी योजना तर्जुमा गरी कार्यान्वयन गर्न आवश्यक छ । । त्यसैगरी, शिक्षा प्रणालीलाई भविष्यमा आउने यस्तै महामारीसँगजुध्न resilience बनाउन दीर्घकालीन विकास आवश्यक छ।यसका लागि सूचना प्रविधि

वा अन्य सिकाइ प्रणालीको उपलब्धता र प्रयोगलाई विस्तार गर्नुपर्छ । प्रत्येक विद्यालयले नोक्सानको मूल्याङ्कन गरी त्यसको आधारमा योजना तयार गरी कोभिड–१९ बाट भएको नोक्सानीलाई न्यूनीकरणगर्नक लागि कार्यान्वयन गर्नुपर्छ । यसबाहेक, प्रत्येक विद्यार्थीको सिकाइको अवस्थाको आधारमा सबै वा कक्षाका निश्चित विद्यार्थीहरूको लागि विशेष वा अतिरिक्त सिकाइको व्यवस्थापन गरिनुपर्छ। कक्षाका सबै वा केही विद्यार्थीहरूले COVID महामारीको अवधिमा सिक्ने अवसरहरू नपाएको हुन सक्छ र, केही अवसरहरूको बावजुद, उनीहरूले धेरै आधारभूत अवधारणाहरू पूर्ण रूपमा बुझेका छैनन् वा आधारभूत सीपहरू हासिल गरेका छैनन् वा विशेष विषयहरूमा कठिनाइहरूको सामना गरिरहेको हुन सक्छ। यस्तो अवस्थामा, अतिरिक्त वा पूरक कक्षाहरू सञ्चालन गर्नुपर्ने हुन सक्छ वा विद्यार्थीहरूको विभिन्न समूहहरू गठन गरी कक्षा सञ्चालन गर्नुपर्ने हुन सक्छ; अतिरिक्त वा पूरक अध्ययन सामग्री व्यवस्थित; द्रुत शिक्षा र कार्यपत्रहरू व्यवस्थित; अतिरिक्त अभ्यास वा असाइनमेन्ट वा अन्य आवश्यक सिकाइ योजना विकास गरी व्यवहारमा ल्याउनु पर्ने हुन सक्छ।

यस पालिकामा पनि विभिन्न समयमा विपद तथा संकट आइपर्दछन् यस्तो अवस्थामा शिक्षण सिकाइ क्रियाकलापलाई निरन्तरता दिन तथा विपद तथा संकटको घडिमा पनि विचलित नभइ सो को व्यवस्थापन र न्यूनीकरण गर्न योजनाबद्ध रुपमा शिक्षा प्रदान गरीदै आएको छ जस्तै कोभिडका कारणबाट अस्त व्यस्त भएको शैक्षिक सत्र २०७७ लाई विद्यालय ब्यवस्थापन समितिको संयुक्त सहयोगमा फोन तथा टोल सिकाइ योजना बनाएर बालबालिकाको सिक्ने अधिकारलाई सुनिश्चित गरी सिकाइलाई निरन्तरता दिएको सर्वविविदै छ विद्यालयमा रहेको जु.रे.स. तथा यु.रे.स. ले पनि विपदप्रति सचेतना जगाउदै आएका छन्। स्थानीय पाठ्यक्रमको तल्लो कक्षा देखिनै विपद जोखिम न्युनीकरणका विषयवस्तु समावेश गरिएको छ।

जलवायु परिवर्तनले बाढी, पहिरो, खडेरी, अल्प बृष्टि, अनाबृष्टि जस्ता प्रकोपहरुले शिक्षा क्षेत्रमा प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्षरुपमा प्रभाव पारिरहेको छ । विश्वभर झण्डै एक अरब बालबालिका जलबायु परिवर्तनका अत्याधिक जोखिममा रहेका छन् । विपद्को बेला बिद्यालयहरु आश्रयस्थलको रुपमा प्रयोग हुँदा पठनपाठनमा बाधा पुग्छ । विद्यालयमा वालिकाको नियमित उपस्थितिमा गिरावट, सिकाई उपलब्धिमा ह्रास तथा विद्यालय छोड्ने बालबालिकाको सँख्यामा बृद्धि जस्ता असरहरु देखा परेका छन् .

परिस्थितिजन्य शिक्षाका चुनौतीहरू -

१. आपतकालीन अवस्थाको शिक्षालाई छुट्टै विधाको रूपमा सम्बोधन गर्ने।
२. प्रकोप र सोको जोखिमको विषयमा सावधानी अपनाउनु।
३. संकटको क्षेत्र पहिचान गर्नु।
४. क्षेत्र पहिचान गरी योजना निर्माण गर्नु।
५. योजना निर्माणको प्रक्रिया र सहभागिता।

### ४.३.३ उद्देश्यहरू

१. विपद् जन्यसम्भावित जोखिम पहिचान गरी शिक्षाको माध्यमबाट पूर्व सावधानी र तयारीको वातावरण तयार गर्ने।
२. सूचना तथा संञ्चार प्रविधिको विकास गर्ने।

३. स्थानीय तथा विद्यालय स्तरका विद्यालय शिक्षामा विपद् जोखिम ब्यवस्थापनलाई संस्थागत र मुलप्रवाहीकरण गर्ने
४. महामारीले शिक्षा क्षेत्रमा परेको नकारात्मक प्रभावलाई न्यूनीकरण गर्ने ।
५. बृहत् सुरक्षित विद्यालय र विपद् जोखिम न्युनिकरणलाई विद्यालयको पाठ्यक्रम तथा शिक्षकको पेशागत विकासमा एकीकृत गरी यसलाई विद्यार्थी,शिक्षक,विब्यस तथा समुदायमा प्रवाह गर्ने
६. जलबाय,परिवर्तन, नबिकरण उर्जा र वातवरण सम्बन्धि सचेतना अभिवृद्धि गर्ने ।
७. जलवायु परिवर्तनको प्रभाव र जोखिम सम्बन्धमा जनचेतना अभिबृद्धि गर्दै न्यूनीकरण तथा अनुकूलनका उपायहरु अवलम्वन गर्न स्थानिय बिद्यालय र विद्यार्थीको क्षमता विकास गर्ने।
८. जलवायुपरिवर्तनसंगसम्वन्धितअध्ययन, अनुसन्धानएवंमप्रविधिविकासरप्रसारलाईप्रोत्साहनगर्ने।

### ४.३.४ रणनीतिहरू

१. स्थानीय सरकारले संकटको पहिचान मूल्याङ्कन का आधारमा पूर्वानुमान तथा प्रतिकार्यको बृहत योजना र विद्यालयहरूले आ आफ्ना विद्यालयको योजना-तयार गर्ने छन्।
२. विपद् प्रतिरोधी तथा जल्बयुमैत्री भौतिक पूर्वाधारको निर्माण तथा पुनर्स्थापन गरिने छ।
३. विद्यार्थी, शिक्षक ,अभिभावकलाई प्रकोप रोकथामर पुनर्स्थापनाका लागि क्षमता विकास गरिनेछ। ,
४. महामारीले शिक्षा क्षेत्रमा परेको नकारात्मक प्रभावलाई न्यूनीकरण गर्न बैकल्पिक विधीको प्रयोग गरिनेछ ।
५. विपद्मा सेवा प्रवाहको संयन्त्र विकास गरिनेछ।
६. विद्यालय शान्ति क्षेत्र कायम गरी यसप्रति सरोकारवाला लाई जिम्मेवार बनाइनेछ।
७. बृहत बिधालय सुरक्षा योजनालाई कार्यन्वयनमा ल्याइने छ ।
८. हरित बिद्यालय अभियान जलवायु परिवर्तन, उर्जा र वातावरण शिक्षा तथा दिगो बिकासका लागि शिक्षा जस्ता कार्यक्रम कार्यान्वन गर्ने
९. स्थानीय अनुकुलन कार्ययोजनाले निर्दिस्ट गरेका शिक्षा सम्बन्धित क्रियाकलाप कार्यान्वन गर्ने

**४.३.५ उपलब्धि, नतिजा, प्रमुख क्रियाकलाप तथा लक्ष्य**

**क) उपलब्धि**

१.१ हरेक परिस्थितिमा बालबालिकाको सुरक्षा सहित शिक्षा प्राप्त गर्ने अधिकारको सुनिश्चितता भएको हुने।

१.२ जलवायु परिवर्तन, नबिकरण उर्जा र वातवरण संरक्षण सम्बन्धि सचेतना अभिवृद्धि भएको हुनेछ ।

**ख) नतिजा**

१. विद्यालयमा प्रकोप व्यवस्थापनका लागि पूर्वतयारीको योजना तथा क्षमता विकास हुने।
२. स्रोतको व्यवस्थापन सहित विद्यालय तथा शिक्षा प्रणाली सक्रिय हुने।
३. महामारीको समयमा स्वास्थ्य मापदण्ड तथा  उपचार सहित सिकाइ निरन्तरता हुने।

४. जलवायु परिवर्तन सम्बन्धित ज्ञानमा विकास भइ स्थानीय स्तरमा न्यूनीकरण तथा अनुकुलन क्रियाकलाप बारे जानकारी हुने र अबलम्बन गर्न सक्ने।

५. जलवायु परिवर्तनसंग सम्वन्धित अध्ययन, अनुसन्धान एवंम प्रविधि विकास र प्रसारलाई प्रोत्साहन गर्न सक्ने।

**प्रमुख क्रियाकलापहरू तथा लक्ष्य**

*तालिका ४.४ जलवायु परिवर्तन तथा परिस्थितिजन्य शिक्षाका प्रमुख क्रियाकलापहरू तथा लक्ष्य*

| क्र.सं | प्रमुख क्रियाकलापहरु | इकाइ | भौतिक लक्ष्य(५ वर्ष) | | | | | भौतिक लक्ष्य | भौतिक लक्ष्य | कैफियत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | | | |
| १ | जलवायु, उर्जा र वातवरण सम्बन्धि सचेतना अभिवृद्धि संचालन गर्ने | | | | | | | | | |
| २ | सुरक्षित शिक्षण सिकाइ सहजीकरण योजना निर्माण र कार्यान्वयन | आवश्यकतानुसार | | १ | | | | | २ | संघर प्रदेशर गाउँपालिका |
| ३ | स्वास्थ्य सुरक्षा सामग्री वितरण | विद्यालय | १४ | १४ | १४ | १४ | १४ | | १४ | गाउँपालिका |
| ४ | स्वाअध्ययन तथा निरन्तर सिकाई सामग्री वितरण | आवश्यकता अनुसार | | | | | | | | गाउँपालिका |
| ५ | जलवायु उत्थानशील तथा मापदण्ड अनुसारको भौतिक पूर्वाधार | निरन्तेर | | | २ | २ | २ | ८ | १४ | संघर प्रदेशर गाउँपालिका |
| ६ | समुदायमा सूचना तथा संचार प्रविधिको विस्तार | प्रतिशत | ५ | ५ | १० | १० | १० | ३० | ७० | गाउँपालिका |
| ७ | विद्यालयमा सूचना तथा संचार प्रविधिको विकास | संख्या | | | ४ | ५ | ५ | | १४ | गाउँपालिका |
| ८ | भर्चुअल शिक्षण सिकाई सम्बन्धी शिक्षकको क्षमता विकास | पटक | | १ | | १ | | | ३ | गाउँपालिका |

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९ | विद्यालय लामो सम्म बन्द हुने अवस्थामा गृह विद्यालय अवधारणा कार्यान्वयन | आवश्यकता अनुसार | | | १ | | १ | २ | ४ | गाउँपालिका |
| १० | स्थानीय पाठ्यक्रममा जलवायु उर्जा तथा वातावरण परिवर्तनबाट हुन सक्ने सम्भावित क्षति लाई अल्पिकरण तथा अनुकुलन समबन्धि विषय वस्तुलाई समावेश गर्ने | संख्या | | | १ | | १ | २ | ४ | संघर प्रदेशर गाउँपालिका |
| ११ | स्थानीय स्तरमा जलवायु परिवर्तनको असर र जोखिम सम्बन्धमा जनचेतना अभिवृद्धि तथा क्षमता विकास सम्बन्धी कार्यक्रमहरु सञ्चालन | संख्या | | | १ | | १ | २ | ४ | |
| १२ | विद्यालय क्षेत्रलाई अधिकार सम्पन्न बनाइ खाद्य सुरक्षा बढाउने | संख्या | | | १ | | १ | २ | ४ | |
| १३ | शैक्षिक तालिम | संख्या | | | १ | | १ | २ | ४ | |
| १४ | पोषणयुक्त बँगैचा विकासलाई अभियानको रुपमा लाने | संख्या | | | १ | | १ | २ | ४ | |
| १५ | समुदायमा आधारित जलवायु परिवर्तन अनुकूलन सहितको विपद् पूर्वतयारी अथवा जोखिम न्यूनीकरण तथा पूर्वतयारी | संख्या | | | १ | | १ | २ | ४ | |
| १६ | जलवायु परिवर्तनबारे अध्ययन अध्यापन तथा जनचेतना अभिवृद्धि | संख्या | | | १ | | १ | २ | ४ | |
| १७ | बर्खे पानी संकलन तथा प्रयोग गर्ने | संख्या | | | १ | | १ | २ | ४ | |
| १८ | प्लास्टिकजन्य फोहरमैला व्यवस्थापन | संख्या | | | १ | | १ | २ | ४ | |

## ४.४ विद्यालयको भौतिक पूर्वाधार विकास

### ४.४.१ परिचय

भौतिक पूर्वाधार विकाससले भौतिक संरचनालाई जनाउँछ । त्यस्ता जोखिम रहित र सुविधा सम्पन्न हुनका साथै बालमैत्रि , लैङ्गिकमैत्री तथा जलवायु उत्थानशील समेत हुन जरुरी हुन्छ । राष्ट्रिय भवन संहिता २०६० र बस्ती विकास, शहरी योजना तथा भवन निर्माण भवन निर्माण सम्बन्धि आधारभूत मार्गनिर्देशन २०६२ मा प्राविधिक नंक्साङकन, स्ट्रक्चरल डिजाइन अनिवार्य, सिभिल इन्जिनियरबाट प्रमाणित गर्ने र जोखिमयुक्त संरचना र पर्खाल भत्काउने आदिजस्ता मापदण्द निर्धारण गरेको छ भने विद्यालयको हकमा शिक्षा नियमावलि २०४९ नियम ४ संग सम्वन्धित अनुसूचि ३ मा कक्षा कोठाहरु ९ फिट उचाई घाम पानीबाट बचाउ हुने किसिमको,पूर्वप्रथमिक विद्याल भवनको हकमा प्रति विद्यार्थी ०.७५ वर्गमिटर, नि.मा. वि र माविमा १.०० वर्गमिटर क्षेत्रफल भएको कक्षाकोठा हावा प्रकाश आउने किसिमको १ विद्यार्थी २ प्रति पुस्तक सम्पूर्ण विद्यार्थिहरु एकैसाथ उभिन सक्ने कम्पाउन्ड र विद्यालयको हाताभित्र घेरबार भएको हुनुपर्ने व्यावस्था गरेको छ । राष्ट्रिय शिक्षनीति २०७६ ले भौतिक पूर्वाधार , पाठ्य सामग्री अदिलाई बाल , अपाङ्गता र लैङगिक मैत्री बनाउने ,बालबालिकाहरुको स्याहार केन्द्र लगायतको संरचना जोखिमरहित सुविधा सम्पन्न सहितको आधुनिक बानाउने उद्देश्य ले गुरुयोजना निर्माण गर्ने समेत नीतिगत व्यावस्था गरेको छ । नमूना विद्यालय छनौट कार्यविधिमा समेत भौतिक पूर्वाधार जस्ता सूचकहरु राखेको छ । स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन २०७४ मा भौतिक पूर्वाधार निर्माणको मापदण्ड र मूल्याङ्कन नियमन गर्ने प्रवाधन रहेको छ । सुक्षित र पूर्वधार प्रयोग गर्न सक्ने भौतिक संरचना निर्माण गरि शिक्षालाई सवैको पहुँचमा पुऱ्याउनका साथै गुणस्तरिय समावेशी, सर्वव्यापी जीवन उपयोगी र प्रविधिमैत्री शिक्षा आदि प्रदान गर्ने लक्ष्य राखेर भौतिक विकासको आवश्यकता, सम्भावना र चुनौति लाई पहिचान गरि आगामी १० वर्षे शैक्षिक गुरुयोजनामा उद्देश्य , रणनीति , प्रमुख क्रियाकलाप र स्रमेत व्यावस्थापन समेत उल्लेख गरि निर्माण गरेको हुनु पर्छ ।

### ४.४.२ वर्तमान अवस्था:

गाँउ शिक्षा शाखा,नौमूले २०७९ को तथ्यांक अनुसार यस नौमूले गाँउपालिकामा जम्मा ५१ वटा विद्यालयहरु रहेका छन् । यस गाउँपालिकामा सञ्चालित शिक्षण संस्था आ. वि.१ देखि ५जम्मा १८ विद्यालय आ. वि. १ देखि ८ कुल १७ विद्यालय मा. वि. ९ देखि १० जम्मा ७ विद्यालय आ. वि. १ देखि १२ जम्मा ९ विद्यालय सामुदायिक बालविकास केन्द्र ३ वटा रहेका छन । अधिकांश विद्यालयमा भौतिक संरचरनाहरु पर्याप्त छैनन् । विद्यालयको भौतिकपक्ष संग सम्वन्धित विवरणमा हर्दा प्रयोगमा आएको पक्की भवनसंख्या कम रहेको छ । फलामको ब्लक प्रयोगमा आएका कच्ची भवन प्रयोगमा आएका शौचलय आदीको संख्या धैरै रहेका छन् । छात्रा शौचलय, खानेपानिको व्यावस्था,विद्यालयमा घेराबारा आदी अवस्था पर्याप्त हुन सकेको छैन । वालवालिकाहरुलाइ सावुन पानिले हात धुने व्यावस्था, प्राथमिक उपचार व्यावस्था आदीमा ध्यान पुर्याउनु पर्ने अवस्था रहेको छ ।

विश्वबिद्यालय तथा कलेजहरुमा यस गाँउपालिकाको उच्च शिक्षा लाई बढावा दिने तवरले २ वटा विद्यालय मा (१०+२) उच्च शिक्षा को कक्षा संचालन गरी विश्वबिद्यालय तथा कलेजहरु जग बसाउने कार्यमा बढावा भएको छ ।भैरब मा.वि.नौमूलेशिक्षा (१०+२) तथा कृषी प्राविधिक रहेको छ जसलाइ व्यवस्थीत गर्नुका साथै संरचना तथा प्राक्टीकलको व्यवस्थान गर्नु आवस्यक रहेको छ ।

### ४.४.३अवसर र चुनौतिहरु

- विद्यालय पूर्वाधार विकाससँग सम्बन्धित निम्नलिखित चुनौतीहरू रहेका देखिन्छन्-
- जोखिम रहित तथा सुविधायुत्त भौतिक पूर्वाधार विकासमा मापदण्ड र गुरुयोजना निर्माण।
- पूर्वाधारलाई वालमैत्रि, अपाङगमैत्रि, लैङगिकमैत्रि र सूचना सञ्चार प्रविधिको संरचना सहित निर्माण गर्नु ।
- पूर्वाधार विकास र विस्तार गर्दा पारदर्शी जवाफदेहि तथा गुणस्तरीय बनाउनु ।
- आवश्यक स्रोतको व्यावस्थापन गर्नु।
- निरन्तर नियमन अनुगमन नियन्त्रण र मूल्याङकन गर्नु।

### ४.४.४ उद्देश्यः

- पूर्वाधार विकासमा नीतिगत व्यावस्था अनुरुपको सुरक्षित जोखिमरहित, मापदण्ड अनुसारका संरचना सहित पूर्वाधार विकास गर्ने।
- शिक्षण सिकाई क्रियाकलाप अनुकुल हुने गरि वालमैत्रि, अपाङगमैत्रि, लैङगिक मैत्रि आधारभूत सुविधासहितको पूर्वाधार विकास गर्ने।

### ४.५.५ रणनीतिहरू

- पूर्वाधार विकासमा गुरुयोजना र मापदण्ड तयार गरी कार्यन्वयन गर्ने।
- विद्यालयमा प्राथमिक उपचार सहितको पूर्वाधार तयार गर्ने।
- पूर्वाधार निर्माण गर्न आवश्यक स्रोत साधनको व्यावस्थापन गर्न सम्वन्धित निकाय वा संघ सस्थाहरुसंग साझदारी गर्ने।
- भौतिक पूर्वाधार जोखिमको मूल्याङकन गरि जौखिमयुत्त लाई हटाउने तथ मर्मत सम्भार गर्ने।
- विद्यालयका सुधार गर्न आवश्यक कार्यविधि निर्माण गरि कार्यन्वयन गर्ने।
- सुरक्षित मापदण्डअनुसारका ICT संरचना अनुसार स्मार्ट कक्षाकोठा निर्माण ध्यान दिइनेछ ।
- प्रत्येक विद्यालयमा बाल उद्यान निर्माण गर्ने ।

### ४.४.६ उपलब्धि,नतिजा तथा प्रमुख क्रियाकलापहरु

**उपलब्धि**

जेखिमरहित सुरक्षित र न्युनतम सुविधा सम्पन्न भौतिक पूर्वाधारको निर्माण गरि प्रभावकारी सिकाई क्रियाकलापको वातावरण तयार हुने

***नतिजा***

- जेखिम रहित तथा न्युनतम सुविधायुत्त भौतिक पूर्वाधार विकासका लागि १० वर्षे गुरुयोजना र मापदण्ड तयार हुने ।
- सवै विद्यालयमा आवश्यक भौतकपूर्वाधार निर्माण भएको हुने।
- विद्यालयमा वालमैत्रि लैङगिक तथा अपाङगमैत्रि ष्अत सहितको भौतिक पूर्वाधार विकास हुने।
- विद्यालयमा रहेको भौतिक सम्पतिको प्रयोगमा कार्यविधि मापदण्ड र प्रभाबकारिता को सूचक तयार गर्ने।
- सवै विद्यालयमा गण्नित, विज्ञानको प्रयोगशाला कप्यूटर ल्याब पुस्तकालय , अध्ययन कक्षा , चमेना गृह वालउद्यान स्वच्छ खाने पानि उपलब्ध हुने।
- भौतिक पूर्वाधार विकासकोमा स्रोत व्यावस्थापनका लागि सम्वन्धित निकाय , संघसंस्था , अभिभावक आदिमा सहकार्य हुने ।

### ४.४.७ क्रियाकलाप तथा लक्ष्य

| क्र.सं. | प्रमुख क्रियाकलापहरु | इकाइ | भौतिक लक्ष्य(५ वर्ष) | | | | | भौतिक लक्ष्य (१० वर्ष) | कैफियत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | | |
| १ | भौतिक पूर्वाधार विकासको १० वर्षे गुरुयोजना तथा मापदण्ड तयार गर्ने । | पटक | | १ | | | | २ | गाउँपालिका |
| २ | सहितको वालमैत्रि, अपाङगमेत्रि र लैङगिक मैत्रि पूर्वाधार विकास गर्ने | पटक | | १ | १ | | | ३ | गाउँपालिका |
| ३ | वालउद्यान निर्माण गर्ने । | निरन्तर | | १ | १ | | | ३ | संघ/ प्रदेश/ गाउँपालिका |
| ४ | पूर्वाधार विकासको लागि स्रोत र जिम्मेवारी | निरन्तर | | १ | १ | | | ३ | संघ/ प्रदेश/ गाउँपालिका |

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ५ | विद्यालयको मर्मत सम्भार | आवश्यक | | १ | १ | | | ३ | गाउँपालिका |

## ४.५शिक्षामा सुचना र प्रविधि

### ४.५.१ परिचय

सूचना तथा सञ्चार प्रविधि भन्नाले साधरणतया सूचना आदन प्रदान गर्ने उपकरणहरुलाई जनाउदछ । सूचना तथा प्रविधिले विद्युतिय /चुम्वकिय तरङग जस्ता उपकरणहरुको माध्यमबाट विभिन्न डाटाहरुलाई ध्वनि, शब्द , तस्विर र संकेत अदिलाई आदनप्रदान गर्नका साथै त्यस्ता सूचनालाई भण्डारण , सम्पादन ,प्रचारप्रसार अदि समेत गर्दछ ।यस्ता विभिन्न किसिमका उपकरणहरु आदि पर्दछन । यसले गर्दा विश्वलाई नजिक बनाएको छ ।

शिक्षा क्षेत्रको भूमिका शैक्षिक सुशसन शैक्षिक सूचना व्यावस्थापन का साथै प्रभावकारी शिक्षण सिकाइमा प्रयोग गर्ने नीति समेत रहेको छ । नेपालमा शैक्षिक सूचना व्यावस्थापन गर्न सूचना तथा समेत रहेको छ भने विभिन्न सिकाईको शैक्षिक सामग्रीहरुको उत्पादन वितरण गरी सबैको शैक्षिक गुणस्तरमा पहुँच पु¥यान प्रयास गरेको छ ।२०७२ सालको भूकम्पका बेलामा पनि सूचना र प्रविधिको माध्यमबाट पठनपाठन गरेको थियो । यस्ता कठिन माहामारीमा समेत सञ्चार प्रविधिको माध्यमबाट बैकल्पिक शिक्षणसिकाई निरन्तर दियो ।

स्थानिय सरकार सञ्चनलन ऐन २०७४ मा सामुदायिक केन्द्रस्थपना गरेर डिजिटल साक्षरता बढाउने लक्ष्य रहेको छ । सुचना तथा सञ्चार नीति २०७२ र डिजिटल नेपाल फ्रेमवर्क २०७६ ले सुचना तथ सञ्चार प्रविधिको प्रयोग सम्वन्धि गुरुयोजना निर्माण गर्ने । स्मार्ट कक्षाकोठा निर्माण अनलाईन सिकाईकार्य, शिक्षण व्यावस्थापन प्रणालि , वायोमेट्रिक हाजिरि, ग्रामिण क्षेत्रमा मोवाइल सिकाई केन्द्र का साथै अनलाइन शिक्षा प्रदान गर्ने नीति लिएको छ । विद्यालय क्षेत्र विकास कार्यक्रम २०७३ मा पूर्वाधारलई सुदृढ बनाउदै उपयुत्त प्रयोगमा जोड दिने । राष्ट्रिय विज्ञान प्रविधि तथा नब प्रवर्दन नीति २०७६ मा गुणस्तरिय र सुशासनमा नीति मार्फत अध्ययन अनुसन्धान गरि क्षमताको अभिवृद्धि गर्ने । राष्ट्रिय शिक्षा नीति २०७६ को ४८ मा लाई शिक्षा प्रणलिको अभिन्न रुपमा एकिकृत गर्दै शिक्षाको पूर्वाधार निर्माण गर्ने,सिकाई प्रक्रियालाई प्रविधि मैत्रि बनाउने । शिक्षा विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्रालयले जारी गरेको शिक्षा क्षेत्र योजना मार्फत विद्यालयको सुशासन कार्य गर्ने सिकाईप्रति विद्यार्थीलाई आकर्षित गर्नेसवै विद्यार्थीको लागि आधारभूत साक्षरता बढाउने जस्ता विभिन्न रणनीति, तथा नीतिगत व्यावस्था गरेको छ । यस गाउँपालिकामा समेत प्रविधिमैत्री बानउन विभिन्न चनौतीलाई र आवश्यकतालाई पहिचान गरि १० वर्षे गुरुयोजनामा विभिन्न रणनीति तथा कार्यक्रम तयार गरेको छ।

### ४.५.२ वर्तमान अवस्था

यस गाउँपालिकामा समेत प्रविधिमैत्री बनाउन पालिकाले विभिन्न कार्यक्रम सञ्चालन गरेको छ । गाउँपालिकाका ४८ विद्यालयहरु मध्ये धेरै विद्यालहरुमा विजुली वत्तीको व्यवस्था रहेका छैनन् । केही विद्यालयमा वत्ती भएको भए पनि इन्टरनेटको व्यवस्था राम्रो पुर्यारउन सकीएको छैन । विद्यालयको शिक्षण सिकाइमा **ICT** को सान्दर्भिक प्रयोग गरी ICT लाई वैकल्पिक माध्यमको विस्तार हुनका साथै शैक्षिक सूचनालाई व्यवस्थित गर्दै सुशासन हुने र विद्यार्थी अभिभावक समेत साधारण डिजिटल साक्षर आजको आवस्यकता पुरा गर्नु रहेको छ ।हाल पुरानै पद्धतीवाट

अध्यापन गराइरहेको छ। सबै विद्यालयमा स्मार्ट कक्षा निमार्ण गरी अन्तरक्रिया डिजिटल सामग्री स्थापना गर्दै गणित ,विज्ञान प्रयोगशालामा अनिवार्य सुचना तथा सञ्चार प्रविधीको प्रयोग गर्नु तथा अन्य विषयको लागि आवश्यकअनुरुप गर्नु पर्ने अवस्था रहेको छ ।कोभिड १९ जस्ता महामारीमा शिक्षा शाखाको मातहतमा रही लिडर विद्यालयको शिक्षकहरुले पालिका स्तरीय शैक्षिक सामग्री निमार्ण,प्रसार र वितरण गर्ने र अन्य विद्यालयले विद्यालयले विद्यार्थीलाई सहजीकरण गरिएको भएता पनि आगामी दिनमा हुन सक्ने जोखिमलाइ जुध्न सक्ने प्रविधीको प्रयोग गर्नु आवस्यक रहेको छ ।

### ४.५.३ अवसर र चुनौतिहरु

शिक्षामा सूचना तथा सञ्चार प्रविधिसम्बन्धी निम्नलिखित चुनौतीहरूपहिचान गरिएको छ(

१। पालिका स्तरीय education e-portal center ,Digital Lab / e-Library स्थापना गर्नु ।
२। सबै विद्यालयहरुमा क्ष्ऋत् को पूर्वाधार निमार्ण गर्न र क्ष्ऋत् सामाग्री वितरण गर्न स्रोतको अभाव

### ४.५.४उद्देश्यहरु

- **सूचना तथा प्रविधिको प्रयोगमा बढवा दिदैँ** education e-portal center ,Digital Lab / e-Library **को माध्यमबाट शिक्षालाई गुणस्तरीय समतापूर्ण ,सबैको पहँचमा पु¥याउने सुशासनयुक्त शैक्षिक प्रशासन स्थापना र शैक्षिक सूचनालाई प्रभावकारी व्यवस्थापन बनाउनु**

### ४.५.५ रणनीतिहरु

- पलिका तथा विद्यालय स्तरीय दुवैले नीति तथा दश वर्षे गुरुयोजना तयार गरी कार्यन्वयन गर्ने
- पालिका स्तरीय भ्education e-portal center निमार्ण गर्ने ।
- ICT का आधारभूत संरचना निमार्ण गर्न तिनओटै सरकार र सम्बन्धित सङघसस्थासँग सहकार्य गरी स्रोतसाधनको व्यवस्था गरिने छ ।
- आधारभूत तहको ६– ८ कक्षाको कम्प्युटर विषय अध्यापन गर्ने शिक्षकलाई शैक्षिक सूचना व्यवस्थापन गर्न सस्थागत क्षमता विकास गर्न बार्षिकरुपमा तालिम प्रशिक्षण दिइनेछ ।
- विद्यालयको एकिकृत लेखापालन सफ्टवेयर सम्बन्धी तालिम सञ्चालन गर्ने ।
- कोभिड १९ जस्ता महामारीमा शिक्षा शाखाको मातहतमा रही लिडर विद्यालयको शिक्षकहरुले पालिका स्तरीय शैक्षिक सामग्री निमार्ण,प्रसार र वितरण गर्ने र अन्य विद्यालयले विद्यालयले विद्यार्थीलाई सहजीकरण गरिने छ ।
- विद्यालयमा सुचना तथा सञ्चार प्रविधीको प्रयोगको प्रभावकारिता र उपलब्धताको निरन्तर अनुगमन तथा मूल्याङकन गरिने छ ।
- सबै विद्यालयमा बायोमेट्रिक हाजिरीको विकास गरिने छ ।

- सबै विद्यालयमा स्मार्ट कक्षा निमार्ण गरी अन्तरक्रिया डिजिटल सामग्री स्थापना गर्दै गणित ,विज्ञान प्रयोगशालामा अनिवार्य सुचना तथा सञ्चार प्रविधीको प्रयोग गर्ने र अन्य विषयको लागि आवश्यकअनुरुप प्रयोग गर्ने ।
- प्रत्येक विद्यालयमा सुचना तथा सञ्चार प्रविधीको आधारभूत पूर्वाधारहरु निमार्ण गरी न्युनतम सामग्रीसमेत वितरण गरीने छ ।

### ४.५.६ नतिजा, क्रियाकलाप तथा लक्ष्य

*उपलब्धि*

- विद्यालयको शिक्षण सिकाइमा क्ष्ऋत् को सान्दर्भिक प्रयोग गरी **ICT** लाई वैकल्पिक माध्यमको विस्तार हुनका साथै शैक्षिक सूचनालाई व्यवस्थित गर्दै सुशासन हुने र विद्यार्थी अभिभावकसमेत साधारण डिजिटले साक्षरता हुने ।

*नतिजा*

- पालिका र विद्यालयस्तरमा सुचना तथा सञ्चार प्रविधी को प्रयोग सम्बन्धी नीति तथा गुरुयोजना निमार्ण भएका हुने।
- पालिका स्तरीयeducation e-portal center मार्फत शैक्षिक सामग्री निमार्ण वितरण र प्रसार गरिएको हुने ।
- लिडर विद्यालयमा सुचना तथा सञ्चार प्रविधी सिकाइ केन्द्र स्थापना भएको हुने ।
- विद्यालयको लेखापालन र कम्प्युटर विषयको शिक्षण गर्ने शिक्षकलाई तालिम प्राप्त भएको हुने ।
- प्रत्येक विद्यालयमा प्रविधिको पूर्वाधारसहित न्युनतम सामग्री सम्पन्न हुने र त्यसको माध्यमबाट सिकाइ क्रियाकलाप भएको हुने ।
- प्रत्येक विद्यालयमा आधुनिक सु–सम्पन्न गणित,विज्ञान,कम्प्युटर प्रयोगशालाहरु निमार्ण भएको हुने ।
- आधारभूत तहको ६–८ मा अध्यापन भइरहेको कम्प्युटर सम्बन्धी छुट्टै शिक्षक उपलब्ध भएको हुने ।

### ४.५.७ *प्रमुख क्रियाकलापहरु तथा लक्ष्य*

| क्र.सं. | प्रमुख क्रियाकलापहरु | इकाइ | भौतिक लक्ष्य(५ वर्ष) | | | | | भौतिक लक्ष्य(१० वर्ष) | कैफियत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | | |

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | सुचना तथा सञ्चार प्रविधी प्रयोग सम्बन्धी पालिका तथा विद्यालय स्तरीय नीति तथा गुरुयोजना निमार्ण | संख्या | | ५ | ५ | ५ | ५ | ३० | | संघ/ प्रदेश/ गाउँपालिका |
| २ | पालिका स्तरीय भ education e-portal center निमार्ण | संख्या | | | १ | | | | | प्र / . स्थानीय |
| ३ | विद्यालयमा सिकाइ केन्द्र स्थापना | संख्या | | ४ | ४ | ४ | ४ | २८ | | विद्यालय |
| ४ | सबै विद्यालयमा सुचना तथा सञ्चार प्रविधी को पूर्वाधारसहितका स्मार्ट भवन निमार्ण | संख्या | २४ | | | १० | | ३८ | | गाउँपालिका |
| ५ | ६–८ को कम्प्युटर विषय अध्यापन गर्न व्यस्थापन,विषय शिक्षकलाई तालिम | प्रतिशत | | १० | १० | १० | १० | ८० | | संघ/ प्रदेश/ गाउँपालिका |
| ६ | विद्यालयको एकिकृत लेखापालन सफ्टवेयर उपलब्ध गराएर तालिम सञ्चालन | संख्या | | | २० | ३८ | | | | गाउँपालिका |
| ७ | शिक्षक विद्यार्थी र अभिभावकलाई साधारण साक्षरता बनाउने अभिमुखी कार्यक्रम | संख्या | | | २ | १ | ३ | ९ | | गाउँपालिका |
| ८ | सबै विद्यालयमा उच्च गतिको इन्टरनेट जडान | निरन्तर | | | | | | | | गाउँपालिका |

# परिच्छेद ५ विद्यालय सुशासन तथा व्यवस्थापन

## ५.१ संस्थागत क्षमता विकास

### ५.१.१ परिचय

शिक्षा पद्धतिमा शुसासन भन्नाले प्रजातान्त्रीक पद्दति मार्फत सबैले स्विकार्ने र हित हुने किसिमको निणर्य तथा कार्यान्वयनमा पारदर्शिक जवाफदेहिताका साथै कानुनि अधारमा रहि निर्णय गर्ने प्रकृयालाई जनाउँदछ।शुसासन तथा व्यवस्थापनमा संरचना तथा प्रक्रिया दुवै पर्दछन्। विद्यालय क्षेत्रमा सुशासन तथा व्यवस्थापन प्रभावकारी राख्ने उदेश्यले सबै विद्यालयलाई समुदायमा हस्तान्तरण गरीएको छ। उचित शुसासन र प्रभावकारी व्यवस्थापनले शिक्षा क्षेत्रमा सुधार ल्याउनका साथै बालबालिकाको सहभागिता र सिकाइमा सुधार गर्न आवश्यक संरचना निर्माण,योजना तर्जुमा र कार्यन्वयनमा महत्वपुर्ण भूमिका खेल्दछ। यस्ता संरचना तथा कार्य प्रक्रियाहरूले सहभागिता तथा सहमतिमा निणर्य गर्नु तथा निणर्य कार्यान्वयन गर्नु, निश्चित दृष्टिकोण वा उद्देश्यमा आधारित हुनु, कार्य सम्पादनमा प्राथमिकता दिई उत्तरदायी हुनु, कार्यसम्पादनमा प्रभावकारिता तथा कार्यकुशलता कायम गर्नु, विद्यार्थीको सिकाइप्रति जवाफदेही भई पारदर्शी हुनु र विधिको सर्वोच्चता तथा समतालाई प्रोत्साहन गर्नु ले सुशासनको प्रत्याभूति गराउदछ। सुशासन र प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्न स्थानिय सरकार र स्वयम विद्यालयमा अधिकार विकेन्द्रीकृत गरेको छ।नेपालको सम्बिधान २०७२ बमोजिम स्थानिय तहमा शिक्षा सम्बन्धि अधिकार रहेको छ। शैक्षिक सुशासन स्थापना गर्न स्थानीय सरकार, विद्यालय तथा समुदाय, गैरसरकारी निकाय तथा विकास साझेदारहरूको भूमिका रहनका साथै स्रोत साधनको उचित व्यवस्थापन सस्थागत क्षमता विकासमा पनि योगदान रहन्छ।

सामान्यतया सुशासनले आर्थिक पारदर्सीता निति तथा योजना निर्माण प्रकृया विद्यालय सञ्चालन पद्दति निर्णायक निकाय आदिलाई समेट्दछ। शुसासन हासिल गर्नका लागि आवश्यक संस्थागत संरचना सहित क्षमता विकास, योजना कार्यान्वयनको जिम्मेवारी सहितको प्रबन्ध र उपयुक्त अनुगमन तथा मूल्याङ्कन प्रणाली स्थापित गर्नु पर्दछ। नेपालमा आर्थिक सुशासन तथा व्यवस्थापन गर्न आर्थिक ऐन २०७७ आर्थिक कार्यबिधि तथा बितिय उत्तरदायित्व ऐन २०७६ र लेखा परीक्षण ऐन तथा कार्यबिधि समेत जारी भएको छ। बिधालयको हकमा अर्थिक सुशासन कायम गर्न शिक्षा ऐन २०२८ मा अनिवार्य सामाजिक लेखापरीक्षण गर्नुपर्ने ब्यवस्था छ।बिधालय सञ्चालन पद्दति र निर्णय प्रकृयामा बिधालय ब्यवस्थापन समिति समेत रहने व्यवस्था छ। यस सन्दर्भमा संविधानमा संघीय एकाइहरूका लागि एकल र साझा अधिकार तथा दायित्वको रूपमा विषयहरू प्रस्तुत भएका सन्दर्भमा एकल अधिकार मूल रूपमा प्रभावी भई साझा अधिकार परिपूरक वा सम्पूरक भएर आउँछ भन्ने विषयलाई ध्यान दिनका साथै शिक्षामा विशिष्टीकृत प्रकृतिका कार्यको सञ्चालन तथा व्यवस्थापनका लागि विशेष प्रबन्धको आवश्यकतालाई पनि विचार गर्नु पर्दछ। त्यसै गरि योजना कार्यान्वयन तथा व्यवस्थापनमा सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको प्रयोग, समता र समावेशिताको प्रवर्धन, नतिजाप्रतिको जिम्मेवारी र उत्तरदायित्व जस्ता पक्षहरूलाई प्राथमिकता दिई यस गाउँपालिकाको शिक्षा क्षेत्रमा सुशासन स्थापना गर्न र प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्न यस १० वर्षे

शिक्षा क्षेत्रको योजना कार्यान्वयनबाट अपेक्षित नतिजा हासिल गर्नका लागि आवश्यक संस्थागत संरचना, क्षमता विकास, योजना कार्यान्वयनको समग्र व्यवस्था र अनुगमन, मूल्याङ्कन तथा प्रतिवेदन प्रणालीका सम्बन्धमा वर्तमान अवस्थाको समीक्षा गर्दै वर्तमान अवस्थाको समीक्षाका आधारमा यस योजनाका अपेक्षित नतिजा प्राप्तिका लागि प्रस्तावित कार्यक्रम तथा कृयाकलापहरूको कुशल तथा प्रभावकारी कार्यान्वयन स्रोत ब्यवस्थापन नीति तथा रणनीति उदेश्य तथा लक्ष्य हासिल गर्नका लागि आवश्यक संस्थागत संरचना, क्षमता विकास, योजना कार्यान्वयनको समग्र व्यवस्था र अनुगमन, मूल्याङ्कन तथा प्रतिवेदन प्रणालीको स्वरूप प्रस्तुत गरिएको छ।

बदलिदो परिवेश अनुसार शासकीय संरचना, प्रक्रिया र क्षमता सुधार गर्न स्थानिय अवस्यकता चुनौति पहिचान गर्दै शैक्षिक गतिविधि प्रभावकारी बनाउन तथा सुशासन कायम गर्न संघीय सरचनाअनुसार स्थानीय सरकारका अधिकार तथा दायित्वस शिक्षामा भएको सङ्ख्यात्मक विस्तार,ज्ञान, विज्ञान, प्रविधि र सञ्चारमा भएको विकास,सामाजिक चेतनामा आएको परिवर्तन लगायतका पक्षहरूलाई समेत बिचार गरेर संस्थागत संरचना र क्षमता विकास गरी सुशासन प्रवर्धन गर्नु आवश्यक देखिएको छ। यसमा योजनाका प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षा, आधारभूत शिक्षा र माध्यमिक शिक्षामा सबैको पहुँच र सहभागिता सुनिश्चित गरी गुणस्तरमा सुधार,औपचारीक अनौपचारिक तथा आजीवन सिकाइका अवसरहरूको विस्तार गर्न सम्यन्त्र निर्माणस प्रकोप तथा महामारीको अवस्थामा गुणस्तरीय सिकाइ र समता तथा समावेशिताको प्रवर्धनसहित जवाफदेही शैक्षिक सुशासन कायम गर्ने उद्देश्यले आवश्यक संस्थागत संरचना र प्रक्रिया स्थापित गर्ने प्रयास गरिएको छ भने त्यसका लागि आवश्यक पर्ने जनशक्ति तथा क्षमता विकासको आवश्यकता पनि पहिचान गरिएको छ। यस खण्डमा सुशासन प्रवर्धन गरी शिक्षा विकासका कार्यक्रमहरू कार्यान्वयनका लागि संस्थागत संरचना, क्षमता र प्रक्रियामा देखिएका अवसर र चुनौतीहरू पहिचान गरिएको छ। पहिचान गरीएका चुनौतीहरू सामना गरी सुशासन प्रवर्धन गर्नका लागि आवश्यक संरचना, क्षमता र प्रक्रियाको विकास तथा परिवर्तनको खाका तयार गरिएको छ।

### ५.१.२ वर्तमान अवस्था

शिक्षा क्षेत्रको विकासका लागि हाल संघमा शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्रालय अन्तरगत बिभिन्न निकाय तथा संघ सस्थाहरुले बिभिन्न निति निर्माण तथा कार्यक्रमहरु संचालन गरी रहेका छन जस्तै केन्द्रीय तहमा विभागीय रुपमा शिक्षा तथा मानवस्रोत विकास केन्द्र, पाठ्यक्रम विकास केन्द्र र शैक्षिक गुणस्तर परीक्षण केन्द्र आदी रहेका छन्। त्यसैगरी स्वायत्त निकायका रूपमा राष्ट्रिय परीक्षा बोर्ड र शिक्षक सेवा आयोग क्रियाशील रहेका छन्। यसैगरी प्रदेश तहमा सामाजिक विकास मन्त्रालय मार्फत शिक्षा, शिक्षा विकास निर्देशनालय र प्रत्येक प्रदेशमा शिक्षा तालिम केन्द्र रहेका छन् भने स्थानीय तहमा शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइ, प्रत्येक पालिकामा शिक्षा शाखाको व्यवस्था रहेको छ। स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ कार्यान्वयनमा आएपछि त्यस ऐनले तोकिए बमोजिम पालिका स्तरमा २३ ओटा कार्यहरु कार्यान्वयनमा रहेका छन्।

### ५.१.३अवसर तथा चुनौतिहरु

- विद्यालयको शैक्षिक, भौतिक तथा आर्थिक अवस्थालाई सुदृढ बनाउनु

- विद्यालयकोविकास, सञ्चालन तथा व्यवस्थापनलाई प्रभावकारी बनाउनु
- विद्यालयहरुमा विद्यालय सुधार योजना निर्माण अध्यावधिक तथा कार्यान्वयन गर्नु
- गुणस्तरीय तथा समतामलूक शिक्षामा बालबालिकाको सहजपहुँचको आधार तयार गर्नु
- विद्यालयको शासकीय प्रबन्धलाई उच्च नतिजाका लागि प्रोत्साहित गर्नु
- विद्यालयहरूको सक्षमतामा सुधार गरी रूपान्तरणको गतिलाई तीव्रताप्रदान गर्नु
- विभिन्न समित, प्रधानाध्यापकर लेखा तथा प्रशासनिक कर्मचारीहरूको क्षमता विकास गर्नु
- विद्यालय व्यवस्थापनलाई समावेशी, समन्यायिक र जवाफदेही बनाउनु
- विद्यालय व्यवस्थापनमा सरोकारवालाहरूको सहभागिता अभिवृद्धि गर्नु
- विद्यालयको सेवा प्रवाहलाई प्रभावकारी बनाउनु

### ५.१.४ उद्देश्यहरु

विद्यालयमा सुशासन स्थापना र प्रभावकारि  शैक्षिक ब्यवस्थापन सम्बन्धी निम्न उद्देश्यहरू रहेका छन्ः

- सुशासन तथा प्रभावकारि व्यवस्थापन गर्न गुरुयोजना तथा कार्यविधि निर्माण गर्नु
- पालिकाको अनुगमन तथा मुल्याङकन प्रभावकारी बनाउनु
- विद्यालयको कार्यसम्पादन प्रति उत्तरदायी तथा नतिजा प्रतिको जवाफदेहि र विद्यालयको निर्णय प्रकृयामा समता तथा समावेशितालाई प्रोत्साहन गरी शिक्षामा सुशासन व्यवस्था गर्नु
- विद्यार्थीको सिकाइ उपलब्धिको न्यून नतिजा सम्बोधनको लागि स्थानीय तहमा गुणस्तर अभिवृद्धि  गर्न संरचना र जनशक्तिको व्यवस्था गर्नु
- विद्यालयमा सुशासन स्थापना गर्नसहअस्तित्व र सहकार्यको प्रत्याभूतिका लागि संयन्त्र र संस्थागत रुपमा समन्वय गर्दै प्रबिधिलाई समेत प्रयोगमा ल्याउन

### ५.१.५रणनीतिहरु

- पालिका तथा बिधालय स्तरीय गुरुयोजना तथा कार्यबिधि निर्माण गरिने
- मुल्याङकन तथा नियमन संयन्त्र स्थापना गरिने
- बिधालयको निर्णय प्रकृयामा समता तथा समावेशितालाई प्रोत्साहन गरीने
- विद्यार्थीको सिकाइ उपलब्धिको न्यून नतिजा सम्बोधनको लागि स्थानीय तहमा गुणस्तर अभिवृद्धि  गर्न भौतिक तथा सांगठानिक संरचनाको सुधार गर्ने  र पर्याप्त र  तालिम प्राप्त जनशक्तिको व्यवस्थापनमा जोड दिने
- सुशासन तथा प्रभावकारी ब्यवस्थापनका लागि प्रबिधिको प्रयोगमा जोड दिइनेछ

- विद्यालयका दक्ष जनशक्ति व्यवस्थापनका लागि पेशागत योग्यता र तालिमको व्यवस्था गर्नुका साथै भौतिक तथा सांगठानिक संरचनाको निर्माण गर्ने र संयन्त्रको क्षमता अभिवृद्धि गर्नमा जोड दिने

### ५.१.६ उपलब्धी, नतिजा, प्रमुख क्रियाकलाप र लक्ष्य

*उपलब्धी*

- शिक्षामा सस्थागत बिकास र प्रबिधिको प्रयोगले सबै निकाय तथा विद्यालयमा सुशासन प्रवर्धन भई बिधालयको सेवा तथा बालबालिकाको सिकाइको गुणस्तरका साथै समावेसी शिक्षा प्रणालीमा विकास भएको हुने।

*प्रमुख नतिजाहरु*

- पालिका तथा विद्यालय स्तरीय गुरुयोजना तथा कार्यबिधि निर्माण भएको हुने
- निरन्तर मुल्याङकन तथा नियमन संयन्त्र स्थापना भएको हुने
- विद्यालयको निर्णय प्रकृयामा समता तथा समावेशिता भएको हुने
- विद्यार्थीको सिकाइ उपलब्धिको न्यून नतिजा सम्बोधनको लागि स्थानीय तहमा गुणस्तर अभिवृद्धि भई भौतिक तथा सांगठानिक संरचना सुधारीएको पर्याप्त र तालिम प्राप्त जनशक्तिको व्यवस्थापन गरीएको हुने
- सुशासन तथा प्रभावकारी व्यवस्थापनका लागि प्रबिधिको प्रयोग भएको हुने
- विद्यालयका दक्ष जनशक्ति व्यवस्थापनका लागि पेशागत योग्यता र तालिमको व्यवस्था गरीएको हुनुका साथै भौतिक तथा सांगठानिक संरचनाको निर्माण र संयन्त्रको क्षमता अभिवृद्धि हुने

*प्रमुख क्रियाकलाप र लक्ष्य:*

| क्र.सं. | प्रमुख क्रियाकलापहरु | इकाइ | भौतिक लक्ष्य(५ वर्ष) | | | | | भौतिक लक्ष्य(१० वर्ष) | कैफियत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | | |
| १ | पालिका तथा बिधालय स्तरीय गुरुयोजना तथा कार्यबिधि निर्माण | | १ | १ | | | | १ | स्थानीय तह |
| २ | मुल्याङकन तथा नियमन संयन्त्र स्थापना | | | | १ | | १ | १ | स्थानीय तह |
| ३ | सूचना प्रणाली सुधार तथा सुदृढीकरण र प्रयोग | | | १ | १ | | २ | ४ | स्थानीय तह |
| ४ | बिधालयलाई समता तथा समावेशिताका लागि करार गरी जिमवेवार वनाउने | | | १ | १ | | २ | ३ | स्थानीय तह |

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ५ | शिक्षक तथा विद्यालय शिक्षा प्रणालीलाई गुणस्तरीय सिकाइप्रति उत्तरदायी बनाउने कार्यक्रम तयार | | | १ | | | १ | १ | स्थानीय तह |
| ६ | विद्यालयमा जनशक्ति, संरचना र संयन्त्रको क्षमता अभिवृद्धि तालिम | | | | १ | | | १ | स्थानीय तह |

## ५.२ स्थानीय शिक्षा योजना कार्यान्वयनको प्रबन्ध

### ५.२.१ परिचय

योजना कार्यान्वयनको प्रबन्ध अन्तर्गत वार्षिक योजना तथा बजेट तर्जुमा, क्रियाकलाप निर्धारण तथा कार्यान्वयन, वित्तीय व्यवस्थापन तथा अनुगमन र मूल्याङ्कन लगायत कार्यान्वयनका लागि आवश्यक संरचना, जनशक्ति, प्रक्रिया र जिम्मेवारी तथा उत्तरदायित्वहरू पर्दछन्। नेपालमा सङ्घीय संरचनाअनुसार सङ्घ, प्रदेश र स्थानीय तहको संरचना तयार भई तीनै तहका सरकार क्रियाशील भएको तीन वर्ष कटिसकेको छ भने केही कानुनी प्रबन्धसहित मुख्य संरचना तथा जनशक्ति र जिम्मेवारी निर्धारण गरिएको छ तापनि राज्य प्रणालीलाई सङ्घीय संरचनाअनुरूप सक्षम बनाउन आवश्यक कार्यान्वयन प्रबन्ध गर्नुपर्नेछ। कार्यान्वयन प्रबन्ध तयार गर्दा यसको दिगोपन, प्रभावकारिता तथा कार्य कुशलतामा ध्यान दिनु आवश्यक छ।

स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ ले स्थानीय सरकारलाई शिक्षाका २३ अधिकारहरु को व्यवस्थाको प्रभावकारी कार्यान्वनयका साथै, नेपाल सरकारले तय गरेका शिक्षा क्षेत्रको १० बर्ष योजनाले तय गरेका लक्ष्यहरु पुरा गर्नका लागिर त्यसको कार्यान्वनयमा पनि स्थानीय सरकारले सहयोग समन्वय तथा आत्मीकरण गर्नु आवश्यक रहेको छ। त्यसको साथै यस गाउँपालिकाले पनि समग्र पालिकाको विकास र परिवर्तनका लागि केहि सोच, लक्ष्य, उदेश्य सहित शिक्षा क्षेत्रको नीति तय गरेको छ। उल्लेखित सन्दर्भमा पालिकाको शिक्षा सम्बन्धी नीति, कार्यक्रम, लक्ष्य, तथा उदेश्य पुरा गर्न स्थानीय गाउँपालिकाका आवश्यकताहरु पुरा गर्न गाँउपालिकाको आफ्नो परिवेश अनुसारको शिक्षा क्षेत्रको १० बर्ष योजना तयार गर्नु आजको आवश्यकता रहेको निष्कर्ष रहेको छ। साथै सबै स्थानीय सरकारहरुले शिक्षा क्षेत्रलाई ब्यवस्थित गर्न पालिका स्तरमा शिक्षा प्रोफाइल तथा शिक्षा योजना अति नै आवश्यक रहेको र तयार गर्ने प्रतिबद्धगरे बमोजिम योजना निर्माणको कार्यलाई अगाडि बढाइएको हो।

नेपालको वर्तमान संविधानले आधारभूत तह सम्मको शिक्षालाई अनिवार्य र नि:शुल्क गरेको छ भने माध्यमिक तह सम्मको शिक्षालाई नि:शुल्क गर्ने हकको सुनिश्चत गरेको छ। त्यसैगरी, अपाङ्गता भएका तथा आर्थिक रुपले पिछाडिएका बालबालिकाहरुको शिक्षामा कानुन बमोजिम नि:शुल्क गर्ने कुराको समेत सुनिश्चत गरेको छ।संघीय स्वरुपको राज्य व्यवस्था भए अनुरुप तीनै तहका सरकारहरु स्थापना भई क्रियाशिल अवस्थामा छन्। सबै सरकारहरुका आ-आफ्ना परिवेश भए अनुरुप र प्राप्त अधिकार बमोजिम शिक्षा क्षेत्रलाई फरक ढङ्गबाट सम्बोधन

गर्नुपर्ने अवस्था सिर्जना भइसकेको छ । तीनै तहका सरकारहरुले समन्वयात्मक ढंगबाट शिक्षा क्षेत्रको विकासको लागि योजना बनाइ परिवर्तित मर्म र गन्तव्यहरुलाई उक्त योजनामा प्रतिविम्वित गर्दै राष्ट्रले लिएका लक्ष्यहरु पुरा गर्नु आजको आवश्यकता हो ।

### ५.२.२ वर्तमानअवस्था

गाँउ शिक्षा शाखा, नौमूले २०७५ को तथ्यांक अनुसार यस नौमूले गाँउपालिकामा जम्मा ५२ वटा विद्यालय हरु रहेका छन् जसमा सामुदायिक प्रा.वि.३६, निजी प्रा.वि.१ जम्मा ३७, सामुदायिक आ.वि.६, निजी आ.वि.२ जम्मा ८, सामुदायिक मा.वि.६, सामुदायिक बालविकास केन्द्र ४ रहेको तथ्यांक तालिकामा उल्लेख छ ।विश्वबिद्यालय तथा कलेजहरुमा यस गाँउपालिकाको उच्च शिक्षा लाई बढावा दिने तवरले २ वटा विद्यालय मा (१०+२) उच्च शिक्षा को कक्षा संचालन गरी विश्वबिद्यालय तथा कलेजहरु जग बसाउने कार्यमा बढावा भएको कुरा तलको तालिका बाट प्रष्ट्याईएको छ । बालविकास केन्द्रको विवरण हेर्दा जम्मा ३६ वटा वालविकाहरु रहेका छन । जसमा ३४ वटा तत्कालिन जि.शि.का.वाट स्विकृत र २ जटा नौमूले गाउँपालिकावाट स्विकृत रहेका छन ।नौमूले गाउँपालिकामा कार्यरत शिक्षकहरुको स्वीकृत दरवन्दीमा कार्यरत  स्थायी ९४ र अस्थायी १३ रहेको छ । ५१ राहत दरवन्दीमा कार्यरत र १०३ निजि स्रोतका दरवन्दी रहेका छन । पुरा दरवन्दी नहुनुले पालिकाले धेरै रकम शिक्षक व्यवस्थापनमा खर्च गर्नु परेको छ । वार्षिक क्रियाकलापहरुमा शिक्षालाइ महत्वपुर्ण रुपमा राखे पनि योजनामा राखेर कार्यान्वयन गर्नु चुनौतीपुर्ण रहेको छ ।आवश्यक स्रोत साधनको व्यवस्थापनमा पालिकाको स्रोत साधनको भरपुर प्रयोग गरिएको छ । पालिकाको आफ्नै स्रोतबाट १०३ जना निजि स्रोत शिक्षक व्यवस्थापन गरिएको छ ।

गाउँ शिक्षा समितिको अगुवाइमा पालिकामा शिक्षा क्षेत्रका क्रियाकलापहरु सञ्चालन गरिएको छ । नौमूले गाउँपालिकाले स्थानिय पाठ्यक्रम निर्माण गरि आगामी शैक्षिक सत्र देखी लागु गर्ने तयारी गरिएको छ । स्थानीय बिषयले यस पालिकाको ऐतिहासिकता र समग्रता झल्काउन मद्दत गर्नेछ भनी वालवालिकालाई स्थानीय परिवेश अनुकूल बिषय क्षेत्रमा परिचित हुन सहयोग पुर्‍याउने छ आभारभूत तह कक्षा १–३ मा निरन्तर बिद्यार्थी मुल्याङ्कन प्रणाली मार्फत उद्दार कक्षोन्नतीको नीति अनुसार मूल्याङ्कन, कक्षा ४–५ मा ५० प्रतिशत निर्माणात्मक ५० प्रतिशत निर्णयाात्मक मूल्याङ्कन प्रणाली अपनाइएको छ । त्यसैगरी आधारभूत तह कक्षा ६-७ मा ४० प्रतिशत बिद्यार्थी मूल्याङ्कन र ६० प्रतिशत आवधिक परीक्षालाई कक्षोन्नतीको आधार बनाइएको छ भने कक्षा ८ को वार्षिक परीक्षा पालिका स्तरमा सञ्चालन गरीनेछ । कक्षा १० -१२ को अन्तिम परीक्षा रा.प.बो.को निर्देशन अनुरुप हुने गरेको छ त्यस्तै राष्ट्रिय पाठ्यक्रम प्रारुप २०७६ कार्यान्वयन गर्न कक्षा १-३ मा एकिकृत पाठ्यक्रम २०८० बाट कक्षा १ - ३ मा लागु हुने छ भने एकिकृत पाठ्यक्रमको प्रभावकारी प्रयोग र कार्यान्वयनमा केही समस्याहरु र जटिलताहरु समेत देखा परेका छन्।

### ५.२.३ उद्देश्यहरू

- शिक्षा योजनाको प्रभावकारी कार्यान्वयनको सुनिश्चितता गर्नु ।
- एकिकृत पाठ्यक्रमको प्रभावकारी प्रयोग र कार्यान्वयन गर्नु ।
- एकीकृत शैक्षिक सुचना प्रणाली सुदृढीकरणगर्नु ।

### ५.२.४ रणनीतिहरू

- सङ्घीय तथा प्रदेश तहबाट वित्तीय हस्तान्तरणमार्फत प्राप्त सशर्त अनुदान तथा अन्य अनुदान र आफ्नै स्रोतको बजेटसमेत संलग्न गरी वार्षिक शिक्षा बजेट तथा कार्यक्रम तयार गर्ने ।
- कार्यक्रम कार्यान्वयनका लागि आवश्यकतानुसार कानुन, कार्यविधि तथा निर्देशिका विकास गर्ने ।
- कार्यक्रम कार्यान्वयनको नियमित अनुगमन तथा सहजीकरण गरी विद्यालयमा कार्यक्रमहरू प्रभावकारी रूपमा कार्यान्वयन हुने सुनिश्चितताका साथै समस्या समाधानका लागि आवश्यक नीति निर्देशन तथा समन्वय गर्ने ।
- एकीकृत शैक्षिक सूचना व्यवस्थापनमार्फत नियमित रूपमा कार्यक्रम कार्यान्वयन तथा त्यसका नतिजाहरूको विवरण तयार गर्ने, त्यसको समीक्षा गरी थप सुधारमा प्रयोग गर्ने ।
- विद्यालयमा विद्यालय व्यवस्थापन समिति र शिक्षक अभिभावक सङ्घ गठन गर्ने र विद्यालयलाई विद्यालय सुधार योजना विकास र कार्यान्वयनमा सहजीकरण गर्ने ।
- विद्यालय सुधार योजनानिर्माण तथा अद्यावधिक गर्न लगाउने ।
- विद्यालय व्यवस्थापनलाई सशक्तीकृत र सुदृढ गरी निर्धारित कार्यक्रम कार्यान्वयनका लागि प्रधानाध्यापकलाई जिम्मेवारी प्रदान गरी उत्तरदायी बनाउने ।
- वित्तीय व्यवस्थापन, खरिद प्रक्रिया, शिक्षक व्यवस्थापन तथा शिक्षकको कक्षा कोठामा समय तथा कार्यको सुनिश्चिततासम्बन्धी आवश्यक अनलाइन दूर शिक्षणमा अनुकूलन हुनका लागि शिक्षक सहयोगी पुस्तिका मापदण्ड तयार गरी लागू गर्ने ।
- अभिभावक तथा सरोकारवालाहरूसँग अन्तरक्रिया तथा सहकार्य गर्न अभिभावक भेला तथा बैठकहरू आयोजना गर्ने र सामाजिक परीक्षणलाई प्रभावकारी बनाउने ।
- सामुदायिक सिकाइ केन्द्र मार्फत सबै उमेर समूहका सिकारुहरूका लागि साक्षरता, साक्षरोत्तर, निरन्तर शिक्षा, वैकल्पिक शिक्षा तथा आयआर्जन र सिप विकासका कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्दै जीवनपर्यन्त सिकाइ केन्द्रका रूपमा समेत कार्य गर्ने ।

### ५.२.५ उपलब्धि, नतिजा, प्रमुखक्रियाकलापर लक्ष्य

उपलब्धिहरू

१ शिक्षा योजनाको प्रभावकारी कार्यान्वयनको सुनिश्चितता भएको हुनेछ ।

प्रमुख नतिजा

१ शिक्षाका सबै निकाय तथा विद्यालयमा सुशासन प्रवद्र्धन भई बालबालिकाको सिकाइप्रति उत्तरदायी प्रणालीको विकास हुनेछ ।

प्रमुख क्रियाकलापहरु तथा लक्ष्य

| क्रसं. | प्रमुख क्रियाकलापहरु | इकाइ | भौतिक लक्ष्य(५ वर्ष) | | | | | भौतिक लक्ष्यद ◌ोस्रो ५ वर्ष | जम्मा भौतिक लक्ष्य(१० वर्ष) | जिम्मेवार निकाय |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | | | |
| १ | वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रम निर्माण | प्रतिशत | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | ५ | विद्यालय, स्थानीय तह |
| २ | आवश्यक कानुन निर्देशिका तथा कार्यविधिको विकास | कक्षा | | १ | | | १ | २ | ४ | शिक्षा शाखा |
| ३ | कानुन निर्देशिका मापदण्डको प्रबोधीकरण | समय | | १ | | | १ | २ | ४ | शिक्षा शाखा, |
| ४ | विद्यालय सुधार योजना निर्माण एवम् अद्यावधिक | संख्या | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | स्थानीय तह |
| ५ | एकीकृत शैक्षिक सुचना प्रणाली सुदृढीकरण | संख्या | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | स्थानिय तह |
| ६ | शैक्षिक गुणस्तर सुधारसम्बन्धी अन्तरक्रिया | संख्या | | | १ | | १ | २ | ४ | संघ , स्थानिय तह |
| ७ | अनौपचारिक शिक्षा र जीवनपर्यन्त सिकाइसम्बन्धी कार्यक्रम सञ्चालन | पटक | | १ | | १ | | २ | ४ | शिक्षा शाखा |
| ८ | सामाजिक परीक्षणको प्रतिवेदनका आधारमा विद्यालयहरूलाई थप सहजीकरण | पटक | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | १० | गाउँपालिका |

## ५.३ अनुगमन तथा मूल्याङ्कन

### ५.३.१ परिचय

शैक्षिक क्रियाकलापहरु निर्धारित समयमा सकिएका छन् वा छैनन् ,स्रोत साधनको वितरण र विनियोजन कसरी भएको छ, कार्यक्रम कार्यान्वयनमा त्रुटि छ वा छैनन् ,कार्यतालिका अनुसार काम भएको छ वा छैनन् भन्ने जस्ता कुराहरुको निगरानी ,निरिक्षण, पूनः निरिक्षण तथा जाँचवुझ गर्नु नै अनुगमन हो । शिक्षणसम्वद्ध कार्यक्रमहरुको

सान्दर्भिकता, उपयुक्तता प्रभावकारीताको सुव्यवस्थित तथा उद्देश्यपूर्ण ढंगले जाँचबुझ लेखाजोखा गर्ने कार्य नै मूल्यांकन हो । यसरी हेर्दा अनुगमन कार्य कार्यक्रम कार्यान्वयन हुदै गर्दा गरिन्छ भने मूल्यांकन कार्य कार्यक्रम सञ्चालनका चरणका साथसाथै सम्पन्न पश्चात् पनि गरिन्छ । त्यसकारण मूल्यांकन प्रतिफल र त्यसको प्रभावसँगै सम्वन्धित हुन्छ । शैक्षिक कार्यक्रममा भएको लगानी कति प्रभावकारी कति पारदर्शि, कति नतिजामुखि,जवाफदेहि र उत्तरदायि हुदैछ भन्ने कुरा अनुगमनले समेटदछ भने प्रतिफल हेर्ने काम मूल्यांकनले गर्दछ यसरी उपलव्धि प्राप्त गर्नका लागि अनुगमन र मूल्यांकन एकै सिक्काका दुइ पाटा सावित भएका छन् । वर्तमान अवस्था जिल्ला तहमा शैक्षिक अनुगमन र मूल्यांकनका लागि हेर्ने काम शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइ रहेको छ भने स्थानीय तहमा स्थानीय शिक्षा शाखा रहेको छ ।यस गाउँपालिकाको शिक्षा शाखामा एक जना शिक्षा अधिकृतको दरवन्दि र एकजना कार्यालय सहयोगी रहेको छ यस गाउँपालिकाभित्रका विधालयहरुको निरिक्षण, अनुगमन तथा मूल्यांकन पालिकास्तरबाट हुन्छ साथै तालिम ,सेमिनार ,गोष्ठि व्यवस्थापनमा शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइको पनि सहयोग रहेको छ । एक जना पालिका शिक्षा अधिकृतले पालिकाभित्रका रहेका ३४ वटा विधालयको अनुगमन निरिक्षण, तथा मूल्यांकन , निर्देशन तथा हरेका कार्यमा सहयोग गर्नुपर्ने साथै सूचना तथा प्रविधिको बढ्दो प्रयोगले पालिका भित्रका विधालयको काम चुस्त दुरुस्त राख्नका लागि शिक्षा शाखामा थप अन्य कर्मचारीको आवश्यक देखिएको छ ।

### ५.३.२ वर्तमान अवस्था

अनुभव तथा मूल्यांकनलाई योजनाको अभिन्न अंगका रुपमा लिदै हाल विद्यमान अवस्थामा रहेको गाउँ शिक्षा संयन्त्रलाई आवश्यकता अनुसार चुस्त र दुरुस्त बनाउँदै आवश्यक मानवीय तथा भौतिक व्यवस्थापनमा जोड दिंदै गाउँ प्रमुखको अध्यक्षतामा रहेको गाउँ शिक्षा समितिबाट आवश्यक रूपमा बैठक बसी कार्य प्रगति समीक्षा हुने गर्दछ । यसरी गाउँपालिकाका शिक्षा शाखाबाट पनि शैक्षिक गतिविधि तथा गाउँभित्र रहेका समुदायक,निजी, संस्थागत विद्यालयहरूको अनुगमन र मूल्यांकन भइरहेको छ। अनुगमन तथा मूल्यांकनका लागि विद्यालय क्षेत्र विकास योजना,चालु आवधिक योजना, नेपाल सरकारको नीति तथा कार्यक्रमलाई आधार लिई सो को विवरण आवश्यकताका आधारमाशिक्षा विकास तथा समन्वय इकाई,शिक्षा विकास निर्देशालय ,सामाजिक विकास मन्त्रालय,शिक्षा तथा मानव श्रोत विकासकेन्द्र तथा शिक्षा विज्ञान तथा प्राविधिक मन्त्रालयमा पुर्याउने प्रबन्धमा गरीएको छ। शिक्षाको वार्षिक कार्यक्रम स्थानीय गाउँ शिक्षा ऐनमा व्यवस्था भएर अनुरूप गाउँ शिक्षा समितिबाट निर्णय गराई कार्यपालिकाले तयार गरेको कार्यक्रम कार्यान्वयन पुस्तिकामा उल्लेख भए अनुरूप हुने प्रवन्ध गरीएको छ। शैक्षिक व्यवस्थामा सूचना प्रणाली (IEMIS) मार्फत विद्यालय,विद्यार्थी, शिक्षक, कक्षाकोठा तथा अन्य पूर्वाधार सम्बन्धी सूचनालिइ विद्यार्थीहरूको शैक्षिक उपलब्धिहरु, शिक्षक तथा विद्यार्थीहरूको सामाजिक तथा भाषिक पृष्ठभूमि तयार गर्दै गाउँको शैक्षिक पाश्वचित्र निर्माणको थालनी भएको छ । हाल आएर स्रोतकेन्द्र र स्रोत व्यक्ति नभएको अवस्था र गाउँशिक्षा योजनामा आवश्यक मानवस्रोत व्यवस्थापन हुन नसकेकोले योजनामा अनुगमन तथा मुल्यांकन कार्यमा केही राम्रा अवसरहरुका साथमा चुनौतीहरु रहेका छन् ।

शैक्षिक कार्यक्रमहरुमा स्रोत साधनको विनियोजन र वितरण के कसरी भइरहेको छ, लगानीको प्रवाह समुचित ढङ्गले भएको छ वा छैन, कार्यान्वयन प्रक्रियामा त्रुटिहरु छन् वा छैनन्, शैक्षिक क्रियाकलापहरु निर्धारित कार्य तालिका अनुसार समयमै कार्यान्वयन भई लक्षित प्रतिफल प्राप्ति तर्फ उन्मुख भएका छन् वा छैन भन्ने कुरा निश्चित गर्न व्यवस्थापनबाट कार्यक्रम कार्यान्वयनको लक्ष्य र प्रगति बारेमा नियमित वा आवधिक रुपमा निगरानी, निरीक्षण, पुनर्निरीक्षण्, पर्यवेक्षण एवम् जाँबुझ गर्ने गराउने कार्य अनुगमन हो । यसले कार्यक्रमको प्रगति र वर्तमान स्थितिको बारेमा जानकारी गराउँदछ । शैक्षिक कार्यक्रमहरुको सान्दर्भिकत, उपयुक्तता, दक्षता प्रभावकारिताको सन्दर्भमा

सुव्यवस्थित एवम् उद्देश्यपूर्ण ढङ्गले जाँचबुझ तथा लेखाजोखा गर्ने कार्य मूल्याङ्कन हो । मूल्याङ्कन प्रतिफल र प्रभावसँग बढी केन्द्रित हुन्छ । अनुगमन सामान्यतः कार्यक्रम कार्यान्वयनको चरणमा मात्र गरीन्छ भने मूल्याङ्कन कार्यक्रम सञ्चालनका चरणका साथै कार्यक्रम सम्पन्न भए पश्चात् पनि गरीन्छ ।

### ५.३.३अवसर र चुनौतिहरु

उल्लिखित विश्लेषणका आधारमा प्रमुख यस योजनामा अनुगमन तथा मूल्याङ्कन सम्बन्धी निम्नलिखित चुनौतीहरु पहिचान गरीएको छ ।

- शैक्षिक अनुगमन तथा मूल्याङ्कनका लागि राष्ट्रिय मापदण्डको विकास, स्थानीय एवम् राष्ट्रिय रुपमा उपयोगी मापनयोग्य सूचकहरुको निर्धारण, मापनयोग्य सूचकको निमार्ण तथा सूचकसँग परिचित सिप र दक्षता भएका अनुगमनकर्ता तथा दक्ष जनशक्ति विकास गर्नु।
- अनुगमन तथा मूल्यांकामा रहेका चुनौतिहरुलाई निम्नानुसार राखिएको छ
- अनुगमन र मूल्यांकनको लागि राष्ट्रिय मापदण्ड र मापनयोग्य सूचक निर्धारणका लागि दक्ष जनशक्तिको विकास गर्न ।
- अनुगमनलाई योजनावद्ध गर्न र पर्याप्त स्रोत साधनको प्रवन्ध गर्न
- अनुगमनका लागि पर्याप्त जनशक्ति प्रवन्ध गर्न ।
- शिक्षाको गुणात्मक पक्ष तथा भौतिक पक्षका सुधारका लागि अनुगमन कर्ताले निरन्तरता दिन
- तीनै तहका सरकार विच सहकार्य र समन्वय गरि एकिकृत प्रतिवेदन प्रणालीको विकास गर्न ।
- अनुगमन र मूल्यांकनलाई निश्पक्ष, भरपर्दो र विश्वसनिय वनाउन ।

### ५.३.४उद्देश्यहरुः

- शैक्षिक कार्यक्रमहरुको स्रोत साधनको उपयुक्त प्रयोग तथा त्यसको प्रतिफल मापन गर्नु ।
- यस योजनाका उद्देश्यहरु देहायबमोजिम रहेका छन्
- शिक्षा क्षेत्रमा अनुगमन प्रणालीलाई कुशल र प्रभावकारी वनाउनु ।
- शिक्षणसिकाई क्रियाकलापलाई परिणाममुखि वनाउनु ।
- शिक्षा क्षेत्रमा गरिएको लगानीलाई पारदर्शिताकासाथ शतप्रतिशत नतिजामुसख वनाउनु ।
- योजना कार्यान्वयनको सन्दर्भमा आएका चुनौतिलाई समयमै सम्वोधन गरि परिणाममुखि र नतिजामुखि वनाउनु ।

### ५.३.५रणनीतिहरु

- संघीय सरकार, प्रदेश सरकार तथा स्थानीय सरकारविच समन्वयात्मक रुपमा अनुगमन तथा मूल्याङ्कन गर्ने प्रणालीको व्यवस्था लागु गरी शैक्षिक कार्यक्रमको अनुगमन तथा मूल्याङ्कन गरीने छ ।
- यस योजनाका रणनितिहरु तपशिलमा उल्लेख गरिएका छन्
- विद्यालयको अनुगमन र मूल्यांकनलाई छिटो छरितो र पारदर्शि वनाइने ।
- राज्यका तीनै तहमा एकिकृत मूल्यांकन र अनुगमन प्रणाली लागू गरिने ।
- अनुगमन ,मूल्यांकनबाट प्राप्त भएका पृष्पोषणलाई अनिवार्य लागू गरिने ।
- अनुगमन र मूल्यांकनबाट प्राप्त नतिजा लाई पुरस्कार र दण्डको व्यवस्था गरिने ।
- अन्त्रजिल्ला र अन्त्रपालिका विचको समन्वयलाइ जोड दिने ।
- कूल बजेटको निश्चित हिस्सा अनुगमन र मूल्यांकनका लागि छुट्याइने ।
- अनुगमन र मूल्यांकनलाई विधार्थीको उपस्थिति ,कक्षाकोठाको व्यवस्थापन, विधालयको भौतिक पूर्वाधार विकास निर्माण , शिक्षण सिकाई क्रियाकलाप,शिक्षकको नियमितता साथै प्र.अ.को विधालय तथा शिक्षक व्यवस्थापन ,कर्मचारीको कार्यकुशलताका साथै शिक्षा अधिकृतको कार्यकुशलता र कार्यक्षमता अनिवार्य लागू गरिने ।

### ५.३.६ उपलब्धि, नतिजाहरु,प्रमुख क्रियाकलापहरु तथा लक्ष्य

**उपलव्धि**

- प्रभावकारी अनुगमन र मूल्यांकनको योजना कार्यक्रम कार्यान्वयनको चरणमा आएका समस्यालाई समाधान गर्दे पृष्ठपोषण प्रदान गर्ने ।

**प्रमुख नतिजाहरु**

- विद्यार्थी उपलव्धि परिक्षण तथा विधालय कार्यसम्पादनलाई अनृगमन र मूल्यांकनको माध्यमबाट थप व्यवस्थित गर्ने
- अनुगमनका आधारमा नतिजा सुधार हुनृ ।
- शिक्षा क्षेत्रका कार्यक्रम तथा उपलव्धिको आवधिक मूल्यांकन हुने ।
- अनुगमन र मूल्यांकनलाई संस्थागत गर्नै ।
- नतिजामा आधारित अनुगमन प्रणाली लागू हुने ।

**प्रमुख क्रियाकलापहरु तथा लक्ष्य**

| | प्रमुख क्रियाकलापहरु | इकाइ | भौतिक लक्ष्य(५ वर्ष) | | कैफियत |
|---|---|---|---|---|---|

| क्र.सं | | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | भौतिक लक्ष्य(१० वर्ष) | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | आधारित अनुगमन प्रणालीको लागि सूचकहरु तयार तथा अद्यावधिक | निरन्तर | | | | | | | संघ,गाउँपालिका |
| २ | अनुगमन र मूल्यांकनबाट पपृष्ठपोषण अनिवार्य र निरन्तर लागू गर्ने। | निरन्तर | | | | | | | विद्यालय |
| ३ | अनुगमनको जिम्मेवारी सहित एकिकृत शैक्षिक अनुगमन तथा मूल्यांकन मार्गदर्शन विकास | पटक | २ | २ | २ | ३ | ३ | ३४ | संघ,प्रदेश गाउँपालिका |
| ४ | पालिकाभित्रका सम्पूर्ण विधालयको अनुगमन र मूल्यांकन आएको नतिजा प्रतिवेदन तयार | पटक | १ | २ | १ | २ | २ | ८ | गाउँपालिका |
| ५ | शिक्षा क्षेत्रको समग्र मूल्यांकन | | १ | | १ | | १ | ३ | |

# परिच्छेद ६ लगानी र स्रोत व्यवस्थापन

## ६.१ परिचय

आर्थिक तथा सामाजिक विकासमा गति प्रदान गरी समृद्ध राष्ट्र निर्माण गर्नमा शिक्षाको अहम भूमिका हुन्छ। भविष्यका लागि गुणस्तरीय मानव संशाधनको विकास गर्न शिक्षामा लगानी गर्नु आवश्यक छ। शिक्षामा गरीने लगानीले व्यक्ति, समाज र राष्ट्रको दीर्घकालीन विकासका लागि सहयोग गर्दछ। राष्ट्रिय आकांक्षालाई मध्यनजर गर्दै नेपाल सरकार र समुदायबाट विगत केही दशकदेखि शिक्षा क्षेत्रमा लगानीलाई विस्तार गरीएको छ। शिक्षामा गरीने लगानीले समाजको आकांक्षा, आवश्यकता, मान्यता र दिगो विकासको लक्ष्यको लागि कार्य गर्नु पर्दछ। संवैधानिक व्यवस्था बमोजिम विद्यालय शिक्षा सञ्चालनको मूल जिम्मेवारी स्थानीय तहको भए तापनि शिक्षा साझा सूचीको विषय रहेकोले शिक्षाको वित्तीय व्यवस्थापनमा संघ, प्रदेश र स्थानीय तहका साथै समुदाय र निजी क्षेत्रको समेत साझेदारी आवश्यकता पर्दछ।

शिक्षामा आवश्यक पर्ने स्रोत पहिचान गरी तिनलाई एकीकृत गर्नु र उपयुक्त तरिकाले वितरण तथा उपयोग गर्नु शिक्षामा लगानीको प्रबन्धका लागि ध्यान दिनुपर्ने महत्वपूर्ण पक्ष हो। शिक्षामा आवश्यक पर्ने वित्तीय स्रोत जुटाउने, स्रोतको विनियोजन गर्ने, विनियोजित स्रोतको प्रवाह गर्ने र उपलब्ध स्रोतको उपयोग गर्ने भन्ने विषयमा ध्यान पुग्दछ।

यस सन्दर्भमा शिक्षा क्षेत्रको योजना कार्यान्वयनका लागि लगानी तथा स्रोत व्यवस्थापन सम्बन्धमा वर्तमान अवस्थाको समीक्षा गरी यसमा देखिएका चुनौतीहरु उल्लेख गरीएको छ। पहिचान गरीएका चुनौतीहरुको सामना

गर्दै वित्तीय व्यवस्थापनलाई थप प्रभावकारी बनाउनका लागि यसका उद्देश्य तथा रणनीतिहरु प्रस्तुत गरी स्रोतको आँकलन तथा लगानीका क्षेत्र र लागत अनुमान गरीएको छ।

## ६.२ वर्तमान अवस्था

गाउँपालिकाको कूल वजेट मध्ये धैरै कमको वजेट शिक्षामा विनियोजन गरेको छ। शैक्षिक क्षेत्रमा गरिएको लगानीले समग्र गाउँको शैक्षिक गतिविधिमा थप उर्जा प्रदान गर्ने निश्चत छ। तर शिक्षामा लगानी बढाउनु पर्छ भन्ने विषयमा सैद्धान्तिक रुपमा राजनीतिक तहमा र नेपालका नीतिगत दस्तावेजहरुमा सिमित देखिन्छन्। सबैको धारणा लगानी बढाउने कुरामा एकै हुनुलाई लगानी वृद्धि गर्ने प्रयासको महत्वपूर्ण आधार मान्न सकिन्छ। नेपालका सबैजसो राजनीतिक दलको राष्ट्रिय वजेटको कम्तीमा २० प्रतिशत शिक्षामा लगानी गरीने कुरा उल्लेख गरीएको छ। भावि दिनमा शिक्षा क्षेत्रको वजेट वृद्धिमा राज्य र सरकारको ध्यान जानु अनिवार्य रहेको छ। आ.ब २०७७/७८ र २०७८/७९ मा यस गाउँपालिकाको शिक्षा क्षेत्रको बजेट देहायअनुसार रहेको छ।
देहाय:
आव २०७८/७९ मा शिक्षा क्षेत्रका कार्यक्रम तलसील बमोजिम तय गरिएका थिए।

| क्र सं | कार्यक्रम | बजेट | कैफियत |
|---|---|---|---|
| १ | पालिका मार्फत शिक्षा क्षेत्रको बजेट | ३३५२६००० | |
| २ | संघको शिक्षा क्षेत्रको बजेट | | |
| २.१ | सिकाइ क्षत्तीको लागी | ४००००० | |
| २.२ | दिवा खाजा | ९६६१००० | |
| २.३ | प्रति विद्यार्थी लागत | ३१५६००० | |
| २.४ | विद्यालय सञ्चालन | ३०३७००० | |
| २.५ | शैक्षिक गुणस्तर | १७५०००० | |
| २.६ | सस्थागत विकास | ८१५००० | |
| २.७ | निसुल्क सेनेटरी प्याड | १७३४००० | |
| २.८ | नि शुल्क पाठ्यपुस्तक | ४१९९००० | |
| २.९ | छात्रबृदी | १४७४००० | |
| **संघको जम्मा** | | २४६६५४०० | |
| **जम्मा** | | ५८१९१४०० | |

### शिक्षामा राज्यको लगानीको अवस्था

नेपालमा वि.सं. २०४९/५० मा शिक्षामा राज्यको लगानी कूल राष्ट्रिय वजेटको करिब ८.५ प्रतिशत मात्र रहेकोमा सबैको लागि शिक्षा अभियान (सन् १९९० को दशक) सँगै आ.व. २०६७/६८ मा आइपुग्दा यो प्रतिशत १७.१ पुगेको थियो । कूल ग्राह्स्थ उत्पादनसँग शिक्षा क्षेत्रको वजेट तुलना गर्दा वि.सं. २०५५ देखि २०७५ सम्मको अवधिमा नेपाल सरकारको शिक्षामा लगानी कूल गार्हस्थ वजेटको औसत ३.७ प्रतिशत रहेको थियो । विगत एक दशक अवधिमा सरकारबाट कूल राष्ट्रिय वजेटको औषत १३.२ प्रतिशत वजेट शिक्षा क्षेत्रमा लगानी भएको पाइन्छ । नेपालमा शिक्षाको लगानीमा वैदेशिक सहायताको पनि महत्वपूर्ण अंश रहेको छ ।

नेपालमा निजी क्षेत्रबाट सञ्चालित संस्थागत विद्यालयमा पढ्ने विद्यार्थी सङ्ख्याको २५ प्रतिशतभन्दा बढी रहेको छ । प्रारम्भिक बालविकास शिक्षामा बालबालिका निजी क्षेत्रबाट सञ्चालित शिक्षण संस्थामा सरकारी लगानी प्रत्यक्ष रुपमा नभए पनि प्रशासनिक र व्यवस्थापकीय कार्यमा सहयोग तथा सहजीकरण र नियमनका पक्षमा सरकारको भूमिका रहेको छ । यहाँ प्रति विद्यार्थी सार्वजनिक खर्च विभिन्न तहका सरकारले सम्बन्धित तहले शिक्षामा गरेको खर्चका आधारमा निकालिएको छ भने प्रति विद्यार्थी निजी लगानीले सामुदायिक विद्यालयमा अभिभावकले गर्ने विभिन्न प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष खर्च र निजी विद्यालयमा पढाउने अभिभावकले तिरेको शुल्क लगायत सबै खर्चहरु समावेश छन् ।

## ६.३ अवसर तथा चुनौतिहरु

उल्लिखित जानकारी तथा विश्लेषणको आधारमा देहाय बमोजिमका चुनौतीहरु पहिचान गरीएको छः

- शिक्षा सम्बन्धी अन्तर्राष्ट्रिय परिवेश, स्थापित मूल्य र मान्यता, संवैधानिक प्रत्याभूति, राज्यले अख्तियार गरेका नीतिलाई उचित रुपमा सम्बोधन गर्न विद्यालय शिक्षा क्षेत्रमा लगानी वृद्धि र दिगो स्रोत व्यवस्थापन गर्ने ।
- संघीय संरचना अनुसार संघ, प्रदेश र स्थानीय तह विचको शिक्षाको लगानी मापदण्ड र वित्तीय स्रोत हस्तान्तरणको उपयुक्त माध्यम निर्धारण गरी तिनै तहका सरकारलाई शिक्षामा लगानीको लागि जिम्मेवार बनाउने ।
- संवैधानिक मार्गदर्शन तथा नीति अनुरुप निजी क्षेत्रबाट शिक्षामा गरीने लगानीको व्यवस्थापन र स्वरुप निर्धारण गरी सार्वजनिक सेवा, सामाजिक दायित्व वा सेवामूलक व्यवसायको रुपम विकास गर्ने ।
- प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षामा विद्यार्थी अनुपात बनाउने सरकारको प्रतिबद्धता कार्यान्वयन गर्न आवश्यक पर्ने वित्तीय स्रोत पहिचान र परिचालन पद्धति सुनिश्चित गर्ने ।
- वैदेशिक सहायता प्राप्ति, परिचालन, घट्दै गएको वैदेशिक सहायतालाई बढाउन र त्यसको दिगोपना सुनिश्चित गर्ने ।
- आधुनिक प्रविधि विशेष गरी सूचना तथा सञ्चार प्रविधि मैत्री शिक्षण सिकाइ सञ्चालन गर्न आवश्यक स्रोतको व्यवस्था गर्ने ।

- शिक्षा क्षेत्रका विभिन्न उपक्षेत्रहरुः प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षा, आधारभूत शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, उच्च शिक्षा, प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा र अनौपचारिक तथा निरन्तर शिक्षामा सरकारी लगानीको संरचना (प्राथमिकता र प्रतिशत) निर्धारण गर्ने।
- विद्यार्थीको सिकाइ तथा कुशलतामा केन्द्रित भई गुणस्तर अभिवृद्धि गर्न आवश्यक पर्ने गरी लगानी गर्न स्रोत व्यवस्थापन गर्ने।
- शिक्षामा समता तथा समावेशिता सुधार गरी आर्थिक रुपले विपन्न, सुविधाविहिन, विभिन्न कठिन परिस्थितिमा रहेका र अपाङ्गता भएका बालबालिकाहरुको पहुँच, सहभागिता र गुणस्तरीय सिकाइ सुनिश्चित गर्न पर्याप्त लगानी प्राप्त गर्ने।
- गैरसरकारी क्षेत्रको लगानी, सामुदायिक सहभागिता र अभिभावकको लगानीलाई अभिलेखीकरण र प्रोत्साहन गर्ने।
- वित्तीय व्यवस्थापन कार्यकुशल बनाउन व्यक्ति, संस्था र पद्धतिको क्षमता विकास गर्ने
- वित्तीय गतिविधिलाई पारदर्शी, जवाफदेही, सरलीकृत गरी वित्तीय सुशासन कायम गर्ने।

## ६.४ उद्देश्य

योजनाको वित्तीय व्यवस्थापनका प्रमुख उद्देश्यहरु देहाय अनुसार रहेको छन्

- योजना अवधिका लागि विद्यालय शिक्षामा आवश्यक स्रोतको प्रक्षेपण गर्नु।
- योजनाको वित्तीय व्यवस्थापनका प्रमुख उद्देश्यहरु देहाय अनुसार रहेको छन्
- योजना अवधिका लागि विद्यालय शिक्षामा आवश्यक स्रोतको प्रक्षेपण गर्नु।
- विद्यालय शिक्षा सम्बन्धी पहिचान गरीएका कार्यक्रम कार्यान्वयनका लागि आवश्यक वित्तीय स्रोत पहिचान गर्नु।
- उपलब्ध सम्भावित स्रोतका आधारमा पहिचान गरीएका कार्यक्रमको प्राथमिकता निर्धारण गरी कार्यक्रमगत वजेट निर्धारण गर्नु।
- खर्चको प्रक्रिया, तिनै तहका सरकारको भूमिका र दायित्व स्पष्ट गर्नु।
- लगानीको उपयोगको अवस्था जानकारी लिने विधि र प्रक्रिया उपयुक्त (प्रतिवेदन पद्धति) प्रस्तुत गर्नु र जवाफदेहिता स्पष्टा गर्नु।

## ६.५ रणनीतिहरु

योजनाको वित्तीय व्यवस्था सम्बन्धी रणनीतिहरु देहाय बमोजिम हुनेछन्

- विद्यालय शिक्षाको लागि कानूनमा तोकिए अनुसारको आर्थिक दायित्व तिनै तहका सरकारहरु विचको लागत साझेदारीमा हुनेछ। यसका लागि कम्तीमा संघीय सरकारको शिक्षा क्षेत्रको लगानीको अनुपातमा प्रदेश तथा स्थानीय सरकारले आ आफ्नो स्रोतबाट थप लगानी हुने अपेक्षा गरीने।
- शिक्षामा सरकारी अनुदान खर्चको जिम्मेवारी स्थानीय तहको भएकोले आफ्नो तह भित्रको लक्षित शैक्षिक पहुँच र सहभागिता एवम् गुणस्तर सुनिश्चित गर्न स्थानीय तहलाई जवाफदेही हुने पद्धति विकास गर्ने।

- सरकारबाट प्रदान गरीने स्रोतको उपयोग गर्ने प्रमुख एकाइ विद्यालय भएकाले लक्षित गुणस्तर सुनिश्चित गर्ने जवाफदेहिता विद्यालयको हुनेछ।
- शिक्षामा सार्वजनिक लगानी वृद्धि गरी कूल गार्हस्थ उत्पादनको ७ प्रतिशत र तिनै तहका सरकारबाट कूल वजेटको वार्षिक रुपमा २० प्रतिशत पुर्याइनेछ।
- नेपालको वैदेशिक सहायता नीति अनुरुप शिक्षाको वजेटमा हुने न्यूनता पूरा गर्नका लागि निश्चित लक्ष्य हासिल गर्न बाह्य स्रोतको परिचालन गरीनेछ।
- उपागमको अवधारणा अनुसार कार्यक्रम खर्च तथा सेवामूलक व्यवसायका रुपमा विकास गरीनेछ।
- सार्वजनिक सेवा, सामाजिक दायित्व वा सेवामूलक व्यवसायका रुपमा विकास गरीनेछ।
- मापदण्डका आधारमा शिक्षामा नीजि तथा गैर सरकारी क्षेत्रको लगानीलाई प्रोत्साहन तथा प्रवर्धन गरीनेछ। भने निजी क्षेत्रले सार्वजनिक सेवा, सामाजिक दायित्व वा सेवामूलक व्यवसायका रुपमा रहने गरी विद्यालय शिक्षा सञ्चालन गर्न व्यवस्था गरीनेछ।
- अवस्था र आवश्यकताका आधारमा समानीकरण, समपूरक, शसर्त र विशेष अनुदानको अवलम्बन र उपयोग गरीनेछ।
- मापण्डमा आधारमा खर्च र प्रतिवेदन पद्धति अवलम्बन गरीनेछ।
- वित्तीय व्यवस्थापन क्षमतामा सुधार गरी ल्याई वित्तीय कार्यकुशलता, पारदर्शिता, जिम्मेवारी र उत्तरदायित्वलाई थप सबल बनाइने छ।

## ६.६ स्रोतको अनुमान र विश्लेषण

सामान्यतया स्रोतको अनुमान र विश्लेषण गर्दा अपेक्षा र नीतिका आधार तथा स्रोत उपलब्धताको अनुमान जस्ता दुई मूलभूत प्रक्रिया विचमा सामान्जस्य गर्ने प्रयास हुन्छ। नागरिक अपेक्षा, राष्ट्रिय प्रतिबद्धता, संवैधानिक प्रत्याभूति, शिक्षाका राष्ट्रिय नीति तथा कार्यक्रमलाई उचित रुपमा सम्बोधन गर्न कति छ त्यो पनि सँगसँगै विश्लेषण गरीन्छ। सामान्यतया राष्ट्रिय सामर्थय के कति छ त्यो पनि सँगसँगै विश्लेषण गरीन्छ। यस प्रकार आवश्यकता र सामर्थयको विचमा सामाञ्जस्य कायम गरी योजनाका कार्यक्रमहरु र तिनको प्राथमिकता निर्धारण गरीन्छ।

## ६.७ प्रस्तावित कार्यक्रम तथा वजेट अनुमान

गाउँपालिकाले विद्यालय क्षेत्रका प्रस्तावित कार्यक्रमअनुसार १० वर्षका लागि तयार गरेको शिक्षा योजनाको (२०७८–२०८७) वजेट अनुमान गरीएको छ। वजेट अनुमान गर्दा सबैका लागि निःशुल्क तथा अनिवार्य आधारभूत शिक्षाको सुनिश्चितता सहित गुणस्तर सुधारलाई विशेष ध्यान दिइएको छ। प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षामा न्यूनतम् सक्षमताका मापदण्ड पूरा गरी गुणस्तरीय सेवा सुनिश्चित गर्न लगानी बढाइएको छ। बालविकास केन्द्रका सहयोगी कार्यकर्ता र विद्यालयका सहयोगी कर्मचारीलाई दिँदै आएको प्रोत्साहन भत्तालाई निरन्तरता दिने, सामुदायिक विद्यालय सुधार कार्यक्रम अभियानलाई सञ्चालन गरीने छ। माध्यमिक शिक्षालाई निःशुल्क गर्न, सान्दर्भिकता बढाउन र गुणस्तर सुधार गर्न, भर्ना वृद्धि तथा टिकाउ दर बढाउन र व्यावसायिक सिप तथा प्रविधिमा आधारित सिकाइको गुणस्तर सुधार गर्न आवश्यक पर्ने वजेट समावेश गरीएको छ। आधारभूत तहमा ५ वर्षमा सबै विद्यालयमा प्राथमिकता प्राप्त न्यूनतम् सक्षमताका मापदण्ड पूरा गर्ने भने माध्यमिक तहमा १० वर्ष भित्र सबै विद्यालयमा यो मापदण्ड पुरा गर्ने गरी वजेट प्रस्ताव गरीएको छ। विद्यालयको भौतिक अवस्था सुधार र गुणस्तर

सुधारका लागि शिक्षक विकासमा पनि लगानी उल्लेख्य रहेको छ। पाठ्यक्रमको सान्दर्भिकता बढाउने, पाठ्पुस्तक सुधार गर्ने, शिक्षा प्रणालीमा सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको प्रयोगलाई विस्तार गर्ने, आधारभूत तहसम्म दिवा खाजाको प्रबन्ध गर्ने, समता र समावेशितामा सुधार गर्न अपाङ्गता भएका, आर्थिक रुपमा विपन्न तथा कठिन परिस्थितिमा रहेका बालबालिकाहरुमध्ये केहीलाई आवासीय प्रबन्ध सहित शिक्षा प्रदान गर्ने र अन्यलाई छात्रवृत्तिका लागि पनि उल्लेख्य वजेट प्रस्तावित गरीएको छ।

यसका साथै देहाय बमोजिमका  कार्यहरुलाई पनि निरन्तरता दिइनेछ

१. विद्यार्थी भर्ना अभियानलाई थप प्रभावकारी ढङ्गबाट सञ्चालन गरी विद्यार्थीको कक्षा छाड्ने दरलाई न्यूनीकरण गर्ने तथा शैक्षिक गुणस्तर अभिवृद्धिका लागि आधारभूत तहबाट नै सुधारका प्रयासहरु थप गरीने छ।

२. प्राविधिक, व्यावसायिक र सिपमूलक शिक्षालाई प्राथमिकता दिँदै प्राविधिक शिक्षण संस्थालाई सहयोग गर्ने नीतिलाई निरन्तरता दिइनेछ।

३. गाउँपालिका भित्रको सामुदायिक विद्यालयहरु मध्ये एस.ई.ई परीक्षामा उत्कृष्ट नतिजा ल्याउने विद्यालयलाई पुरस्कार प्रदान गर्ने कार्यक्रमलाई निरन्तरता दिइने छ।

४.  सबै विद्यालयहरुमा कक्षा सञ्चालन परीक्षा सञ्चालन विदाहरुमा एकरुपता ल्याउनको लागि वार्षिक शैक्षिक क्यालेण्डर निर्माण गरीनेछ।

५. शैक्षिक सुधारका लागि सबै विद्यालयका प्र.अ.हरुको नियमित बैठकलाई निरन्तरता दिँदै विद्यालय अनुगमन तथा सुपरिवेक्षणमा जोड दिइनेछ।

६. विद्यार्थीहरुमा रहेका प्रतिभालाई उजागर गर्न सहयोग पु¥याउने उद्देश्यले शैक्षिक मेला मार्फत हाजिरी जवाफ साँस्कृतिक कार्यक्रम, पठन प्रतियोगिता आदि सञ्चालन गरीने छ।

## विद्यालय क्षेत्र अन्तर्गत विभिन्न उपक्षेत्र तथा विषयमा प्रस्तावित बजेट

| क्र.स. | शिर्षक वा क्षेत्र वा क्रियाकलाप | अनुमानित कुल आवश्यक बजेट | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ | २०८३/८४ | २०८४/८५ | २०८५/२०८६देखि २०८९/९० | बजेट स्रोत | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | | | | संघिय सरकार | प्रदेश सरकार | स्थानीय सरकार | गैसस | जनसहभागिता | अन्य |
| १ | प्रारम्भिक बाल विकास तथा शिक्षा | २६,५३०,३२२.५६ | २,३९०,०८०.०० | २,६२९,०८८.०० | २,८९१,९९६.८० | ३,१८१,१९६.४८ | ३,४९९,३१६.१३ | १३,२६५,१६१.२८ | | | | | | |
| २ | आधारभुत शिक्षा | ११५,९९६,९००.०० | १०,४५०,०००.०० | ११,४९५,०००.०० | १२,६४४,५००.०० | १३,९०८,९५०.०० | १५,२९९,८४५.०० | ५७,९९८,४५०.०० | | | | | | |
| ३ | माध्यमिक शिक्षा | ६५,९३५,०८०.०० | ५,९४०,०००.०० | ६,५३४,०००.०० | ७,१८७,४००.०० | ७,९०६,१४०.०० | ८,६९६,७५४.०० | ३२,९६७,५४०.०० | | | | | | |
| ४ | पाठ्यक्रम तथा मूल्यांकन | २,८०८,३४६.०० | २५३,०००.०० | २७८,३००.०० | ३०६,१३०.०० | ३३६,७४३.०० | ३७०,४१७.३० | १,४०४,१७३.०० | | | | | | |
| ५ | शिक्षक ब्यवस्थापन तथा विकास | १,४९६,६८१,८४६.४५ | १३४,८३३,९९३.८० | १४८,३१७,३९३.१८ | १६३,१४९,१३२.५० | १७९,४६४,०४५.७५ | १९७,४१०,४५०.३२ | ७४८,३४०,९२३.२३ | | | | | | |

| | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६ | अनौपचारिक शिक्षा तथा निरन्तर सिकाइ | ९,७६८,१६०.०० | ८८०,०००.०० | ९६८,०००.०० | १,०६४,८००.०० | १,१७१,२८०.०० | १,२८८,४०८.०० | ४,८८४,०८०.०० | | | | | | |
| ७ | प्राविधिक तथा व्यवसायिक  शिक्षा | ९८,७०२,७०५.३५ | ९,०७०,२७२.५० | ९,९७७,२९९.७५ | १०,९७५,०२९.७३ | १२,०७२,५३२.७० | १३,२७९,७८५.९७ | ४९,३५१,३५२.६७ | | | | | | |
| ८ | शिक्षासमावेशि तथा समता | २१,१७२,४८६.८० | १,९०७,४००.०० | २,०९८,१४०.०० | २,३०७,९५४.०० | २,५३८,७४९.४० | २,७९२,६२४.३४ | १०,५८६,२४३.४० | | | | | | |
| ९ | दिवा खाजा स्वास्थ्य सहित पोषण कार्यक्रम | ११७,९६२,७४२.२० | १०,६२७,१००.०० | ११,६८९,८१०.०० | १२,८५८,७९१.०० | १४,१४४,६७०.१० | १५,५५९,१३७.११ | ५८,९८१,३७१.१० | | | | | | |
| १० | जलवायु परिवर्तन तथा संकटपुर्ण अवस्थामा शिक्षा | ४,८८४,०८०.०० | ४४०,०००.०० | ४८४,०००.०० | ५३२,४००.०० | ५८५,६४०.०० | ६४४,२०४.०० | २,४४२,०४०.०० | | | | | | |
| ११ | विद्यालयको भौतिक पुर्वधार विकास | ९१,५७६,५००.०० | ८,२५०,०००.०० | ९,०७५,०००.०० | ९,९८२,५००.०० | १०,९८०,७५०.०० | १२,०७८,८२५.०० | ४५,७८८,२५०.०० | | | | | | |
| १२ | सुचना र प्रविधि | ८७,३२७,३५०.४० | ७,८६७,२००.०० | ८,६५३,९२०.०० | ९,५१९,३१२.०० | १०,४७१,२४३.२० | ११,५१८,३६७.५२ | ४३,६६३,६७५.२० | | | | | | |
| १३ | संस्थागत क्षमता विकास | ९,९५१,३१३.०० | ८९६,५००.०० | ९८६,१५०.०० | १,०८४,७६५.०० | १,१९३,२४१.५० | १,३१२,५६५.६५ | ४,९७५,६५६.५० | | | | | | |
| १४ | स्थानिय शिक्षा योजनाको कार्यानव्यनको प्रवन्ध | ३,६६३,०६०.०० | ३३०,०००.०० | ३६३,०००.०० | ३९९,३००.०० | ४३९,२३०.०० | ४८३,१५३.०० | १,८३१,५३०.०० | | | | | | |
| १५ | कार्यान्वयन अनुगमन तथा मुल्यांकन | २,८०८,३४६.०० | २५३,०००.०० | २७८,३००.०० | ३०६,१३०.०० | ३३६,७४३.०० | ३७०,४१७.३० | १,४०४,१७३.०० | | | | | | |
| **जम्मा** | | २,२६४,५४९,८३५.३२ | १९१,९९८,४६६.३० | २२०,७९८,२३६.२५ | २५३,९१७,९७१.६८ | २९२,००५,६६७.४३ | ३२१,२०६,२३४.१८ | १,१३२,२७४,९१७.६६ | | | | | | |
| १६ | सुशासन तथा व्यवस्थापन (कुल बजेटको २ प्रतिशत) | ४५,२९०,९९६.७१ | ३,८३९,९६९.३३ | ४,४१५,९६४.७२ | ५,०७८,३५९.४३ | ५,८४०,११३.३५ | ६,४२४,१२४.६८ | २२,६४५,४९८.३५ | | | | | | |
| **जम्मा** | | २,३०९,८४०,८३२.०३ | १९५,८३८,४३५.६३ | २२५,२१४,२००.९७ | २५८,९९६,३३१.१२ | २९७,८४५,७८०.७८ | ३२७,६३०,३५८.८६ | १,१५४,९२०,४१६.०१ | | | | | | |

# परिच्छेद ७ मुख्य उपलब्धी सुचकहरु

## ७.१मुख्य कार्यसम्पादन सुचकहरु

| मुख्य कार्यसम्पादन सुचक | | | |
|---|---|---|---|
| क्रस | **तह** | **सुचांक** | **आब २०७९** |
| १.१ | **प्रारम्भिक बालविकास** | प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षामा कूल भर्ना दर* (%) | ७८.९ |
| १.२ | | प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षामा खुद भर्ना दर* (%) | ६३.२ |
| १.३ | | न्यूनतम योग्यता पुरा भएका शिक्षकको प्रतिशत | ७८.९ |
| १.४ | | आधारभूत तालिम प्राप्त शिक्षकको प्रतिशत | १०० |
| १.५ | | प्रारम्भिक बालविकास र शिक्षाको अनुभव लिई कक्षा १ मा नयाँ भर्नाभएका बालबालिका* (%) | ८३.२ |
| २.१ | **आधारभुततह** | कक्षा १ मा नयाँ भर्ना भएका बालबालिकाको खुद प्रवेश दर (%) | ९६.४ |
| २.२ | | कक्षा १ मा नयाँ भर्ना भएका बालबालिकाको कूल प्रवेश दर (%) | ११५.१ |
| २.३ | | आधारभूत तह (प्राथमिक कक्षा १-५) मा खुद भर्ना दर* (%) | ९७ |
| २.४ | | आधारभूत तह (प्राथमिक कक्षा १-५) मा कूल भर्ना दर* (%) | ११५.१ |
| २.५ | | आधारभूत तह ९कक्षा ६-८) मा खुद भर्ना दर* (%) | ९८.२ |
| २.६ | | आधारभूत तह ९कक्षा ६-८) मा कूल भर्ना दर (%) | ११५.५ |
| २.७ | | आधारभूत तह ९कक्षा १-८) मा खुद भर्ना दर* (%) | ९७.६ |
| २.८ | | आधारभूत तह ९कक्षा १-८) मा कूल भर्ना दर (%) | ११५.३ |
| २.९ | | आधारभूत तह (कक्षा १-८) खुद भर्ना दरमा लैङ्गिक समता सूचक* | |
| २.१० | | आधारभूत तहको कक्षा ८ सम्मको टिकाउ दर* (%) | ८३.९ |
| २.११ | | आधारभूत तहको कक्षा १ मा भर्ना भई कक्षा ८ पूरा गर्ने दर*(%) | ७५.५ |
| २.१२ | | विद्यालय वाहिर रहेका बालबालिका कक्षा १-८ | |
| ३.१ | | माध्यमिक तह (कक्षा ९-१०) मा खुद भर्ना दर* (%) | ८४.९ |
| ३.२ | | माध्यमिक तह (कक्षा ९-१०) मा कूल भर्ना दर* (%) | ११२.८ |
| ३.३ | | माध्यमिक तह (कक्षा ११-१२) मा खुद भर्ना दर* (%) | ३२.३ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| ३.४ | **माध्यमिकतह** | माध्यमिक तह (कक्षा ११-१२) मा कूल भर्ना दर* (%) | ५५.५ |
| ३.५ | | माध्यमिक तह (कक्षा ९-१२) मा खुद भर्ना दर* (%) | ५८.६ |
| ३.६ | | माध्यमिक तह (कक्षा ९-१२) मा कूल भर्ना दर* (%) | ८४.१५ |
| ३.७ | | कक्षा १ मा भर्ना भएका बालबालिका मध्ये कक्षा १० मा पुग्ने टिकाउदर (%) | ५९.७ |
| | | कक्षा १ मा भर्ना भएका बालबालिका मध्ये कक्षा १० मा पूरा गर्ने दर*(%) | ५९.७ |
| ३.८ | | कक्षा १ माभर्ना भएका बालबालिका मध्ये कक्षा १२ मा पुग्ने टिकाउ दर (%) | |
| ३.९ | | कक्षा १-१२को खुद भर्ना दरमा लैङ्गिक समता सूचक* | |
| ४.१ | **अनौपचारिक शिक्षा तथा निरन्तर सिकाइ** | ५ बर्ष माथिको साक्षरता दर | |
| ४.२ | | ५-२४बर्षको साक्षरता दर | |
| ४.३ | | १५ बर्ष माथिको साक्षरता दर | |
| ५.१ | **महिला शिक्षक प्रतिशत** | आधारभूत तहकक्षा१-८) | |
| ५.२ | | माध्यमिकतह (कक्षा९-१२) | |
| ६.१ | **PMEC पुरा गरेका विद्यालयको प्रतिशत** | बालविकास | |
| ६.२ | | आधारभुत | |
| ६.३ | | माध्यमिक | |
| ७.० | **स्थानीय तहमा शिक्षाको बजेट प्रतिशत** | कूल बजेटकोशिक्षा क्षेत्रमा विनियोजित बजेट*(%) | |
| ८.१ | **छोड्नेदर** | आधारभूत तह (कक्षा१-८) | ३.५५ |
| ८.२ | | माध्यमिकतह (कक्षा ९-१०) | ५.४ |
| ९.१ | **दोर्याउनेदर** | आधारभूत तह (कक्षा १-८) | ७ |
| ९.२ | | माध्यमिकतह (कक्षा ९-१०) | ४.४ |
| १०.१ | **सिकाइ उपलब्धी दर** | कक्षा ८ मा ३.२ बाट ३.६ ग्रेड ल्याउने % | |
| १०.२ | | कक्षा ८ मा ३.६ बाट ४.० ग्रेड ल्याउने % | |
| १०.३ | | कक्षा SEE ३.२ बाट ३.६ ग्रेड ल्याउने % | |
| १०.४ | | कक्षा SEE ३.६ बाट ४.० ग्रेड ल्याउने % | |

## ७.२सक्षमताका सुचकहरु

| क्षेत्र | सुचक | लिंग | अवस्था२०७९ |
|---|---|---|---|
| आन्तरिक सक्षमता कक्षा १ बाट ५ | कक्षा ५ सम्मको टिकाउदर | छात्रा | ९१.९ |
| | | छात्र | ९९.३ |
| | | जम्मा | ९५.६ |
| | कक्षा ५ सम्मको पुरा गर्ने दर | छात्रा | ८९.० |
| | | छात्र | ९२.५ |
| | | जम्मा | ९०.८ |
| | Average no.of pupil-years invested per graduate in Lower basic level | छात्रा | ५.७ |
| | | छात्र | ५.९ |
| | | जम्मा | ५.८ |
| | कक्षा १ बाट ५ आन्तरिक सक्षमता | छात्रा | ८७.९ |
| | | छात्र | ८४.६ |
| | | जम्मा | ८६.२ |
| आन्तरिक सक्षमता कक्षा ६ बाट ८ | कक्षा ८ सम्मको टिकाउदर | छात्रा | ८३.८ |
| | | छात्र | ८४.० |
| | | जम्मा | ८३.९ |
| | कक्षा ८ सम्मको पुरा गर्ने दर | छात्रा | ७७.१ |
| | | छात्र | ७३.८ |
| | | जम्मा | ७५.५ |
| | Average no.of pupil-years invested per graduate in Lower basic level | छात्रा | १०.२ |
| | | छात्र | १०.६ |
| | | जम्मा | १०.३ |
| | कक्षा ६ बाट ८ आन्तरिक सक्षमता | छात्रा | ७८.३ |
| | | छात्र | ७५.४ |
| | | जम्मा | ७७.८ |
| आन्तरिक सक्षमता कक्षा ९ बाट १० | कक्षा १०सम्मको टिकाउदर | छात्रा | ६४.४ |
| | | छात्र | ५७.७ |
| | | जम्मा | ६१.१ |
| | कक्षा १० सम्मको पुरा गर्ने दर | छात्रा | ६३.३ |
| | | छात्र | ५६.१ |
| | | जम्मा | ५९.७ |
| | Average no.of pupil-years invested per graduate in Lower basic level | छात्रा | १३.१ |
| | | छात्र | १३.८ |
| | | जम्मा | १३.३ |
| | कक्षा ९ बाट १० आन्तरिक सक्षमता | छात्रा | ६०.९ |
| | | छात्र | ५७.८ |
| | | जम्मा | ५९.९ |

# अनुसूचिहरु

अनुसूची१ गाउँ शिक्षा समितिको विवरण

| क्र.सं. | नाम, थर | पद | सम्पर्क नं. |
|---|---|---|---|
| ०१ | श्री छविराम सुवेदी | अध्यक्ष | ९८४८२०८९१६ |
| ०२ | श्री दिपक हमाल | सदस्य | ९८६८३४०४२२ |
| ०३ | श्री लाल बहादुर चन्द | सदस्य | ९८५८०५५४४० |
| ०४ | श्री शिवकला बस्नेत | सदस्य | ९८६८९१०५७२ |
| ०५ | श्री नगेन्द्र सिंह | सदस्य | ९८१९५१९५०० |
| ०६ | श्री पवित्रा हमाल | सदस्य | ९८१९५७६२०८ |
| १० | श्री अनिशा थारु | सदस्य-सचिव | ९८४४८८५०५८ |

अनुसूची२ सामाजिक विकास समितिको विवरण

| क्र.सं. | नाम, थर | पद | सम्पर्क नं. |
|---|---|---|---|
| १ | श्री दिपक हमाल | संयोजक | ९८६८३४०४२२ |
| २ | श्री लाल बहादुर चन्द | सदस्य | ९८५८०५५४४० |
| ३ | शिवकला बस्नेत | सदस्य | ९८६८९१०५७२ |

अनुसूची३ शिक्षा क्षेत्रको योजना निर्माण समितिको विवरण

| क्र.सं. | नाम, थर | पद | सम्पर्क नं. |
|---|---|---|---|
| १ | श्री दिपक हमाल | संयोजक | ९८६८३४०४२२ |
| २ | विर बहादुर शाही चन्द | सदस्य | ९८१५५३५००२ |
| ३ | करिमा सुनार | सदस्य | ९८४८१३३४७८ |
| ४ | देवि सिंह शाही | सदस्य | ९८६८९३४४९० |
| ५ | नगेन्द्र सिंह | सदस्य | ९८१९५१९५०० |

| | | | |
|---|---|---|---|
| ६ | लाल बहादुर पुन | सदस्य | ९८४८२७७२११ |
| ७ | अनिशा थारु | सदस्य-सचिव | ९८४४८८५०५८ |

अनुसूची४ शिक्षा, युवा तथा खेलकुद शाखाका कर्मचारीको विवरण

| क्र.सं. | नाम, थर | पद | सम्पर्क नं. | इमेल |
|---|---|---|---|---|
| १ | अनिशा थारु | शिक्षा अधिकृत | ९८४४८८५०५८ | anishatharu2018@gmail.com |
| २ | देवेन्द्र बहादुर कठायत | प्राविधिक सहायक | ९८४८१४१२०८ | devendrakathayat783@gmail.com |

अनुसूची५ सामुदायिक विद्यालय तर्फ रहेको विद्यालयगत दरबन्दी संख्या

| **क्र.स.** | **विद्यालयको नाम** | **सञ्चालित कक्षा** | **शिक्षक दरबन्दी** | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | **स्वीकृत** | | | | **राहत** | | | |
| | | | प्रा.वि. | नि.मा.वि. | मा.वि. | उ.मा.वि. | प्रा.वि. | नि.मा.वि. | मा.वि. | उ.मा.वि. |
| १ | भैरव मा.वि.नौमूले - १ | १-१२ | ४ | ३ | ५ | २ | | १ | ० | ० |
| २ | अरनिको मा.वि. नौमूले - ८ | १-१२ | ३ | ३ | ३ | ० | ० | १ | १ | २ |
| ३ | शिवशक्तिमा.वि. नौमूले - ६ दैलेख | १-१० | ४ | ० | ० | ० | ० | ४ | ० | ० |
| ४ | तुल्सीमा.वि. नौमूले - २ दैलेख | १-१० | २ | ० | ० | ० | १ | ४ | ० | ० |
| ५ | कालिकामा.वि. बाङ्गे नौमूले - ४ दैलेख | १-१० | ३ | ० | ० | ० | ० | ३ | ० | |
| ६ | ने.रा.मा.वि.भाङघारी नौमूले -१ दैलेख | १-१० | ३ | | | | | २ | | |
| ७ | ने.रा.मा.वि.द्वारी नौमूले - ३ दैलेख | १-१० | ४ | | | | | १ | | |
| ८ | ने.रा.मा.वि.डाँडागाउँ पैती नौमूले - ७ दैलेख | १-१० | ३ | | | | १ | | | |
| ९ | ने.रा.मा.वि.आलेगाउँ नौमूले -२ दैलेख | १-१० | ३ | | | | १ | | | |
| १० | ने.रा.आ.वि.ठानडाँडा नौमूले - ८ दैलेख | १-८ | ४ | | | | २ | | | |
| ११ | लालिगुरासमा.वि. नौमूले -५ दैलेख | १-९ | ३ | | | | | | | |
| १२ | महेन्द्रआ.वि. चेप्टे टिमुरे नौमूले -४ दैलेख | १-८ | ३ | | | | | | | |

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १३ | महावै आ.वि. चम्लाय नौमूले-२ दैलेख | १–८ | ३ | | | | | | | |
| १४ | ने.रा.मा.वि. जैसीडाँडा नौमूले - ३ दैलेख | १–८ | २ | | | | | | | |
| १५ | बिरेन्द्रप्रा.वि. निरगा नौमूले - २ दैलेख | १–८ | ३ | | | | | | | |
| १६ | ऐश्वर्याप्रा.वि. भावसैनी नौमूले -२ दैलेख | १–८ | ३ | | | | | | | |
| १७ | ने.रा.प्रा.वि. तोली नौमूले -१ दैलेख | १–५ | | | | | | | | |
| १८ | भैरवनाथप्रा.वि. भित्रिखोला नौमूले - ५ दैलेख | १–५ | ३ | | | | | | | |
| १९ | गेता भैरबप्रा.वि. सालडाँडा नौमूले -५ दैलेख | १–५ | २ | | | | | | | |
| २० | भैरबप्रा.वि. सानो चम्लाय नौमूले - ३ दैलेख | १–५ | २ | | | | १ | | | |
| २१ | जगन्नाथप्रा.वि. राका सल्लेरी नौमूले- ७ दैलेख | १–५ | ३ | | | | | | | |
| २२ | ने.रा.प्रा.वि. लेकतोली नौमूले -१ दैलेख | १–५ | २ | | | | | | | |
| २३ | भवानी प्रा.वि. राइली नौमूले-१ दैलेख | १–५ | ३ | | | | | | | |
| २४ | सन्तोषि प्रा.वि. जडीखाना पैती नौमूले - ७ दैलेख | १–५ | २ | | | | १ | | | |
| २५ | जनज्योती प्रा.वि. अमलाचौर नौमूले - ८ दैलेख | १–५ | २ | | | | १ | | | |
| २६ | बुलबुलेप्रा.वि. भित्रिखोला नौमूले -३ दैलेख | १–५ | १ | | | | २ | | | |
| २७ | जगनाथ प्रा.वि. बाउँदे नौमूले- ८ दैलेख | १–५ | ३ | | | | १ | | | |
| २८ | शिव प्रा.वि.भरभरे नौमूले -२ दैलेख | १–५ | ३ | | | | | | | |
| २९ | बाल प्रा.वि.पोखरी डाँडा नौमूले-२ दैलेख | १–५ | २ | | | | १ | | | |
| ३० | कालिकाप्रा.वि. ढाडागाउँ नौमूले - ४ दैलेख | १–५ | १ | | | | १ | | | |
| ३१ | जनताप्रा.वि. माथिल्लो नाउली नौमूले-६ दैलेख | १–५ | १ | | | | १ | | | |
| ३२ | बराहप्रा.वि. भुतेदह नौमूले-४ दैलेख | १–५ | २ | | | | १ | | | |
| ३३ | भैरबस्थानप्रा.वि. माथिल्लो नाउली नौमूले-६ | १–५ | २ | | | | | | | |
| ३४ | सरस्वतीप्रा.वि. भाँडे नौमूले-३ दैलेख | १–५ | १ | | | | २ | | | |
| ३५ | ने.रा.प्रा.वि. औलतोली नौमूले-१ दैलेख | १–५ | ० | | | | ३ | | | |
| ३६ | खाडाप्रा.वि. खाडा नौमूले-८ दैलेख | १–५ | १ | | | | १ | | | |
| ३७ | चौताराप्रा.वि. भलायडाँडा नौमूले-६ दैलेख | १–३ | | | | | २ | | | |
| ३८ | जनकल्याणप्रा.वि. गोरुजुरे नौमूले-२ दैलेख | १–५ | | | | | २ | | | |
| ३९ | गोगनपानीप्रा.वि. गोगनपानी नौमूले-६ दैलेख | १–३ | | | | | १ | | | |
| ४० | जनजागृतीझरना प्रा.वि. छिहिरा नौमूले -३ दैलेख | १–३ | | | | | १ | | | |
| ४१ | गौतमबुद्धप्रा.वि. सानीमाखु नौमूले-८ दैलेख | १–३ | | | | | १ | | | |

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ४२ | बसन्तप्रा.वि. लाम्पाटा नौमूले८- दैलेख | १–३ | | | | | २ | | | |
| ४३ | फूलबारीप्रा.बि. नौलाथर नौमूले-५ दैलेख | १–३ | | | | | | | | |
| ४४ | बाल प्रा.वि.कोप्रेखोला नौमूले-३ दैलेख | १–३ | | | | | | | | |
| ४५ | जनता भगवतीप्रा.वि. द्वारी नौमूले-३ दैलेख | १–३ | | | | | | | | |
| ४६ | भैरबप्रा.वि. धनसार नौमूले -२ दैलेख | १–३ | | | | | | | | |
| ४७ | भैरब कृष्णप्रा.वि. तल्लो राइली नौमे-१ दैलेख | १–३ | | | | | | | | |
| ४८ | बलसितलप्रा.वि. उत्तिसैनी नौमूले-४ दैलेख | १–३ | | | | | | | | |
| ४९ | प्रगतिशील प्रा वि नौमफुस्रेडाडा नौमूले ४ | १–३ | | | | | | | | |

अनुसूची६ सामुदायिक तथा संस्थागत विद्यालयमा कार्यरत प्रधानाध्यापकहरुको विवरण

| क.स | विद्यालयको नाम र ठेगाना | प्र.अ.को नाम | सम्पर्क नम्बर | संचालित कक्षा |
|---|---|---|---|---|
| १ | श्री भैरव मा.वि.नौमुले गा.पा.१ दैलेख | नगेन्द्र बहादुर सिंह | ९८६६८९५३६२ | १-१२ |
| २ | श्री ने.रा.मा.वि.भाडघारी नौमुले गा.पा.१ दैलेख | श्री पदम प्रसाद जैसी | ९८४८२११७७२ | १-१० |
| ३ | श्री भवानी प्रा.वि.राईली नौमुले गा.पा.१ दैलेख | श्री ललित बहादुर मल्ल | ९८४८१२१५५९ | १-५ |
| ४ | श्री ने.रा.प्रा.वि.तोलि नौमुले गा.पा.१ दैलेख | श्री धन बहादुर बुढा | ९८४८१६२८१८ | १-६ |
| ५ | श्री ने.रा.प्रा.वि.लेखतोली नौमुले गा.पा.१ दैलेख | श्री प्रेमप्रसाद जैसी | ९८१२४१४२०८ | १-५ |
| ६ | श्री ने.रा.प्रा.वि.अवलतोली नौमुले गा.पा.१ दैलेख | श्री दत्तप्रसाद जैसी | ९८१२४१४२०८ | १-५ |
| ७ | श्री भैरव कृष्ण प्रा.वि.तल्लो राईली नौमुले गा.पा.१ दैलेख | श्री विषणु शाही | ९८४८०६६५०६ | १-३ |
| ८ | श्री तुल्सी मा.वि.नौफेरी नौमुले गा.पा.२ दैलेख | श्री शिवलाल जैसी | ९८१५५२५४५६ | १-१० |
| ९ | श्री ने.रा.आ.वि.आलेगाउँ नौमुले गा.पा.२ दैलेख | श्री अर्जुन प्रसाद शर्मा | ९८४८१९१६८२ | १-१० |
| १० | श्री महावै आ.वि.ठुलोचम्लाय नौमुले गा.पा.२ दैलेख | श्री पूर्ण बहादुर रावत | ९८६५३२४३६८ | १-८ |
| ११ | श्री ऐश्वर्य आ.वि.भावसैनी नौमुले गा.पा.२ दैलेख | श्री गगन ब.बुढा | ९८१६५६४७८९ | १-८ |
| १२ | श्री विरेन्द्र आ.वि.निरगा नौमुले गा.पा.२ दैलेख | श्री कमल ब.सिंह | ९८२५५६७१०४ | १-८ |
| १३ | श्री जनकल्याण प्रा.वि.गोरुजुरे नौमुले गा.पा.२ दैलेख | श्री गंगा कुमारी सिंह | ९८६९६५४९९३ | १-५ |
| १४ | श्री भैरव प्रा.वि.धनसार नौमुले गा.पा.२ दैलेख | श्री कमला शर्मा | ९८४१९०७२९३ | १-३ |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| १५ | श्री ने.रा.मा.वि.द्धारी नौमुले गा.पा.३ दैलेख | श्री गंगाराम सापकोटा | ९८२२४२५४८० | १-१० |
| १६ | श्री भैरव प्रा.वि.सानो चम्लाय नौमुले गा.पा.३ दैलेख | श्री टंकमाया वि.क | ९८१४५९५०५३ | १-५ |
| १७ | श्री सरस्वती प्रा.वि.भाँडे नौमुले गा.पा.३ दैलेख | श्री जंग बहादुर शाही | ९८६८०७१८३३ | १-५ |
| १८ | श्री जनता प्रा.वि.सम्मेनी नौमुले गा.पा.३ दैलेख | श्री हरि ब.खत्री | ९८२२५८३८७४ | १-५ |
| १९ | श्री बाल प्रा.वि.कोप्रेखोला नौमुले गा.पा.३ दैलेख | श्री खड्क ब.रोकाय | ९८४४८८०५६५ | १-३ |
| २० | श्री बुलबुले भित्रिखोला नौमुले गा.पा.३ दैलेख | श्री गंगा कोइराला | ९८२६५१९५५१ | १-५ |
| २१ | श्री ने.रा.आ.वि.जैसीडाँडा नौमुले गा.पा.३ दैलेख | श्री निसा खनाल | ९८१६५७६६३० | १-८ |
| २२ | श्री बाल प्रा.वि.पोखरी डाँडा नौमुले गा.पा.३ दैलेख | श्री याम प्रसाद शर्मा | ९८१५५३२४३८ | १-५ |
| २३ | श्री जनजागृती प्रा.वि. छिहिरा नौमुले गा.पा.३ दैलेख | श्री हरिचन्द्र रोकाया | ९८००५७९६४५ | १-३ |
| २४ | श्री कालिका मा.वि.बाङ्गे नौमुले गा.पा.४ दैलेख | श्री मणि रुपाखेती | ९८१६५४३४१५ | १-१० |
| २५ | श्री महेन्द्र आ.वि.चेप्टे नौमुले गा.पा.४ दैलेख | श्री दल ब.पुन | ९८५००३१०३८ | १-८ |
| २६ | श्री बराह प्रा.वि.भुतेदह नौमुले गा.पा.४ दैलेख | श्री पवित्रा हमाल | ९८१९५७६२०८ | १-५ |
| २७ | श्री शिव प्रा.वि.भरभरे नौमुले गा.पा.४ दैलेख | श्री पदम बहादुर सिंह | ९७४८८६१००२ | १-५ |
| २८ | श्री कालिका प्रा.वि.ढाडागाउँ नौमुले गा.पा.४ दैलेख | श्री निस्मा रेगामी | ९८१६५७६६३० | १-५ |
| २९ | श्री बलशितल प्रा.वि.उत्तिसेनी नौमुले गा.पा.४ दैलेख | श्री प्रेम ब.दलार्मी | ९८२५५०८४५६ | १-३ |
| ३० | श्री लालिगुराँस आ.वि.नौगाउँ नौमुले गा.पा.५ दैलेख | श्री इन्द्र ब.सलामी | ९८०४५५२०४० | १-१० |
| ३१ | श्री भैरवनाथ प्रा.वि. भित्रिखोला नौमुले गा.पा.५ दैलेख | श्री शेर बहादुर थापा | ९८४८१११९४४ | १-५ |
| ३२ | श्री गेताभैरव प्रा.वि.सालडाँडा नौमुले गा.पा.५ दैलेख | श्री लाल बहादुर पुन | ९८४८२७७२११ | १-६ |
| ३३ | श्री फुलबारी प्रा.वि.नौलाथर नौमुले गा.पा.५ दैलेख | श्री विपना सलामी | ९८१९५९१८४१ | १-३ |
| ३४ | श्री शिवशक्ति मा.वि.सल्लेरी नौमुले गा.पा.६ दैलेख | श्री मान ब.राउत | ९८४८१६४३९९ | १-१० |
| ३५ | श्री जनता प्रा.वि.माथिल्लो नाउली नौमुले गा.पा.६ दैलेख | श्री जंग ब.गुरुङ्ग | ९८१५५६६२१९ | १-५ |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ३६ | श्री भैरवस्थान प्रा.वि. तल्लो नाउली नौमुले गा.पा.६ | श्री रेशम राना | ९८१२५५१४३२ | १-५ |
| ३७ | श्री गोगनपानी प्रा.वि. सल्लेरी नौमुले गा.पा. ६ दैलेख | पवि गुरुङ्ग | ९८१६५४४२५१ | १-३ |
| ३८ | श्री चौतारा प्रा.वि.भलायडाँडा नौमुले गा.पा.६ दैलेख | श्री झरना कु. रोकाय | ९८१४४६५१९५ | १-५ |
| ३९ | श्री ने.रा.मा.वि.डाँडागाउँ पैति नौमुले गा.पा.७ दैलेख | श्री दिप ब.चन्द | ९८२२५२३५१५ | १-१० |
| ४० | श्री जगनाथ प्रा.वि.राँका नौमुले गा.पा.७ दैलेख | श्री कर्ण ब.चन्द | ९८६८७१५६६८ | १-५ |
| ४१ | श्री सन्तोषी प्रा.वि.जरिखाना नौमुले गा.पा.७ दैलेख | श्री यामुना सुबेदी | ९८१९५२०९५१ | १-३ |
| ४२ | श्री अरनिको मा.वि.गिरखानी नौमुले गा.पा.८ दैलेख | श्री प्ररदीप खड्का | ९८४४८४२७२१ | १-१२ |
| ४३ | श्री ने.रा.आ.वि.ठानडाँडा नौमुले गा.पा.८ दैलेख | श्री टोप ब.चन्द | ९८१२५०५८०९ | १-१० |
| ४४ | श्री जगनाथ प्रा.वि.बाउदे नौमुले गा.पा.८ दैलेख | श्री प्रेम ब.खनाल | ९७४८०२०८९७ | १-५ |
| ४५ | श्री बसन्त प्रा.वि.लाम्पटा नौमुले गा.पा.८ दैलेख | श्री प्रकाश चन्द | ९८००५५५१६८ | १-३ |
| ४६ | श्री जनज्योति प्रा.वि. अम्लायचौर नौमुले गा.पा.८ दैलेख | श्री कमल अधिकारी | ९८१२४६०७२२ | १-५ |
| ४७ | श्री खाडा प्रा.वि.चौराठा नौमुले गा.पा.८ दैलेख | श्री बालकृष्ण शर्मा | ९८२२५४५८१५ | १-५ |
| ४८ | श्री गौतम बुद्ध प्रा.वि.सानीमाखु नौमुले गा.पा.८ दैलेख | श्री टिका राना मगर | ९८०४५५७२१५७ | १-३ |
| ४९ | श्री प्रगतिशील प्रा वि फुस्रेडाँडा | श्री सुन्दर बुढा मगर | ९८२२४७२८७३ | १-३ |

## संस्थागत

| क्र.सं. | विद्यालयकोनाम | ठेगाना | कक्षा | प्रअकोनाम | प्रअको फोन नं |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | श्री पाईनियर भिजन भिजन एकेडेमी | नौमूले गा पा १ | १-८ | प्रदिप अधिकारी | ९८४५६२०२५२ |
| 2 | श्री हिमशिखर विद्यामन्दिर | नौमूले गा पा १ | १-५ | तारा शाही | ९८१४५५९६२६४ |
| 3 | श्री लिटिल एन्जल्स बोर्डिङ स्कुल | नौमूले गा पा १ | १-५ | पुष्पा के.सि. | ९८२८७६७५४६ |

**अनुसूची७ शैक्षिक गुणस्तर सुधार**

**गाउँपालिकाको भूमिका तथा जिम्मेवारी**

१. नीति निर्माण गर्ने।
२. स्रोत साधनको व्यवस्थापन गर्ने।
३. अनुगमन, मूल्याङ्गन, निर्देशन, नियन्त्रण गर्ने।
४. पुरस्कार तथा दण्डको कार्यान्वयन गर्ने।
५. अपूग जनशक्तिको व्यवस्थापन गर्ने।
६. आवश्यक्ता अनुसार घुम्ती विद्यालय, स्कुल भ्यान तथा सामुदायिक आवासीयविद्यालयको संचालन गरी विद्यालय संख्या तथा शिक्षक दरबन्दी थप घट गर्ने।
७. प्रधानाध्यापक सँग कार्य सम्पादन सम्झोता गर्न सूचक तयार गरी लागू गर्ने गराउने।
८. शैक्षिक क्यालेण्डर निर्माण गरी लागू गर्ने।
९. सरोकारवालाहरुसँग अर्धबार्षिक रुपमा समीक्षा गर्ने।
१०. विपन्न तथा जेहेन्दार विद्यार्थीको लागि छात्रवृत्ति व्यवस्थापन गर्ने।
११. गाउँपालिका क्षेत्र भित्रका सबै विद्यालयहरुमा थप विषयको पठनपाठनको लागि - विद्यालयकोआन्तरिक श्रोतबाट शिक्षक राख्को लागि विद्यालयले लिन सक्ने शुल्कको निर्धारण गरीदिने।
१२. विद्यालयको शिक्षण सिकाई तथा व्यवस्थापन सूचना प्रविधि मेत्री बनाउन आवश्यक सहयोग गर्ने।
१३. आवस्यक्ताको आधारमा शिक्षक कर्मचारीहरुको आवश्यक व्यवस्था गर्ने।
१४. सगरमाथा टिन्स कल्ब तथा बाल कल्वहरुलाई प्रभावकारी बनाउने।
१५. प्रधानाध्यापक लाई प्रोत्साहन भक्ता सहित कार्यसम्पादन सम्झौता गरी बिषेश जिम्मेवार तथाजवाफदेही बनाउने।
१६. प्रत्येक वडामा अभिभावक सँग शैक्षिक गुणस्तर सम्बन्धमा अन्तरक्रिया गर्ने।
१७. स्थानीय पाठ्यकम तर्जुमा गरी लागू गर्ने।
१८. आवस्यक्ता अनुसार शैक्षिक परामर्श समिति गठन गर्ने।
१९. विद्यालयको भौतिक व्यवस्थापनमा आवश्यक सहयोग गर्ने।
२०. शौक्षिक जनशक्ति व्यवस्थापनमा क्षमता विकास तालिम, गोष्ठी संचालन गर्ने।
२१. फरक क्षमताका बालबालिका र विद्यार्थीको आवश्यक व्यवस्थापन गर्ने।
२२. संस्थागत विद्यालयको उचित व्यवस्थापन गर्ने।
२३. विद्यालयको जोनिङ्ग र नक्शाङ्कन स्वतन्त्र र वस्तुगत आधारमा गर्ने।
२४. गाउँपालिका स्तरीय एक सामुदायिकपुस्तकालय स्थापना गर्ने।
२५. बालमैत्री पूर्वाधार, कक्षाकोठा, शौचालय, खेलमैदान, कम्पाउण्डनिर्माण गर्ने गराउने।
२६. प्रत्येक तहका बिद्यालयहरुको बार्षिक नतिजा विश्लेषण कम्तिमा एक पटक रार्ने गराउने।
२७. संघ, प्रदेश, स्थानीय सरकार र अन्य सरोकारवालासँग आवश्यक समन्वय गर्ने।
२८. कानुनले निर्दिष्ट गरेका आवश्यक अन्य काम गर्ने।

**राजनितिक दलको भूमिका तथा जिम्मेवारी**

१. विद्यालय शान्ति क्षेत्र कार्यान्वयनका लागि आवश्यक सहयोग गर्ने।
२. शैक्षिक गुणस्तर सुधारमा जिम्मेवारपूर्ण भूमिका निर्वाह गर्ने।
३. नीति निर्माण तथा कार्यान्वयन गर्न आवश्यक सहयोग गर्ने।
४. शिक्षाको पहुँच भन्दा बाहिर रहेका बाल बालिकाहरुलाई विद्यालय जाने वतावरण तयार गर्ने।
५. अन्य आवश्यक सहयोग गर्ने .

**शिक्षाप्रेमी, समाजसेवी र संघ संस्थाहरुको भूमिका तथा जिम्मेवारी**

१. सामाजिक भावना विकासको लागि चेतनामूलक तालिम गोष्ठी आदि कार्यक्रमको संचालन गर्ने।
२. आर्थिक, भौतिक, सामाजिक सहयोग गर्ने।
३. नीति निर्माण र कार्यान्वयनमा सहयोग गर्ने।
४. बौद्धिक क्षमता तथा अनुभवलाई समेटी सम्बन्धित सरोकारवाला क्षेत्रमा पृष्पोषण दिने।
५. शिक्षा क्षेत्रमा देखा पर्ने विकृती विसंगतिहरुलाई पहिचान गरी सरोकारवाला समक्ष सूसुचित गर्ने।
६. शिक्षाको पहुँच भन्दा बाहिर रहेका बाल बालिकाहरुलाई विद्यालय जाने वतावरण तयार गर्ने।
७. अन्य आवश्यक सहयोग गर्ने।

**विद्यालय व्यवस्थापन समिति भूमिका तथा जिम्मेवारी**

१. विद्यालयको अभिभावकत्व ग्रहण गर्ने।
२. विद्यालयको नियमित अनुगमन गर्ने।
३. नियमित मासिक बैठक गर्ने।
४. शैक्षिक गुणस्तर सम्बन्धमा त्रैमाषिक अन्तर्रक्रिया तथा समीक्षा गर्ने।
५. स्रोतसाधनको व्यवस्थापनमा आवश्यक पहल गर्ने।
६. प्रशिक्षक, विद्यार्थी र अभिभावकको अन्तरसम्बन्ध स्थापनाको लागि सहयोग गर्ने।
७. सरकार, जनप्रतिनिधि तथा अन्य सरोकारवाला कार्यालय संघ संस्था सँग समन्वय गर्ने।
८. जनशक्ति व्यवस्थापन गर्ने।
९. गुणस्तरीय शैक्षिक वातावरण निर्माणको लागि प्रमुख भूमिका निर्वाह गर्ने।
१०.शैक्षिक योजना तर्जुमामा सहयोग गर्ने।
११.समस्या पहिचान गरी समाधानको पहल गर्ने।
१२.अक्षयकोषको स्थापनाको पहल गरने।
१३.शैक्षिक गुणस्तरका लागि सहयोग जुटाउन आवश्यक पहल गर्ने।
१४.अन्य आवश्यक सहयोग गर्ने।

**शिक्षक महासंघको भूमिका तथा जिम्मेवारी**

१. नीति निर्माण तथा कार्यान्वयनमा सहमोग गर्ने।
२. गुणस्तरीय शिक्षाको लागि उदाहरणीय अनुकरणीय योगदान गर्ने /।
३. सबै सरोकारवालाहरुबीच सेतुको काम गर्ने।
४. शिक्षक, कर्मचारी तथा शैक्षिक समस्या समाधानका लागि सहयोग गर्ने।
५. अन्य आवश्यक सहयोग गर्ने।

**प्रधानाध्यापकको भूमिका तथा जिम्मेवारी**

१. कुशल नेतृत्व तथा व्यवस्थापकको भूमिका निर्वाह गर्ने।
२. विद्यालयको शैक्षणिक योजना निर्माण तथा कार्यान्वयन गर्ने गराउने।
३. आर्थिक योजना तर्जुमा, अनुशासन, पारदर्शीता कायम गर्ने गराउने।
४. विद्यालयको भौतिक सम्पतिको अभिलेखीकरण गरी संरक्षण गर्ने गराउने।
५. कार्यसम्पादन सम्झौता अनुरुपका शैक्षिक गुणस्तर सम्बन्धी कार्य गर्ने गराउने।
६. शिक्षक, कर्मचारी र विद्यार्थीमा अनुशासन कायम गराउने तथा समन्वय गर्ने गराउने।
७. विभिन्नसरोकारवालाहरु सँग समन्वय गर्ने।
८. सम्बन्धित पदले गर्ने भनि विभिन्न ऐन कानुनमा उल्लेखित कार्य गर्ने गराउने।
९. निक्षक तथा कर्मचारीहरुलाई पुरस्कार रदण्डको लागि मूल्याङ्घन गरी सिफारिस गर्ने।
१०. विद्यालय हाता र कक्षा कोठामा अनावश्यक मोवाईल प्रयोगमा नियन्त्रण गर्ने गराउने।
११. शुक्रवार अतिरिक्त क्रियाकलाप गरने अथवा पूर्ण कक्षा संचालन गर्ने।
१२. मासिक रुपमा अनिवार्य स्टाफ बैठक बस्ने।
१३. सबै विद्यार्थीलाई उपस्थिति, प्रगति विवरण, शुल्क र कार्य बिबरण पुस्तिकाको व्यवस्था गर्ने।
१४. अन्य आवश्यक कार्य गर्ने।

**शिक्षकको भूमिका तथा जिम्मेवारी**

१. पाठयोजना अनुसार विद्यार्थी केन्द्रित शिक्षण गर्ने।
२. समयको पूर्ण पालना गर्ने।
३. समयानुकूल प्रविधिको प्रयोग तथा शैक्षिक सामाग्री को प्रयोग गरी शिक्षण गर्ने।
४. पेशाप्रति सम्मान हने गरी बफादार भई कार्य गर्ने।
५. प्र.अ., आफ्नो विषय र जिम्मेवारी प्रति उत्तरदायी हुने।
६. बहुप्रतिभा सहितको सृजनात्मकतालाई अधिकतम् प्रयोग गर्ने।
७. आदर्श शिक्षकको भूमिका निर्वाह गर्ने।
८. विद्यार्थी र अभिभावक बिचको सेतुको काम गर्ने।
९. अनुशासन कारयम गर्ने आवश्यक भूमिका न्विाह गर्ने।
१०.ऐन तथा नियमावली तथा कानुनमा तोकिएको कार्य गर्ने गराउने।
११.अन्य आवश्यक कार्य गर्ने।

**विद्यार्थीको भूमिका तथा जिम्मेवारी**

१. विद्यालयमा नियमित, समयमा र समयसम्म अनिवार्य उपस्थित हुने।
२. प्रत्येक कक्षामा बसी कक्षाकार्य, परियोजनाकार्य र गृहकार्य अनिवार्य गर्ने।
३. पोशाक र परिचय पत्र अनिवार्य लगाउने।

४. अनुशासन र आचारसंहिता पालना गर्ने।
५. अतिरिक्त क्रियाकलापमा अनिवार्य सहभागी जनाउने।
६. बाल कल्ब गठन गरी बालक देखि बालक सम्भको(Child to child) र बाल अधिकारकाकार्यक्रम संचालन गर्ने।

**अभिभावकको भूमिका तथा जिम्मेवारी**

१. बालवालिकाहरुलाई नियमित, समयमा र समयसम्म विद्यालय पठाउने गर्ने।
२. आावश्यक शैक्षिक सामाग्रीको प्रवन्ध गर्ने।
३. दिवा खाजाको व्यवस्था गर्ने।
४. घरमा पढ्ने वातावरणकोसृजना गर्ने।
५. समय समयमा बिद्यालयामा गई शैक्षिक अवस्थाको प्रतथा विद्यालय शिक्षक सग अन्तरकृया .अ. गर्ने।
६. अभिभावक बैठक, भेला र गोष्ठीमा अनिवार्य सहभागीता जनाउने।
७. बालवालिकालाई लागू पदार्थ, कूलत र दुर्व्यसनको निगरानी गर्ने।
८. वालवालिकालाई मोवाईलको सहि सदुपयोग गर्न सचेत गराउने।
९. विद्यालयको शैक्षिक भौतिक वातावरण निर्माणमा सहयोग पुर्याउने।

## महत्वपूर्ण लिंकहरु

| | |
|---|---|
| शिक्षा विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्रालय | http://www.moe.gov.np |
| शिक्षा तथा मानव श्रोत विकास केन्द्र | https://www.doe.gov.np |
| पाठ्यक्रम विकास केन्द्र | https://www.moecdc.gov.np |
| विद्यालय शिक्षक किताबखाना | http://www.stro.gov.np/ne |
| परीक्षा नियन्त्रण कार्यालय, सानोठिमी, भक्तपुर | http://www.neb.gov.np |
| शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइ, दैलेख | https://www.doe.gov.np |
| नौमूले गाउँपालिका | https://naumulemun.gov.np |

## सन्दर्भ सामग्रीहरु


- विद्यालय शिक्षाका लागि राष्ट्रिय पाठ्यक्रम प्रारुप, (२०६३), पाठ्यक्रम विकास केन्द्र भक्तपुर
- विद्यालय शिक्षाका लागि स्थानीय पाठ्यक्रम प्रारुप, (२०७१), पाठ्यक्रम विकास केन्द्र भक्तपुर

- विद्यालय शिक्षाका राष्ट्रिय पाठ्यक्रम प्रारुप, (२०७६), पाठ्यक्रम विकास केन्द्र भक्तपुर
- स्थानीय पाठ्यक्रम विकास तथा कार्यान्वयन मार्गदर्शन, (२०७६), पाठ्यक्रम विकास केन्द्र भक्तपुर
- आधारभूत शिक्षा पाठ्यक्रम, (२०६९), पाठ्यक्रम विकास केन्द्र भक्तपुर
- आधारभूत तह -१कक्षा )३ पाठ्यक्रम (, (२०७६), पाठ्यक्रम विकास केन्द्र भक्तपुर
- शैक्षिक स्मारिका (२०७५), शिक्षा तथा मानव स्रोत विकास केन्द्र भक्तपुर
- शैक्षिक स्मारिका (२०७६), शिक्षा तथा मानव स्रोत विकास केन्द्र भक्तपुर
- शैक्षिक स्मारिका (२०७७), शिक्षा तथा मानव स्रोत विकास केन्द्र भक्तपुर
- नेपालको संविधान (२०७२), कानून किताव खाना काठमाडौँ
- शिक्षा सम्बन्धी ऐन नियम तथा राष्ट्रिय शिक्षा नीति (२०७६), कानून किताव खाना काठमाडौँ
- आर्थिक सर्वेक्षण (२०७७), अर्थ मन्त्रालय
- पन्ध्रौँ योजनाको आधारपत्र, सोपान मासिक डिल्लीबजार
- स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन (२०७४), कानून किताव खाना काठमाडौँ
- प्रधानाध्यापक नेतृत्व क्षमता विकास तालिम (२०७४), शैक्षिक जनशक्ति विकास केन्द्र भक्तपुर
- माध्यमिक शिक्षा पाठ्यक्रम २०७१, पाठ्यक्रम विकास केन्द्र भक्तपुर
- शिक्षा विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्रालय आबद्ध विभिन्न वेभसाइटहरु
- विभिन्न बुलेटिन, पत्रपत्रिका, नीति, निर्देशिका तथा पछिल्ला शैक्षिक तथ्याङ्क
- शिक्षा क्षेत्रको योजना २०७७ **DRAFT,** शिक्षा विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्रालय
- स्थानीय तहको शिक्षा योजना निर्माणसम्बन्धी मार्गदर्शन, २०७८, शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्रालय शिक्षा तथा मानवस्रोत विकास केन्द्र,सानोठिमी, भक्तपुर

# योजना निर्माणका केहि झलकहरु